भोट विद्या संस्थानम्

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2021-2022

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान

Central Institute of Higher Tibetan Studies

(Deemed University)

SARNATH, VARANASI-221007

www.cihts.ac.in

विषय-सूची

परिच्छेद पृष्ठ संख्या

परिच्छेद	पृष्ठ संख्या
1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय	3
2. संकाय	10
3. शोध विभाग	54
4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय	78
5. प्रशासन	90
6. गतिविधियाँ	101

परिशिष्ट

1. संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची	134
2. सोसायटी के सदस्यों की सूची	136
3. प्रबन्ध परिषद् के सदस्यों की सूची	138
4. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची	139
5. वित्त समिति के सदस्यों की सूची	142
6. योजना एवं प्रबोधक परिषद के सदस्यों की सूची	143
7. प्रकाशन समिति के सदस्यों की सूची	144

सम्पादन समिति

अध्यक्ष :

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी
प्रोफेसर
शब्दविद्या सङ्काय प्रमुख
अध्यक्ष, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

सदस्य :

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग
सहायक प्रोफेसर, तिब्बती
तिब्बती विभाग

डॉ. अनुराग त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. ज्योति सिंह
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

डॉ. जस्मित गिल
अतिथि प्राध्यापक, अंग्रेजी
प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

सुश्री पी. सुस्मिता वात्स्यायन
अतिथि प्राध्यापक, अंग्रेजी
शिक्षक शिक्षण केन्द्र विभाग

श्री लोब्संग वाङ्दू
व्यावसायिक सहायक
शान्तरक्षित ग्रन्थालय

सदस्य सचिव :

श्री एम.एल. सिंह
वरिष्ठ सहायक
(प्रशासन अनुभाग प्रथम)

1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय

तिब्बती तथा सीमान्त हिमालय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू तथा परम पावन 14वें दलाई लामा के पवित्र प्रयासों से सन् 1967 में स्थापित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान एक अद्वितीय सुप्रतिष्ठित संस्थान है।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संघटक विभाग के रूप में शुभारम्भ करके सन् 1977 में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान नाम के साथ, संस्थान ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त किया।

दिनांक 5 अप्रैल, 1988 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा धारा 3 के अन्तर्गत की गई अनुशंसा के आधार पर भारत सरकार ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की अद्वितीय कार्यपद्धति तथा उपलब्धियों के आधार पर संस्थान को मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया।

प्रो. समदोंग रिनपोछे, पूर्व निदेशक एवं भूतपूर्व कालोन ठ्रिपा, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सन् 2000 तक संस्थान प्रगति पथ पर अग्रसर रहा।

इस समय यह संस्थान, प्रो. गेशे ङवङ् समतेन, कुलपति के कुशल नेतृत्व तथा संकायों के विद्वान् सदस्यों के समर्पित सहयोग से, पूर्ण कुशलता के साथ, भोट अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा हिमालयी अध्ययन के क्षेत्र में अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत अग्रसर है।

निर्धारित विषयों के अध्ययन-अध्यापन के साथ यह संस्थान अपने शोध विद्यार्थियों एवं देश-विदेश से आने वाले शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। इस सन्दर्भ में यह संस्थान बौद्ध एवं बौद्धेतर भारतीय दार्शनिक विचारधाराओं, बौद्ध एवं पाश्चात्य दार्शनिक विचारधाराओं तथा बौद्ध दार्शनिकों एवं वैज्ञानिकों के मध्य विचार विनिमय एवं संवाद के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

इसे मान्यता देते हुए संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ पूरे विश्व के संगठनों के साथ सहयोग और विनिमय कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

उद्देश्य एवं योजनाएँ

भारत सरकार तथा परम पावन दलाई लामा जी द्वारा स्थापित संस्थान की परिकल्पना एवं लक्ष्य को संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्यों में समाहित किया गया है, जिनकी सतत पूर्ति हेतु संस्थान पिछले चार दशकों से प्रयासरत है।

- तिब्बती संस्कृति एवं परम्पराओं का संरक्षण।
- ऐसे भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं साहित्य का पुनरुद्धार, जो मूल भाषा में समाप्त हो चुके हैं, परन्तु तिब्बती भाषा में उपलब्ध हैं।
- ऐसे सीमान्त भारतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना, जो पूर्व में इस तरह की उच्च शिक्षा तिब्बत जाकर प्राप्त करते थे।
- आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक विषयों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान करना तथा तिब्बती अध्ययन के क्षेत्र में उपाधियाँ प्रदान करना है।

- बौद्ध दर्शन और तिब्बती अध्ययन की शिक्षा प्रदान करना एवं इसके माध्यम से व्यक्तित्व में नैतिक मूल्यों का विकास करना।

संस्थान के उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था को निम्नानुसार संगठित किया गया है।

(1) शैक्षणिक

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

(i) मूलशास्त्र विभाग

(ii) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

(iii) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

(ख) शब्द विद्या संकाय

(i) संस्कृत विभाग

(ii) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

(iii) प्राचीन एवं आधुनिक भाषा विभाग

(iv) शिक्षाशास्त्र विभाग

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

(i) समाजशास्त्र विभाग

(घ) शिल्प विद्या संकाय

(i) तिब्बती काष्ठकला विभाग

(ii) तिब्बती चित्रकला विभाग

(ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

(i) सोवा रिग्-पा विभाग

(ii) भोट ज्योतिष विभाग

(2) शोध विभाग

(क) पुनरुद्धार विभाग

(ख) अनुवाद विभाग

(ग) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

(घ) कोश विभाग

(ङ) तिब्बती साहित्य केन्द्र

(3) शान्तरक्षित ग्रन्थालय

(क) अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

(ख) सामयिकी, पत्र-पत्रिका, इनफ्लिबनेट एवं सन्दर्भ अनुभाग

(ग) तिब्बती अनुभाग

(घ) आदान-प्रदान अनुभाग

(ङ) संचयागार अनुभाग

(च) मल्टीमीडिया अनुभाग

(छ) कम्प्यूटर अनुभाग

(ज) भण्डार एवं अनुरक्षण अनुभाग

(4) प्रशासन

(क) प्रशासन अनुभाग-1

(ख) प्रशासन अनुभाग-2

(ग) परीक्षा अनुभाग

(घ) सम्पत्ति अनुभाग

(ङ) वित्त अनुभाग

(च) प्रकाशन अनुभाग

उपर्युक्त शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों की संगठनात्मक रूपरेखा निम्नलिखित प्रकार से की गयी है—

संस्थान की संगठनात्मक रूपरेखा

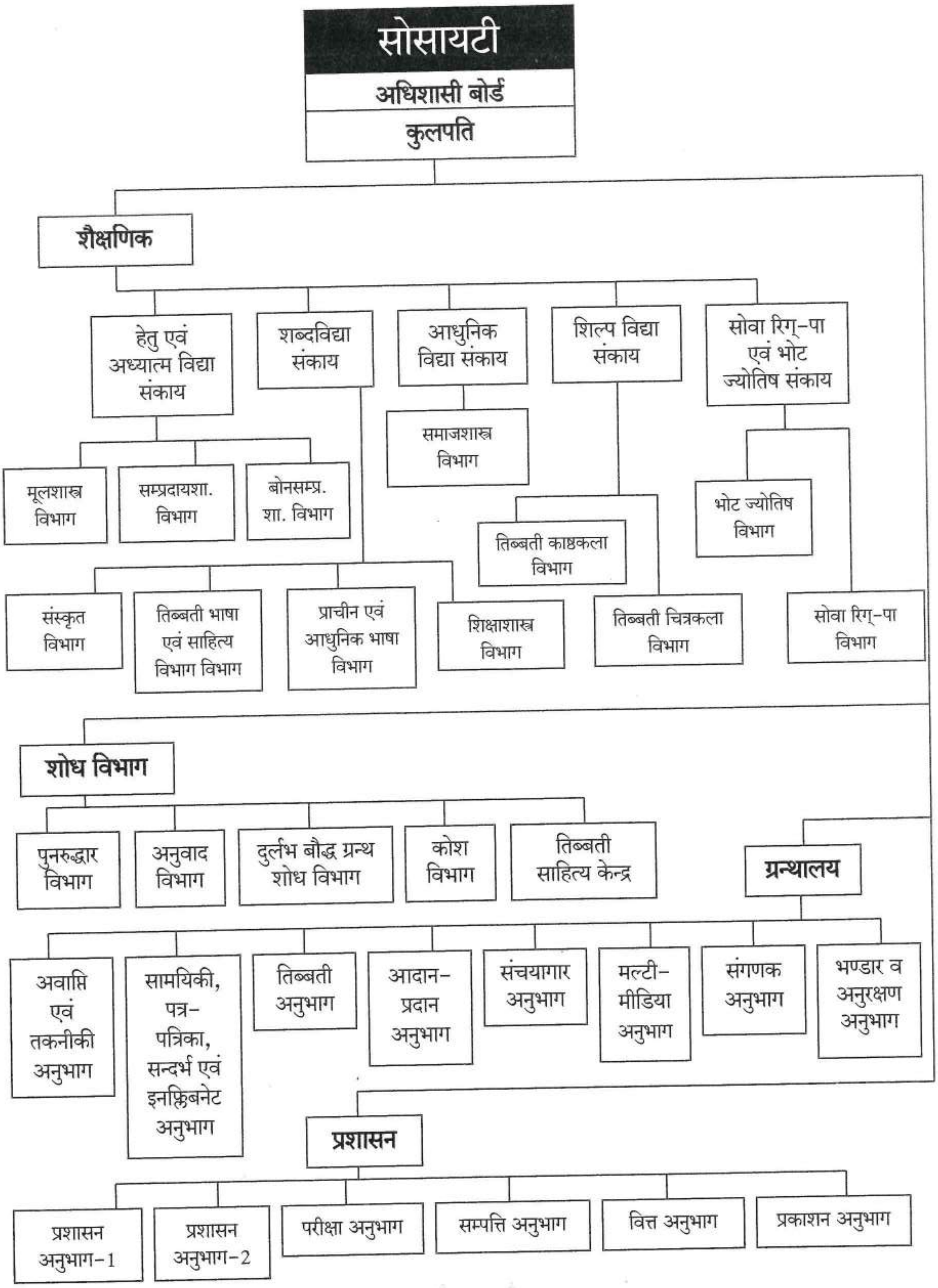

शैक्षणिक : पंजीकरण/ नामांकन एवं परीक्षा 2021-22

संस्थान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामाङ्कित किए जाते हैं। वर्ष 2021-22 का परीक्षा फल निम्नाङ्कित तालिका में प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रथम अधिसत्र (जुलाई 2021 से दिसम्बर 2021)

परीक्षा का नाम	कुल नामांकित छात्र	अनुपस्थित छात्रों की संख्या	उपस्थित छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
पू.म.,प्रथम वर्ष	44	----	44	----	44
पू.म., द्वितीय वर्ष	30	----	30	----	30
उ.म., प्रथम वर्ष	40	----	40	03	37
उ.म., द्वितीय वर्ष	40	----	40	----	40
शास्त्री, प्रथम वर्ष	24	01	23	----	23
शास्त्री, द्वितीय वर्ष	29	----	29	----	29
शास्त्री, तृतीय वर्ष	29	03	26	----	26
आचार्य, प्रथम (बी.पी.)	15	02	13	01	12
आचार्य, प्रथम (टी.एल.)	03	----	03	----	03
आचार्य, प्रथम (टी.एच.)	03	----	03	----	03
आचार्य, द्वितीय (बी.पी.)	08	----	08	----	08
आचार्य, द्वितीय (टी.एल.)	08	----	08	----	08
आचार्य, द्वितीय (टी.एच.)	02	----	02	----	02
फाइन आर्ट्स, उ.म. प्रथम	04	----	04	----	04
फाइन आर्ट्स, उ.म. द्वितीय	01	----	01	----	01
बी.फाइन आर्ट्स प्रथम	03	----	03	----	03
बी.फाइन आर्ट्स द्वितीय	09	----	09	----	09
बी.फाइन आर्ट्स तृतीय	02	----	02	----	02
एम.एफ.ए. प्रथम	02	----	02	----	02
एम.एफ.ए. द्वितीय	01	----	01	----	01
सोवा-रिग्पा, उ.म. प्रथम	15	----	15	----	15
सोवा-रिग्पा, उ.म. द्वितीय	14	----	14	02	12
भोट ज्योतिष शास्त्री द्वितीय	02	01	01	----	01
बी.एस.आर.एम.एस. चतुर्थ	12	----	12	----	12

बी.एस.आर.एम.एस. पंचम	10	----	10	----	10
बी.एड प्रथम	24	01	23	----	23
बी.एड. द्वितीय	18	----	18	----	18
बी.ए. बी.एड. प्रथम	22	01	21	----	21
बी.ए. बी.एड. द्वितीय	08	----	08	----	08
बी.ए. बी.एड. तृतीय	08	----	08	----	08
बी.ए. बी.एड. चतुर्थ	16	----	16	----	16
कम्प्यूटर प्रथम	09	04	05	----	05
कम्प्यूटर द्वितीय	07	----	07	----	07
कम्प्यूटर तृतीय	05	----	05	----	05
कुल योग	**467**	**13**	**454**	**06**	**448**

द्वितीय अधिसत्र (दिसम्बर 2021 से मई 2022)

परीक्षा का नाम	**कुल नामांकित छात्र**	**अनुपस्थित छात्रों की संख्या**	**उपस्थित छात्रों की संख्या**	**अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या**	**उत्तीर्ण छात्रों की संख्या**
पू.म.,प्रथम वर्ष	44	----	44	12	32
पू.म., द्वितीय वर्ष	32	01	31	01	30
उ.म., प्रथम वर्ष	38	----	38	03	35
उ.म., द्वितीय वर्ष	40	----	40	03	37
शास्त्री, प्रथम वर्ष	22	----	22	----	22
शास्त्री, द्वितीय वर्ष	29	----	29	----	29
शास्त्री, तृतीय वर्ष	26	----	26	----	26
आचार्य (बी.पी.) प्रथम	12	01	11	----	11
आचार्य (टी.एल.)प्रथम	03	----	03	----	03
आचार्य (टी.एच.) प्रथम	03	----	03	----	03
आचार्य (बी.पी.) द्वितीय	10	01	09	----	09
आचार्य (टी.एल.) द्वितीय	08	----	08	----	08
आचार्य (टी.एच.) द्वितीय	02	----	02	----	02
फाइन आर्ट्स, उ.म. प्रथम	04	----	04	----	04
फाइन आर्ट्स, उ.म. द्वितीय	01	----	01	----	01

बी.एफ.ए. प्रथम	03	----	03	01	02
बी.एफ.ए. द्वितीय	08	----	08	01	07
बी.एफ.ए. तृतीय	02	----	02	00	02
एम.एफ.ए. प्रथम	02	----	02	----	02
एम.एफ.ए. द्वितीय	01	----	01	----	01
सोवा-रिग्पा, उ.म. प्रथम	15	----	15	05	10
सोवा-रिग्पा, उ.म. द्वितीय	12	----	12	----	12
भोट ज्योतिष शास्त्री द्वितीय	01	----	01	----	01
बी.एड. प्रथम	23	02	21	----	21
बी.एड. द्वितीय	18	----	18	----	18
बी.ए. बी.एड. प्रथम	21	----	21	----	21
बी.ए. बी.एड. द्वितीय	08	----	08	----	08
बी.ए. बी.एड. तृतीय	08	----	08	----	08
बी.ए. बी.एड. चतुर्थ	16	----	16	----	16
बी.एस.आर.एम.एस. द्वितीय	15	----	15	09	06
बी.एस.आर.एम.एस. तृतीय	13	----	13	04	09
बी.एस.आर.एम.एस. चतुर्थ	12	----	12	01	11
बी.एस.आर.एम.एस. पंचम	12	----	12	----	12
कुल योग	**464**	**05**	**459**	**40**	**419**

2. संकाय

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ मुख्यतः अध्ययन-अध्यापन एवं शोध-कार्य है। परीक्षाओं के प्रमाण-पत्र संस्थान स्वयं जारी करता है।

संस्थान बौद्ध अध्ययन, तिब्बती आयुर्विज्ञान (सोवा रिग्-पा) एवं ज्योतिष में शास्त्री, आचार्य, एम. फिल., पी-एच्. डी. एवं एम.डी./एम.एस. पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसमें विद्यार्थियों को पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष (नौवीं कक्षा) से ही प्रवेश दिया जाता है और उन्हें पूर्व स्नातक तक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को पूरा करना होता है, जो उन्हें आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली में दी जा रही परम्परागत शिक्षा के निमित्त तैयार करता है। पूर्वमध्यमा से लेकर आचार्य तक, नौ वर्षीय बौद्ध अध्ययन के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को तिब्बती, संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषाओं का तथा भारतीय बौद्ध शास्त्रों एवं उनकी तिब्बती टीकाओं का अध्ययन कराया जाता है। इसके साथ-साथ सम्प्रदाय शास्त्र, बोन परम्परा, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र का भी अध्ययन कराया जाता है।

सोवा रिग्-पा संकाय में परम्परागत तिब्बती चिकित्सा शिक्षा पद्धति के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन के साथ आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान के विकृति-विज्ञान, शरीर-रचना-विज्ञान एवं शरीर-क्रिया-विज्ञान का अध्ययन कराया जाता है। विद्यार्थियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति में निपुण बनाने हेतु उन्हें नैदानिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

तिब्बती ललित कला के विद्यार्थियों को थंका चित्रपट के निर्माण की विधि तथा तिब्बती काष्ठकला के विद्यार्थियों को काष्ठ-तक्षण-कला सिखाई जाती है। इसके साथ ही बौद्ध दर्शन, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी या हिन्दी एवं कला का इतिहास का भी ज्ञान कराया जाता है।

शिक्षण प्रविधि एवं अधिगम

संस्थान के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना की गयी है। अध्यापकों के सुझावों तथा उन पर अध्ययन परिषद् के विषय-विशेषज्ञों की सहमति के आधार पर पाठ्यक्रमों की संरचना एवं उनमें परिवर्तन-परिवर्द्धन किया जाता है तथा इन्हें अन्तिम रूप में विद्वत् परिषद एवं अधिशासी बोर्ड द्वारा पारित किया जाता है।

इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए संस्थान परिसर में सामूहिक एवं वैयक्तिक स्तर पर और भी अनेक गतिविधियाँ होती रहती हैं, जिनमें सामूहिक परिचर्चा, व्याख्यान, खेल-कूद, शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम एवं समाज सेवा सम्मिलित हैं। यह संस्थान पूर्णरूप से आवासीय है। सभी पाठ्यक्रम परिसर में ही चलाये जाते हैं।

परीक्षा एवं मूल्यांकन

पंजीकृत विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कम से कम 85% उपस्थिति अनिवार्य है। परीक्षा अधिसत्रों में संचालित होती हैं।

आलोच्य वर्ष में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित किए गए हैं-

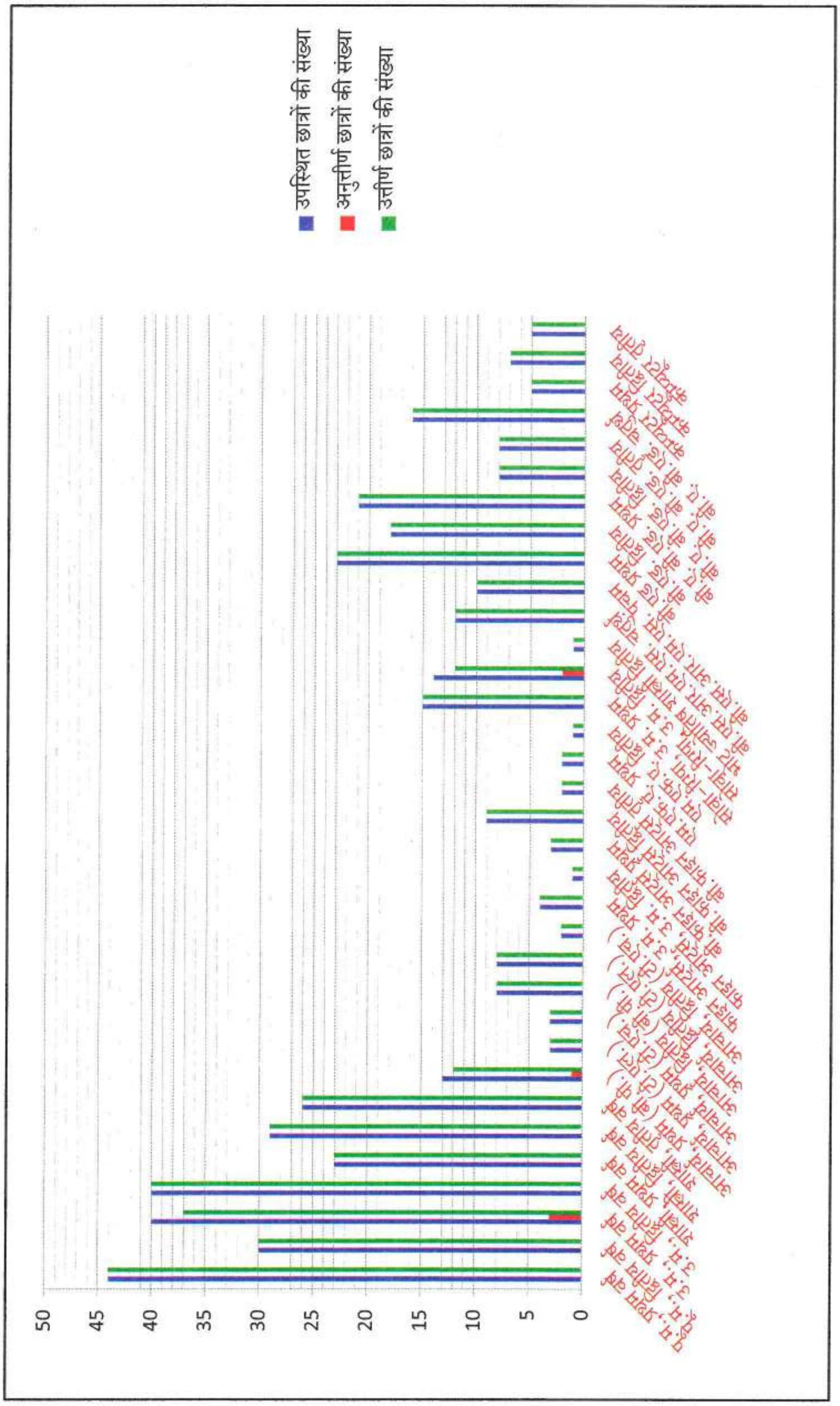
शैक्षणिक सत्र 2021-22 के प्रथम अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम
उपस्थित छात्रों की संख्या
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
50
45
40
35
30
25
20
15
10
5
0

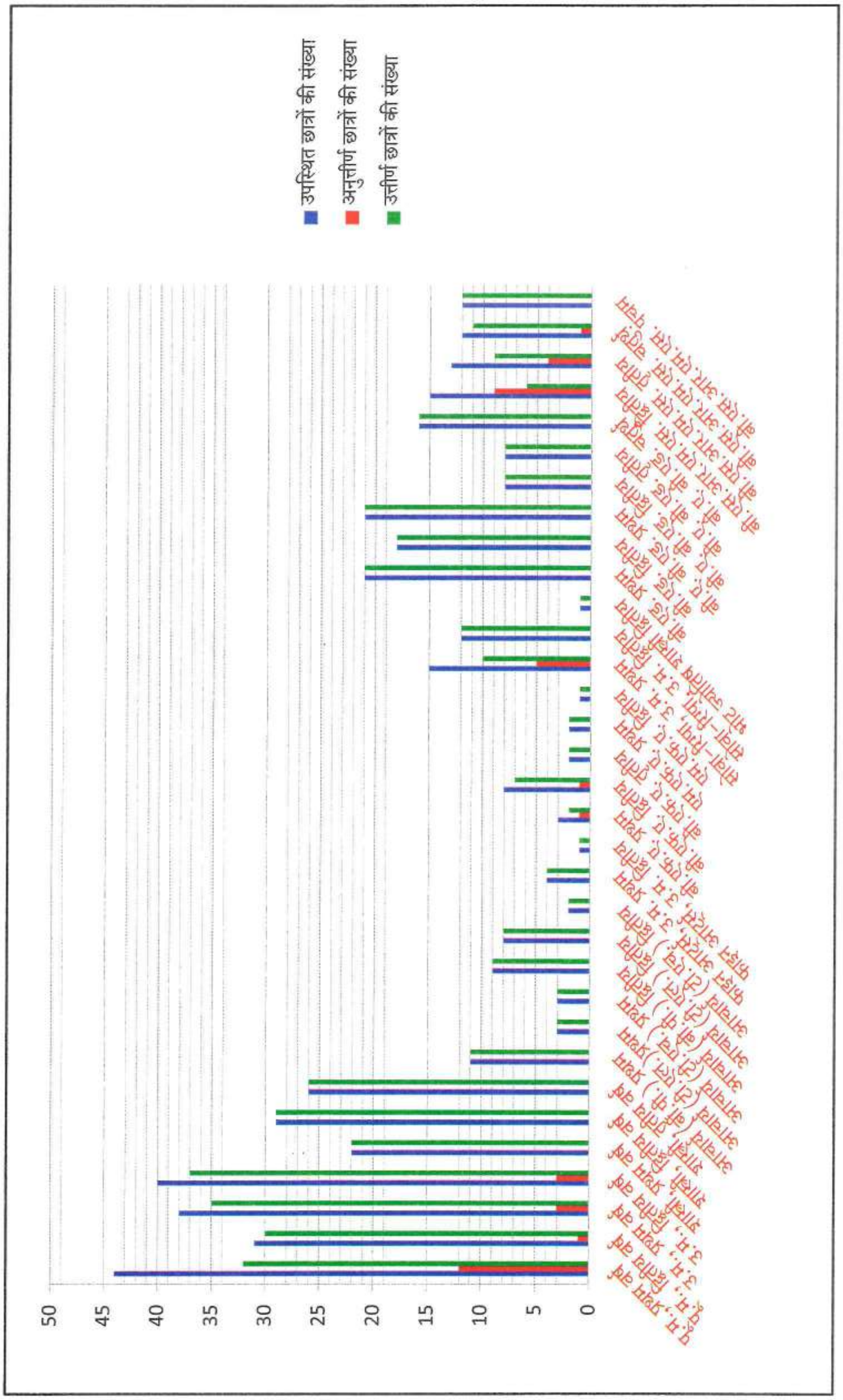
शैक्षणिक सत्र 2021-22 के द्वितीय अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम
उपस्थित छात्रों की संख्या
अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या
उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
50
45
40
35
30
25
20
15
10
5
0

शैक्षणिक विभागों का परिचय

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

प्रो. वङ्छुक दोर्जे नेगी - संकायाध्यक्ष

(I) मूलशास्त्र विभाग

मानव-जीवन की वास्तविकता एवं उसके उद्देश्य को समझने तथा सक्षम बनाने के निमित्त बौद्ध दर्शन एवं संस्कृति का संरक्षण एवं विकास करना, इस विभाग का उद्देश्य है। इस विभाग में बौद्ध-दर्शन, न्याय, मनोविज्ञान आदि विषय, बुद्धवचन तथा भारतीय आचार्यों द्वारा रचित शास्त्रों का अध्यापन होता है। मानव एवं अन्य प्राणियों के लिये इस जगत् को बेहतर बनाने में सहायता करना भी इस विभाग का उद्देश्य है। मात्र अपने कल्याण की बात न सोचकर करुणा एवं शान्ति का आश्रय लेकर वर्तमान जगत् की आवश्यकतानुसार इन गुणों का प्रसार करना भी इसके उद्देश्यों में शामिल है। यह विभाग बौद्ध दर्शन के अध्यापन के साथ-साथ शोध-कार्य भी कर रहा है। वैश्वीकरण के इस युग में नागार्जुन के शिष्यों एवं महासिद्धों के विचारों के पुनरुद्धार एवं उनके युगानुकूल समायोजन पर उपर्युक्त विभाग शोधरत है।

(1) प्रो. लोब्संग यारफेल - प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
(2) प्रो. गेशे येशे थबख्ये - प्रोफेसर (पुनर्नियोजित)
(3) प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी - प्रोफेसर
(4) गेशे लोसंग वांगड्रग - असिस्टेंट प्रोफेसर
(5) गेशे तेनज़िन नोरबू - असिस्टेंट प्रोफेसर
(6) गेशे लोब्संग थरख्ये - अतिथि प्राध्यापक
(7) भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी

1. जुलाई 2021 : लद्दाख के श्री दोरजे द्वारा आयोजित ऑनलाइन माध्यम से सामान्य धर्म के छात्रों को आचार्य नागार्जुन की रत्नावली हिंदी में पढ़ायी गयी।
2. 24 जुलाई 2021 : धर्म चक्र परिवर्तन दिवस पर एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता और सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित धर्म चक्र परिवर्तन सूत्र : महायान परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया।
3. 27 अगस्त 2021 : तिब्बत नीति संस्थान, सीटीए, धर्मशाला के अनुरोध पर बौद्ध अध्ययन के संदर्भ में तिब्बत और किन्नौर के संबंधों पर एक वीडियो टॉक दिया।
4. 30 अक्टूबर 2021 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में आजादी का अमृत महोत्सव पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और संबंधित विषय पर व्याख्यान दिया।
5. 15 अक्टूबर 2021 : श्रमण विद्या संकाय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित स्वर्गीय पद्मश्री प्रो. रामशंकर त्रिपाठी के जीवन और विरासत पर वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और पद्मश्री प्रो. आर.एस. त्रिपाठी का बौद्ध दार्शनिक लेखन में योगदान पर व्याख्यान दिया।

6. 5 नवंबर 2021 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी के पूर्व छात्र संघ द्वारा प्रो. एस. रिनपोछे के 82वें जन्मदिन समारोह के अवसर पर आयोजित "महामहिम प्रो. एस. रिनपोछे का हिमालयी क्षेत्रों में योगदान" पर व्याख्यान दिया।
7. 5 नवंबर 2021 : 18-11-2020 से ऑनलाइन मोड के माध्यम से थिकसे मठ, लद्दाख के वेन स्टेनज़िन ग्यात्सो द्वारा आयोजित एक हिमालयी समूह को दैनिक (रविवार को छोड़कर) गम्पोपा के मुक्ति के गहन अलंकार का शिक्षण पूरा किया।
8. 13 नवंबर 2021 : शि.शि. केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित 'रिसर्च मेथडॉलॉजी एंड बायोस्टैटिस्टिक्स' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और रिसर्च मेथोडोलॉजी के महत्व पर विचार व्यक्त किया।
9. 17 नवंबर 2021 : थेरवाद परंपरा में भिक्खुनी संघ के पुनरुद्धार के 25 साल पूरे होने पर महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता और सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और भिक्खुनी संघ के पुनरुद्धार के महत्व के संदर्भ में बुद्ध और लैंगिक समानता पर एक व्याख्यान दिया।
10. 25 नवंबर 2021 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह समारोह के अवसर पर सांप्रदायिक सद्भाव पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
11. 2 दिसंबर 2021 - 12 अप्रैल 2022 : संस्थान के प्रशासनिक मंत्रालय - संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त कार्यालय आदेश के अनुसार के.उ.ति.शि.सं. के प्रभारी कुलपति का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया।
12. 2 दिसंबर 2021 - से प्रारम्भ : थिकसे मठ, लद्दाख के वेन स्टेनज़िन ग्यात्सो द्वारा आयोजित एक हिमालयी समूह को अतिश के बोधिपथप्रदीप पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से द्वि-साप्ताहिक शिक्षण शुरू किया।
13. 26 जनवरी 2022 : के.उ.ति.शि.सं. की राजभाषा (हिंदी) समिति के बोधिप्रभ जर्नल में बौद्ध दर्शन विहंगम दृष्टि, हिंदी में लेख प्रकाशित हुआ।
14. 15-16 फरवरी 2022 : चौपाल चैत्य, बेलवर गांव, मुजफ्फरपुर, बिहार के दो दिवसीय क्षेत्र के दौरे में भाग लिया और साइट की पहचान और महत्व पर शोध बैठक की अध्यक्षता की।
15. 28 फरवरी 2022 : श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा मंत्री और श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार द्वारा संबोधित एक संवाद कार्यक्रम में ताज गंगेज, वाराणसी में भाग लिया।
16. 5 मार्च 2022 : योग अध्ययन और ध्यान विभाग, वोंकवांग डिजिटल विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया के अनुरोध पर तिब्बती बौद्ध परंपरा में मंत्र : सिद्धांत और व्यवहार पर आभासी व्याख्यान दिया।
17. 27 मार्च 2022 : एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल ग्रेजुएट सिविल इंजीनियर्स (ए.पी.जी.सी.ई.), वाराणसी द्वारा ताज गंगेज, वाराणसी में आयोजित हैबिटेट वर्ल्ड में सिविल इंजीनियरों की भूमिका और महत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

निकायों के सदस्य:

1. प्रबंधन बोर्ड, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख।
2. जूरी (2021-2022), बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईसीसीआर-पुरस्कार।

3. तिब्बती बौद्ध संगठनों के संरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता योजना हेतु विशेषज्ञ सलाहकार समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।
4. अकादमिक परिषद, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।
5. अकादमिक परिषद, निंगमा संस्थान, सिक्किम (सं.सं.वि.वि., वाराणसी से संबद्ध)।
6. शोध उपाधि पुरस्कार समिति, श्रमण विद्या संकाय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी।
7. शैक्षिक सलाहकार समिति, ड्रिकुंग काग्यू कॉलेज, देहरादून (सं.सं.वि.वि., वाराणसी से संबद्ध)।
8. आरडीसी- बौद्ध अध्ययन, बौद्ध दर्शन विभाग, सांची बौद्ध-इंडिक अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची, म.प्र.।

गेशे तेनज़िन नोरबू

अन्य शैक्षणिक संबंधित कार्य:

1. 2018 से डारडेंग सेंटर सारनाथ, वाराणसी द्वारा शुरू किए गए कग्युर आर्काइविंग एंड एनालिसिस प्रोग्राम के वर्किंग मेंबर और इस पर अब भी काम कर रहे हैं।

व्याख्यान और बैठकें:

1. 19 अप्रैल 2021 : छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम "बौद्ध दृष्टिकोण और उपकरण के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटना" विषय पर व्याख्यान और प्रश्नोत्तर सत्र।
2. 24 जुलाई 2021: मूलगंध कुटी विहार सारनाथ, वाराणसी में आयोजित धर्म चक्र दिवस, आषाढ़ पूर्णिमा, 2021 के ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय उत्सव में चांटिग मास्टर के रूप में भाग लिया।
3. 30 अक्टूबर 2021: 24-25 नवंबर 2021 : अंतर्राष्ट्रीय गेलुग समिति द्वारा आयोजित प्राचीन भारतीय विद्वानों के ग्रन्थ पर संगोष्ठी के दौरान अभिधर्म संग्रह पर प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया।
4. 16 जनवरी 2022 : शाक्यपंडित के त्रिक व्रतों पर एक राष्ट्रीय गैर-सांप्रदायिक संगोष्ठी में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
5. प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कनाडा के छात्रों को बोधिसत्व की जीवन पद्धति और बौद्ध ध्यान पढ़ाया।
6. यू-त्सांग समिति के यूरोप आधारित 300 छात्रों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से सात महीने यानी 1 जनवरी से जुलाई, 2021 के अंत तक बौद्ध दर्शन पढ़ाया गया।

प्रशासनिक कार्य:

1. विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद् की वर्ष 2020-2021 की बैठक हेतु मनोनीत।

सामाजिक कल्याण कार्य:

1. 25 मई, 2021 : झुग्गीवासियों के लिए अस्थायी घर बनाने में मदद की और सारनाथ में 35 परिवारों को रूफटॉप कवर वितरित किए।
2. 1 जून 2021: न्यूयॉर्क स्थित गेशे ताशी दोरजी और उनके भक्तों द्वारा दिए गए दान के माध्यम से सारनाथ के आसपास के लगभग 150 परिवारों को राशन वितरण में स्वेच्छा से शामिल हुए।
3. 22 जून 2021: गेशे ताशी दोरजी (न्यूयॉर्क) में गरीब परिवारों के लगभग 100 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी का सामान वितरित करने में एक स्वयंसेवक के रूप में काम किया।
4. वाराणसी में 250 बेघर और गरीब लोगों को शाल, गद्दे और भोजन वितरण में स्वेच्छा से शामिल हुए।

भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद

1. 16 जनवरी 2022 : शाक्य पंडित के परिनिर्वाण के उपलक्ष्य में शाक्य स्कूल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
2. पांचवें गैर-सांप्रदायिक प्रमाण सम्मेलन में भाग लिया।
3. धर्मकीर्ति द्वारा लिखित प्रमाणवार्तिक के प्रथम एवं द्वितीय अध्यायों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं को हल करते हुए कुछ शोधपत्र तैयार किए।
4. वसुबंधु द्वारा रचित बीस श्लोकों के विषय के विश्लेषण पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
5. सारनाथ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशन के अनुरोध पर कग्यूरकरचक (काग्यूर की सूची) की परियोजना के लिए 62 पृष्ठों का परिचयात्मक विश्लेषण तैयार किया।
6. ग्रीष्मावकाश के दौरान नेपाल में ङग्युरशेदुप धोएजो लिंग के भिक्षुओं को प्रमाणवार्तिक के दूसरे अध्याय और तार्किक प्रमाण के तरीकों पर एक महीने का व्याख्यान दिया।
7. माइंड ओनली स्कूल ऑफ फिलॉसफी के अनुसार शून्यता की दृष्टि और तीन प्रकार की घटनाओं पर शोध किया।
8. "बौद्ध दर्शन में कठिन बिंदु का स्पष्टीकरण" विषय पर कुछ महान विद्वानों, खेनपो और विशेषज्ञों के साथ वाद-विवाद में भाग लिया। इसकी शुरुआत 2021-22 सत्र में की गई थी।

(II) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

इस विभाग में तिब्बती विद्वानों द्वारा बुद्धवचन एवं भारतीय आचार्यों के ग्रन्थों पर रचित टीका तथा स्वतन्त्र ग्रन्थों पर अध्यापन-कार्य होता है। भिक्षु एवं सामान्य विद्यार्थियों को तिब्बती बौद्ध परम्परा के चारों सम्प्रदायों की शिक्षा एक स्थान पर देना, इस संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। यद्यपि भिक्षु, बौद्ध-विहारों में रहकर बौद्ध धर्म एवं दर्शन का अध्ययन कर सकते हैं, परन्तु उनमें चारों सम्प्रदायों की एक साथ शिक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त सामान्य विद्यार्थियों के लिए तिब्बती बौद्ध विहारों में अध्ययन की कोई व्यवस्था नहीं है।

उक्त सिद्धान्त एवं तथ्यों के आधार पर यह विभाग तिब्बती बौद्ध परम्परा के निम्नलिखित चार सम्प्रदायों की परम्पराओं के अध्ययन एवं शोध में कार्यरत है–

(क) कर्ग्युद सम्प्रदाय

(1) डॉ. टशी सम्फेल - एसोसिएट प्रोफेसर
(2) भिक्षु रमेशचन्द्र नेगी - एसोसिएट प्रोफेसर, प्रभारी- कोश विभाग
(3) भिक्षु मेहर सिंह नेगी - अतिथि प्राध्यापक

(ख) साक्या सम्प्रदाय

(1) प्रो. टशी छेरिङ् (एस.) - प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र
(2) भिक्षु डक्पा सेङ्गे - एसोसिएट प्रोफेसर
(3) भिक्षु नवांग जोद्पा - अतिथि प्राध्यापक
(4) श्री छेरिंग समडुप - अतिथि प्राध्यापक
(5) लोपन नवांग थोकमे - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

प्रो. टशी छेरिङ् (एस.)

(क) पुस्तकालय प्रभारी, (ख) मुख्य सतर्कता अधिकारी, (ग) अकादमिक परिषद सदस्य, (घ) बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, के.उ.ति.शि.सं. के सदस्य, (ङ) पुस्तक चयन समिति, के.उ.ति.शि.सं. के अध्यक्ष।

1. दिसंबर 2021 : बौद्ध दर्शनशास्त्र में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास विषय पर लेख महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध जर्नल, द महाबोधि में प्रकाशित हुआ था। आईएसएसएन: 0025 0406
2. 16 जनवरी 2022 : वेबिनार के माध्यम से राष्ट्रीय गैर सांप्रदायिक सपन संगोष्ठी का आयोजक रहा।
3. चोंखापा और तख्तसांग प्रोजेक्ट, नोइंग इल्यूजन के दो खंड ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा प्रकाशित किए गए थे। आईएसबीएन: 9780197603628 आईएसबीएन: 9780197603680
4. नवंबर 2021 : बौद्ध कर्म सिद्धांत विषय पर लेख धर्मदूत, जर्नल ऑफ महा बोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, सारनाथ, वाराणसी, में प्रकाशित हुआ था। आईएसएसएन: 2347 3428
5. 13 और 14 नवंबर 2021 : लामा चोएडक रिनपोचे, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास कैसे करें विषय पर शोधपत्र पढ़ा।
6. 1 अक्टूबर 2021 : परम पावन दलाई लामा के सांस्कृतिक केंद्र, द तिब्बत हाउस, द कल्चरल सेंटर ऑफ द कल्चरल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान संस्कृत परंपरा के अनुसार शांतिकारक ध्यान के विषय पर शोधपत्र पढ़ा।

भिक्षु डक्पा सेङ्गे

1. एक बौद्ध सूचीपत्र परियोजना के तहत पाठ: वज्रच्छेदिका (हीरा सूत्र) पर एक संक्षिप्त विवरण लिखा।
2. 25 नवंबर 2021 : के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह व्याख्यान में भाग लिया।
3. 16 जनवरी 2022 : ग्रेट शाक्यमोनलम फाउंडेशन और शाक्य स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ वाराणसी में आयोजित शाक्यपंडिता के त्रिपल व्रतों पर राष्ट्रीय गैर-सांप्रदायिक संगोष्ठी में भाग लिया।

भिक्षु नवांग जोद्पा

1. 21 अगस्त 2021 : ट्रेजर ऑफ रीजनिंग रिमूवल ऑफ रोंग व्यूज फॉर शाक्य स्टूडेंट्स यूनियन, सीआईएचटीएस के प्रकाशन के लिए (तिब्बती भाषा में) दो प्रस्तावनाओं की रचना की।
2. 21 दिसम्बर 2021 : शाक्य महाविद्यालय (उत्तराखण्ड में) पर दो लेख (तिब्बती एवं अंग्रेजी में)।

(ग) ञिङमा सम्प्रदाय

(1) भिक्षु दुद्जोम नमग्यल	-	एसोसिएट प्रोफेसर
(2) खेनपो सङ्गा तेनज़िन	-	असिस्टेंट प्रोफेसर
(3) खेनपो खरपो	-	असिस्टेंट प्रोफेसर
(4) भिक्षु सोनम दोर्जे	-	अतिथि प्राध्यापक
(5) खेनपो ओग्येन जम्पा	-	अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

खेनपो सङ्गा तेनज़िन

मुख्य कार्य:

1. विभागाध्यक्ष, ञिङमा सम्प्रदाय।
2. विभिन्न अन्य शैक्षणिक समितियों और गतिविधियों के सदस्य।

व्याख्यान और बैठकें:

1. 1 जनवरी - 31 जुलाई 2021 : वार्षिक ऑनलाइन कक्षाएँ ली और "मातृभाषा व्हाट्सएप ग्रुप" में 500 छात्रों को "आर्य भद्राचार्य प्रणिधानराज" पढ़ाया।
2. 27 नवंबर 2021 से 31 मार्च 2022 : न्यू जर्सी स्थित छात्रों को गूगल मीट और व्हाट्सएप आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दो महीने तक "नागार्जुन का एक मित्र के नाम पत्र" पढ़ाया।

प्रशासनिक कार्य:

1. शैक्षणिक सत्र 2021-2022 हेतु प्रवेश समिति के सदस्य।
2. कार्यालय द्वारा दिये गये निर्देशानुसार वर्ष 2018 से छात्र वाद-विवाद एवं तर्क समिति के मार्गदर्शक एवं सलाहकार के रूप में कार्य तथा उत्तरदायित्वों का निर्वाह।

सामाजिक कल्याण कार्य:

1. 25 मई 2021 : सारनाथ के आसपास के 35 परिवारों को रूफटॉप कवर के वितरण के साथ झुग्गीवासियों के लिए अस्थायी घर बनाने में मदद की।
2. 1 जून 2021: न्यूयॉर्क स्थित गेशे ताशी दोरजी और उनके भक्तों द्वारा दिए गए दान से सारनाथ के आसपास के लगभग 150 परिवारों को राशन वितरण में स्वेच्छा से शामिल हुए, जिसका उद्देश्य लॉकडाउन के कारण होने वाली भूख के संकट को कम करना था।
3. 22 जून 2021: गेशे ताशी दोरजी (न्यूयॉर्क) के स्वयंसेवक के रूप में गरीब परिवारों के लगभग 100 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी का सामान वितरित करने का काम किया।

खेनपो ओग्येन जम्पा

1. 4 फरवरी 2022 : शाक्यमोनलम फाउंडेशन और शाक्य छात्र संघ द्वारा आयोजित शाक्यपंडिता के त्रिक प्रतिज्ञा पर राष्ट्रीय गैर-सांप्रदायिक संगोष्ठी में भाग लिया।
2. 5 फरवरी से अप्रैल 2022 : धोंगगमिंद्रोल छोखोरलिंग मठ के आचार्यों के वंश के लिए इतिहास और प्रबुद्ध कहानियों का संपादन।
3. 2 मार्च 2022 : खेत्सन सांगपो रिनपोछे के संगृहित कार्यों से कुछ संस्करणों का संपादन।
4. 20 मार्च 2022 : ऑनलाइन मोड के माध्यम से अपने गांव में छात्रों को बुनियादी बौद्ध दर्शन पढ़ाना।
5. 29 मार्च 2022 : ऑनलाइन मोड के माध्यम से छात्रों के एक समूह को ङुलचु थोकमे ज़ंगपो द्वारा 'बोधिसत्व के सैंतीस-गुण पाठ' का शिक्षण पूरा किया।

(घ) गेलुक् सम्प्रदाय

(1) भिक्षु लोब्संग ज्ञलछेन - प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सम्प्रदाय शास्त्र)

(2) भिक्षु लोब्संग छुलठ्रिम - असिस्टेंट प्रोफेसर

(3) भिक्षु नवांग तेनफेल - असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

गेशे नवांग तेनफेल

समिति सदस्य के लिए मनोनीत :

1. के.उ.ति.शि.सं. 2020-2021 की COVID-19 महामारी स्वयंसेवी समिति सदस्य।
2. के.उ.ति.शि.सं. में 30 अक्टूबर 2021 तक के लिए गेलुग्पा छात्र कल्याण समिति का 50वां अध्यक्ष चुना गया है।
3. गेलुग्पा छात्र कल्याण समिति (जी.एस.डब्ल्यू.सी.) 2021-2022 के प्रभारी के रूप में निर्वाचित।
4. के.उ.ति.शि.सं. 2021-2022 के पूर्व छात्र, अध्यक्ष के रूप में चुने गए
5. के.उ.ति.शि.सं. 2021-2022 के प्रवेश समिति, सदस्य के रूप में मनोनीत
6. कंठस्थ या मौखिक पाठ परीक्षा 2021-2022 के सदस्य के रूप में मनोनीत
7. के.उ.ति.शि.सं. एलुमनी मीट, राष्ट्रीय संगोष्ठी व महामहिम के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व निदेशक प्रो. सामदोंग रिनपोछे की दीर्घायु पूजा की आयोजन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
8. के.उ.ति.शि.सं. सत्र 2021-2022 के सेमिनार, सम्मेलन, शिक्षण एवं उद्घाटन समारोह हेतु "चैंटिंग कमेटी" के सदस्य।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां:

1. 5 नवंबर 2021 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित समुदाय के लिए प्रस्तुत शिक्षा प्रणाली पर प्रोफेसर एस. रिनपोछे के ज्ञापन पर एक दिवसीय वेबिनार में मुख्य भाषण दिया और एक दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।
2. 23 दिसंबर 2021 : ग्युटो तांत्रिक मठ, सिधपुर, हिमाचल प्रदेश में के.उ.ति.शि.सं. के धर्मशाला पूर्व छात्र और पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित हिमालयी और तिब्बती बौद्ध धर्म और संस्कृति पर एक दिवसीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया और भाग लिया।
3. 16 जनवरी 2022 : ग्रेट शाक्यमोनलम और शाक्य स्टूडेंट्स यूनियन के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित गैर-सांप्रदायिक सपन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

लघु परियोजना:

1. एक संपादक के रूप में डॉ. गेशे जिग्मे दावा द्वारा लिखित 'तीन प्रमाण', धीः प्रकाशन द्वारा पुनः प्रकाशित, 2022 का सम्पादन, आईएसबीएन: 978-1-948203-01-2
2. 'न्यानंग देचेंटेंग की सबसे पवित्र भूमि का इतिहास' धी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित, 2022 का सम्पादन, आईएसबीएन: 978-1-948203-07-4
3. नेपाल 2022 में प्रकाशित गेशे थुपटेन शेरब द्वारा लिखित "एमथोंग्वामुन्सल एल्यूसिडेटिंग बुद्धिस्ट सेक्रेड साइट्स ऑफ नेपाल" के लिए सह-संपादक के रूप में काम किया, आईएसबीएन: 978-9937-122375

(III) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

बोन सम्प्रदाय तिब्बत का एक प्राचीन धर्म है। इसकी हजारों वर्षों से अविच्छिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दार्शनिक परम्परा चली आ रही है। इस सम्प्रदाय में प्रचुर मात्रा में दर्शन, तर्क-शास्त्र आदि विषयों के साहित्य उपलब्ध हैं।

इस संस्थान में बोन सम्प्रदाय के साहित्य को दो भागों में विभाजित कर सुयोग्य अध्यापकों द्वारा अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गयी है। प्रथम भाग में बोन सम्प्रदाय के शास्ता शेनरब द्वारा उपदिष्ट वचनों और पूर्व के आचार्यों के ग्रन्थों को तथा द्वितीय भाग में 8वीं शताब्दी के पश्चाद्वर्ती आचार्यों के ग्रन्थों को रखा गया है।

(1) भिक्षु गोरिग तेन्जिन छोगदेन - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
(2) भिक्षु गोरिग लुङरिग् लोदेन वांगछुक - एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, छात्र कल्याण सङ्काय
(3) भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक ञिमा - असिस्टेंट प्रोफेसर
(4) भिक्षु युङ्डुङ् गेलेक - असिस्टेंट प्रोफेसर
(5) भिक्षु एम.टी. नमदक छुकफुद - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक ञिमा

मुख्य कार्य:

1. 17 जुलाई 2021 : तिब्बत ट्रेजर द्वारा आयोजित 'बॉन रिलिजन का परिचय' विषय पर व्याख्यान दिया।
2. महाशास्त्रार्थ सदस्य 2021-2022 कुलसचिव कार्यालय आदेश के अनुसार।
3. पुस्तक के Meton Sherab Woser लेखक का एक परिचय निबन्ध प्रकाशित བྱང་ཆུབ་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་སྒོན་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་སུམ་བརྒྱ་ཉི་ཤུ་པ། आईएसबीएन 978-81-948913-8-3
4. 16 जनवरी 2022 : द ग्रेट शाक्य मोनलम फाउंटेनेशन एंड शाक्य स्टूडेंट यूनियन द्वारा के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय गैर-सांप्रदायिक सपन सेमिनार में भाग लिया।
5. 6 मार्च 2022 : ग्यालशेन इंस्टीट्यूट, यूएसए द्वारा आयोजित "न्यामे शेरब ग्यालत्सेन का आभार और जन्मदिन समारोह" विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया और व्याख्यान दिया। "सुबह 7:00 बजे से 8:30 बजे प्रशांत समय, शाम 4 बजे से 5:30 बजे सीईटी", https://fb.watch/e7qy7uknnv/

(ख) शब्द विद्या संकाय

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - संकायाध्यक्ष

इस संकाय में भारतीय प्राचीन एवं अर्वाचीन भाषाओं तथा तिब्बती भाषा के स्वरूप का परिचय तथा उनके साहित्य की शिक्षा प्रदान की जाती है। बौद्धधर्म व विशेषतः महायान दर्शन, साहित्य की मूल भाषा संस्कृत के व्याकरण, गद्य, पद्य, महाकाव्य, नाटक, छन्द आदि की शिक्षा अनिवार्य संस्कृत के अन्तर्गत तथा खवर्ग वैकल्पिक संस्कृत पाठ्यक्रम के तहत बौद्ध जातक, अवदान, नीतिशास्त्र, काव्यशास्त्र, सांख्य वेदान्त तथा प्रमाण आदि का अध्ययन किया जाता है। स्नातकोत्तर के बाद पी-एच.डी. उपाधि हेतु संस्कृत पुनरुद्धार भी छात्र-छात्रायें करते हैं। इसके लिए इस संकाय में संस्कृत विभाग की स्वतन्त्र स्थापना की गई है। तिब्बती भाषा व उसके साहित्य के अध्ययन हेतु स्वतन्त्र तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग कार्यरत हैं। इस भाषा का अध्ययन छात्रों के लिए अनिवार्य रूप में करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त हिन्दी, अंग्रेजी तथा पालि का अध्ययन प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग के अन्तर्गत किया जाता है। इसमें हिन्दी या अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किसी एक का अनिवार्य रूप से अध्ययन अपेक्षित है। वहीं पालि भाषा व उसके वाङ्मय की शिक्षा वैकल्पिक खवर्ग पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दी जाती है।

(I) संस्कृत विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - प्रोफेसर, शब्दविद्यासङ्कायाध्यक्ष

(2) डॉ. अनिर्वाण दाश - एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

(3) दो पद रिक्त - प्रोफेसर-1, सहायक प्रोफेसर-1

विभागीय गतिविधियाँ

अतिरिक्त विभागीय आचार्यों के द्वारा शिक्षण

(1) प्रो. पेमा तेनजिन, अध्यक्ष- अनुवाद विभाग - उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष, अनिवार्य संस्कृत कक्षा।

(2) डॉ. रामजी सिंह, सहायक आचार्य, अनुवाद विभाग - पूर्वमध्यमा तथा उत्तरमध्यमा के दोनों खण्डों में चार संस्कृत कक्षायें।

(3) डॉ. दावा शेर्पा - पूर्वमध्यमा प्रथम, अनिवार्य संस्कृत तथा सोवा-रिग्पा विभाग की उत्तममध्यमा प्रथम व द्वितीय वर्षीय कक्षायें।

(4) डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी, शोध सहायक (संविदा), कोश विभाग - शास्त्री प्रथम खवर्ग संस्कृत कक्षा।

(5) डॉ. उमाशंकर शर्मा, अतिथि प्राध्यापक ज्योतिष, उत्तरमध्यमा द्वितीय, शास्त्री द्वितीय अनिवार्य संस्कृत व शास्त्री, प्रथम खवर्ग संस्कृत कक्षायें।

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी

शोध निबन्ध प्रकाशन

1. 'कृत्प्रत्ययविमर्शेन पुण्यं संस्कृतमण्डनम्' शीर्षकीय निबन्ध 'कृत्प्रत्ययविमर्शः' नामक ग्रन्थ में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-91993-37-5, सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली-2021-22
2. 'रामायणोन्मीलनम्' शीर्षकीय कविता 'पश्यन्ती' नामक ग्रन्थ में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन. - 978-93-90964-27-7, विद्याश्री न्यास राका प्रकाशन, 40 ए मोतीलाल नेहरू रोड प्रयागराज, उ.प्र.।
3. 'राजेन्द्रपाण्डेयकविर्यशस्वी' शीर्षकीय कविता प्रो. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय स्मृति ग्रन्थ 'सर्जना शिखर' में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन.- 978-93-91214-19-7, नान्दी सेवा न्यास, वाराणसी-2022
4. 'आधुनिकसन्दर्भे रावणदुष्प्रवृत्तिष सीतासौन्दर्यविजयविमर्शः' शीर्षकीय शोध निबन्ध सारस्वती सुषमा नामक अनुसन्धान पत्रिका, आई.एस.एस.एन.- 2277-4416, सं.सं.वि.वि., वाराणसी से प्रकाशित-2021
5. 'केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान - परिचय व विशेषतायें' शीर्षकीय निबन्ध प्रकाशित, बोधिप्रभ पत्रिका, राजभाषा समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी-2021
6. श्री भागवतानन्द गुरु प्रणीत 'मूरख हृदय न चेत' ग्रन्थ की समीक्षा व शुभाशंसा, आई.एस.बी.एन.- 979-888849520-9, आर्यावर्त सनातन वाहिनी 'धर्मराज' के सौजन्य से प्रकाशित।

पुरस्कार व सम्मान

1. 14 नवम्बर 2021 - गंगा महासभा तथा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा रुद्राक्ष भवन, सिगरा, वाराणसी में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव में महाभारत सीरियल की द्रौपदी पात्र रूपा गांगुली के हाथ से सम्मान-पत्र की प्राप्ति।
2. 19 दिसम्बर 2021 - अखिल भारतीय विद्वत् परिषद् वाराणसी द्वारा 'विद्वद्भूषणम्' सम्मान प्रदान किया गया।

3. 4 जनवरी 2022 - 'संस्कृत व्याकरण विभूषण सम्मान' चरण पादुका बड़हलगंज-गोरखपुर विधायक से प्राप्त।

सम्मानित व्याख्यान एवं कविता प्रस्तुति

1. 20 अगस्त 2021 - छत्तीसगढ़ संस्कृत सेवा संस्थानम् द्वारा आयोजित संस्कृत महोत्सव पर 'आनाकरथवर्त्मनाम्' विषय पर आनलाईन व्याख्यान की अध्यक्षता की।

2. 22 अगस्त 2021 - पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री स्मृति समारोह में आनलाईन व्याख्यान दिया।
3. 22 अक्टूबर 2021 - प्रज्ञापारमिताहृदयसूत्रत्रय का शान्तरक्षित पुस्तकालय, के.उ.ति.शि.सं. में पाठ व रिकार्डिंग दी गई।
4. 29 अक्टूबर 2021 - वैदिकगणसमूह फेसबुक पटल पर पं. विष्णुकान्त शुक्ल के जन्मदिवस पर आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की।
5. 14 नवम्बर, 2021 - रुद्राक्ष भवन सिगरा, वाराणसी में गंगा महासभा वाराणसी तथा उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत संस्कृत कवि सम्मेलन में कविता प्रस्तुति।
6. 28 नवम्बर, 2021 - सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी के फेसबुक पटल पर संगोष्ठी में वक्तव्य दिया।
7. 11 दिसम्बर 2021 - आकाशवाणी वाराणसी द्वारा आयोजित स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव के तहत 'स्वातन्त्र्यामृतपर्वेदम्' गीत की प्रस्तुति व रिकार्डिंग।
8. 21 दिसम्बर 2021 - शीतकालीनं संस्कृतप्रशिक्षणसत्रम् के अन्तर्गत सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम् फेशबुक पर विषय विशेषज्ञ के रूप में भाषण दिया।
9. 22 दिसम्बर 2021 - प्रत्नकीर्ति शोध संस्थान, वाराणसी द्वारा आनलाईन आयोजित संस्कृत काव्य समस्यापूर्ति गोष्ठी में पद्यों के द्वारा समस्यापूर्ति दी।
10. 25 दिसम्बर 2021 - शीतकालीन संस्कृत प्रशिक्षण में प्राश्निक परीक्षक के रूप में प्रशिक्षित छात्रों का मूल्यांकन आनलाईन जूम पर किया।
11. 28 दिसम्बर 2021 - सार्वभौम संस्कृत प्रशिक्षण संस्थान फेशबुक पटल पर जूम के माध्यम से विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
12. 29 दिसम्बर 2021 - 'लकाराणां विमर्शः' विषय पर सार्वभौम सं.प्र.सं. द्वारा आयोजित आनलाईन संस्कृत प्रशिक्षण सत्र में सम्बोधन किया।
13. 31 दिसम्बर 2021 - उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा अपने स्थापना दिवस पर ऑनलाईन आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में कवितापाठ किया।
14. 4 जनवरी 2022 - चरणपादुका कुटी, बड़हलगंज-गोरखपुर में विधायक द्वारा आयोजित धर्म संस्कार संगोष्ठी में वैदिक कर्मकाण्ड पर व्याख्यान दिया।
15. 5 जनवरी 2022 - सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी के फेशबुक पटल पर जूम के माध्यम से शीतकालीन प्रशिक्षण सत्र में व्याख्यान दिया।
16. 1 फरवरी 2022 - स्वामी प्रखर जी महाराज द्वारा शंकुलधारा, वाराणसी में आयोजित लक्षचण्डी महायज्ञ में संस्कृत हिन्दी कवि सम्मेलन कार्यक्रम में संस्कृतगीतम् की प्रस्तुति।
17. 5 फरवरी 2022 - वैदिक गण समूह फेशबुक पटल पर आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की।
18. 14 फरवरी 2022 - पद्मभूषण पं. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यस्मृति में आयोजित संस्कृत कवि गोष्ठी में संस्कृत कविता की प्रस्तुति।
19. 26 फरवरी 2022 - देववाणी परिषद् वसन्त विहार, नई दिल्ली में पद्मश्री डॉ. रमाकान्त शुक्ल के सान्निध्य में संस्कृत कविता की प्रस्तुति दी।

20. 27 फरवरी 2022 - स्व. लतामंगेशकर की स्मृति में आयोजित आनलाईन संगोष्ठी में संस्कृत कविता प्रस्तुत।
21. 1 मार्च 2022 - वैदिक गण समूह फेशबुक पटल पर मेरे जन्मदिवस को लेकर आयोजित संस्कृत कवि समवाय में कविता प्रस्तुति।
22. 14 मार्च 2022 - पं. वासुदेव द्विवेदी जन्म जयन्ती पर फेशबुक पटल पर दो संस्कृत विद्वानों के स्वरचित प्रशस्ति पत्र की रचना व पाठ किया।
23. 22 मार्च 2022 - लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक के आवास पर होली मिलन के तहत होलीगीतम् की प्रस्तुति।

समितियों में सहभागिता

1. 1 नवम्बर 2021 - परीक्षा विभागीय समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित कक्षाध्यापन बैठक में भाग लिया।
2. 31 दिसम्बर 2021 - रानी पद्मावती आदर्श योगतारा संस्कृत महाविद्यालय शिवपुर, वाराणसी में एसोसिएट प्रोफेसर की चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
3. 22 मार्च 2022 - के.उ.ति.शि.संस्थानीय बोर्ड ऑफ गवर्नर्स समिति पुरातत्त्व संग्रहालय बी.टी.आई., नई दिल्ली बैठक में सदस्य के रूप में सहभाग किया।
4. 25 मार्च 2022 - शोध प्रवेश परीक्षा, के.उ.ति.शि. संस्थान में सहभाग किया।

सेमिनार

1. सन्त गणिनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोहना, मऊ द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठी में अध्यक्षीय शोधपत्र की प्रस्तुति।

शोध-निर्देशन

1. पासंग तेनजिन शोधछात्र के शोधकार्य का निर्देशन किया।
2. कोनछोक समडुप शोधछात्र के शोधकार्य का निर्देश व संशोधन किया।
3. ङवङ् ग्यलछन नेगी शोधछात्र के शोधकार्य का सहनिर्देशन किया।
4. लोब्सङ् छोडक शोधछात्र के शोधकार्य में सहनिर्देशन का दायित्व निर्वाह किया।
5. बुद्धा लामा शोधछात्र के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन किया।

अन्य शोध-सम्पादन

1. 'चातुर्वर्ण्यसंस्कृतिविमर्शः' शीर्षकीय शोधप्रबन्ध, सं.सं.वि.वि., वाराणसी का परीक्षण-मूल्यांकन कर रिपोर्ट प्रेषित की।
2. 'बौद्ध विज्ञान समुच्चय' नामक ग्रन्थ के सम्पादन कार्य में माननीय कुलपति प्रो. एन. समतेन जी के सान्निध्य में सहयोग किया।
3. 2021-22 - संस्थानीय वार्षिक प्रगति विवरण का सम्पादन समिति के अध्यक्ष के रूप में सम्पन्न किया।
4. 2021 वर्षीय बोधिप्रभ पत्रिका, राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा प्रकाशित प्रवेशांक का सम्पादन कार्य सम्पादक मण्डल के सदस्य के तौर पर सम्पन्न किया।

(II) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

(1) डॉ. ल्हक्पा छेरिंग - असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(2) डॉ. टशी छेरिंग (टी) - एसोशिएट प्रोफेसर
(3) श्री लोब्सङ् तोन्देन - अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियां:

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग

I. समितियों के वर्तमान सदस्य/अतिरिक्त कर्तव्य:

1. तिब्बती भाषा और साहित्य के विभागाध्यक्ष
2. पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य के समन्वयक
3. पद्मसंभव बालक छात्रावास-वार्डन
4. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ वाराणसी की सोसायटी के सदस्य
5. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ वाराणसी की अकादमिक परिषद के सदस्य
6. ग्रंथालय की पुस्तक चयन समिति के सदस्य
7. दलाई लामा उच्च शिक्षा संस्थान, बैंगलोर की डॉक्टरेट समिति के सदस्य।
8. शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति, शिक्षा विभाग, सीटीए धर्मशाला एच.पी. के सदस्य।
9. दलाई लामा इंस्टीट्यूट के एक पीएचडी स्कॉलर का शोध निर्देशन।
10. सोवा-रिग्पा की यूजी सिलेबस फ्रेमिंग कमेटी के सदस्य।
11. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, यूपी के पी-एच.डी. के पाँच छात्रों (पाँच) का शोध निर्देशन।
12. भारतीय हिमालय के मठ शिक्षा केंद्रों के भोटी भाषा और बोध दर्शन के लिए पाठ्य पुस्तकों की संपादकीय समिति के सदस्य।
13. के.उ.ति.शि.सं. के विस्तृत एस.एस.आर. विश्लेषण, लिए समिति के सदस्य।
14. सेंटर फॉर तिब्बती लिटरेचर, के.उ.ति.शि.सं. की रिपोर्ट बनाने के सदस्य।

II. संगोष्ठियों/सम्मेलन/कार्यशालाओं आदि में व्याख्यान, शोधपत्र आदि की प्रस्तुति:

1. 23 मई 2021 : वाई.आर.एफ. होस्ट श्री छेतेन दोर्जे के साथ लेखन और भाषण देने दोनों को बढ़ाने के लिए शिक्षण और लोकोक्तियों से परिचित कराने के विषय पर चर्चा के लिए यूथ रेडियो फोरम में आमंत्रित किया गया: एक कहावत एक सरल, ठोस, पारंपरिक कहावत है जो सामान्य ज्ञान या अनुभव के आधार पर एक कथित सत्य को व्यक्त करती है। https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0523-1300.mp3
2. 27 जून 2021 : वाई.आर.एफ. होस्ट: श्री छेतेन दोर्जे के साथ हिमाचल के किन्नौर के लोगों के लिए तिब्बती भाषा के महत्व के विषय पर चर्चा के लिए यूथ रेडियो फोरम में आमंत्रित किया गया: https://streamer1। rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0627-1300.mp3

3. 18 जुलाई 2021 : वाई.आर.एफ. श्री छेतेन दोर्जे होस्ट के साथ "तिब्बती भाषा सीखना, लद्दाख के लोगों के बीच उपयोग और प्रचार" विषय पर चर्चा के लिए यूथ रेडियो फोरम में आमंत्रित: (https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0718-1300.mp3)
4. 26 जुलाई 2021 : दलाई लामा संस्थान के पीएचडी उम्मीदवारों की छह मासिक प्रगति रिपोर्ट की डॉक्टरेट समिति की बैठक में वर्चुअल ऑनलाइन में भाग लिया।
5. 31 अक्टूबर 2021 : वाई.आर.एफ. होस्ट श्री छेतेन दोर्जे के साथ "भविष्य में मोन्युल में तिब्बती भाषा कैसे विकसित करें आदि" विषय पर चर्चा के लिए यूथ रेडियो फोरम में आमंत्रित। https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-1031-1300.mp3
6. 2-16 नवंबर 2021 : तिब्बती भाषा और साहित्य द्वारा आयोजित दो सप्ताह के तिब्बती भाषा और साहित्य वरिष्ठ संस्कृत शिविर में भाग लिया।
7. 9 नवंबर 2021 : श्री टाशी वांगछुक रेडियो फ्री एशिया यूएसए में मेजबान "तिब्बत के बाहर तिब्बतियों की युवा पीढ़ी के बीच भाषा स्थानांतरण की चुनौती का सामना कैसे करें" विषय पर साथ चर्चा के लिए आमंत्रित: https://www.rfa.org/tibetan/society/tibetans-disperse-leads-to-reduction-of-usage-of-tibetan-language-in-daily-lives-11062021102918.html
8. 19 दिसंबर 2021 : वाई.आर.एफ. होस्ट श्री छेतेन दोर्जे के साथ "संकाय और विभागों की संख्या, प्रवेश और आवश्यक योग्यता के नियमों और विनियमों के बारे में" चर्चा के लिए यूथ रेडियो फोरम में आमंत्रित किया गया: (यूथ रेडियो फोरम, 34:53 मिनट) । https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-1219-1300.mp3
9. 16 जनवरी 2022 : द ग्रेट शाक्यमोनलम फाउंडेशन ऑफ शाक्य स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा CIHTS, सारनाथ वाराणसी में आयोजित शाक्यपंडिता के त्रिक प्रतिज्ञाओं पर एक राष्ट्रीय गैर-सांप्रदायिक संगोष्ठी में भाग लिया।
10. 12 जनवरी 2022 : राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ओपन हाउस चर्चा में भाग लिया।
11. 21 फरवरी 2022 : विश्व भाषा दिवस के अवसर पर मेजबान श्री टाशी वांगछुक के साथ "विश्व भाषा दिवस की पृष्ठभूमि का इतिहास और इसके महत्व" विषय पर चर्चा के लिए रेडियो फ्री एशिया यूएसए को आमंत्रित किया गया। https://www.rfa.org/tibetan/tibet/china-announces-affressive-campaign-to-promote-mandarin-language-100-percent-by-2035-02222022100523.html
12. 19 मार्च 2022 : कशग सचिवालय में आयोजित सिक्योंग पेन्पा छेरिंग की अध्यक्षता में "शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति के 9वें वार्षिक सम्मेलन" में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता सिक्योंग पेन्पा त्सेरिंग, शिक्षा कलोन चांगरा थरलम डोलमा और शिक्षा परिषद के अध्यक्ष गेशे लहकदोर ने की।

(III) प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी	-	विभागाध्यक्ष
(2) प्रो. बाबूराम त्रिपाठी	-	विजिटिंग प्रोफेसर (हिन्दी, पुनर्नियुक्त)
(3) डॉ. अनुराग त्रिपाठी	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
(4) डॉ. ज्योति सिंह	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)

(5) डॉ. अनिमेष प्रकाश - असिस्टेंट प्रोफेसर (पालि)
(6) डॉ. महेश शर्मा - असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेज़ी)
(7) डॉ. रामसुधार सिंह - अतिथि प्राध्यापक (हिन्दी)
(8) डॉ. विवेकानन्द तिवारी - अतिथि प्राध्यापक (हिन्दी)
(9) डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी - अतिथि प्राध्यापक (पालि)
(10) डॉ. जसमीत गिल - अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेज़ी)

विभागीय गतिविधियाँ-

डॉ. अनुराग त्रिपाठी

प्रकाशन:

1. "डॉ. उदय प्रताप सिंह की हिन्दी आलोचना" विषयक लेख 'साधुभाव की बैखरी : सन्दर्भ उदय प्रताप सिंह', डॉ. कमल किशोर गोयनका, आर्यावर्त संस्कृत संस्थान, दयालपुर, दिल्ली द्वारा सम्पादित पुस्तक में प्रकाशित, आई.एस.बी.एन. : 978-93-92235-10-8, 2022, पृष्ठ संख्या 420-423.
2. "आपका बंटी : आज के परिप्रेक्ष्य में" विषयक लेख मानविकी पीयर-रिव्यु एण्ड रेफरीड रिसर्च जर्नल, वाराणसी में प्रकाशित, आई.एस.एस.एन. : 0975-7880, जनवरी-जून 2022, पृष्ठ संख्या 1-8.

आमन्त्रित व्याख्यान:

1. 19 नवम्बर, 2021 : बसन्त कन्या महाविद्यालय राजघाट, वाराणसी के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में "निराला का काव्यात्मक वैशिष्ट्य" विषय पर व्याख्यान दिया।

शोधपत्र प्रस्तुति / रिफ्रेशर कोर्स में सहभागिता / वर्कशाप / संगोष्ठी:

1. 13-14 नवम्बर 2021 : राजभाषा विभाग गृह मन्त्रालय, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय "अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन" में सहभागिता की।
2. 10-25 फरवरी 2022 : शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी और सी.एम.पी. महाविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में सहभागिता की।
3. 28-29 मार्च, 2022 : रामानुजन कॉलेज, दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "तुलसीदास के साहित्य में राम" विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आयोजित संगोष्ठी:

1. 17-18 जून, 2021 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी एवं इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक सांइसेस बेंगलूरु कर्नाटक के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "योग एण्ड मेंटल हेल्थ" विषय पर दो दिवसीय आभासी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
2. 14-18 सितम्बर, 2021 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में "राजभाषा सप्ताह समारोह" का आयोजन किया।

संस्थान के अन्य उत्तरदायित्व:

1. सदस्य सचिव - राजभाषा कार्यान्वयन समिति

2. सदस्य - वार्षिक रिपोर्ट समिति
3. सदस्य - स्क्रूटनी समिति

डॉ. ज्योति सिंह

प्रकाशित लेख:

"मन्नू भंडारी के साहित्य में सामाजिकता" शोधपुंज (पीयर रिवीव्ड) दिसंबर 2021 आईएसएसएन नं- 2229-7871

आमन्त्रित वक्ता-

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा द्वारा संचालित राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी 2022) विषय "स्वामी विवेकानंद : जीवन और विचार" में रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित।

कार्यशाला और संगोष्ठी में सहभागिता:

1. 21 अक्टूबर - 30 अक्टूबर, 2021 : डीएवीपीजी कॉलेज, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित "हिंदी साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ" में 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
2. 13-14 नवंबर 2021 : राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय "अखिल भारतीय रायभाषा सम्मेलन" में भाग लिया।
3. 9 जनवरी, 2022 : राष्ट्रीय वेबिनार "नब्बे के बाद का भारतीय यथार्थ और काशीनाथ सिंह के उपन्यास" में भाग लिया। केरल हिंदी साहित्य मंडल, कोच्चि के सहयोग से सेंट पीटर कॉलेज, कोलेनचेरी, एर्नाकुलम महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम द्वारा संचालित।
4. 30-31 मार्च, 2022 : भारत अध्ययन केंद्र, बीएचयू द्वारा आयोजित शोध पत्र "काशी और कबीर" प्रस्तुत किया।

संस्थानीय अन्य जिम्मेदारियां-

1. यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ के अध्यक्ष
2. सदस्य अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग अनुपालन प्रकोष्ठ
3. सदस्य वार्षिक रिपोर्ट समिति
4. सदस्य पुस्तक चयन समिति
5. संपादन समिति 'बोधिप्रभ' पत्रिका के सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सी.आई.एच.टी.एस.
6. जर्नल "द इटरनिटी" (एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक शोध पत्रिका) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य।

डॉ. अनिमेष प्रकाश

प्रकाशित पुस्तक

प्रकाश अनिमेष. (2021). *Taming the Serpent King Nandopananda: Historicity, Transmission, and Translation of Pāli & Tibetan Discourse*. नई दिल्ली: आदित्य प्रकाशन, ISBN: 978-81-950961-9-0.

संगोष्ठी में सहभागिता

महाबोधि सोसाईटी ऑफ इण्डिया और अनागारिक धर्मपाल इंस्टीट्यूट ऑफ पालि एण्ड बुडिस्म के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ८ वाँ पालि एवं बौद्ध धर्म अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-वाचन.

प्रपत्र का विषय: *Some Observations on Early Buddhist Nuns.*

अन्य सहभागिता

1. 13-18 दिसम्बर, 2021 : पालि भाषा और बर्मी लिपि विषयक कार्यशाला का आयोजन, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।
2. 10-25 फरवरी, 2022 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और द्रोनित पेनाले ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में *Enhancing Efficiency and Culture of Learning in Higher Education as Per the New Education Policy* विषयक आयोजित अंतर्जालीय रिफ्रेसर कोर्स।

अन्य क्रियाकलाप

1. अगस्त 6, 2021 : NEP-2020 के प्रावधानों के साथ संरक्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए UG (पालि) पाठ्यक्रम का पुनर्निर्माण
2. परीक्षक, एम॰ फिल॰ शोध प्रबंध, मुंबई विश्वविद्यालय
3. परीक्षक, एम॰ फिल॰ शोध प्रबंध, दिल्ली विश्वविद्यालय

अन्य उत्तरदायित्व

1. सदस्य, महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन और मीडिया समिति, कोलकाता
2. सदस्य, गवर्निंग बॉडी, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया

शोध परियोजना

जनवरी 01, 2022-दिसम्बर 31, 2022 : विशेषज्ञ, गादेन फोडङ, धर्मशाला और केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्वाधान में "एक-वर्षीय पालि अनुवाद कार्यशाला" शोध परियोजना।

डॉ. महेश शर्मा

शैक्षणिक

1. 18-24 अक्टूबर 2021 : पांडिचेरी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "साहित्यिक अध्ययन इन द न्यू मिलेनियम" पर सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ए+ ग्रेड के साथ पूरा किया।
2. 13-19 फरवरी 2022 : वाना मोनपा छात्रों की शैक्षिक समिति के लिए CIHTS में एक सप्ताह तक चलने वाली "अंग्रेजी लेखन कौशल कार्यशाला" में प्रशिक्षण दिया।
3. 20 फरवरी-06 मार्च 2022 : टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा IQAC, SGKM कॉलेज, सोलापुर, महाराष्ट्र के सहयोग से आयोजित A+ ग्रेड के साथ रिसर्च मेथडोलॉजी पर दो सप्ताह का ऑनलाइन इंटर-डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स PMMMNMTT, शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में पूरा किया।

प्रकाशन

1. महेश शर्मा और टी.एस. कविता- "इवनिंग शैडो: नेटफ्लिक्सिंग द क्वीर आइडेंटिटी" एलजीबीटीक्यू में प्रकाशित: राजश्री राणावत द्वारा संपादित नई दिल्ली: ऑथरस्प्रेस। जून 2021. आईएसबीएन 978-93-90891-97-9
2. ध्वनि और साहित्य की पुस्तक समीक्षा। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2020, 442।" इंटरनेशनल ओपन पीयर-रिव्यू जर्नल पल्स: द जर्नल ऑफ साइंस एंड कल्चर, सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी, हंगरी (प्रकाशनाधीन)
3. "लॉकडाउन में सीता" बोधिप्रभ पत्रिका राजभाषा समिति में प्रकाशित, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, 2021, 199-203।

समिति

1. सदस्य सचिव- आईक्यूएसी, सीआईएचटीएस
2. संपादकीय टीम- विश्वविद्यालय ई-बुलेटिन
3. समन्वयक- CIHTS इंग्लिश लर्निंग एंड डॉक्यूमेंट्री क्लब
4. सदस्य- विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21
5. सदस्य- विश्वविद्यालय वेबसाइट समिति
6. सदस्य- पुस्तकालय पुस्तक चयन समिति

डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी

सेमिनार कन्फ्रेंस वर्कशॉप में उपस्थितिः

1. 13-14 नवंबर 2021 : राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय "अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन" में भाग लिया।
2. 13-18 दिसंबर, 2021 : के.उ.ति.शि.सं. में पालि भाषा और बर्मी लिपि पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रकाशित लेखः

1. द्विवेदी, रवि रंजन (2022), बुद्ध कालीन शिक्षा प्रणाली, अयन, Vol. X.

डॉ. जसमीत गिल

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. जर्नल ऑफ़ आर्ट्स (ISSN 2319-5339), में "व्हेयर द वनैरिक ट्रेल लीड्स इन गिरीश कर्नाड के 'द ड्रीम्स ऑफ़ टीपू सुल्तान'" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया। खंड 10, अंक-2, दिसम्बर 2021।
2. 9 दिसंबर, 2021 को अतीशा हॉल, CIHTS, वाराणसी में ओरिएंटेशन प्रोग्राम और विंटर कैंपेन के लिए 'लर्निंग इंग्लिश लैंग्वेज स्किल्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

समितियां:

1) संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट समिति
2) इंग्लिश लर्निंग एंड डॉक्यूमेंट्री क्लब, CIHTS, सारनाथ
3) संस्थान वेबसाइट समिति
4) इन्क्यूबेशन और छात्र प्लेसमेंट सेल

(IV) शिक्षाशास्त्र विभाग

किसी भी राष्ट्र और समाज के विकास के लिए शिक्षा आधार स्तंभ होती है। शिक्षा के महत्व को संदर्भित करते हुए केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान ने योग्य शिक्षकों के निर्माण हेतु एनसीटीई से अनुमोदन लेकर शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया। एनसीटीई ने संस्थान के महत्व को देखते हुए 2014-15 में बीए.बीएड/बीएससी.बीएड तथा बीएड पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। इसके साथ ही एनसीटीई ने एम.एड कोर्स को संचालित करने हेतु 2018 में अनुमोदित किया है। CIHTS ने उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए अपना खुद का

पाठ्यक्रम तैयार किया है जिसे एनसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है और CIHTS के तहत शिक्षक शिक्षा केंद्र (सीटीई) के रूप में चल रहा है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र के पाठ्यक्रम की विशिष्टता यह है कि यहां अध्ययन और अनुशासन के अलावा, तिब्बती भाषा और साहित्य का अनिवार्य ज्ञान तथा बौद्ध दर्शन (नालंदा परंपरा), मन के विज्ञान, ज्ञानमीमांसा, तर्क, मनोविज्ञान, तत्वमीमांसा तथा आधुनिक शिक्षा, कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने और कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने के लिए विज्ञान को भी ध्यान में रखा जाता है। यह केन्द्र शब्दविद्या संकाय के अन्तर्गत संचालित है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रम-

1. दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम
2. चार वर्षीय इनोवेटिव इंटीग्रेटेड बी.ए.बी.एड. कार्यक्रम

शिक्षक शिक्षण केंद्र के सदस्य:

1. डॉ. हिमांशु पांडे - निदेशक (प्रभारी)
2. डॉ. हुमा कयूम - शैक्षणिक समन्वयक और सहायक प्रो., (शिक्षा)
3. डॉ जम्पा थुपटेन - सहायक प्रोफेसर, भूगोल
4. वेन ताशी धोंडुप - सहायक प्रो., तिब्बती भाषा और साहित्य
5. वेन लोबसंग ग्यात्सो - सहायक प्रोफेसर, बौद्ध दर्शन/तर्क
6. श्री थिनले वांगचुक - सहायक प्रोफेसर, इतिहास
7. डॉ. कृष्णा पांडेय - सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
8. डॉ. सुशील कुमार सिंह - सहायक प्रोफेसर, हिंदी
9. सुश्री पी. सुष्मिता वात्स्यायन - सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी
10. श्री तेनज़िन नामगांग - सहायक प्रोफेसर, तिब्बती इतिहास

प्रशासन स्टाफ:

1. श्रीमती रीना पांडेय - कार्यालय सहायक
2. श्री तेनज़िन त्सेटन - कार्यालय सहायक
3. श्री विशाल पटेल - कार्यालय सहायक
4. सुश्री यांगचेन संगमो - लाइब्रेरियन (सीटीई लाइब्रेरी)
5. श्री राजू भारद्वाज - एमटीएस

शैक्षणिक गतिविधियां:

शिक्षक शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया -

1. 13 नवंबर, 2021 : शिक्षक शिक्षण केंद्र ने छात्रों और शिक्षकों के लिए "रिसर्च मेथडोलॉजी एंड बायोस्टैटिस्टिक्स" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रोफेसर टी एम महापात्रा, आईएमएस, बीएचयू, प्रोफेसर आर एन मिश्र, आईएमएस, बीएचयू,तथा विष्णु अग्रवाल, विभागाध्यक्ष,जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एमएनएनआईटी, प्रयागराज थे।

2. 13 फरवरी, 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने सीटीई के छात्रों द्वारा एक दिवसीय "सामुदायिक कार्य" का आयोजन किया। उक्त सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में बी.ए.बी.एड के अंतिम वर्ष, और बीएड के छात्रों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

3. 08 मार्च, 2022 : सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन ने संयुक्त रूप से रैली मार्च के साथ-साथ एक सतत कल के लिए जेंडर इक्वलिटी टुडे विषय पर केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के साथ महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

संकाय शैक्षणिक गतिविधियां:

डॉ. सुशील कुमार सिंह

गतिविधियाँ – आयोजक और समन्वयक:

13 फरवरी, 2022 : सीटीई के छात्रों द्वारा एक दिवसीय "सामूहिक कार्य" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के सभी छात्र/छात्राओं सहित शिक्षकों और कार्यालय के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

प्रो. देवराज सिंह - प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, कोर्डिनेटर आई.क्यू.ए.सी. सेल

(I) समाजशास्त्र विभाग

(1) प्रो. जम्पा समतेन	-	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (तिब्बती इतिहास)
(2) प्रो. उमेश चन्द्र सिंह	-	प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
(3) प्रो. एम.पी.एस. चन्देल	-	प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
(4) डॉ. कौशलेश सिंह	-	एसोसिएट प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
(5) डॉ. अमित मिश्रा	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
(6) डॉ. उर्ग्येन	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (तिब्बती इतिहास)
(7) डॉ. प्रशांत कुमार मौर्य	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
(8) डॉ. वीरेन्द्र सिंह	-	अतिथि प्राध्यापक (अर्थशास्त्र)
(9) डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी	-	अतिथि प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

तिब्बती इतिहास और संस्कृति में आचार्य (मास्टर डिग्री) पाठ्यक्रम जुलाई, 2017 से सामाजिक विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम में जोड़ा गया सबसे नया विषय है। यह पाठ्यक्रम तिब्बती प्रवासी में अपनी तरह का पहला है, और चूंकि कोई पाठ्यपुस्तक नहीं थी। मौजूदा मॉडल को आधार बनाने के लिए, संकाय को इसे शुरू से ही डिजाइन करना पड़ा। इस व्यापक पाठ्यक्रम में तिब्बत और उसके पड़ोसी एशियाई देशों के सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास दोनों को शामिल किया गया है। इस पाठ्यक्रम में पुरातत्व, नृविज्ञान, इतिहासलेखन और मुद्राशास्त्र पर परिचयात्मक पाठ भी शामिल हैं जो ऐतिहासिक अध्ययन का अनिवार्य हिस्सा है। छात्रों के पहले बैच ने 2019 में उक्त पाठ्यक्रम पूरा किया। 4 छात्रों में से, उनमें से दो पीएच.डी. पाठ्यक्रम और एम.फिल में एक अवधि। उनमें से एक ने सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, सीआईएचटीएस द्वारा संचालित मास्टर इन एजुकेशन कोर्स को चुना।

प्रो. उमेश चन्द्र सिंह

1. 01 अक्टूबर 2021 : शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन का पालन करते हुए गांधी जयंती पर केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में छात्रों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।
2. 10 अक्टूबर 2021 : "विमर्श के आयाम" विषय पर राष्ट्रीय पुस्तकालय, वाराणसी में संगोष्ठी में भाग लिया और व्याख्यान दिया।
3. 25 अक्टूबर 2021 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के परिसर में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान एवं वन्देमातरम के समन्वयक के रूप में भाग लिया।

4. 30 अक्टूबर 2021 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में "स्वबोध, स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहासः काशी के विशेष सन्दर्भ में" विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री बाल मुकुंद पाण्डेय, सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकल्प योजना, नई दिल्ली रहे।

डॉ. अमित मिश्रा

संपादित पुस्तकों में लेखः

1. 21-23 जून 2021 : प्रो. जी.जे. रेड्डी एड. सेंटर फॉर साउथ ईस्ट एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इंडो-पैसिफिक कंस्ट्रक्शन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक प्रस्तुति के आधार पर 2022 में रिलीज की प्रक्रिया के तहत नॉलेज वॉल्यूम।
2. अक्टूबर 2021 : प्रोफेसर बदरुद्दीन एड में इंटरनेशनल रिवर वाटर शेयरिंग पर बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध शीर्षक से एक शोध पत्र का योगदान दिया। भारतीय लोकतंत्र के बदलते मापदंड; पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर, (मित्तल पब्लिकेशनः दिल्ली)।
3. दिसंबर 2021 : एक किताब जिसका शीर्षक है, गवर्नेंस ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट: लेसन्स फ्रॉम इंडिया, लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, आईएसबीएन: 978-620-4-71683-1 (डसेलडोर्फ, जर्मनी :)

सम्मेलनों में भागीदारीः

1. 21-23 जून, 2021: केंद्र द्वारा आयोजित इंडो-पैसिफिक कंस्ट्रक्शन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इंडो-पैसिफिक परिदृश्य में इंडो-एशियन संबंधों का महत्व : क्वाड लेंस में प्रभाव" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। दक्षिण पूर्व एशियाई और प्रशांत अध्ययन, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय।

डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य

सदस्य, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग अनुपालन प्रकोष्ठ, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान

ओरियेन्टेशन/रिफ्रेशर/फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम में सहभागिताः

21 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2021 : मानव संसाधन विकास केंद्र (HRDC), डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "भारतीय अर्थव्यवस्था में समाज कल्याण नीति की भूमिका" पर UGC-प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

शोधपत्र प्रकाशितः

मई-अक्टूबर, 2021 : उन्मेष पत्रिका, खंड VII, संख्या 2, (आईएसएसएन संख्या 2394-2207) में "क्लाइमेट क्राइसिस : ए थ्रेट टू चाइल्ड राइट्स" शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी

मई 2021 : सहायक प्रोफेसर (अतिथि) के रूप में संस्थान में पदस्थ होकर स्नातक कार्यक्रम का अध्यापन।

भागीदारी-

1. 27 सितम्बर 2021 : इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन द्वारा आयोजित "राजनीति विज्ञान संघों के बीच संबंधों के विकास के महत्व" पर वेबिनार।
2. जनवरी 2022 : तीसरा वार्षिक यूके राजनीतिक मनोविज्ञान सम्मेलन।

घ) शिल्प-विद्या संकाय

प्रो. लोब्संग तेन्जिन - संकायाध्यक्ष

(I) तिब्बती चित्रकला विभाग

(II) तिब्बती काष्ठकला विभाग

(1) श्री जिग्मे - असिस्टेंट प्रोफेसर (चित्रकला)
(2) डॉ. शुचिता शर्मा - असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास एवं सौन्दर्यशास्त्र)
(3) श्री बुचुंग - अतिथि प्राध्यापक (काष्ठकला)
(4) श्री देछेन दोर्जे - अतिथि प्राध्यापक (भोट साहित्य)
(5) श्री कुंगा ञिङपो - अतिथि प्राध्यापक (चित्रकला)
(6) लोप्सङ् शेरब - अतिथि प्राध्यापक (चित्रकला)
(7) तेन्जिन जोर्देन - अतिथि प्राध्यापक (काष्ठकला)

क. तिब्बती चित्रकला विभाग

इस विभाग का उद्देश्य है- महत्त्वाकांक्षी विद्यार्थियों को तिब्बती पटचित्र निर्माण के साथ बौद्ध दर्शन, चित्रकला-इतिहास, हस्तकला-दर्शन एवं इतिहास, भारतीय एवं पाश्चात्य कला, इतिहास और सौन्दर्यशास्त्र, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, हिन्दी व अंग्रेजी का ज्ञान देना। विद्यार्थियों को हमें अपने पूर्वजों से प्राप्त चित्रलेखन कला की धरोहर तथा उसकी तकनीक सिखायी जाती है। रंग-मिश्रण, चित्रलेखन में प्रयुक्त उपकरण आदि सभी विषयों को बारीकी से सिखाया जाता है। शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ - ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, कार्यशाला आदि का आयोजन भी किया जाता है।

विभागीय गतिविधियाँ-

1. 17-18 दिसम्बर, 2021 : पारंपरिक तिब्बती चित्रकला विभाग द्वारा 'चित्रकला और कला सिद्धांत' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

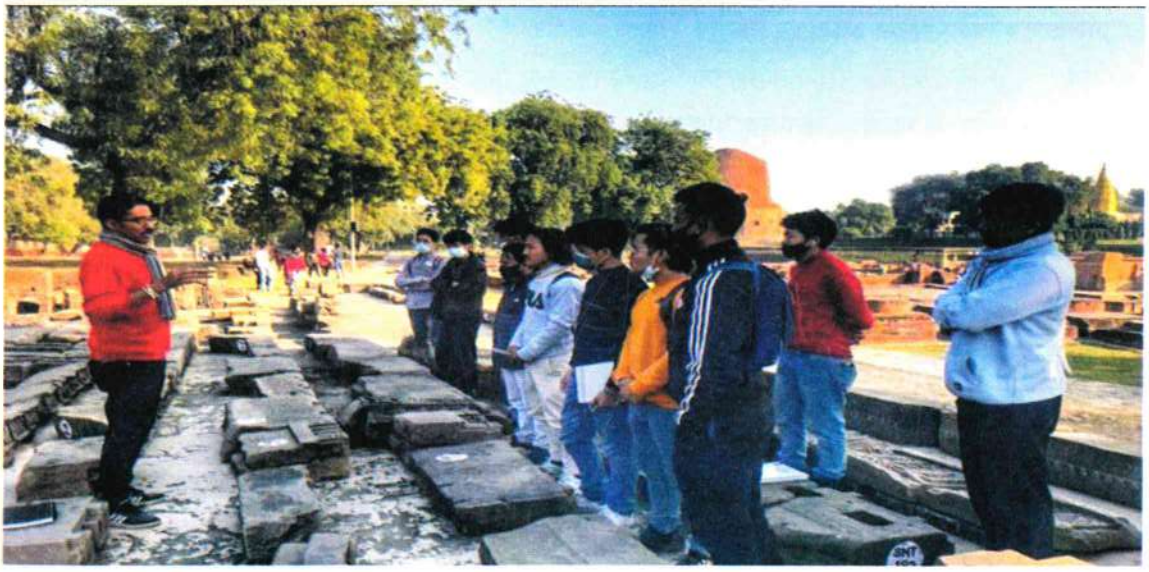

2. 21 फरवरी - 13 मार्च 2022 : शिल्पविद्या विभाग, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, मीरा एजुकेशनल सोसाइटी, वाराणसी एवं इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में थंका चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभाग के शिक्षक एवं वरिष्ठ छात्रों ने थंका का प्रशिक्षण प्रदान किया।

सात दिवसीय थंका चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

सेवापुरी। रोहनिया क्षेत्र के घमहापुर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट में सोमवार को सात दिवसीय थंका चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर शुरू हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर सुचिता शर्मा केंद्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान वाराणसी एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सरोज रानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने परंपरागत चित्रकला पद्धति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए संवर्धन के लिए हो रहे निरंतर प्रयास की सराहना की वही विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में थंका चित्रकला तिब्बत भारत सहित नेपाल में प्रचलित है वही मीरा एजुकेशनल सोसाइटी के हिमांशु सिंह ने कहा की संस्कृति मंत्रालय थंका जैसे परंपरागत कला शैलियों पर विशेष ध्यान दे रही है जो सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनिल कुमार सिंह व धन्यवाद ज्ञापितअवधेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

डॉ. शुचिता शर्मा

1. आजादी का अमृत महोत्सव के कार्यक्रम के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।
2. 30 अक्टूबर 2021 : अमृत महोत्सव के कार्यक्रम के अन्तर्गत "स्वबोध, स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहास : काशी के विशेष सन्दर्भ" विषय पर समन्वयक के रूप में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
3. 19 से 25 नवम्बर 2021 : साम्प्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह समारोह का समन्वयक के रूप में आयोजन किया।
4. 21 फरवरी - 13 मार्च 2022 : शिल्पविद्या विभाग, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, मीरा एजुकेशनल सोसाइटी, वाराणसी और इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में समन्वयक के रूप में थंका चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रकाशन

1. हिमाचल प्रदेश में धार्मिक स्थापत्य परंपरा के अवलोकन, अयन, लिटरेचर, सोसाइटी, ह्यूमैनिटी डिसकोर्स (एन इन्टरनेशनल मल्टी डिस्प्लीनरी पीयर रिव्यूड एण्ड रेफरीड रिसर्च जर्नल) 2021
2. हिमाचल में वास्तुकला की देशज शैली: लक्षना देवी मंदिर (पेंट रूफ), मानविकी इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड एंड रेफर्ड रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, 2021

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

स्पेशल समर स्कूल (ऑनलाइन) समकक्ष रिफ्रेशर कोर्स, 20 जुलाई से 2 अगस्त 2021, मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय।

संगोष्ठी

13-14 नवंबर 2021 : राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय "अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन" में भाग लिया।

कार्यशाला

1. 21-25 अगस्त 2021 : 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : क्रियान्वयन का प्रथमवर्ष' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला, सीटीई, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, प्रयागराज द्वारा आयोजित कार्यशाला में सहभागिती की।
2. 25-31 दिसंबर 2021 : संस्कार भारती और इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 'महिला कलाकारों की पेंटिंग' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में सहभागिता की।

समूह प्रदर्शनियों में भागीदारी

1. 10 अक्टूबर 2021 : संस्कार भारती और इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित महिला चित्रकारों की राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में सहभागिती की।
2. 22 मार्च 2022 : प्रिज्म 336 पेंटिंग्स, स्कल्पचर विजुअल आर्ट्स की प्रदर्शनी में सहभागिता की।
   https://youtu.be/plrraeKWE30

ख. तिब्बती काष्ठकला विभाग

तिब्बती पारम्परिक काष्ठकला के साथ बौद्ध दर्शन आदि का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित है। विद्यार्थियों को विशेषकर तिब्बती परम्परा की काष्ठ कला, उसका इतिहास तथा अवधारणा की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त भारतीय एवं पाश्चात्य कला का इतिहास, सौन्दर्य शास्त्र तथा भाषाएँ सिखायी जाती हैं। वर्ष 2018-19 में शिक्षण के अतिरिक्त - शैक्षणिक भ्रमण तथा अनेक काष्ठकला कार्यशालाओं के आयोजन आदि विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में विभागीय सदस्यों तथा छात्रों ने भाग लिया।

(ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

प्रो. लोब्संग तेन्जिन - संकायाध्यक्ष

(I) सोवा रिग्-पा विभाग

1. हमारे विश्वविद्यालय ने सोवा रिग्पा को एक विभाग के रूप शैक्षणिक वर्ष 1993-1994 में स्थापित किया।
2. विभाग का मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य-
   - 2.1. सोवा-रिग्पा के पारंपरिक ज्ञान और इसकी प्रचलित प्रथाओं को संरक्षित और संवर्धित करना।
   - 2.2. सोवा-रिग्पा विद्यार्थियों को अधिगमित (सिखाने) पढ़ाने के लिए अनुभवजन्य आलोचनात्मक पद्धति को उपयोग में लाना।
   - 2.3. जनसामान्य स्वास्थ्य संरक्षण हेतु योगदान देना।
   - 2.4. सोवा-रिग्पा के शोधकर्ताओं को आवश्यक सुविधाएं अनुसंधान हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना।
   - 2.5. लुप्तप्राय औषधीय जड़ी-बूटियों और इससे निर्मित औषधियों के निर्माण प्रक्रिया को संरक्षित करना।
   - 2.6. इस चिकित्सा पद्धति पर अनुसंधान और अन्य चिकित्सा पद्धतियों के लोगों से संवाद कर प्रणाली को समृद्ध करना।
3. हमारा विश्वविद्यालय सोवा-रिग्पा में स्नातक, परास्नातक एवं विद्यावारिधि कार्यक्रम को संचालित करता है।
4. वर्ष 2022 में स्नातक पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया।

सोवा- रिग्पा विभाग के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पद नाम
1	आचार्य राम हर्ष सिंह	संयुक्त आचार्य
2	आचार्य लोबसांग तेनजिन	अभ्यागत आचार्य
3	डा. दोर्जे दुमदुल	सह आचार्य, संकाय प्रमुख, चिकित्सा अधीक्षक
4	डा. टशी दावा	सहायक आचार्य, विभाग प्रमुख
5	डा. ए. के. राय	अतिथि संकाय एवं शोध क्रियान्वायक
6	डा. छिमी डोलकर	अतिथि संकाय एवं अस्पताल प्रभारी
7	डा. दावा छेरिंग	अतिथि संकाय एवं औषध निर्माणशाला प्रभारी
8	डा. लोडे मुन्सेल	अतिथि संकाय एवं चिकित्सा प्रभारी
9	डा. तेनजिन देलक	अतिथि संकाय एवं परामर्श चिकित्सक
10	डा. पेम्पा छेरिंग	अतिथि संकाय एवं वाग्भट पुस्तकालय प्रभारी
11	डा. कर्मा थर्चिन	औषधशाला सहायक
12	डा. सेंगे खंडो	चिकित्सा सहायक
13	डा. छेवांग संगमो	शोध एवं विकास सहायक
14	डा. वांगेल दोर्जे	भैषज्य विज्ञान सहायक
15	डा. दावा डोल्मा	जोंग सहायक
16	डा. नवांग कुंचेंन	भैषज्य विज्ञान सहायक
17	श्री वी. के. पाटिल	प्रयोगशाला सहायक
18	श्रीमती केलसंग वांगमो	तकनीकी सहायक एवं व्यक्तिगत सहायक
19	श्री निमा छोगेल	ई डी ऍम जी परियोजना सहायक
20	श्रद्धेय तेनजिन संग्पो	औषधि वितरक
21	श्री मस्त राम	कोषपाल
22	कुमारी सोनम डोल्मा	औषधि वितरक
23	कुमारी यूंन्द्रोंग वांगमो	औषधि वितरक
24	श्री सेंगे वांगचुक	ई डी ऍम जी परियोजना पर्यवेक्षक
25	श्री सोनम फुन्चोक	ई डी ऍम जी परियोजना चौकीदार
26	श्रीमती रिन्चिन लह्मो	ई डी ऍम जी परियोजना बहु विधि सेवा
27	श्री तेनजिन छोड़ेन्न	ई डी ऍम जी परियोजना बहु विधि सेवा
28	श्री काशीनाथ प्रजापति	अस्पताल चौकीदार
29	श्री लव कुमार	कार्यालय चपरासी
30	श्री बृजमोहन भारद्वाज	औषधशाला बहु विधि सेवा
31	श्री सुभाष	औषधशाला बहु विधि सेवा

32	श्री शिव कुमार यादव	औषधशाला बहु विधि सेवा
33	श्री अनिल कुमार	दैनिक वेतन भोगी
34	श्री अशोक कुमार	दैनिक वेतन भोगी
35	श्री राजेश कुमार	दैनिक वेतन भोगी
36	श्री संजय कुमार भारद्वाज	दैनिक वेतन भोगी
37	श्रीमती सुधा देवी	दैनिक वेतन भोगी
38	श्री रोहित कुमार राजभर	दैनिक वेतन भोगी
39	श्री सुनील कुमार राजभर	दैनिक वेतन भोगी
40	श्री बृज कुमार कनौजिया	अस्पताल सफाई कर्मचारी
41	श्री वसीम	अस्पताल सफाई कर्मचारी
42	श्रीमती धन्वन्तरी देवी	अस्पताल सफाई कर्मचारी
43	श्रीमती माला देवी	अस्पताल सफाई कर्मचारी
44	श्रीमती स्वाति कुमारी गोड	अस्पताल सफाई कर्मचारी

शैक्षणिक गतिविधियां :-

परिसंवाद, सम्मेलन, विमर्श-गोष्ठी, एवं कार्यशाला

1. 7 फरवरी से 18 फरवरी 2022 - एमोरी विश्वविद्यालय में तिब्बत विज्ञान के प्रस्ताव पर करुणा-आधारित नैतिकता एवं चिंतनशील विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित 11 दिवसीय 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "तिब्बती में वैज्ञानिक शब्दों के मानकीकरण" में डॉ. ताशी दावा ने जूम मीटिंग (ऑनलाइन) माध्यम से भाग लिया।
2. 20 और 21 मार्च 2022 - भारत के पूर्वोतर राज्यों के सोवा-रिग्पा चिकित्सकों हेतु आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उद्बोधन के लिए डॉ. दोरजी दमदुल को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिसका आयोजन सोवा-रिग्पा राष्ट्रीय संस्थान, लेह, लद्दाख ने नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी एनआईटी गंगटोक, सिक्किम के सहयोग से किया गया।

व्याख्यान शृंखला और वार्ता

1. 5 दिसम्बर 2021 - सोवा-रिग्पा विद्वान विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान शृंखला का आयोजन किया गया, जिसमे मेन-त्सी-खांग, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के पांच आगंतुक चिकित्सको को आमंत्रित किया गया।
2. 28 दिसम्बर 2022 - पी.जी.आर.एच. संगोष्ठी कक्ष में प्रो. पेमा तेनज़िन ने अनुसंधान पद्धति और संदर्भ संकलन पर व्याख्यान दिया।
3. 30 दिसंबर 2021 - पी.जी.आर.एच. के व्याख्यान कक्ष में अपरान्ह 2:30 बजे डॉ. के. एस. धीमान सी.सी.आर.ए.एस, के पूर्व महानिदेशक तथा वर्तमान में आई.एम.एस, बी.एच.यू. प्रोफेसर ने अनुसंधान हेतु दिशानिर्देश, तथा अनुसंधान पद्धति एवं वैज्ञानिक लेखन पर व्याख्यान दिया।
4. (बी.एस.आर.एम.एस.) कचुपा प्रथम के विद्यार्थियों हेतु दिशा निर्देश कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दोरजी डमदुल, संकाय प्रमुख सोवा-रिग्पा की अध्यक्षता पी.जी.आर.एच के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया।
5. 31 दिसंबर 2021 - पी.जी.आर.एच. संगोष्ठी कक्ष में प्रोफेसर जम्पा समतेन द्वारा अनुसंधान पद्धति और सामान्य दिशानिर्देशों पर व्याख्यान दिया गया।

6. आजादी का अमृत महोत्सव (75 वर्ष) समारोह के अवसर पर प्रातः 9:00 बजे बी.एस.आर.एम.एस. व्यावसायिक कार्यक्रम के विद्यार्थियों I-V वर्ष हेतु लिए सम्भोट भवन के संगोष्ठी कक्ष-I में विद्वान के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रकाशन-

1. प्रो. लोबसंग तेनज़िन ने संस्कृत से तिब्बती भाषा में "चरक संहिता" नामक चिकित्सकीय पुस्तक का अनुवाद सम्पूर्ण किया।
2. डॉ. दोर्जे दमदुल एसोसिएट प्रोफेसर सोवा-रिग्पा ने सोवा-रिग्पा के अनुसार "स्वच्छता और स्वास्थ्य" नामक ग्रंथ, खंड 5, पृष्ठ संख्या-973, आईएसबीएन संख्या: 978-81-936254-1-4" को प्रकाशित किया।
3. सोवा-रिग्पा विभाग के डॉ. दोर्जे दमदुल एसोसिएट प्रोफेसर ने "संतुलित आहार के माध्यम से स्वास्थ्य, खंड 6, पृष्ठ संख्या: 607, आईएसबीएन संख्या: 978-81-950147-4-3 प्रकाशित किया।

शैक्षणिक एवं प्रशासन मीटिंग-

1. 24 अगस्त 2021 - शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए सोवा-रिग्पा संकाय समिति (एस. अफ. सी.) की बैठक सम्भोट भवन के द्वितीय सभागृह में विभागीय आंतरिक उप-समितियों और उनके लिए निर्धारित जिम्मेदारियों के संबंध में संपन्न हुई।
2. 15 सितंबर 2021 - डॉ. टशी दावा ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के कार्यालय में सभी सोवा-रिग्पा कॉलेजों से संबंधित विभिन्न विषयों पर बैठक में भाग लिया तथा जिसमें मुख्य रूप से सोवा-रिग्पा भवन निर्माण के पहले चरण के लिए शेष अनुदानों की स्वीकृति और उसके बाद संचालन हेतु कर्मचारियों की नियुक्ति।
3. 20 नवम्बर 2021 - पी.जी.आर.एच. सभागृह में व्यक्तिगत स्तर पर शोध विद्वानों की वर्तमान स्थिति एवं उनके कार्यो के सन्दर्भ में बैठक की गई।
4. 23 नवम्बर 2021 - सोवा-रिग्पा संकाय परिषद् की चौथी बैठक आयोजित की गई।
5. 15 दिसम्बर 2021 - यूनेस्को-आई.सी.एच. में नामांकन के लिए सोवा-रिग्पा का दस्तावेज (समस्त संदर्भित जानकारी) तैयार करने हेतु बैठक आयोजित की गई।
6. 2 जनवरी 2022 - डॉ. बालाजी पोटभरी, शोध अधिकारी (आयुष) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना के साथ शोध विकाश केंद्र (आर एंड डी विंग) में शोधार्थी विद्वानों के साथ बैठक।
7. 05 जनवरी 2022 - नई दिल्ली में आयोजित बैठक एन.सी.आई.एस.ऍम. नीट-एस-आर. यू.जी.-2021-2022 (राष्ट्रीय पात्रता-सह प्रवेश परीक्षा) हेतु आयोजित सोवा-रिग्पा प्रधानाचार्यों की बैठक में डॉ. दोर्जे दमदुल ने भाग लिया।
8. 10 जनवरी 2022 - भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने डॉ. दोर्जे दमदुल और डॉ. टशी दावा को मुख्य-समन्वयक के रूप में नामित किया।
9. 12, 13 और 24 जनवरी 2022 - पी.एच.डी. हेतु को पी.जी.आर.एच. व्याख्यान कक्ष में अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान प्रारूप-भाग I, II और III पर प्रोफेसर जम्पा समतेन ने व्याख्यान दिया।
10. 14 जनवरी 2022 - पी.जी.आर.एच. सभागृह में परिसर में नवीन कोविड वैरिएंट ओमिक्रॉन की स्थिति और उसके प्रसार को रोकने के उपायों पर बैठक आयोजित की गई।

11. 31 जनवरी 2022 - पी.एच.डी. पाठ्यक्रम के संबंध में संकाय सदस्यों के साथ संकाय प्रमुख ने पी.जी.आर.एच. व्याख्यान कक्ष में बैठक आयोजित की।
12. 2 फरवरी 2022 - पी.जी.आर.एच. सभागृह में संकाय प्रमुख सोवा-रिग्पा ने पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के संबंध में शोध विद्वानों के साथ बैठक की।
13. 10 फरवरी 2022 - डॉ. दोर्जे दमदुल और डॉ. दावा छेरिंग ने नई दिल्ली में एन.सी.आई.एस.एम. एन.ई.ई.टी. सलाहकार समिति (एस.आर.सी.सी.सी) की बैठक में भाग लिया।
14. 22 फरवरी 2022 - सी.सी.टी.एम. नियमित निरीक्षण के अनुसार परिसर का दौरा किया। निरीक्षण समूह में डॉ. त्सेरिंग त्साम्चो, अध्यक्ष, सीसीटीएम और डॉ. तेनजिन डेचे कार्तसांग, सी.एम.ओ. निजामुद्दीन, टी.एम.ए.आई. शाखा, नई दिल्ली शामिल थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. 1 मार्च से 15 अप्रैल 2021 - डॉ. लियाओ वेई त्साई ने फुर-ने एण्ड रूस ग्रिंग (ऑस्टियोपैथी और पारंपरिक मालिश) चिकित्सा के एक प्रसिद्ध प्रशिक्षक डॉ. लियाओ वेई त्साई ने इस वर्ष भी, उसी विद्वान ने अपने सहायक श्री छोफेल ग्यात्सो (योग प्रशिक्षक एवं दुभाषिया) के साथ 45 दिनों के लिए संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए अधिक गहन प्रशिक्षण देने हेतु एक ऑस्टियोपैथी कार्यशाला आयोजित की। इसके पूर्व भी उन्होंने हमारे परिसर में अपना समय दिया था तथा और 27 फरवरी से 7 मार्च 2020 तक हमारे संकायों और छात्रों को प्रशिक्षण दिया था।
2. 27 जुलाई 2021 से 25 अगस्त 2021 - आयोजित ट्रांस-हिमालय आउटरीच (सीमान्त) परियोजना में प्रतिनियुक्त पर गए डॉ. न्गवांग कुंचेन और डॉ. वांग्याल दोर्जे ने संयुक्त रूप से पूर्ण किया।
3. 8 अक्टूबर 2021 - एस.आर. युथोक अस्पताल सभागृह में एक वर्षीय अनिवार्य परिभ्रामी प्रशिक्षण हेतु अनुकूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4. 29 नवम्बर 2021 - आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत (प्रथम भाग) चिकित्सकीय अनुभव साझाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
5. 29 नवम्बर 2021 - आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत फुर-न्ये (तुई-ना) और रस-ग्रिग के प्रतिबिंब पर डॉ. लियाओ वेई त्साई ने प्रमुख वक्ता के रूप में छात्रों से अपने अनुभव भी साझा किए।
6. 30 नवम्बर 2021 - आज़ादी का अमृत महोत्सव के (द्वितीय भाग) के रूप में चिकित्सकीय अनुभव साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
7. 6 दिसम्बर 2021 - सोवा-रिग्पा के शोध विद्वानों ने धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश से पधारी टीएम.ए.आई समूह से सह-सम्बंधात्मक वार्ता की।
8. 25 मार्च 2022 - कुमारी कर्मा सेडॉन ने सम्भोट भवन सभागृह में सोवा-रिग्पा के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों के समक्ष अपने प्रशिक्षु प्रशिक्षण सम्बंधित अनुभव को साझा किया।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

1. 18 जुलाई 2021 से 18 अक्टूबर 2021 - ट्रांस-हिमालय आउटरीच (सीमान्त) परियोजना के सदस्य के रूप में डॉ. कर्मा थरचिन ने प्रशिक्षु छात्रों के साथ लद्दाख में सोवा-रिग्पा विभाग प्रायोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का प्रभावी ढंग से समापन किया।

एन.ई.ई.टी. परीक्षा (राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा)

1. भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के सोवा-रिग्पा विभाग को राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा एन.सी.आई.ऍम. नीट एस आर यू जी 2020-2021 आयोजित करने के लिए संस्थान नामित के रूप में नामित किया। 6 फरवरी 2022 को विभाग द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। एन.सी.आई.ऍम. नीट परीक्षा के सफल संचालन के लिए एन.सी.आई.ऍम. के आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हुआ।

फुर-न्ये और रस ग्रिग (ऑस्टियोपैथी और पारंपरिक मालिश) पर गहन कार्यशाला)

तवांग में वार्षिक चिकित्सा भ्रमण

अतिशा हॉल में विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

विश्व योग दिवस की तैयारी

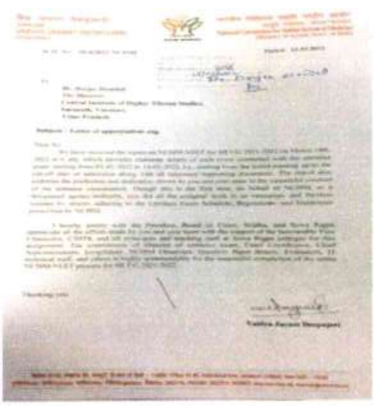

एन.सी.आई.ऍम. नीट परीक्षा के सफल आयोजन के लिए एन.सी.आई.ऍम., आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त प्रशंसा पत्र।

एन.सी.आई.ऍम. नीट परीक्षा के सफल आयोजन के लिए एन.सी.आई.ऍम., आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त प्रशंसा पत्र।

सोवा-रिग्पा के नवीन भवन का निरीक्षण

सी सी टी एम धर्मशाला समूह के साथ सहसंबंध

छात्रों की प्रस्तुतियाँ

मौखिक परीक्षा

राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा दिवस समारोह

छात्रों द्वारा प्रदर्शनी

चिकित्सा पाठ का अनुवाद शीर्षक "चरक संहिता"

मासिक संकाय बैठक

विभाग की भावी योजना

1. सोवा-रिग्पा के नवीन शैक्षणिक और अस्पताल भवन के अलग-अलग निर्मित हो जाने बाद इसे एक श्रेष्ठतम केंद्र के रूप में पूर्ण स्थापित एवं विकसित करना।

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI (Q-51/SR/BD-05/3D-01) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI (Q-51/SR/BD-05/3D-02) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI (Q-51/SR/BD-05/3D-03) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CIHTS, SARNATH, VARANASI (Q-51/SR/BD-05/3D-04) Planner India

2. "तिब्बती चिकित्सा में औषधकोश" परियोजना को जारी रखा जाएगा।
3. तिब्बती और अंग्रेजी में "सूखे फूल पत्तियों के नमूना संग्रह" की परियोजना जारी रहेगी।
4. औषधीय जड़ी बूटियों, से निर्मित उत्पादों के सूत्रीकरण या निरूपण पर शोध करना।
5. सोवा-रिग्पा के माध्यम से स्थानीय जनमानस को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
6. दूरस्थ क्षेत्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्त्री रोगों पर सोवा-रिग्पा दवाओं की प्रभावशीलता की समझ को विकसित करना।
7. चिकित्सा की अन्य प्रणालियों साथ मिल कर जीर्ण और संक्रामक रोगों पर नैदानिक अनुसंधान करना।
8. अन्य विश्वविद्यालयों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के सहयोग से दवा मानकीकरण पर शोध करना।
9. भारतीय चिकित्सा के प्राचीन पाठ्य पुस्तकों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।
10. सोवा-रिग्पा पीजी (परास्नातक) कार्यक्रम का द्वितीय वर्ग प्रारम्भ करने के लिए विचार कर अनुमति के लिए एन.सी.आई.एस.एम से संपर्क करना।
11. अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य विषयों में शोध (पी.एच.डी.) पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना।
12. अंतरराष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर सोवा-रिग्पा को बढ़ावा देना तथा वृहद् स्तर पर रोगियों की सेवा करना।
13. निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु शैक्षणिक और अस्पताल प्रबंधन में अधिक जनशक्ति की भर्ती करना।

वर्तमान स्थिति-

औषध केंद्र के पुनर्निर्माण के तहत सोवा-रिग्पा भवन (संलग्न शिक्षण अस्पताल के साथ शैक्षणिक इकाई) की वर्तमान स्थिति।

यूथोक क्लिनिक:

वर्ष 2021-22, (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022) के दौरान यूथोक अस्पताल में परामर्श के लिए आने वाले रोगियों की कुल संख्या सात हजार पांच सौ अठहतर (7578) है, जिसमें बाह्य रोगी, उपहार हेतु सेवा तथा संस्थान के कर्मचारी और छात्र शामिल हैं। ऍम एस आर, सी सी आई ऍम, 2017 के अनुसार, प्रतिवेदन को दो वर्गों में बांटा गया है; पुरुष और महिला। यूथोक बाह्य इकाई में चार कक्ष हैं 1. सामान्य चिकित्सा, 2. बाल चिकित्सा और स्त्री रोग, 3. आपातकालीन और 4. फ्लू और महामारी।

वर्ष 2021 (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च, 2022) के दौरान पुरुष और महिला रोगियों का मासिक आँकड़ा

तालिका:1

क्रमांक	माह	कुल कार्य दिवस	पुरुष	महीला	कम्पली	कुल मरीज
1	अप्रैल 21	26	390	242	5	637
2	मई 21	26	76	54	0	130
3	जून 21	25	249	180	5	434
4	जुलाई 21	26	271	240	8	519
5	अगुस्त 21	26	313	263	7	583
6	सितम्बर 21	26	293	246	6	545
7	अक्टूबर 21	23	388	283	4	675
8	नवम्बर 21	25	435	357	5	797
9	दिसम्बर 21	26	511	376	4	891
10	जनवरी 22	25	488	336	2	826
11	फरवरी 22	23	429	356	2	787
12	मार्च 22	26	373	379	2	754
Total		**303**	**4216**	**3312**	**50**	**7578**

ग्राफ :1

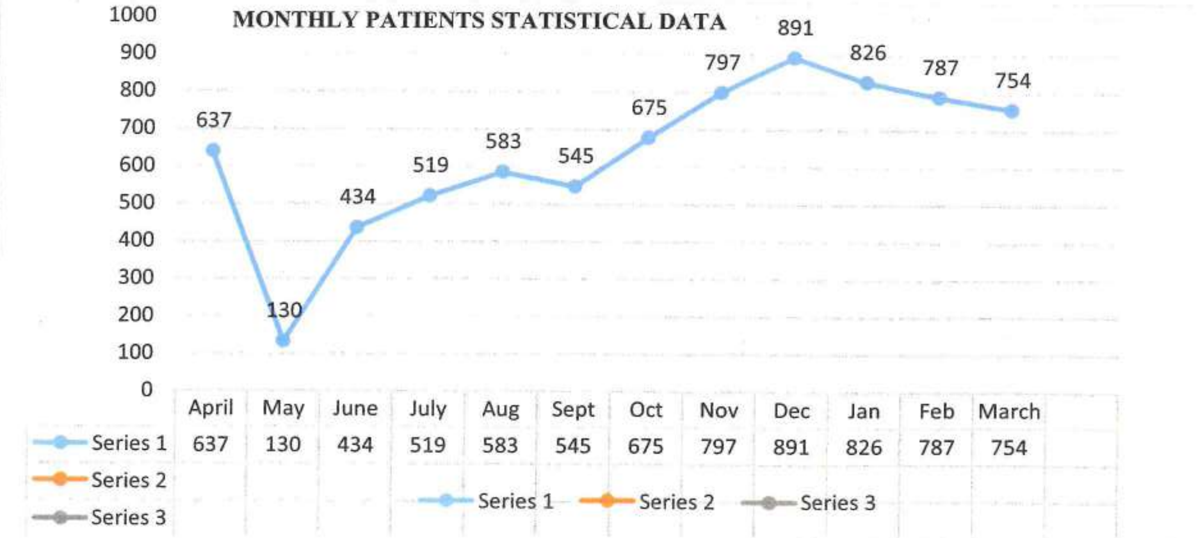

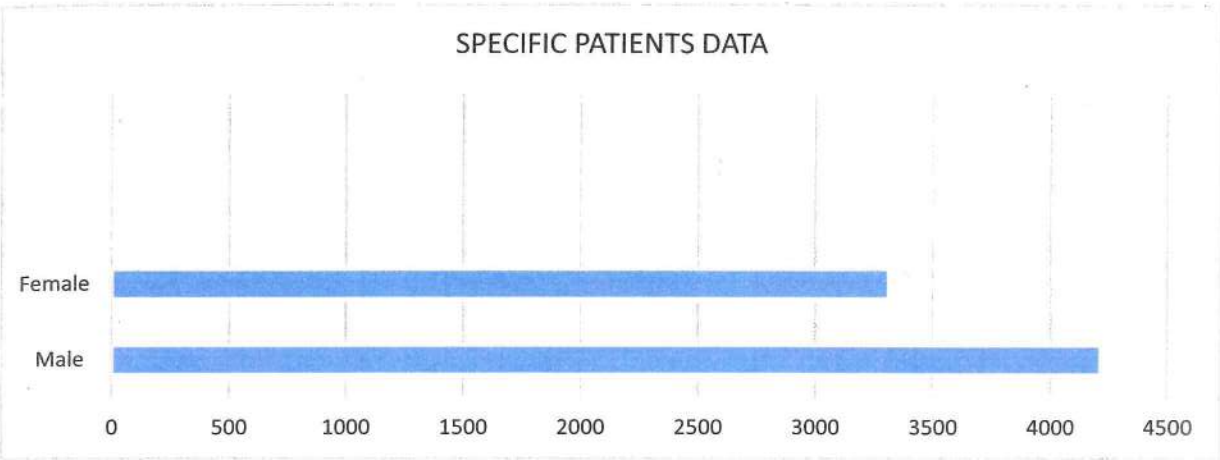

तालिका:2

वर्ष 2021 – रोग के अनुसार सांख्यकीय आँकड़ा (1 अप्रैल, 2021 - 31 मार्च, 2022)

Month	Three Nyespa	Khong Nad	Fever	Sense Organs	Internal Organs	gSang Nad	Thor Nad	lHan-sKyes rMa	Byis Pai Nad	Mo Nad	mT-sonr MA	gDon Nad	Dug Nad	Geriatic	Rotsa Nad	Total
अप्रैल-21	8	69	175	39	93	3	196	7	4	32	0	3	0	5	3	637
मई-21	16	12	19	10	34	0	25	0	0	6	0	0	8	0	0	130
जून-21	54	47	60	34	122	2	82	10	2	8	0	8	1	2	2	434
जुला-21	18	63	22	48	103	0	220	7	4	20	0	2	0	5	7	519
अग.-21	56	46	105	64	109	0	178	4	0	11	0	6	1	1	2	583
सित.-21	39	91	42	38	80	1	220	16	0	10	0	0	4	2	2	545
अक्टू - 21	126	63	44	62	176	4	180	0	1	5	0	2	0	5	7	675
नव.-21	220	153	59	36	144	7	164	10	0	0	0	0	0	4	0	797
दिस.-21	114	127	44	54	202	2	319	9	0	12	1	0	2	5	0	891

जन.-22	0	67	87	50	153	0	321	113	0	16	0	13	6	0	0	826
फर.-22	114	111	69	66	215	0	165	15	0	17	0	0	12	1	2	787
मार्च-22	101	176	41	49	109	0	223	4	0	33	0	0	17	1	0	754
योग	866	1025	767	550	1540	19	2293	195	11	170	1	34	51	31	25	**7578**

ग्राफ-2

सांख्यकीय आँकड़ा (1 अप्रैल, 2021-31 मार्च 2022)

ओपीडी एक्सपोजरः- (बहिरंग प्रदर्शन) बाह्य इकाई कछुपा छात्रों को व्यावहारिक चिकित्सकीय ज्ञान प्रदान करती है। नियमित व्यावहारिक कक्षाओं को तालिका संख्या 3 (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च -2022) में नीचे दिखाई गई हैं।

*बी.एस.आर.एम.एस. के आचार्य व्यावहारिक चिकित्सकीय ज्ञान की कक्षाएं लेते हैं यथा तीसरी, चौथी, पाँचवी तथा प्रशिक्षु चिकित्सकों की प्रायोगिक कक्षाएं लेते हैं और नियमित कार्यभार के अंतर्गत उनमें सौम्यता तथा कठिन कार्य मानसिकता का विकास होता है।

तालिका-3

कमांक	कक्षा	कुल विद्यार्थी
1	बी आर ऍम एस -तृतीय	13
2	बी आर ऍम एस -चतुर्थ	12
3	बी आर ऍम एस -पंचम	12
4	प्रशिक्षु	8
कुल		**45**

फार्माकोपिया यूनिट

आज विश्व स्तर पर सोवा-रिग्पा चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों का रुझान और जागरूकता बढ़ रही है परिणाम स्वरूप सोवा-रिग्पा दवाओं एवं औषध उत्पादों की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है, के विशेष रूप से अपने देश भारत में रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। किसी भी औषध उत्पाद/दवा की सामान्य वैज्ञानिक स्वीकार्यता के लिए आवश्यक है कि उसके निर्माण-प्रक्रिया में गुणवत्ता के नियंत्रित मानकों का अनुपालन किया जाये। आज के परिवेश में वैज्ञानिक मानकों पर सोवा-रिग्पा की शुद्धता क्रियाशीलता प्रभावकारिता को प्रमाणित करना अनिवार्य रूप से आवश्यक है| इसलिए, सोवा-रिग्पा विभाग ने औषध कोश इकाई को स्थापित किया है जिसका कार्य औषध कोश मानकों के अनुसार साहित्य को प्रकाशित करना तथा दुर्लभ पाठ्य पुस्तक को सुरक्षित और संरक्षित करना, चारों तरफ बिखरे पड़े साहित्य को संकलित करना तथा उसको प्रसारित एवं प्रकाशित करना तथा अन्य समतुल्य संस्करण को पुनः संकलित कर प्रकाशित करना ताकि तिब्बती चिकित्सा के विद्यार्थियों को पूरक पाठ्य पुस्तक के रूप में उपलब्ध कराया जा सके।

परियोजना का उद्देश्य एवं लक्ष्य -:

- सोवा-रिग्पा उत्पाद का क्यू.सी. (गुणवत्ता नियंत्रण) और क्यू.ए. (गुणवत्ता आश्वासन) प्रदान करना।

- एक प्रामाणिक भैषज्य कोश ग्रन्थ प्रकाशित करना।
- सोवा-रिग्पा औषधि निर्माण सामग्री विधि के बारे में जानकारी प्रदान करना।

संपन्न कार्य :-

- मुद्रण सम्बंधित कार्य का अंतिम सोपान मुद्रित शोधन कार्य होता है।
- तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर "डोल्मा गनोभूम की जटिल औषधीय जड़ी-बूटियों के निर्देश" को पूर्णरूपेण संशोधित किया गया।

दोनों चिकित्सक (मेनपा) अतिरिक्त कार्य के रूप में बहिरंग रोगियों को नियमित परामर्श चिकित्सक के रूप सेवा देते है।

इ.डी.ऍम.जी. परियोजना

तवांग, अरुणाचल प्रदेश में स्थापित चिकित्सकीय वनौषधि उद्यान की स्थापना एवं विकास

परियोजना की पृष्ठभूमिः

वर्ष 2008 में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बती स्टडीज, सारनाथ, वाराणसी के सोवरिग्पा विभाग ने अनेक प्रकार की कठिनाइयों के उपरांत भी इस वनौषधि परियोजना को निरंतर जारी रखने के कारण आज गुणात्मक रूप से विकास की सर्वोत्तम स्थिति में हैं। अरुणाचल प्रदेश के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित तवांग तिब्बत (चीनी कब्जे वाले) और भूटान साम्राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पास है। वन औषधीय उद्यान परियोजना अनुसन्धान इकाई एक बहुत ही महत्वपूर्ण वनौषधि परियोजना है जो तवांग, ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र की दुर्लभ औषधीय पौधों / जड़ी-बूटियों पर विभाग द्वारा अनुसंधान एवं अध्ययन किया जाता है। यह स्थान प्राकृतिक परिवेश की सघन सुंदरता से संपन्न है। यहाँ पहाड़ों की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग पांच से छह हजार मीटर तक है। यह स्थान प्राकृतिक रूप से उगने वाली दुर्लभ जड़ी-बूटियों, औषधीय पौधों, सुंदर फूलों से आच्छादित तथा जंगली जानवरों का निवास स्थान है। जैसा कि तिब्बत पठार हैं। तवांग से लगभग 30 किमी नीचे के स्थान पर प्राकृतिक रूप से विकसित होने वाले फल भी मिलते है जैसे- संतरा, नीम और यहां तक कि आंवला भी जो देश के मैदानी और गर्म क्षेत्रों में बहुतायत उगते हैं। यहाँ घने जंगलों के साथ, विशाल झरने नदियों और खूबसूरत झील आदि इस स्थान को असाधारण रूप से अद्वितीय एवं मनमोहक बनाते है जो इस जगह को विशिष्ट बनाते हैं। यह स्थान असाधारण रूप से अद्वितीय है कारण स्थानीय निवासियों विशेष कर वृद्धों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में गहरी धार्मिक आस्था है जो उन्हें विरासत में तिब्बती पठार की परंपराओं से मिली है।

स्थानीय लोगो ने इस परियोजना का भरपूर समर्थन किया है उनके अनुसार ऐसी परियोजना के लिए यह स्थान एवं परिस्थितियाँ अत्यधिक अनुकूल हैं। भविष्य में इस परियोजना से दुर्लभ जडी बूटियों के आपूर्ति का केंद्र बन सकता है।

परियोजना की वर्तमान स्थिति:

तवांग परियोजना एक उच्च एवं दुरूह स्थलीय परियोजना है, जहाँ हम निरंतर औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के रोपण और संरक्षण के कार्यो को कर रहे है। प्रारंभ में हमने अनुदान के माध्यम से जो निवेश, श्रम तथा विभिन्न संघर्ष किया है। उसका परिणाम है कि आज हम कई दुर्लभ प्रजाति की जड़ी-बूटियों को संरक्षण देने में सफल रहे हैं जो भविष्य में हमारी औषध निर्माण शाला के लिय अत्यधिक उपयोगी होगा।

वर्तमान में, हमारे पास **2008** से **20** वर्षों के लिए लीज डीड के तहत तवांग लघु शहर से लगभग **20** किमी दूर यह परियोजना स्थल है साथ में मेनमाग्यालम जडी बूटी संरक्षण उद्यान जो (**5.47** एकड़) में **14000+** फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जिसे लोहे के तारों की बाड़ लगाकर घेरा गया है। इसमें प्रवेश के लिए अनुमति आवश्यक है। ढलानदार पथरीले पहाड़ों में स्थित होने के कारण उद्यान स्थल के मध्य भाग में स्टोन काउंटर टैरेस का निर्माण परियोजना के प्रारम्भिक काल में आवश्यकतानुसार जड़ी-बूटियों के रोपण के लिए किया गया था। वर्तमान में हमारे पास जड़ी-बूटियों और पौधों की लगभग **40** विभिन्न प्रजातियाँ उपलब्ध हैं।

तकसंग पौध शाला में उपजाई एवं संरक्षित जडी बूटियाँ

श्री सांगे वांग्चु और श्रीमती रिमो ने कोविड लॉकडाउन की लंबी अवधि में अपनी कड़ी मेहनत से इस परियोजना विकास को बनाए रखा है।

सांगे वांगचुक ने विशेष रूप से इस चर्चा के संग्रह के बाद सुखाने के लिए अपर्याप्त जगह होने के कारण कच्ची हर्बल दवाओं को सुखाने की प्रक्रिया में कठिनाइयों के संबंध में बताया कि भारी वर्षा और खराब जलवायु के कारण मूल्यवान जड़ी बूटियों और दवाओं के बिगड़ने का खतरा सदैव बना रहता है।

तकसंग पौध शाला में श्री सेंगे वांगचुक द्वारा औषधीय पौधों संकलन

सी.आई.एच.टी.एस. के विशेषज्ञ टीम का तवांग का सर्वेक्षण दौरा:

19 से 28 अक्टूबर 2021 - माननीय कुलसचिव और उनके साथ के लोगो ने ईडीएमजी तवांग परियोजना के विकास कार्यों का सर्वेक्षण, जांच और समीक्षा करने के लिए तवांग का दौरा किया। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सदस्य हैं:

1. डॉ. आर.के. उपाध्याय	कुलसचिव/कार्यवाहक कुलपति, सीआईएचटीएस
2. प्रो. लोबसांग तेनज़िन	पूर्व डीन/पीआई ईडीएमजी परियोजना
3. डॉ. दोर्जी दमदुल	डीन, सीओ पीआई ईडीएमजी प्रोजेक्ट

उपरोक्त विशेषज्ञ टीम ने अपने आधिकारिक दौरे के पहले दिन (23 अक्टूबर 2021) को तवांग से लुमला क्षेत्र (लगभग 40 कि.मी.) दूर लुमला में यूथोक इकाई चिकित्सालय के उद्घाटन के संबंध में निरीक्षण किया। लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन के कारण प्रक्रिया में देरी हुई जिससे दो साल पहले प्रस्तावित स्थान अन्य लोगो ने कब्जा कर लिया और वर्तमान में कोई वैकल्पिक साइट भी उपलब्ध नहीं है। इसलिए टीम ने ई.डी.एम.जी. कार्यालय तवांग में उक्त क्लिनिक खोलने का सुझाव दिया है। बाद में परियोजना के उद्देश्यों के अनुसार लुमला सर्कल में शाखा क्लिनिक खोला जायेगा।

पुन: 24 अक्टूबर, 2021 को कार्यक्रम के अनुसार टीम ने ट्रेल प्लांटेशन साइट के तहत तकसंग का दौरा किया और तकसंग के ग्रामीणों से चर्चा की और लीज डीड के लिए प्रस्तावित वृक्षारोपण भूमि का निरीक्षण किया। लेकिन माननीय रजिस्ट्रार के अचानक अस्वस्थ होने के प्रस्तावित कारण बैठक नहीं हो सकी परन्तु ग्रामीणों के प्रमुखों के साथ संक्षिप्त बैठक आयोजित की गई। टीम ने परियोजना अधिकारी को जमीन के पट्टे की दर, पट्टा अवधि एवं ग्रामीणों से अन्य शर्तों को अंतिम रूप देने की अनुशंसा एवं निर्देश दिये गए ताकि पट्टा सम्बन्धी कार्य नियत समय में सुचारू रूप से हो सके।

(II) भोट ज्योतिष विभाग

(1) डॉ. टशी छेरिंग (जे)	-	एसोसिएट प्रोफेसर
(2) डॉ. जम्पा छोफेल	-	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(3) डॉ. उमाशंकर शर्मा	-	अतिथि प्राध्यापक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

विभाग ने अत्यधिक कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन / ऑफलाइन मोड के माध्यम से सभी शिक्षण गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त निम्नलिखित कार्य चलाए गये हैं-

1. श्री टाशी छेरिंग ने तिब्बती चिकित्सा और खगोल विज्ञान संस्थान, बैंगलोर द्वारा "स्वरोदय उपयोग पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. डॉ. जम्पा छोफेल ने तिब्बती चिकित्सा और खगोल विज्ञान संस्थान, बैंगलोर द्वारा मासिक पहचान पर एक आमंत्रित व्याख्यान भाषण किया जो तद्नुसार दिया है।
3. डॉ. जम्पा छोफेल ने तिब्बती ज्योतिष और उसके परिचय पर रेडियो फ्री एशिया वार्तालाप में वार्ता की, जिसका मार्च में प्रसारित किया गया।
4. डॉ. जम्पा छोफेल ने विश्वविद्यालय में तिब्बती खगोल विज्ञान का शिक्षण पाठ्यक्रम पर रेडियो फ्री एशिया वार्तालाप में वार्ता दी जो मार्च में प्रसारित की गयी।
5. डॉ. जम्पा छोफेल ने ऑल इंडिया रेडियो, वाराणसी अध्याय द्वारा तिब्बती खगोल विज्ञान की एक परिचयात्मक आमंत्रित वार्ता की जो मई में प्रसारित की गयी।

6. डॉ. जम्पा छोफेल ने धर्मशाला चैप्टर के सहयोग से धर्मशाला में सीआईएचटीएस के पूर्व छात्र संघ की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया।

समिति सदस्यता-

1. डॉ. जम्पा छोफेल ने एनएडी, एआईएसएचई, एआईयू नोडल अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन-अध्यक्ष, आईक्यूएसी-सदस्य, सीआईएचटीएस के पूर्व छात्र संघ-कोषाध्यक्ष और सामान्य निर्बाध शैक्षणिक गतिविधि के अलावा अन्य आधिकारिक कार्यों के रूप में भी कार्य किया है।

डॉ. उमाशंकर शर्मा

1. 18 जनवरी 2022 : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी ज्योतिष विभाग "राष्ट्रीय चेतना का शैक्षिक आधार" ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।
2. 30 जनवरी 2022 : श्री शंकर शिक्षायतन वैदिक अनुसंधान संस्थान द्वारा गीतामाहात्म्य पर समायोजित संगोष्ठी में भाग लिया।
3. 11 फरवरी 2022 : श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) नई दिल्ली टीचिंग लर्निंग सेंटर एनईपी-2020 के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय वेबिनार: उच्च शिक्षा के संदर्भ में।
4. 12 फरवरी 2022 : राष्ट्रसंत तुकदोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नैक'ए' ग्रेड पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग विभाग संस्कृत साहित्य का भारत के इतिहास में योगदान केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय: स्वतंत्रता एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा ज्योतिष विभाग: अमृत महोत्सव ज्योतिष व्याख्यान शृंखला- 2022
5. 26 फरवरी 2022 : श्री शंकर शिक्षायतन नई दिल्ली द्वारा आयोजित वैदिक अनुसंधान संस्थान वैदिक विज्ञान व्याख्यान शृंखला भूविज्ञान व्याख्यान में 11 से 19 फरवरी, 2022 वैदिक विज्ञान के विविध आयाम – 2022 वैदिक विज्ञान के विभिन्न आयाम।
6. 22 मार्च 2022 : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय: आज़ादी अमृत महोत्सव ज्योतिष विभाग: एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा अमृत महोत्सव ज्योतिष व्याख्यान शृंखला- 2022 विषय:- ज्योतिषी अनुसंधान।
7. अप्रैल 2022 : संस्कृत विश्वविद्यालय: स्वतंत्रता एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा ज्योतिष विभाग: अमृत महोत्सव ज्योतिष व्याख्यान शृंखला विषय:- जन्म चार्ट, राज योग:।

3. शोध विभाग

प्राचीन लुप्तप्राय ग्रन्थों का पुनरुद्धार, सम्पादन तथा उनका संस्कृत, तिब्बती एवं हिन्दी भाषा में अनुवाद एवं प्रकाशन, संस्थान का प्रमुख शोध एवं प्रकाशन कार्य है। पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन, संकलन एवं प्रकाशन, ये संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियाँ हैं, जो निम्नलिखित विभागों द्वारा संचालित हैं–

1. पुनरुद्धार विभाग
2. अनुवाद विभाग
3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग
4. कोश विभाग
5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

1. पुनरुद्धार विभाग

उद्देश्यः

तिब्बती भाषा में उपलब्ध प्राचीन भारतीय बौद्ध वाङ्गमय को पुनः संस्कृत में उपलब्ध कराने हेतु इस विभाग की स्थापना हुई है। यह शोध विभाग का एक स्वतन्त्र विभाग है। इसका उद्देश्य न केवल शोध हेतु ग्रन्थों का पुनरुद्धार करना है, अपितु लुप्त प्राचीन भारतीय बौद्ध परम्परा को पुनर्जीवित करना भी है। विश्व में यह एकमात्र ऐसा संस्थान है, जहाँ पर इस तरह का कार्य किया जा रहा है। इसमें प्राथमिकता के आधार पर आचार्य नागार्जुन, आर्यदेव, शान्तरक्षित, कमलशील एवं आचार्य अतीश आदि के ग्रन्थों पर कार्य हो रहा है।

संस्कृत भाषा में उपलब्ध भारतीय बौद्ध वाङ्मय तिब्बती भाषा में अनुवाद की 7वीं शताब्दी की परम्परा का अनुसरण करते हुए, इस विभाग के विद्वान् आज भी संस्कृत भाषा के विद्वानों के साथ तिब्बती ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार कर रहे हैं।

प्राचीन समय में तिब्बती अनुवाद के लिए बौद्ध दार्शनिक भारतीय विद्वानों के साथ मिलकर कार्य करना आवश्यक था। इस परम्परा के अनुसार विभाग के तिब्बती विद्वान्, बौद्ध दार्शनिक भारतीय विद्वानों के साथ कार्य कर रहे हैं। विभाग के लिए यह गर्व का विषय है कि यहाँ राष्ट्रपति एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित बौद्ध दर्शन के ख्याति-प्राप्त विद्वान् स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के साथ पूर्व कार्य किया गया एवं प्रो. पी.पी. गोखले जी तिब्बती विद्वानों के साथ कार्यरत है।

अब तक इस विभाग ने बौद्ध धर्म दर्शन के अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद किया है। विभाग द्वारा प्रकाशित अनेक ग्रन्थ उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. लोब्संग दोर्जे - एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
2. भिक्षु ङवङ् ग्यलछन नेगी - शोध सहायक
3. भिक्षु ज्ञलछेन नमडोल - एसोशिएट प्रोफेसर (कोविड-19 संक्रमण के कारण 15 अप्रैल, 2021 को निधन)

संस्थान परिसर में कोविड-19 संक्रमण फैलने के कारण विभाग 8 अप्रैल, 2021 से 31 मई, 2021 तक बंद रहा, फिर भी विभागीय सदस्यों ने एकान्तवास की स्थिति में अपने शोध कार्य को सम्पन्न किया।

वर्तमान सत्र में विभाग की गतिविधियां निम्नवत् हैं –

(क) मुख्य कार्य –

लुप्त बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा से संस्कृत में पुनरुद्धार, शोध, अन्य बौद्ध ग्रन्थों का अनुवाद, सम्पादन, प्रकाशनार्थ तैयार करना, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन, अन्य शैक्षणिक कार्य तथा आगन्तुक (Visiting) शोध विद्वानों का सहयोग करना।

सामूहिक शोध-कार्य-

1. **आचार्य बुद्धपालित द्वारा विरचित मूलमाध्यमिकवृत्ति बुद्धपालित-** इस ग्रन्थ के आंशिक मूल संस्कृत पाण्डुलिपि का चीनी विद्वान ई-शाओयाङ द्वारा संपादित ग्रन्थ के आधार पर पुनरुद्धार विभाग एवं अनुवाद विभाग ने प्रो. पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में ग्रन्थ की द्वितीय और सातवीं परीक्षा के अपूर्ण विलुप्त संस्कृत अंशो का भोट अनुवाद के सहयोग से संपादन और पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न किया गया। द्वितीय (गतागतगम्यमान) परीक्षा को धीः पत्रिका के 61वें अंक में प्रकाशित किया गया। ISSN 2395-1524, peg. 103-112. सातवीं (संस्कृत) परीक्षा को धीः के अगले अंक में प्रकाशित किया जायेगा।
2. **आर्यविमलकीर्तिनिर्देशसूत्र** –इस ग्रन्थ को पुनरुद्धार विभाग एवं अनुवाद विभाग के सदस्यों ने संयुक्त रूप से प्रो. पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में भोट संस्करणों के आधार पर भोट पाठ एवं मूल संस्कृत पाण्डुलिपि पर समालोचनात्मक संपादन का कार्य सम्पन्न किया तथा प्रो. गोखले जी ने ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय लिखा है। इस ग्रन्थ को वर्ष 2021 में प्रकाशित किया गया।
3. विभाग के सभी सदस्यों के द्वारा परम पावन दलाई लामा जी के निजी कार्यालय की ओर से निर्देशित '**बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुचय**' ग्रन्थ का तिब्बती भाषा से हिन्दी में अनुवाद का कार्य प्रथम प्रारूप सम्पन्न हो चुका है। इस ग्रन्थ पर अन्तिम संपादन का कार्य प्रगति पर है।
4. कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङ्बुम का हिन्दी अनुवाद कार्य योजना के तहत विभाग के सभी सदस्य हिन्दी अनुवाद परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

(ख) कार्याधीन प्रमुख योजनाएँ-

1. **मध्यमकरत्नप्रदीप** – आचार्य भावविवेक द्वारा रचित ग्रन्थ के तिब्बती संस्करणों का समालोचनात्मक सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य सम्पन्न किया गया तथा इसे वर्ष 2022 में प्रकाशित किया गया।
2. **आचार्य नागार्जुन विरचित बोधिचित्त विवरण** को अतिथि आचार्य के रूप में आमन्त्रित प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। इस ग्रन्थ का पुनः संशोधन कर संस्कृत पुनरुद्धार के पद्यांश को भी द्वितीय संस्करण में प्रकाशित किया जायेगा। सम्प्रति हिन्दी अनुवाद एंवं भूमिका आदि के संशोधन का कार्य अनुवादक का कोविड-19 के काल में निधन होने के कारण कुछ अवरुद्ध रहा है।
3. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका** – आचार्य दीपंकर श्रीज्ञान द्वारा रचित इस ग्रन्थ का स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के साथ संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य सम्पन्न किया चुका है। लेकिन संस्कृत छन्दों के कुछ अंशों को अन्तिम रूप देना बाकी रह गया था, उसे अतिथि प्राध्यापक प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सम्प्रति ग्रन्थ की भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।

4. **आर्यसर्वबुद्ध-विषयावतार-ज्ञानलोक-अलंकारनाम महायान सूत्र** – इस सूत्र का तिब्बती संस्करण के साथ संस्कृत पांडुलिपि के महत्वपूर्ण संस्करण का समालोचनात्मक संपादन प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन एवं परिशिष्ट का कार्य प्रगति पर है।
5. **महाव्युत्पत्ति** – 9वीं शताब्दी में भारतीय आचार्य एवं भोट अनुवादकों द्वारा प्रयुक्त विस्तृत संस्कृत-तिब्बती कोश के शब्दावली के संकलन का कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा अन्य दो तिब्बती संस्करणों के साथ मिलान का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
6. **युक्तिषष्टिका** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ पर आचार्य चन्द्रकीर्ति द्वारा इसकी व्याख्या सहित संस्कृत पुनरुद्धार के पुनः संशोधन का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से किया जा रहा है। सम्प्रति तिब्बती संस्करण पर भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य योजना अनुवाद विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
7. **धर्मधातुस्तव** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार, हिन्दी अनुवाद एवं अंग्रेजी में अनुवाद का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। हाल ही में ऑस्ट्रिया से प्रकाशित एक राजनयिक संस्करण की पाण्डुलिपि प्रतिलिपि प्राप्त हुई है। इसे नये संस्करण के साथ पाठ-मिलान, अन्य पाण्डुलिपियों के साथ पुनः पाठ का मिलान तथा चार भाषाओं (संस्कृत, तिब्बती, हिन्दी, और अंग्रेजी) का समालोचनात्मक संपादन एवं संशोधन का कार्य प्रो. पी.पी.गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सम्प्रति तिब्बती एवं हिन्दी भूमिका लेखन का कार्य चल रहा है।
8. **प्रहाणपूरकशतवन्दनानाम महायानसूत्र, करण्डव्यूहमहायानसूत्र, प्रतीत्यसमुत्पादसूत्र एवं दशकुशलसूत्र**- इन चारों सूत्रों का संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति समालोचनात्मक संपादन का कार्य प्रगति पर है।
9. **महायानपथक्रम** – आचार्य सुभागवज्र द्वारा रचित इस ग्रन्थ का अन्य तिब्बती संस्करणों के साथ समालोचनात्मक संपादन, तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद तथा संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य पूर्ण कर इसे प्रो.पी.पी गोखले जी के निर्देशन में संपादन का कार्य सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति एक समीक्षात्मक भूमिका सहित सहायक ग्रन्थों की सूची एवं शब्दकोश आदि का कार्य प्रगति पर है।
10. **विनयपरिभाषिक शब्दकोश**- विनय से सम्बद्ध तिब्बती - संस्कृत परिभाषिक शब्द कोश का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य कोश विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
11. **संक्षिप्तनानादृष्टिविभाजनम्** – आचार्य उमेश सिंह द्वारा रचित इस ग्रन्थ के संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
12. **अबोधबोधकं नाम प्रकरणम्** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का संस्कृत पुनरुद्धार कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
13. **त्रिस्कन्धसूत्र**- नेपाल से उपलब्ध मन्त्रसंग्रह पांडुलिपियों में विद्यमान इस ग्रन्थ पर संपादन का कार्य पूर्ण हो चुका है। हिन्दी अनुवाद का कार्य अतिथि प्राध्यापक प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से किया जा रहा है ।

(ग) सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

1. 5 नवम्बर, 2021 : पुरातन छात्र संघ द्वारा वेबिनार के माध्यम से "प्रो. एस रिनपोछे जी की जीवनी और विश्व में तिब्बती शिक्षा, संस्कृति संरक्षण और प्रसार की स्थापना में उनका योगदान" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।

2. 23 दिसम्बर, 2021 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्र संघ और ग्युतोद मठ, धर्मशाला, हि.प्र. के संयुक्त तत्त्वावधान में **"बौद्ध-धर्म एवं संस्कृति का इतिहास और मानसिक स्थिति को मजबूत रखने की पद्धति"** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभागाध्यक्ष ने भाग लिया।

3. 23 दिसम्बर, 2021 : ग्युतोद मठ, धर्मशाला. हि.प्र. में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्र संघ की वार्षिक बैठक के साथ-साथ संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. समदोंग रिनपोछे जी की दीर्घायु अनुष्ठान समारोह एवं विभिन्न विषयों पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग की ओर से डॉ. लोबसंग दोर्जे ने संगोष्ठी में भाग लिया और उन्होंने "बुद्ध वचन पालि त्रिपिटक का तिब्बती में अनुवाद करना अत्यन्त महत्वपूर्ण" विषय पर व्याख्यान दिया। साथ ही, आयोजन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

(घ) व्याख्यान में सहभागिता:-

1. 30 अक्टूबर 2021 : प्रगतिशील भारत के 75वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार के आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा अतिश सभागार में माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में **"स्वबोध: स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहास-काशी के सन्दर्भ में"** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा विशेष रूप से मुख्य अतिथि के रूप में बालमुकुन्द पाण्डेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि श्रीमति सुमन जैन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय तथा डॉ. वन्दना झा वसंत कन्या महाविद्यालय आदि विद्वज्जनों को आमन्त्रित किया गया। उपर्युक्त विषय पर अतिथियों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

2. 19 से 25 नवम्बर, 2021 : संस्थान द्वारा **'साम्प्रदायिक सद्भाव'** विषय पर साप्ताहिक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आमन्त्रित प्रतिष्ठित विद्वानों ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान दिया। विभाग की ओर से नवांग ग्यालछेन नेगी ने सक्रिय रूप से व्याख्यान में भाग लिया।

(ङ) पाण्डुलिपि संबन्धित शैक्षणिक कार्य:-

1. बिहार सरकार एवं तिब्बती संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में महापंडित राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत डॉ. लोब्संग दोर्जे समन्वयक एवं आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने सहायक सचिव के रूप में अनुवाद सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यों की देख-रेख के साथ पत्र-व्यवहार आदि कार्यों के दायित्व को निष्ठापूर्वक निभाया।

2. बिहार सरकार एवं तिब्बती संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङबुम के हिन्दी अनुवाद कार्य योजना के तहत लगभग 21 से अधिक लघु ग्रन्थों का समालोचनात्मक संपादन एवं तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद कार्य का प्रथम प्रारूप पूर्ण हो चुका है। जिनमें से कुछ ग्रन्थों का प्रकाशन हेतु संपादन का कार्य सम्पन्न हुआ है। आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने अनूदित ग्रन्थों में से कुछ ग्रन्थों का प्रूफ रिडिंग और फूट नोट आदि कम्प्यूटर में इन्पुट करने का कार्य किया।

3. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने आचार्य बुद्धपालित द्वारा रचित मूलमाध्यमिक बुद्धपालित भाष्य की सातवीं (संस्कृत) परीक्षा के संस्कृत संस्करण पर संपादन किये गये कार्यों को कम्प्यूटर में संशोधन करने का कार्य किया। पश्चात प्रो. पी.पी. गोखले जी के साथ पुनः संशोधित कार्यों के प्रूफ देखने का कार्य सम्पन्न किया है।

4. **श्रीवनरत्न-मुखागमरत्न-सारमाला**- तन्ग्युर संस्करण से इस ग्रन्थ की एक अद्भुत बहुभाषी के रूप में पाण्डुलिपि प्राप्त हुई है। जो भारतीय आचार्य श्रीवनरत्न द्वारा रचित ग्रन्थ है। इसका संस्कृत पाठ तिब्बती लिपि

में है और तिब्बती भाषा में अनुवाद भी है। लेकिन संस्कृत पाठ लगभग पूर्ण रूप से अशुद्ध एवं त्रुटिपूर्ण है और आसानी से समझने में असमर्थ है। इसलिए विभाग द्वारा ग्रन्थ का समालोचनात्मक संपादन एवं सन्दर्भों की खोज करने का निर्णय लिया है। विभाग के सदस्य आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने ग्रन्थ का देवनागरी लिपि में लिप्यन्तरण, डेटा इन्पुट, प्रूफ रिडिंग एवं हिन्दी में अनुवाद के कार्य का प्रथम प्रारूप सम्पन्न किया और सन्दर्भों की खोज का कार्य जारी है।

5. महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा संगृहीत कग्युर-तन्ग्युर एवं सुङबुम का हिन्दी अनुवाद योजना के तहत अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त मुख्य समन्वयक के सहायक के रूप में स्थानीय एवं अस्थानीय क्षेत्र के विद्वानों को अनुवाद से जुड़ने हेतु सम्पर्क करना, किस प्रकार उद्वरणों को क्रमबद्ध स्थापित करना, टिप्पणी देना, भोट संस्करणों के साथ समालोचनात्मक संपादन करना, अनुवादकों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श कर सम्बन्धित आवश्यक सामग्रियों की पूर्ति कराना तथा अनूदित पाठों का संकलन करना आदि विभिन्न कार्यों के दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया गया।

(च) अन्य शैक्षणिक गतिविधिया:-

1. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"तिब्बत में बौद्ध धर्म की पुनः स्थापना पर तिब्बती राजा जङछुब ह़ोद का योगदान"** विषय पर एक लेख प्रस्तुत किया है। जिसे हाल ही में संस्थान के राजभाषा कार्यान्वियन समिति के "बोधिप्रभ" नामक वार्षिक पत्रिका के प्रथम खण्ड, पृष्ठ-109-116, 2021 में प्रकाशित किया गया।
2. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"त्रिखण्डसूत्र"** के संस्कृत संस्करण का समालोचनात्मक संपादन एवं हिन्दी में अनुवाद किया। यह पाण्डुलिपि नेपाली मन्त्र-संग्रह में प्राप्त हुई। यह लघु ग्रन्थ दुर्लभ विभाग के धीः पत्रिका-62, आईएसएसएन. 2395-1524, पृष्ठ न. 181-194 में प्रकाशित हुआ।
3. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"मूलसर्वास्तिवादी और थेरवाद परम्परा के मध्य विनय नियमों की समीक्षा"** विषय पर एक लेख लिखा गया। जिसे लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय केन्द्रीय परिसर, लम्बिनी, नेपाल द्वारा **"लुम्बिनी प्रभा"** नामक पत्रिका में 6 मई, 2021 को प्रकाशित किया गया। पृष्ठ न. 71-82, आईएसएसएन 2616-0196, 2717-4603.
4. डॉ. गेशे लोबसंग दोर्जे को प्राचीन भारतीय विद्या परियोजना के तहत समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है। यह कार्य-योजना के.उ.ति.शि. संस्थान और दलाई लामा ट्रस्ट, धर्मशाला के मध्य संयुक्त तत्त्वावधान में किया जा रहा है। जो भारत के प्राथमिक विद्यालयों के लिए बुनियादी प्राचीन भारतीय पारम्परिक पर पाठयक्रम तैयार करने में लगे हुए हैं। इस योजना की परिकल्पना भारतीय युवा छात्रों के बीच प्राचीन भारतीय विद्या और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यह परियोजना पाठ्यक्रम बुनियादी प्राचीन भारतीय पारम्परिक विचार जैसे–दर्शन, तर्क, सकारात्मक एवं नकारात्मकभाव और नैतिक विचारों का परिचय कराएगी। उपर्युक्त संबन्धित कार्यों के दायित्व का निर्वहन समन्वयक की देख-रेख में किया जा रहा है।
5. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"त्रिस्कन्धसूत्र"** हिन्दी के तिब्बती संस्करण का समालोचनात्मक संपादन किया है। यह लघु ग्रन्थ तिब्बती कार्य और अभिलेखागार का पुस्तकालय, धर्मशाला के तमझोग नामक पत्रिका (भाग-42) में प्रकाशित हुआ है। पृष्ठ न.75-84, आईएसएसएन. 2454-5066.
6. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने **"कौशाम्बी में बौद्ध धर्म का विकास और उपलब्धि"** विषय पर एक लेख लिखा है। यह लेख संस्थानीय राजभाषा कार्यान्वय समिति के वार्षिक पत्रिका "बोधिप्रभ" में प्रकाशनार्थ प्रस्तुत किया गया।

7. फरवरी से अप्रैल, 2022 : डॉ. लोबसंग दोर्जे ने तीन महीने के लिए मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा के पीएचडी छात्र श्री चुश्रिम गुरुंग का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण किया। उनकी थीसिस (=निबन्ध) का विषय तिब्बती अभिधर्म भाष्य पर आधारित है, जो साज़ंग मति पंचेन लोडोए ग्यालछन के अभिधर्मसमुच्चय भाष्य पर आधारित है। उन्होंने पालि और अन्य उपर्युक्त शोध विषय से सम्बन्धित कक्षाओं की व्यवस्था करने में सहयोग किया।

8. गेशे लोबसंग समतेन, सेरा-जे, बयालकुप्पे, मैसूर और गेशे सोनम ल्हुन्डुप, गादेन शरत्से, मुंडगोड, उत्तर कन्नड़ ने अपने सम्बन्धित मठों से सिफारिश पत्र लेकर कुलपति महोदय जी से निवेदन किया है कि पुनरुद्धार विभाग के शोध विद्वान डॉ. लोबसंग दोर्जे रबलिङ के सान्निध्य में शोध पद्धति, निबन्ध (=थिसिस) लेखन कला, कग्युर, तन्ग्युर एवं पालि त्रिपिटक का सामान्य परिचय आदि विषयों पर अध्ययन करने हेतु तथा विश्वविद्यालय से सुविधाएं प्रदान करने हेतु प्रार्थना की। उनके आशय के अनुसार कुलपति महोदय जी ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। तदनुसार डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दोनों शोधकर्ताओं को विशेष रूप से उपर्युक्त विषयों पर मार्गदर्शन तथा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग किया।

अन्य प्रशासनिक कार्य-

1. 14-15 जुलाई, 2021 : संस्थान द्वारा आयोजित बुद्ध के प्रथम धर्मचक्र प्रवर्तन के पुण्य दिवस पर संस्थान के सभी परिवार अतीश सभागार में भोट परम्परा के अनुसार 'बौद्ध त्रिपिटक' (कग्युर) का पाठ किया गया। जिसमें विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।
2. 26 अक्टूबर, 2021 : सतर्क भारत, समृद्ध भारत (Vigilant India, Prosperous India) के अन्तर्गत सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाने हेतु संस्थान द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव महोदय जी की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन के समक्ष प्रातः 11.00 बजे संस्थान के सभी कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण किया। जिसमें विभाग के सभी सदस्यों ने भाग लिया।
3. संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार के निर्देशक के अनुसार स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत दिनांक 11 अक्टूबर 2021 को सांय 4.00 बजे से 5.00 तक अपने विभाग के कार्यालय के भीतर एवं दिनांक 29 अक्टूबर, 2021 को कार्यालय के बाहर विश्वविद्यालय परिसर में 4 से 5 बजे तक स्वच्छता अभियान में विभाग के सभी सदस्यों ने सक्रिय रूप से श्रमदान दिया।
4. 26 नवंबर, 2021 : वेबिनार के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे संविधान की प्रस्तावना पढ़ने हेतु ऑनलाइन समारोह में विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।
5. डॉ. लोबसंग दोर्जे जी को दलाई लामा इंस्टीटयूट, बैंगलोर द्वारा पीएचडी छात्र लोबसंग ञेनडाग और छ़ेतन टाशी के सह-मार्गदर्शक (co-guide) के रूप में नामांकित किया गया।
6. डॉ. लोबसंग दोर्जे को संस्थान द्वारा तीन पीएचडी छात्र श्री संग दोर्जे शेर्पा, विमलमित्र, कुमारी तारसोवा तमारा के सह-मार्गदर्शक के रूप में नामांकित किया गया। इन तीनों छात्रों को हाल ही में पीएचडी डिग्री कोर्स हेतु प्रवेश मिला है।
7. वर्ष 2020-21 के सत्र के दौरान दो बार आवास आवंटन की बैठक बुलाई गयी। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
8. 7 फरवरी, 2022 : 39वीं भोजन प्रबन्धन समिति के वार्षिक लेखा-जोखा हेतु छह लेखा-परीक्षकों के साथ डॉ. लोबसंग दोर्जे को नामित किया गया है। सभी नामांकित लेखा-परीक्षकों ने लेखा-जोखा से सम्बन्धित कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

9. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने वर्ष 2021 के सत्र के दौरान वार्षिक परीक्षा के निरीक्षक के रूप में कार्य किया।

समितियों के सदस्य

डॉ.लोब्संग दोर्जे-

1. सदस्य:- एच.ए.सी समिति
2. सदस्य:- समाज सेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ

नवांग ग्यालछेन नेगी

1. सदस्य:- अनुसूचित जनजाति

2. अनुवाद विभाग

उद्देश्य:

अनुवाद विभाग शोध विभाग का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, जो बुद्ध वचन के साथ-साथ उन पर प्राचीन भारतीय बौद्धाचार्यों की टीकाओं तथा भोटाचार्यों द्वारा विरचित ग्रन्थों के अनुवाद एवं भोटपाठ का सम्पादन सहित शोधपरक संदर्भों, इन्डेक्स एवं समीक्षात्मक भूमिका लेखन द्वारा शोधपरक ग्रन्थों के प्रकाशन कार्य में संलग्न है।

अनुवाद विभाग के चार प्रमुख आयाम हैं- संस्कृत पाण्डुलिपियों एवं तिब्बती पाठ का सम्पादन, तिब्बती अनुवाद की सहायता से विलुप्त बौद्ध संस्कृत सूत्र-शास्त्र ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार, तिब्बती, संस्कृत एवं पालि भाषा में विरचित विद्वान् आचार्यों के प्रचलित बौद्ध साहित्यिक ग्रन्थों का हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद तथा महत्त्वपूर्ण संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।

वर्तमान सत्र में आचार्य नागार्जुन विरचित मध्यमकशास्त्र एवं आचार्य चन्द्रकीर्ति की प्रसन्नपदाटीका टीका सहित प्रथम प्रकरण **प्रत्ययपरीक्षा**, सामूहिक कार्य में **विमलकीर्तिनिर्देशसूत्र तथा गतागतपरीक्षा** (द्वितीयं प्रकरणम्, मूल-मध्यमकशास्त्रबुद्धपालिती टीका) ग्रन्थों का प्रकाशन सम्पादन, पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद सहित हो चुका है।

बावजूद इसके विभाग के सदस्यों ने घर पर ही न केवल सम्पादन, अनुवाद आदि कार्यों को अंजाम दिया, बल्कि कार्यालयीय आदेशानुसार ऑन-लाइन के माध्यम से कक्षाओं का संचालन कर अध्यापन सत्र के कोर्स को पूर्ण किया और मौखिक परीक्षा सहित परीक्षा से सम्बन्धित समस्त कार्यों का निर्वाह किया।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ० पेमा तेनजिन - प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष
2. डॉ० रामजी सिंह - सहायक प्रोफेसर
3. एसोसिएट प्रोफेसर - रिक्त
4. 2 शोध सहायक - रिक्त

1. विभागीय मुख्य कार्य :

क. प्रकाशित ग्रन्थ :

1. **प्रत्यय-परीक्षा नाम प्रथमं प्रकरणम् (मूलमध्यमकशास्त्रम् प्रसन्नपदाटीकया संवलितम्) :** संस्कृत एवं भोट पाठों का सम्पादन हिन्दी अनुवाद एवं भूमिका सहित। ISBN: 978-81-947706-5-7 HB, 078-81-953904-0-3 PB, CIHTS, 2021

2. **विमलकीर्तिनिर्देशसूत्रम् :** (सामूहिक कार्य के रूप में संस्कृत पाण्डुलिपि एवं भोट पाठ का मिलान सहित सम्पादन एवं पुनरुद्धार) ISBN: 978-81-497706-7-1 HB, 978-81-947706-8-8 PB, CIHTS, 2021
3. **मध्यमकशास्त्र बुद्धपालिती टीका (गतागतपरीक्षा द्वितीयप्रकरणम्):** सामूहिक कार्य के रूप में प्राप्त त्रुटित पाण्डुलिपि का भोटपाठ से सम्पादन एवं पुनरुद्धार का कार्य हो चुका है और धीः पत्रिका में प्रकाशित हो चुका है। धीः-61, 2021, ISSN: 2395-1524

ख. प्रमुख कार्य (जो प्रगति पर हैं) :

1. **आर्यसन्धिनिर्मोचनसूत्र :** संस्कृत पुनरुद्धार कार्य पूर्ण हो चुका है, इस सत्र में समग्र सूत्र का हिन्दी में संक्षेपीकरण कार्य किया गया, जो समापन की ओर अग्रसर है। साथ ही, तिब्बती संस्करण का सम्पादन तथा हिन्दी भूमिका का कार्य भी प्रगति पर है।
2. **महायानसूत्रालंकार :** शेष 17 से आगे के अध्यायों का टीका सहित हिन्दी अनुवाद एवं भाषागत संशोधन तथा कम्प्यूटरीकरण के अवशिष्ट कार्य को आगे बढाने का प्रयास किया जा रहा है।
3. **जातकमाला :** हरिभट्ट कृत जातकमाला का क्रमिक रूप से हिन्दी में अनुवाद कार्य सम्पन्न हो चुका है। ग्रन्थ से सम्बन्धित पाद-टिप्पणियों, संदर्भों, सहायक ग्रन्थों की सूची तथा भूमिका पर कार्य चल रहा है।

नोटः (उक्त ग्रन्थों पर कार्य करते समय ग्रन्थ का अध्ययन, विद्वानों के साथ विषयगत चर्चा, परामर्श, भोट अथवा संस्कृत पाठ का सम्पादन, पारिभाषिक शब्दों का चयन, टीकाओं एवं सहायक ग्रन्थों का अध्ययन, सूचनाएं, पाद-टिप्पणियाँ, बिबलियोग्राफी, शब्द-कोश, भूमिका, तीन भाषाओं में कम्प्यूटर कम्पोजिंग, कई बार प्रूफ रीडिंग, भाषागत एवं विषयगत संशोधन एवं अन्तिम निर्णयात्मक सम्पादन, कम्प्यूटर में संशोधन कार्य, प्रकाशनार्थ कम्प्यूटराइज्ड कापी तैयार करना इत्यादि कार्य सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर एक उच्च स्तरीय शोधपरक ग्रन्थ तैयार किया जाता है।)

ग. सामूहिक शोध कार्य :

1. **युक्तिषष्ठिका एवं वृत्ति :** (आचार्य चन्द्रकीर्ति) सामूहिक कार्य के रूप में इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार एवं अनुवाद कार्य बहुत पहले किया जा चुका है, किन्तु भोटपाठ से सम्बन्धित कार्यों में विलम्ब की वज़ह से कार्य बाधित है।
2. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका :** (संस्कृत पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद) ग्रन्थगत पुनरुद्धृत संस्कृत श्लोकों का प्रोफेसर गोखले के साथ मिलकर पुनः संशोधन किया गया।
3. **मध्यमकशास्त्र बुद्धपालिती टीका (संस्कृतपरीक्षा सप्तमप्रकरणम्) :** सामूहिक कार्य के रूप में प्राप्त त्रुटित पाण्डुलिपि का भोटपाठ से सम्पादन एवं पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न एवं धीः पत्रिका के 62वें अंक में प्रकाशित किया जायेगा।

2. अध्यापन कार्य :

1. प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनिवार्य संस्कृत भाषा का अध्यापन ऑन-लाइन के माध्यम से किया तथा तत्सम्बद्ध दायित्वों का भी निर्वहन किया।

   सत्र 2019-2020 की वार्षिक परीक्षा तदुपरान्त 2020-2021 के दोनों अधिसत्रों की परीक्षाएं और फिर 2021-2022 के प्रथम अधिसत्र का अध्यापन ऑनलाइन से किया गया, पश्चात् क्लास एसाइनमेन्ट, प्रस्तुतीकरण, मौखिक परीक्षा, नवीन प्रथम एवं द्वितीय एसाइनमेन्ट्स आदि कार्य निर्देशानुसार पूर्ण किया गया।
2. प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने एम.फिल. छात्र श्री बुद्धा लामा के पर्यवेक्षक का कार्य किया, एम.फिल. छात्रों के प्रस्तुतीकरण, प्रश्नपत्र का निर्माण तथा उनका मूल्यांकन आदि का कार्य किया।

3. डॉ० रामजी सिंह, सहायक-प्रोफेसर ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में वैकल्पिक विषय संस्कृत-खवर्ग के अन्तर्गत नियमित रूप से चार कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया।

3. सेमिनार एवं कार्यशाला में प्रतिभागिता :

1. 15-17 अप्रैल, 2021 : ग्लोबल ट्रेन्ड्स इन ह्यूमेनिटीज एण्ड साइंसेज नामक विषय पर पोद्दार इन्टरनेशनल कालेज, राजस्थान द्वारा आयोजित वेब सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर वक्तव्य दिया।
2. विभाग के सदस्यों ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा **ऑल-लाइन** वेबिनार में समय-समय पर भाग लिया।

4. शोध-कार्य एवं व्याख्यान :

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पेमा तेनजिन द्वारा सम्पन्न कार्य:

1. Issues in translating Buddhist texts, धर्मदूत-87, 2021 ISSN: 2347-3428
2. "तिब्बत में महायान संस्कृत वाङ्मय का अनुवाद की प्रणाली एवं महत्त्व", वेब सेमिनार में वक्तव्य 15 अप्रैल, 2021
3. "आलयविज्ञान की अवधाररणा", प्रकाशित, बुद्ध एवं बौद्धशासन, शान्तिनिकेतन, ISBN 978939195035, 2021
4. "विज्ञानवाद : चित्तमात्रता एवं निःस्वभावता" लेख प्रकाशन हेतु प्रेषित।
5. 5 मई, 2021 : डेनमार्क से आये दो शोध छात्रों को "बुद्ध एवं ध्यान" विषय पर व्याख्यान सहित चर्चा की।
6. 17-18 मई, 2021 को नवागन्तुक शोध (पी-एच.डी.) छात्रों के मार्ग दर्शनार्थ "शोध प्रक्रिया एवं सम्पादन तथा अनुवाद" नामक विषयों पर दो वक्तव्य दिये।
7. 28 दिसम्बर, 2021 : सोवा रिगपा विभाग के पीएच.डी. छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति नामक विषय पर व्याख्यान दिया।

5. अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप :

1. जून 2021 - प्रो. पेमा तेनजिन ने एम.फिल. छात्र श्री बुद्धा लामा का पर्यवेक्षण शोधकार्य का इस सत्र में श्री बुद्धा लामा सहित श्री जम्पा ल्हुन्डुब एम. फिल. के शोध प्रबन्ध का परीक्षण भी किया। साथ ही, एम. फिल. कक्षा के लिए प्रश्न-पत्र का निर्माण तथा उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य भी सम्पादित किया।
2. **बौद्धविज्ञान एवं सिद्धान्त समुच्चय :** (तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद) प्रथम भाग का अनुवाद प्रायः पूर्ण हो चुका है, यथाशीघ्र प्रकाशनार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।
3. **मध्यमकरत्नप्रदीप :** विभागाध्यक्ष ने 2021 में दिवंगत विद्वान् आचार्य ग्यलछन नमडोल द्वारा हिन्दी में अनूदित आचार्य भावविवेक विरचित उक्त ग्रन्थ के प्रकाशकीय का हिन्दी अनुवाद तथा हिन्दी प्राक्कथन का भाषा संशोधन कार्य सम्पादित किया।
4. **स्वार्थानुमान (प्रमाणवार्तिक तृतीय परिच्छेद) :** विभागाध्यक्ष ने कार्यालयीय आदेशानुसार दिवंगत विद्वान् प्रोफेसर रामशङ्कर त्रिपाठी जी द्वारा हिन्दी में अनूदित प्रमाणवार्तिक ग्रन्थ के तृतीय स्वार्थानुमान-परिच्छेद के हस्तलिखित पाण्डुलिपि का संशोधन एवं सम्पादन कार्य प्रारम्भ किया। ग्रन्थ के हस्तलिखित पाण्डुलिपि के तीन खण्ड प्राप्त हैं, जिनमें से प्रथम दो खण्डों का सम्पादन इस सत्र में पूर्ण किया गया है।
5. 30 मार्च, 2022 को रिसर्च डिग्री समिति की बैठक में पाँच पीएच.डी. छात्रों का साक्षात्कार लिया।

6. अन्य प्रशासनिक कार्य :

अ. प्रकाशन प्रभारी :

1. प्रोफेसर पेमा तेनजिन अनुवाद विभाग एवं अध्यापन के अतिरिक्त प्रकाशन-प्रभारी के रूप में विगत एक दशक से भी अधिक समय से प्रकाशन अनुभाग का कार्यभार सँभालते हुए प्रकाशन अनुभाग के समस्त कार्यालयीय कार्यों की देख-रेख, ग्रन्थों का सम्पादन, संशोधन एवं प्रकाशनार्थ समस्त प्रक्रियाओं को पूर्ण कर प्रिन्टिंग प्रेस को प्रेषित करना, प्रकाशन में सुधार लाना आदि दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

समिति-सदस्यता :

प्रोफेसर पेमा तेनजिन निम्नलिखित समितियों के सदस्य हैं - • आवास आवंटन समिति, तिब्बती संस्थान, सारनाथ, वाराणसी • प्राइज वेरिफिकेशन समिति, शान्तरक्षित ग्रन्थालय • पब्लिकेशन समिति, सचिव, पब्लिकेशन अनुभाग • संस्थान के विभिन्न पदों के चयनार्थ स्क्रीनिंग समिति • एमएसीपी/डीपीसी समिति • स्वच्छता अभियान समिति • रिगरस ट्रेनिंग कोर्स समिति • अध्यक्ष, रजिस्ट्रार चयन समिति।

3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

1. विभाग की शैक्षिक पृष्ठभूमि–

क. परिकल्पना–

ऐतिहासिक विडम्बना के फलस्वरूप भारत से प्राचीन बौद्ध-संस्कृत साहित्य का अधिकांश भाग प्रायः विलुप्त हो चुका था। भारत के इस प्राचीन बौद्धिक सम्पदा के कुछ अंश भारत के पड़ोसी देशों, विशेषकर नेपाल एवं तिब्बत में पाण्डुलिपियों के रूप में उपलब्ध हुए हैं। परवर्ती समय में इन देशों से अनेक पाण्डुलिपियाँ विश्व के अनेक पुस्तकालयों में पहुँच गयीं। उस विलुप्त साहित्य का विशेषकर "बौद्धतन्त्र-साहित्य" का पुनरुद्धार, सम्पादन, प्रकाशन तथा शोध की परिकल्पना की दृष्टि से इस विभाग की स्थापना की गई है।

ख. स्थापना–

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थों के शोध एवं प्रकाशन की इस अति महत्त्वपूर्ण एवं महत्त्वाकांक्षी योजना को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में नवम्बर, 1985 से प्रारम्भ किया गया था। प्रारम्भ में इसके कार्य क्षेत्र एवं अध्ययन तथा शोध के आयामों के निर्धारण के लिए पाँच महीने का पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया गया था। तत्पश्चात् इसकी उपलब्धियों, विषय की महत्ता एवं व्यापकता को दृष्टि में रखते हुए 1 अप्रैल, 1986 से इसे पञ्चवर्षीय योजना का रूप प्रदान कर संचालित किया गया, जिसे बाद में संस्थान के स्थायी अनुभाग के रूप में स्वीकृत किया गया और सम्प्रति संस्थान के शोध-संकाय के अन्तर्गत स्थायी विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। इस शोध विभाग के प्रथम योजना-निदेशक एवं द्रष्टा स्व. प्रो. जगन्नाथ उपाध्याय जी थे।

ग. विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. प्रो. कामेश्वरनाथ मिश्र - विजिटिंग प्रोफेसर (निश्चित मानदेय)
2. डॉ. ठाकुरसेन नेगी - प्रोफेसर (दिनांक 31.11.2021 को सेवानिवृत्त)
3. डॉ. बनारसीलाल - प्रोफेसर (20 अप्रैल, 2021 को दिवंगत)
4. श्री ठिनलेराम शाशनी - एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
5. डॉ. विजयराज वज्राचार्य - शोध-सहायक

6. डॉ. छेरिंग डोलकर - शोध-सहायक
7. डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा - शोध-सहायक
8. डॉ. रवि गुप्त मौर्य - शोध-सहायक
9. रिक्त - शोध-सहायक

घ. विभागीय पुस्तकालय–

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग में प्रारम्भ से ही पृथक् रूप से विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गई है, जिसमें विभाग के शोध कार्य को दृष्टि में रख कर बौद्ध, शैव-शाक्त तथा अन्य तन्त्रों से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तन्त्र-साहित्य का संकलन किया जाता है।

वर्ष 2021-2022 में नये ग्रन्थों का चयन तथा क्रय–

वर्ष 2021-2022 में विभागीय पुस्तकालय के लिए कोई ग्रन्थ क्रय नहीं किया गया। संस्थान के प्रकाशन विभाग से 12 ग्रन्थ प्राप्त हुए। इनका मूल्य रुपये 3475.00 है। इसमें 04 एक-भाषी, 04 द्वि-भाषी एवं 04 बहु-भाषी ग्रन्थ हैं। प्रकाशन विभाग से निःशुल्क/भेंट स्वरूप प्राप्त ग्रन्थों को परिग्रहण-पञ्जिका में क्रम-संख्या 02386 से 02397 तक अंकित किया गया है।

2. प्रकाशन, सम्पादन एवं शोध-कार्य–

क. शोध-पत्रिका 'धीः' का संक्षिप्त-परिचय एवं योगदान–

बौद्धतन्त्रों से सम्बन्धित नवीन शोध-कार्यों और उससे प्राप्त निष्कर्षों तथा हो रहे शोध कार्यों की नवीनम सूचनाओं को विश्व के विद्वानों एवं शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए विभाग द्वारा **'धीः'** नामक वार्षिक शोध-पत्रिका प्रकाशित की जाती है। विभाग के प्रारम्भ से अब तक यह पत्रिका अविच्छिन्न रूप से प्रकाशित हो रही है। बौद्ध-अध्ययन, विशेषकर बौद्धतन्त्रों के अध्ययन में संलग्न विद्वानों द्वारा इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। सम्प्रति, इस शोध-पत्रिका का देश-विदेशीय 15 शोध-पत्रिकाओं के साथ विनिमय हो रहा है। इस शोध-पत्रिका का अधिकांश स्तम्भ विभागीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं। प्रस्तुत आलोच्य वर्ष तक इसके 61 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

ख. 'धीः' शोध पत्रिका के 61वें अंक का प्रकाशन–

इस वर्ष विभागीय धीः शोध-पत्रिका के 61वें अंक का प्रकाशन कोरोना महामारी के कारण विश्वविद्यालय बन्द होने से अपने नियत समय वैशाख-पूर्णिमा (बुद्ध-जयन्ती) की अपेक्षा 24 जुलाई, 2021 को (धर्मचक्रप्रवर्त्तन-दिवस के दिन) हुआ। इस अंक मे 02 नवीन स्तोत्र, 08 लघु ग्रन्थ, 01 बृहद् ग्रन्थ का आंशिक भाग(=एक परिच्छेद) तथा 03 शोध लेखों का समावेश हुआ है। साथ ही, दुर्लभ ग्रन्थ-परिचय के अन्तर्गत पञ्चक्रमादि-संग्रह में उपलब्ध 16 ग्रन्थों का भी परिचय दिया गया है।

ग. 'धीः' शोध-पत्रिका के आगामी 62वें अंक के लिए सामग्री संकलन–

इस आलोच्य वर्ष में धीः शोध-पत्रिका के आगामी 62वें अंक में प्रकाशनार्थ राहुल-संग्रह में उपलब्ध स्तोत्र एवं लघु-ग्रन्थों का सम्पादन तथा अन्य शोध-सामग्रियों का संकलन, सम्पादित ग्रन्थों का कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, प्रूफ रीडिंग तथा संशोधन सहित सम्पादन-कार्य सम्पन्न किये गये।

घ. ग्रन्थों का प्रकाशन–

(1) 'धीः' शोध-पत्रिका के 61वें अंक में प्रकाशित स्तोत्र, लघु ग्रन्थ एवं अन्य शोध-सामग्री–

1. श्रीहेवज्रयोगिनीचक्रस्तुतिः

2. श्रीहेकारवज्रभगवद्-आशीरूपास्तुतिः
3. दुर्लभ ग्रन्थ परिचय (पञ्चक्रमादि-संग्रह में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का विवरण)
4. सूकरिकावदानसूत्रम् (हिन्दी अनुवाद सहित)
5. दग्-पो कृत चतुर्धर्म-सार तथा क्योब्-प जिग्-तेन्-सुम्-गी गोन्-पो विरचित टीका-स्फुटार्थ (भोट से हिन्दी में अनुवाद)
6. बुद्धपालित-मूलमध्यमकवृत्तिः (सम्पादन)
7. नैरात्म्याप्रकाशः–सम्पादन; (हिन्दी अनुवाद सहित)
8. अभिसमयक्रमः–सम्पादन; (संक्षिप्त-परिचय सहित)
9. तर्पणविधिः–सम्पादन; (संक्षिप्त-परिचय एवं हिन्दी अनुवाद सहित)
10. पञ्चक्रमटिप्पणी–सम्पादन; (संक्षिप्त-परिचय सहित)
11. अद्वयवज्रकृत-श्रीहेवज्रविशुद्धिनिधिसाधनम्– (सम्पादन)
12. आचार्यश्रीधर-प्रणीत-श्रीमद्यमारितन्त्रमण्डलोपायिका– (सम्पादन)

3. संस्कृत तथा भोट-ग्रन्थों के सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया तथा इस आलोच्य वर्ष में सम्पादित शोध-कार्यों का विवरण–

सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया– "प्रथमतः सम्पादन हेतु ग्रन्थ का चयन, चयनित ग्रन्थ पर शोध एवं विभिन्न ग्रन्थागारों से पाण्डुलिपियों का संकलन, पाण्डुलिपियों का वर्गीकरण, देवनागरी में लिप्यन्तरण, कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, विभिन्न संस्कृत-पाण्डुलिपियों तथा कन्युर-तन्युर के विभिन्न भोट-संस्करणों से पाठ-संकलन, संकलित पाठों के आधार पर पाठ-निर्णय, संस्कृत एवं भोट-संस्करण का परस्पर पाठ-मिलान, निर्णीत पाठों एवं पाद-टिप्पणियों का डाटा-इनपुट, प्रूफ-रीडिंग एवं संशोधन, श्लोकार्धानुक्रमणी, उद्धृत-वचन-सूची, शब्द-सूची आदि विविध परिशिष्टों का निर्माण, ग्रन्थ से सम्बन्धित अन्य शोध-सामग्रियों का संकलन तथा प्राक्कथन एवं भूमिका-लेखन सहित चयनित ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ सी.आर.सी. तैयार करना।"

1. **श्रीचतुष्पीठमहायोगिनीतन्त्रराज (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ के चार-पीठों में से आत्मपीठ और परपीठ को प्रथम-भाग के रूप में प्रकाशनार्थ तैयार किया गया। इस ग्रन्थ का कम्प्यूटर में अन्तिम प्रूफ-संशोधन अवशिष्ट है।

2. **पञ्चविंशत्यमनसिकारधर्मसमुच्चयः (संस्कृत-संस्करण)**

आचार्य मैत्रीपाद रचित इस ग्रन्थ-संग्रह में उपलब्ध तत्त्वरत्नावली, कुदृष्टिनिर्घातन तथा कुदृष्टिनिर्घात-टिप्पणिका, अमनसिकाराधारः, अप्रतिष्ठानप्रकाशः आदि कुल 10 लघु ग्रन्थों के डाटा-ट्रान्सफर, सेटिंग, प्रूफ-संशोधन आदि कार्यों को सम्पन्न किया गया। साथ में प्रत्येक ग्रन्थ की टिप्पणियों का पुनः डाट-इनपुट तथा संशोधन-कार्य भी सम्पन्न किया गया। तत्त्वरत्नावली, कुदृष्टिनिर्घातन, कुदृष्टिनिर्घात-टिप्पणिका आदि लघु-ग्रन्थों का हिन्दी-अनुवाद भी पूर्ण किया गया।

3. **सम्पुटोद्भवतन्त्रम् (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ के प्रथम तथा द्वितीय कल्प के कुल आठ प्रकरण एवं तृतीय कल्प के प्रथम प्रकरण सहित कुल 09 प्रकरणों का पुनः प्रूफ-संशोधन का कार्य सम्पन्न किया गया।

4. **श्रीहेवज्रसाधनवज्रप्रदीपनाम-टिप्पणी-विशुद्धिः (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंपा गया।

5. **श्रीमत्काण्हपादविरचितः दोहाकोशः, सिद्धाचारिणी मेखला प्रणीतया टीकया, पण्डित-अमृत-वज्र-प्रणीतया च टीकया सहिता (संस्कृत-संस्करण)**

   सिद्धाचारिणी प्रणीत मेखला-टीका एवं पण्डित-अमृतवज्र प्रणीत टीका सहित श्रीमत्काण्हपाद विरचित दोहाकोश नामक ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंपा गया।

6. **अभिषेकविधिः (संस्कृत-संस्करण)**

   इस ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंपा गया।

7. **सर्वबुद्धसमायोगडाकिनीजालसंवरतन्त्रम् (संस्कृत-संस्करण)**

   इस ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को सौंपा गया।

8. **महापण्डितशून्यसमाधिपादानां भगवतः हेवज्रस्य गुणस्रग्धरानामस्तुतिः**

   इस स्तोत्र-ग्रन्थ को आद्योपान्त संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान, स्तोत्र में आवश्यक-संशोधन आदि कार्यों को सम्पन्न कर सम्पादन-कार्य को अन्तिम रूप दिया गया।

9. **नैरात्म्याया भगवत्या आशीःस्तुतिः**

   इस स्तोत्र का संस्कृत पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर किया गया तथा डाटा-इनपुट एवं प्रूफ-संशोधन आदि कार्य को सम्पन्न कर प्रकाशनार्थ सम्पादन-कार्य सम्पन्न किया गया।

10. **दुर्लभ-ग्रन्थ-परिचय**

    इस शीर्षक के अन्तर्गत राहुल-संग्रह में प्राप्त "भूतडामरतन्त्र-संग्रहः" नामक तीसरा संग्रह, जिसमें 7 ग्रन्थ उपलब्ध हैं, उन ग्रन्थों की पाण्डुलिपियों के विवरण दिये गये।

11. **आचार्य-चन्द्रकीर्तिरचितं वज्रसत्त्वनिष्पादनसूत्रम् (संस्कृत-संस्करण)**

    इस ग्रन्थ का आद्योपान्त संस्कृत-पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान किया गया। साथ ही, भोटपाठ से भी पाठ-मिलान कर सम्पादन-कार्य को अन्तिम रूप दिया गया।

12. **आचार्य-चन्द्रकीर्तिरचितः उत्पत्तिक्रमसाधनस्य मन्त्रोद्धारः (संस्कृत-संस्करण)**

    इस ग्रन्थ का आद्योपान्त संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान, आवश्यक-संशोधन सहित सम्पादन-कार्य को अन्तिम रूप दिया गया।

13. **सिद्धाचार्य नागबुद्धिकृता व्यवस्थोलिः (संस्कृत-संस्करण)**

    इस ग्रन्थ का आद्योपान्त संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान कर, आवश्यक-संशोधन को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

14. **अमृतप्रभानाम-साधनोपायिका हेवज्रस्य नैरात्म्यासाधनम्**

    इस ग्रन्थ का आद्योपान्त संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान किया गया। साधनमाला में उपलब्ध संस्करण से भी इस ग्रन्थ का पाठ-मिलान किया गया। उद्धृत-वचनों की खोज तथा उनका डाटा इनपुट सहित सम्पादन-कार्य को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

15. **आचार्य अललवज्रपादानां सहजद्विभुजहेवज्रसाधनम्**

    यह ग्रन्थ भुजिमोल लिपि में, 74 श्लोकों में निबद्ध है। देवनागरी लिपि में लिप्यन्तरण, भाषा सम्बन्धी आवश्यक संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर प्रकाशनार्थ तैयार किया गया।

16. **पण्डितस्थविर-मञ्जुकीर्तिपादविरचितः आदिकर्मावतारः (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ का आद्योपान्त संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान कर आवश्यक संशोधन किया गया। साथ ही उद्धृत-वचनों का अन्वेषण एवं उनका डाटा-इनपुट आदि सम्पादन-कार्य को सम्पन्न कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

17. **आदिकर्मावतारप्रतिबद्धम्**

इस ग्रन्थ का आद्योपान्त पुनः संस्कृत पाण्डुलिपि से पाठ-मिलान, आवश्यक संशोधन, उद्धृत-वचनों का विभिन्न ग्रन्थों में अन्वेषण तथा उनका डाटा इनपुट आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

18. **बुद्धादिपूजाविधिः (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ का आद्योपांत संस्कृत पाण्डुलिपि से पुनः पाठ-मिलान, उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट आदि सम्पादन-कार्यों को सम्पन्न कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

19. **अन्तराभव-अध्येषणा (मूल)**

भोट-आचार्य कुन-गा पल-जोर(=आनन्द-श्री) द्वारा 31 श्लोकों में रचित "अन्तराभव-अध्येषणा" नामक ग्रन्थ का भोट-भाषा से हिन्दी में अनुवाद, ग्रन्थ-संक्षिप्त-परिचय का लेखन, डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि शोध-कार्यों को सम्पन्न कर प्रकाशनार्थ तैयार किया गया।

20. **श्री-अतुल्य ग्यल्-वङ्-छोस्-जे विरचित अन्तराभव-अध्येषणा की गम्भीर-आशु-मार्ग-सोपान नामक संक्षिप्त-अभिधेयार्थ-टीका**

भोटाचार्य कुन्-गा मि-ग्युर दो-र्जे रचित "अन्तराभव-अध्येषणा की टीका" का प्रारम्भिक अंश का हिन्दी-अनुवाद प्रकाशनार्थ तैयार किया गया। साथ में ग्रन्थ का संक्षिप्त-परिचय भी संलग्न है। इस ग्रन्थ का अवशिष्ट अंश अगले अंकों में क्रमशः प्रकाशित होगा।

21. **आचार्य दिवाकरचन्द्रकृतः हेवज्रतत्त्वविकासः**

यह ग्रन्थ भुजिमोल लिपि में लिखा हुआ है। इस ग्रन्थ के प्रथम पटल से चतुर्थ पटल तक कुल चार पटलों का देवनागरी में लिप्यन्तरण तथा कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट का कार्य सम्पन्न किया गया।

22. **मध्यमकशास्त्र की बुद्धपालित की टीका**

धीः शोध पत्रिका के 62वें अंक में प्रकाशनार्थ शोध-विभाग के विद्वानों द्वारा सम्पादित इस ग्रन्थ के 7वें परिच्छेद "संस्कृत-परीक्षा" का आद्योपान्त भोट-पाठ से पुनः पाठ-मिलान कर आवश्यक-संशोधनों को निष्पादित कर सम्पादन में सहयोग दिया गया।

23. **आनन्दध्वज-श्रीभद्र-विरचितः तारा-भट्टारिका-अभिसमयः (सम्पादन एवं अनुवाद)**

धीः शोध पत्रिका के 62वें अंक में प्रकाशनार्थ प्रो. टाशी छेरिङ् द्वारा संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषाओं में अनूदित इस ग्रन्थ के सम्पादन में सहयोग प्रदान किया गया।

24. **त्रिस्कन्धकम्=आर्यत्रिस्कन्ध-सूत्रम् (सम्पादन एवं अनुवाद)**

धीः शोध पत्रिका के 62वें अंक में प्रकाशनार्थ गेशे लोब्सङ् दोर्जे द्वारा सम्पादित एवं हिन्दी-भाषा में अनूदित इस ग्रन्थ का पुनः संस्कृत पाण्डुलिपि एवं भोट-संस्करण से आद्योपान्त पाठ-मिलान किया गया तथा कम्प्यूटर में आवश्यक-संशोधन कर ग्रन्थ के सम्पादन में सहयोग दिया गया।

25. **श्रीचतुष्पीठयोगिनीतन्त्रराज (भोट-संस्करण)**

इस मूल ग्रन्थ के परपीठ के द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ प्रकरणों का महाचार्य भवभद्र विरचित श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्य स्मृतिनिबन्धनाम टीका ग्रन्थ के भोट-पाठ तथा संस्कृत-पाठ में प्रतीक के रूप में उपलब्ध मूल-पाठों की सहायता से, पुनः मूल-ग्रन्थ के निर्णीत पाठों को संशोधित किया गया तथा संशोधित पाठ-भेदों को टिप्पणी में जोड़ा गया।

26. **पञ्चविंशत्यमनसिकारधर्मसमुच्चयः (भोट-संस्करण)**

मैत्रीपाद के इस ग्रन्थ-संग्रह के अन्तर्गत तत्त्वरत्नावलीनाम्, कुदृष्टिनिर्घातनम्, कुदृष्टिनिर्घातवाक्य-टिप्पणिका, अमनसिकारोद्देशनाम, सेकनिर्देशनाम, सेकतात्पर्यसंग्रहः आदि ग्रन्थों का पुराने कम्प्यूटर से नये कम्प्यूटर में डाटा-ट्रान्सफर कर सेटिंग तथा प्रूफ-संशोधन का कार्य किया गया। तत्पश्चात् प्रत्येक ग्रन्थ की टिप्पणियों का पुनः डाट-इनपुट तथा संशोधन-कार्य सम्पन्न किया गया।

27. **आचार्य चन्द्रकीर्ति विरचित वज्रसत्त्वसाधन-नाम (भोट-संस्करण)**

इस ग्रन्थ के देगे-संस्करण का डाटा इनपुट के पश्चात् भोट पेदुरमा-संस्करण के साथ पाठ-मिलान किया गया। साथ ही, पाठ-भेदों का पाद-टिप्पणी में डाटा इनपुट किया गया।

28. **भोटाचार्य ङोग्-छोस्-स्कु दो-र्जे विरचित चतुष्पीठसंग्रहार्थ (भोट-संस्करण)**

इस ग्रन्थ का प्राचीन तिब्बती पाण्डुलिपि से कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट का कार्य किया गया।

4. विभागीय सदस्यों द्वारा प्रकाशित शोध-लेख–

(1) बौद्धतन्त्र में डाक-डाकिनी की अवधारणा- डॉ. बनारसीलाल, धीः-61, पृ. 27-36, 2021, ISSN 2395-1524.

(2) यमारिमण्डलोपायिका : संक्षिप्त-परिचय- डॉ. ठाकुरसेन नेगी, धीः-61, पृ. 37-57, 2021, ISSN 2395-1524.

(3) कालचक्रतन्त्र एवं उसकी टीका में उद्धृत आयुर्विज्ञान की समीक्षा- (2)- डॉ. रवि गुप्त मौर्य, धीः-61, पृ. 85-102, 2021, ISSN 2395-1524.

(4) दुर्लभ ग्रन्थ परिचय- डॉ. बनारसी लाल, धीः अंक-61, पृष्ठ सं.-11-26, 2021, ISSN 2395-24.

(5) **दिवंगत डॉ. बनारसी लाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व**- टी. आर. शाशनी, **'चन्द्रताल'** पत्रिका, कुल्लु, हिमाचल-प्रदेश, संस्करण- जुलाई 21- मार्च 22

(6) **तथागत की सद्धर्म-देशना और उसकी प्रासंगिकता**- टी. आर. शाशनी, **'बोधिप्रभ'** राजभाषा-पत्रिका, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वर्ष- 2021

(7) **नेपाल में वज्राचार्य-अभिषेक की परम्परा एवं पूजा-पद्धति**- डॉ. विजयराज वज्राचार्य, **'बोधिप्रभ'** राजभाषा-पत्रिका, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वर्ष- 2021

(8) डॉ. विजयराज वज्राचार्य ने स्व. प्रो. बनारसी लाल द्वारा विविध विषयों पर लिखित 106 शोध-निबन्ध-संग्रह में से 25 शोध-निबन्धों का कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट तथा अवशिष्ट 81 शोध-निबन्धों का फॉण्ट-परिवर्तन का कार्य सम्पन्न किये हैं।

5. संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं अन्य शैक्षणिक-कार्यों में सहभागिता–

(1) 12 जून 2021 : डॉ. रवि गुप्त मौर्य ने KHYENTSE FOUNDATION (US) के द्वारा आयोजित Goodman Lecture Series के अन्तर्गत *'Reason and Revelation in Buddhism'* विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में सहभाग किया।

(2) 17 जून 2021 से 18 जून 2021 : विभाग के सदस्य-गण, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ तथा बंगलुरू योग कालेज के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित *"Yoga and Mental Health"* विषयक द्वि-दिवसीय वेबिनार में सम्मिलित हुये।

(3) 30 जून 2021 : श्री टी. आर. शाशनी, राजभाषा समिति, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित *"राजभाषा हिन्दी का सांविधिक स्वरूप"* विषयक एक दिवसीय बेविनार संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

(4) 14 सितम्बर 2021 : श्री टी. आर. शाशनी, राजभाषा समारोह के अन्तर्गत संस्थान के शान्तरक्षित पुस्तकालय के सभागार में आयोजित *"राजभाषा हिन्दी : प्रगति, प्रयास, और नई सम्भावनाएं"* विषयक गोष्ठी के उद्घाटन-सत्र में प्रोफेसर राम मोहन पाठक, कुलपति, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई के उद्बोधन में सहभाग किया।

(5) 30 अक्टूबर 2021 : विभाग के सदस्य-गण, संस्थान के प्रांगण में आजादी के अमृत-महोत्सव के तहत *"स्वबोध, स्वराज, एवं प्रतिरोध का इतिहास : काशी के विशेष सन्दर्भ में"* विषयक सेमिनार में सम्मिलित हुए।

(6) 5 नवम्बर 2021 : श्री टी. आर. शाशनी ने संस्थान के पूर्व निदेशक एवं प्रख्यात चिन्तक प्रोफेसर समदोङ् रिन्पोछे जी के जन्म-दिवस के शुभ-अवसर पर आयोजित-कार्यक्रम में *"दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग की स्थापना एवं विकास में प्रोफेसर समदोङ् रिन्पोछे जी का योगदान"* विषयक उद्बोधन को रिकार्डिंग कर ऑन-लाईन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

(7) 5 नवम्बर 2021 : डॉ. छेरिङ् डोलकर ने पुरातन छात्र-संघ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित "Professor S. Rinpoche's Biography and his contributions to establish the Tibetan education, culture preservations and spread in the world" विषयक एक दिवसीय वेबिनार में सहभाग किया।

(8) 23 दिसम्बर 2021 : डॉ. छेरिङ् डोलकर ने पुरातन छात्र-संघ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ एवं ग्युतोद मोनास्टिक यूनिवर्सिटी, धर्मशाला, (हि.प्र.) के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित *'बौद्धधर्म, संस्कृति एवं इतिहास तथा कोविड-19 काल में मन की स्थिरता का उपाय'* विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभाग किया।

(9) 23 दिसम्बर 2021 : डॉ. छेरिङ् डोलकर, पुरातन छात्र-संघ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के द्वारा धर्मशाला, (हि.प्र.) में आयोजित प्रोफेसर एस. रिन्पोछे जी के द्वारा प्रदत्त 'Opinion Leadership' नामक व्याख्यान में सम्मिलित हुई।

(10) 26 जनवरी, 2022 : विभाग के सदस्य-गण, गणतन्त्र-दिवस-समारोह तथा संस्थान की राजभाषा-समिति द्वारा प्रकाशित **बोधिप्रभ** नामक पत्रिका के विमोचन में सम्मिलित हुए।

(11) 24 फरवरी 2022 : श्री टी. आर. शाशनी, संस्कृति मन्त्रालय, राजभाषा प्रभाग, नई दिल्ली (भारत, सरकार) के तत्त्वावधान में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), सारनाथ के प्रांगण में आयोजित एक-दिवसीय कार्यशाला में सहभाग किया।

(12) 28 फरवरी 2022 : विभाग के सदस्य-गण, अनाथपिण्डद-अतिथि-गृह, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ में, श्री राहुल जैन के नेतृत्व में "समस्त महाजन संस्था, मुम्बई" द्वारा आयोजित श्री अजीत शेखर सूरी जी द्वारा रचित पुस्तकों के विमोचन एवं वृक्षारोपण-कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

(13) डॉ. विजयराज वज्राचार्य ने बुद्ध-विहार संघ, ललितपुर (नेपाल) संस्था द्वारा प्रकाशित 'त्रिरत्न' नामक पत्रिका में प्रकाशनार्थ *"संक्षिप्त ग्रन्थ परिचय : पंचविंशति-साहस्रिका प्रज्ञापारमिता"* शीर्षक लेख प्रेषित किया।

6. प्रशासनिक कार्यों एवं विभिन्न कमेटियों की बैठक में सहभागिता–

(क) 23 जून 2021 : श्री टी. आर. शाशनी ने *राजभाषा कार्यान्वयन समिति* की तिमाही बैठक में सम्मिलित हुआ।

(ख) 11 अगस्त 2021 : श्री टी. आर. शाशनी ने संस्थान की हिन्दी गृह पत्रिका *'बोधिप्रभ'* (वार्षिक) के प्रकाशन के सम्बन्ध में राजभाषा परामर्शी द्वारा आहूत बैठक में सहभाग किया।

(ग) 28 अक्टूबर 2021 : डॉ. छेरिङ् डोलकर ने, पूर्व निदेशक एवं चिन्तक प्रो. समदोङ् रिन्पोछे जी के जन्म-दिवस के आयोजन की तैयारी हेतु एलुमेनी एसोसिएशन, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ द्वारा आहूत कमेटी की बैठक में, विशिष्ट समिति सदस्या के रूप में, वेबिनार के माध्यम से सहभागिता दी।

(घ) 17 दिसम्बर 2021 : श्री टी. आर. शाशनी, *सोवा-रिग्पा की स्पोट परचेज कमेटी* की बैठक में सम्मिलित हुये।

(ङ) 24 दिसम्बर 2021 : श्री टी. आर. शाशनी, *राजभाषा कार्यान्वियन समिति* की बैठक में सम्मिलित हुये।

(च) 29 दिसम्बर 2021 : श्री टी. आर. शाशनी, नराकास (नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति) की बैठक में सहभाग किया।

(छ) 15 मार्च 2022 : श्री टी. आर. शाशनी, तिब्बती ग्रन्थों की खरीद हेतु गठित *मूल-सत्यापन-समिति* की बैठक में सम्मिलित हुये।

(ज) 23 मार्च 2022 : श्री टी. आर. शाशनी, *राजभाषा कार्यान्वियन समिति* की बैठक में सम्मिलित हुये।

7. विभिन्न समितियों के सदस्य–

श्री टी. आर. शाशनी-

(क) सदस्य, *स्पोट परचेज कमेटी, फैकल्टी ऑफ सोवा-रिग्पा एण्ड ज्योतिष,* केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(ख) सदस्य, *राजभाषा हिन्दी कार्यान्वियन समिति,* केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(ग) सम्पादक-मण्डल, *'बोधिप्रभ',* राजभाषा-पत्रिका, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(घ) सदस्य, शान्तरक्षित-ग्रन्थालय में तिब्बती भाषा के ग्रन्थों की खरीद हेतु गठित *'मूल्य-सत्यापन-समिति'*।

डॉ. छेरिङ् डोलकर-

(क) समिति-सदस्या, *महिला यौन उत्पीड़न समिति*, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

(ख) विशिष्ट समिति-सदस्या, *पुरातन छात्र एसोसिएसन*, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा-

समिति-सदस्य, *अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा-वर्ग,* केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ।

4. कोश विभाग

कोश-विभाग की योजनाएँ :

कुछ दशक पहले, जब महायानी बौद्ध परम्परा के प्रति विश्व जन-मानस में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब इससे सम्बद्ध वाङ्मय तिब्बती, चीनी आदि प्राच्य भाषाओं तक ही सीमित थे। महापण्डित राहुल सांकृत्यायन आदि के प्रयास से कुछ संस्कृत ग्रन्थ पाठकों के सामने आये, किन्तु वे बहुत त्रुटिपूर्ण एवं अपूर्ण थे। उक्त स्थिति को देखते हुए तत्कालीन विद्वानों ने एक बृहत्-कार्य योजना तैयार की, जिसका मुख्य लक्ष्य इस प्रकार है-

1. उपलब्ध संस्कृत ग्रन्थों का परिष्कृत संस्करण तैयार करना।
2. विनष्ट संस्कृत ग्रन्थों को उनके तिब्बती अनुवाद की सहायता से पुनः अपने मूल रूप में प्रतिष्ठित करना।

3. प्राच्य भाषाओं में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुये उच्चस्तरीय शोध कार्य को प्रोत्साहित करना।
4. प्राचीन भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध वाङ्मय को अर्वाचीन भाषाओं में सुलभ कराना।

इस महत्त्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत संपादन कार्यों को पूरा करने के लिये विभिन्न प्रकार के कोशों के निर्माण की आवश्यकता का अनुभव किया गया। तदनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा-संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने एक बृहत् कोश योजना तैयार की, जिसमें दो प्रकार के कोशों के निर्माण का प्रावधान है– सामान्य और विषयगत कोश।

सामान्य कोश के अन्तर्गत विभाग ने भोट-संस्कृत-कोश पर कार्य शुरू किया, जो सन् 2005 ई. में सोलह भागों में पूरा हुआ। उपलब्ध भोट-संस्कृत-कोशों में यह सबसे बड़ा कोश है। भोट-संस्कृत धर्मसंग्रह-कोश सहित भोट-संस्कृत सन्दर्भनिर्देशिका-कोश के प्रथम भाग का भी प्रकाशन हो चुका है तथा भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश के निर्माण का कार्य चल रहा है। विषयगत कोश के रूप में भोट-संस्कृत आयुर्विज्ञान-कोश एवं ज्योतिष-कोश का कार्य भी अन्तिम चरण में है।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. रमेशचन्द्र नेगी	-	प्रधान सम्पादक (कार्यकारी)
2. डॉ. टशी छेरिंग	-	शोध सहायक
3. श्री तेन्जिन सिदोन	-	शोध सहायक
4. डॉ. कर्मा सोनम पाल्मो	-	शोध सहायक
5. डॉ. लोब्संग छोडोन	-	शोध सहायक (संविदा)
6. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी	-	शोध सहायक (संविदा)
7. श्री रमेशचन्द्र	-	कनिष्ठ लिपिक (संविदा)

निर्माणाधीन योजनाएँ :

1. भोट-संस्कृत-आयुर्विज्ञान-कोश :

यह कोश अष्टाङ्गहृदय एवं इसके भोटानूदित तथा कुछ संस्कृत टीकाओं पर आधारित है। यह कोश अष्टांगहृदय की सामग्रियों का व्याख्यान करता है और साथ ही यह सामान्य एवं पारिभाषिक तिब्बती पर्याय तथा उसके संस्कृत पर्यायों को भी सूचित करता है। इस कोश का अन्तिम चरण पूर्ण हो चुका है तथा यह प्रकाशन के लिये लगभग तैयार है।

2. भोट-संस्कृत-ज्योतिष-विज्ञान-कोश :

यह कोश ज्योतिष एवं खगोल विज्ञान से सम्बन्धित संस्कृत एवं उसके भोटानूदित ग्रन्थों पर आधारित है और इन ग्रन्थों की सामग्रियों का व्याख्यान करता है। कोश में पारिभाषिक शब्दों के अर्थों को बताने के लिये शास्त्रीय उद्धरणों को प्रयोग में लिया गया है। इस कोश के सम्पादन का कार्य उपलब्ध भोटी एवं संस्कृत ज्योतिष ग्रन्थों के आधार पर किया गया है। वर्तमान में विभाग के प्रधान प्रभारी संपादक प्रो. रमेश चन्द्र नेगी और शोध-सहायक डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी के साथ अब तक लगभग अधिकांश संशोधन कार्य पूरा कर लिया गया है।

3. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश :

यह मुख्यतया स्व. जे. एस. नेगी जी के बृहत् भोट-संस्कृत कोश पर आधारित एक सामान्य-कोश है। इस कोश में बृहत् भोट-संस्कृत-कोश से शास्त्रीय पदों से सम्बन्धित सामान्य व प्रचलित शब्दों का तथा आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन किया जाना है। भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश में भोटी प्रविष्टियों के संस्कृत पर्याय दिये जाने के कारण यह एक शब्द-पर्याय-कोश है। इसके अतिरिक्त भोटी प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण भी दिया जा रहा है, जिससे भोटी लिपि से अनभिज्ञ छात्र, प्रविष्टि को अंग्रेजी लिप्यन्तरण व उच्चारण के माध्यम से सरलतापूर्वक जान

सकें। इसके अतिरिक्त प्रविष्टियों के संस्कृत सहित शब्द-पर्याय भी दिये जा रहे हैं। यह कोश तीन चरणों में सम्पन्न होगा। पहले चरण के रूप में बृहत् भोट-संस्कृत कोश से सरल शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है। दूसरे चरण में अन्य आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है तथा अन्तिम चरण में संशोधन से सम्बन्धित कार्य होगा। यह कोश दो भागों में प्रकाशित होगा। प्रथम भाग में क वर्ण से लेकर न वर्ण तक के तिब्बती प्रविष्टि, संस्कृत पर्याय एवं उनके प्रयोगों को देने का कार्य पूरा हो चुका है तथा अन्तिम संशोधन के लिये तैयार है। द्वितीय भाग के तृतीय चरण के रूप में ब वर्ण तक के भोटीय प्रविष्टियों का संशोधन का कार्य चल रहा है।

4. भोट-संस्कृत त्रिभाषीय-अभिधर्म-कोश :

इस त्रिभाषीय शब्दकोश में सभी आवश्यक पारिभाषिक प्रविष्टियों का पूर्वापर अभिधर्मों से चयन किया जा रहा है। पूर्व-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य असंग द्वारा विरचित अभिधर्मसमुच्चय से है तथा अपर-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य वसुबन्धुकृत अभिधर्मकोश एवं उसके भाष्य से है। इन दो आधारभूत ग्रन्थों के अतिरिक्त आचार्य यशोमित्रकृत अभिधर्मकोशटीका और जिनपुत्रकृत अभिधर्मसमुच्चय-भाष्य एवं अभिधर्मसमुच्चय-व्याख्या आदि से भी आवश्यक पारिभाषिक शब्दों का चयन किया जा रहा है। उक्त काल के दौरान प्रविष्टि शब्दों के लिये अभिधर्मसमुच्चय से उद्धरणों का संग्रह किया गया और साथ ही साथ पारिभाषिक शब्दों की शब्दानुक्रमणिका के लिये शब्दों का संग्रह किया गया।

5. भोट संस्करणों का सन्दर्भ कोश :

भोट संस्करणों का सन्दर्भ-कोश, भोट-संस्कृत सन्दर्भ-कोश पर आधारित है। इस कोश के माध्यम से भोटानूदित ग्रन्थों के पाँचों संस्करणों (देगे, नर्थङ्, पेकिङ्, चोने और ल्हासा) के सन्दर्भों को दर्शाना है। यह कोश वर्तमान मे कार्यकर्ता के अभाव में रूका पड़ा है।

6. विनयकोश :

इस हेतु पुनरुद्धार विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन का अवलोकन करें।

भावी योजनाएँ :

1. भोट-संस्कृत शब्दानुक्रमणिका
2. नाम-कोश (प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल एवं विद्वानों के नाम का कोश)
3. बौद्ध तन्त्र-कोश
4. बौद्ध न्याय-कोश
5. तिब्बती हिन्दी-कोश
6. ग्रन्थ-कोश
7. क्रिया-कोश

शैक्षणिक कार्य-

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने कर्ग्युद सम्प्रदाय में अध्यापन तथा प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा लेने का कार्य किया।
2. डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी ने शास्त्री प्रथम के ख वर्ग के छात्रों को संस्कृत पढ़ाने तथा उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा लेने का कार्य किया।

राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय सभाओं में शोधपत्र प्रस्तुति, लेखन तथा सहभागिता :

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी (प्रधान सम्पादक कार्यकारी)

1. 1 अप्रैल 2021 ई. : मध्याह्न 3-4 बजे **पालि दिवस समारोह** की अध्यक्षता गूगल मीट पर की।

2. 23-26 मई 2021 : वेबिनार के माध्यम से होने वाले **पालि सोसायटी आफ इण्डिया** के द्वारा आयोजित (मध्याह्न 5-8 बजे) वर्तमान में **पालि एवं थेरवादी बौद्धधर्म की प्रासंगिकता** विषय पर **चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी** में भाग लिया तथा तत्सम्बन्धित विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुये प्रथम एवं दूसरे दिन में धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

3. 25 मई 2021 : प्रातः 11-12 बजे पर्यन्त गूगल मीट पर श्री मुनि लाल (लेक्चरर पी.ओ. किन्नौर हि.प्र.) द्वारा आयोजित **महामारी के दौरान शान्तिपूर्ण एवं सार्थक जीवन कैसे जिया जाये?** विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

4. 13 जून 2021 : **बुद्ध तपस्स फाउण्डेशन औरंगाबाद, महाराष्ट्र** द्वारा आयोजित विशेष वेबिनार में **विशेष अतिथि एवं वक्ता** के रूप में भाग लिया तथा **गाईड लाईन्स टू स्टुडेन्स ऑफ लेट बिलव्ड अनिल भाउ तायडे जी** विषय पर व्याख्यान दिया।

5. 17-18 जून 2021 : विश्वविद्यालय द्वारा **योग एण्ड मेण्टल हेल्थ** विषय पर आयोजित विशेष वेबिनार में आभासीय मंच के द्वारा सम्मिलित हुआ।

6. 24 जुलाई 2021 : प्रातः 9-11.30 बजे पर्यन्त **धर्मचक्र विहार मवईया** द्वारा आयोजित आषाढ़ी पूर्णिमा अथवा गुरु पूर्णिमा समारोह में संस्था के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया तथा एकत्रित लोगों को **विश्व में वास्तविक शान्ति** विषय पर **विशेष व्याख्यान** दिया।

7. 14 सितम्बर 2021 : **हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग** के **स्वर्ण-जयन्ती-वर्ष** के उपलक्ष्य में **राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मूरङ्ग, किन्नौर** के प्रधानाचार्य के साथ गूगल मीट पर वहाँ के पूर्व छात्र के रूप में विशेष वार्ता में सम्मिलित हुआ।

8. 24 अक्टूबर 2021 ई. को **जिगना, मिर्जापुर** में **विश्व बौद्ध महासंघ** द्वारा आयोजित **बौद्ध अशोक विजय दशमी महोत्सव** में **संगठनात्मक शक्ति एवं सद्धर्म** विषय पर व्याख्यान दिया।

9. 18 नवम्बर 2021 : **अहरौरा, मिर्जापुर** में **सम्राट अशोक क्लब भारत** द्वारा आयोजित **सम्राट अशोक शिलालेख महोत्सव** में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ।

10. 19 नवम्बर 2021 : **धर्म चक्र विहार मवईया,** सारनाथ में **विश्व बौद्ध महासंघ** द्वारा आयोजित **कठिन चीवर दान** में सम्मिलित हुआ तथा तत्सम्बन्धित विषय पर व्याख्यान दिया।

11. 19 नवम्बर 2021 : **कार्तिक पूर्णिमा** के पावन अवसर पर **मूलगन्धकुटी विहार सारनाथ,** परिसर में **विश्व बौद्ध महासंघ** द्वारा आयोजित **धर्म प्रवचन सभा में सद्धर्म का व्यावहारिक पक्ष** विषय पर व्याख्यान दिया।

12. 25 नवम्बर 2021 : **कम्युनल हारमनि कम्पेन वीक** के तहत ए.पी. गेस्ट हाउस में आयोजित विशेष सभा में उक्त विषय पर **विशेष व्याख्यान** प्रस्तुत किया।

13. 29 नवम्बर 2021 : **कर्ग्युद सम्प्रदाय** से सम्बद्ध 2021-22 सत्र के नये छात्रों का **के.आर.पी.सी.** द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया तथा नए छात्रों को विशेष रूप से सम्बोधन करने के कार्यक्रम में मेरे द्वारा **चरित्र निर्माण सहित शिक्षा के महत्त्व** पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

14. 10 दिसम्बर 2021 : **परमपावन दलाई लामा जी** को **नोबेल शान्ति पुरस्कार** मिलने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष महोत्सव, जो **महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ, चित्रकूट, उत्तरप्रदेश** में विशेष अतिथि के रूप में **भारत-तिब्बत सम्बन्ध तथा मानवाधिकार** विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।

15. 23 दिसम्बर 2021 : वाराणसी प्रान्त के बिशप द्वारा क्रिसमस की प्रथम सन्ध्या के उपलक्ष्य में आयोजित की गई **ख्रीस्ट जयन्ती मिलन समारोह, में बौद्धधर्म के प्रतिनिधि** के रूप में **सर्वधर्म समभाव** विषय पर विशेष सन्देश दिया।

16. 21 जनवरी 2022 : गूगल मीट के माध्यम से सम्पन्न **सिद्धम् संस्थान** की विशेष सभा में उक्त संस्था के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

17. 26 जनवरी 2022 : विश्वविद्यालय के झण्डोत्तोलन सभा में तथा प्रथम बार प्रकाशित **बोधिप्रभ** नामक **राजभाषा पत्रिका के विमोचन में सम्पादक** के रूप में सम्मिलित हुआ।

18. 26 जनवरी 2022 : प्रातः 10 बजे से **एस.डी. मेरोरियल पब्लिक स्कूल इमिलिया, सारनाथ** के **गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि** के रूप में सम्मिलित हुआ तथा झण्डोत्तोलन कर सभा को विशेष रूप से सम्बोधित किया।

19. 27 जनवरी 2022 : रात्रि 6-7.30 बजे पर्यन्त **पालि सोसायटी आफ इण्डिया** के कार्यकारिणी की आनलाईन मोड पर हुए विशेष बैठक में उक्त समिति के उपाध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुआ।

20. 30 जनवरी 2022 : रात्रि 7-8.15 बजे तक गूगल मीट पर आयोजित प्रथम धम्म चर्चा के अवसर पर **मुख्य वक्ता** के रूप में सम्मिलित हुआ तथा **लोक कल्याणकारी बुद्ध-वचन** विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।

21. 8 फरवरी 2022 : **आज़ादी के अमृत महोत्सव** के अन्तर्गत **धर्म संस्कृति संगम काशी** एवं **स्वदेशी जागरण मंच काशी प्रांत** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **लोकतंत्र के पावन पर्व में हमारा दायित्व** विषयक एक दिवसीय **तरंग संगोष्ठी** में **प्रान्त मंत्री** के रूप में सम्मिलित हुआ तथा **बौद्ध मंगलाचरण** प्रस्तुत किया।

22. 11 फरवरी 2022 : **साउण्ड एण्ट म्युज़िक ट्रेवल्स** के **सदस्य** (रेमण्ट हाकिन्स) सहित **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय** के डॉ. सन्दीप के साथ **यूनिवर्सल मिस्टक संगीत** के विषय में विशेष वार्ता।

23. 11 फरवरी 2022 : **सिद्धम** संस्था के कार्यालय के उद्घाटन में उक्त संस्था के अध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुआ।

24. 13 फरवरी 2022 : **पालि सोसायटी आफ इण्डिया** के आनलाईन मोड पर हुए **बौद्धधर्म में शील-माहात्म्य** विषयक रात्रिकालीन पाक्षिक धर्म-चर्चा में सम्मिलित हुआ।

25. 27 फरवरी 2022 : **बौद्ध दर्शन विभाग धर्म चक्र विहार अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शिक्षा शोध संस्थान सारनाथ, वाराणसी** द्वारा आयोजित **भारतरत्न लता मंगेशकर** को वेबिनार के माध्यम से **विशेष श्रद्धांजलि सभा** की अध्यक्षता की।

26. 28 फरवरी 2022 : **धम्म चक्क खरगीपुर, सारनाथ** में दस दिवसीय विशेष विपश्यना शिविर के 10वें दिन **विशेष मेत्ता-भावना** में सम्मिलित हुआ।

27. 20 मार्च 2022 : पवित्र तीर्थ स्थलों के लिये दर्शन हेतु **देछेन छोस्-खोर-भिक्षु-संघ** (कुल्लू, हिमाचल प्रदेश) द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान **(व्याख्यान-कर्त्ता- प्रो. वङ्छुग दोर्जे, कुलपति)** तथा प्रणिधान पाठ में सम्मिलित हुआ।

28. 24 मार्च 2022 : **पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय वाराणसी** में **विश्व क्षय** रोग दिवस के आयोजन में **विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि** के रूप में सम्मिलित हुआ।

29. 27 मार्च 2022 : **हिमाचल बौद्ध छात्र संघ** द्वारा आयोजित **तोशिम 2022** ई. में सम्मिलित हुआ तथा **पत्रिका विमोचन समारोह** में मुख्य अतिथि **मा. कुलपति प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी** तथा विशिष्ट अतिथि आदरणीय कुलसचिव **डॉ. हिमांशु पाण्डेय** का स्वागत किया तथा **हि.बौ.छा.संघ** का परिचय प्रस्तुत किया।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो

1. 20 सितंबर 2021 : **महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता** द्वारा **अंतर्राष्ट्रीय भिक्खुनी दिवस के उपलक्ष्य** में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ताओं में से एक के रूप में भाग लिया और **भिक्खुनी संघ परंपरा का महत्व और चुनौतियाँ** पर एक प्रस्तुति दी।
2. 19 नवम्बर 2021 : **यूनाइटेड थेरवाद भिक्खुनी संघ इंटरनेशनल** द्वारा आयोजित **वर्चुवल ग्लोबल धम्म काउसलिंग** के दौरान **विश्व स्तर पर भिक्षुणी संघ की मान्यता** के महत्व पर **एक पेपर प्रस्तुत** किया।

आचार्य तेनजिन सीदोन :

1. कुलपति कार्यालय से सम्बद्ध प्रशासनिक कार्य तथा छात्र क्रियाकलापों के निस्तारण में सहयोग किया।

शोध निर्देशन/ प्रकाशन एवं अनुवाद

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी

1. 4 अक्टूबर 2021 : **डोल्-तोद् दङ् सोल्-देब्स (संक्षिप्त तारा-स्तुति एवं अध्येषणा)** नामक ग्रन्थ के **हिन्दी-अनुवाद** का कार्य।
2. **मर्-पई नम्-थर् थोङ्-वा दोन्-योद् (अमोघसिद्धि नामक मरपा का जीवन-वृत्तान्त)** नामक भोटी ग्रन्थ के यूनिकोड कनवर्टिड वर्शन का **विशेष सम्पादन** कार्य।
3. 8 जुलाई 2021 : **गोङ्स-कर दे-छेन् छोस्-खोर् विहार** के उपाध्याय द्वारा भेजे गये विशेष **सोल्-छोद् (अध्येषणा-पूजा)** नामक लघु ग्रन्थ का **देवनागरी लिप्यन्तरण** तथा **हिन्दी-अनुवाद** कार्य किया।
4. 9 जुलाई 2021 : **कर्मविभंग** (भोटी)-1-3 का द्वितीय बार संशोधन एवं सम्पादन पूरा किया।
5. 2-3 अगस्त 2021 : **हृदयसूत्र** का **डॉ. रमेश शिंका** द्वारा सम्पादित **संस्कृत संस्करण से हिन्दी** में **अनुवाद एवं संपादन** करने का कार्य किया।
6. 7 अक्टूबर 2021 : **डॉ. प्रभु लाल नेगी** द्वारा लिखित **नेगी रिन्पोछे तन्ज़िन ग्यल्-छन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** नामक ग्रन्थ का प्रथम संशोधन समाप्त किया।
7. 8 अक्टूबर 2021 : **गादन फोडङ, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश** के आग्रह पर **पालि तिपिटक दीघनिकाय में प्राप्त अग्गञ्ञ सुत्त का भोटी अनुवाद** कार्य किया।
8. 4 नवम्बर 2021 : **गादन फोडङ्, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश** के आग्रह पर **पासादिकसुत्त का भोटी अनुवाद**-कार्य।
9. 11-17 नवम्बर 2021 : **गादन फोडङ** के अनुरोध पर डॉ. सोनम पलमो के साथ **महासतिपट्ठानसुत्त** के **भोटी अनुवाद** को अन्तिम रूप देने का कार्य।
10. 1-2 दिसम्बर 2021 : **के.आर.पी.सी.** द्वारा प्रकाशित किये जाने वाले **ञन्-ङग् खम्स-डेल** (काव्यादर्श की भोटी टीका) का डॉ. कर्मा सोनम पल्मो के साथ अन्तिम रूप तैयार करने का कार्य किया।
11. 1 जनवरी 2022 : **परमपावन दलाई लामा जी** के निजी कार्यालय के निवेदन पर पालि के **लक्खन-सुत्त** का भोटी अनुवाद।

12. 10 मार्च 2022 : **भिक्षु धर्मरक्षित** द्वारा हिन्दी अनूदित **चरियापिटक** (पालि) का संशोधन कार्य।

डॉ. टाशी छेरिंग

1. छात्रोपयोगी कोश के ब-वर्ण के लिए तिब्बती प्रविष्टियों का संस्कृत पर्याय, इनका प्रयोग एवं अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण देने का कार्य किया।
2. सुमागधावदानम् नामक ग्रन्थ की भूमिका एवं पारिभाषिक शब्दों का विवरण लिखने का कार्य।
3. पालि के अलर्गद्दासुत्त के तिब्बती अनुवाद का कार्य।
4. भोट-संस्कृत-आयुर्विज्ञान-कोश के लिए तिब्बती भूमिका का संशोधन-कार्य।
5. आर्यकाश्यपपरिवर्तो-नाम-महायानसूत्र के तिब्बती पाठ के सम्पादन का कार्य।
6. पाथिक सूत्र के तिब्बती अनुवाद का कार्य।
7. आयुर्विज्ञान कोश के संस्कृत पाठ की शब्दानुक्रमिका का कम्प्यूटर पर संशोधन का कार्य चल रहा है।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो

1. तिब्बती में **मरपा की जीवनी** नामक संपादित पुस्तक के अंतिम संशोधन में **डॉ. रमेश चन्द्र नेगी** के सहायक के रूप में कार्य किया।
2. नवम्बर 2021 : पालि से तिब्बती में **महासत्तिपट्ठानसुत्त** अनुवाद के भोटी अनुवाद को अन्तिम रूप देने के कार्य में **प्रो. रमेश चन्द्र नेगी** के सहायक के रूप में कार्य किया।
3. **भोट-संस्कृत-आयुर्विज्ञान-कोश** की प्रस्तावना के **अंग्रेजी अनुवाद** में संस्कृत के सभी शब्दों में **डायक्रेटिक मार्क्स** लगाया।
4. कुलपति कार्यालय द्वारा दी गई संस्कृत शब्दों की सूची में अंग्रेजी समकक्ष देने का काम किया।
5. अभिधर्म पर शब्दकोश के लिए **अभिधर्मसमुच्चय भाष्य** से प्रविष्टि शब्दों के संकलन का कार्य किया।
6. भोट-संस्कृत-आयुर्विज्ञान-कोश की प्रस्तावना के संशोधित हिंदी अनुवाद के अनुसार अंग्रेजी अनुवाद को संशोधित किया।

डॉ. लोब्संग छोडोन

1. ज्योतिष कोश का कम्प्यूटर पर संशोधन तथा पृष्ठ सम्पादन करने का कार्य किया।
2. भोट से भोट खगोल कोश बनाने के लिए उससे सम्बद्ध रूपरेखा तैयार करने का कार्य किया।
3. आयुर्विज्ञान कोश की भूमिकाओं का संशोधन आदि कार्य किया।
4. **तिब्बत हाउस** के द्वारा हर शुक्रवार को शाम 6 से 8 बजे तक **प्रमाणवार्तिक** अध्याय 2 तथा शनिवार को सिद्धान्त रत्नमाला ऑनलाइन व्याख्यान में शामिल हुई।
5. विभागीय वार्षिक तिब्बती और अंग्रेजी रिपोर्ट तैयार करने का कार्य किया।
6. **शीध्रबोध** नामक ज्योतिष ग्रन्थ के तिब्बती भाषा में अननूदित 89 श्लोकों का संस्कृत मूल ग्रन्थ के अनुसार अनुवाद तथा उसकी टीका का तिब्बती भाषा में अनुवाद का कार्य।
7. **ज्योतिष रत्नमाला** नामक ग्रन्थ का संस्कृत एवं तिब्बती मूल का पाठ भेद करने का कार्य और तिब्बती टीका लिखने का कार्य प्रारम्भ हुआ।
8. ज्योतिष गुरु प्रो. श्री टाशी छेरिंग द्वारा लिखी गयी पोर ताङ चिकि कोरगो नामक ग्रन्थ का संशोधन कार्य किया।

डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी

1. प्रमाणवार्तिक से शब्द चयन करने का कार्य।
2. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश का संशोधन कार्य।
3. मध्यमकहृदयम् नामक संस्कृत ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद कार्य।
4. आनलाईन शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों को संस्कृत शिक्षण का कार्य।
5. प्रो. जम्पा समतेन के अनुरोध पर डॉ. रमेश चन्द्र नेगी के निर्देशन में स्व. जीता सेन नेगी (भूतपूर्व प्रधान सम्पादक कोश-विभाग) जी के जीवन-वृत्तान्त पर शोधपत्र लिखा।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ :

डॉ. रमेशचन्द्र नेगी

1. 30 जून 2021 : **राजभाषा कार्यान्वय समिति** द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यशाला में आभासीय मंच के द्वारा सहभाग किया।
2. 9 जुलाई 2021 : **बौद्ध पालि विभाग** (सं.सं. विश्वविद्यालय वाराणसी) के **बौद्धदर्शन अध्ययन बोर्ड** की सभा में सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ।

5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध एवं महत्त्वपूर्ण तिब्बती साहित्य का बृहत् इतिहास अभी तक नहीं लिखा गया। इसे ध्यान में रखकर तिब्बती साहित्य केन्द्र की स्थापना की गई। इस बृहत् तिब्बती साहित्य के इतिहास में इसका विकासक्रम व भारतीय साहित्य का तिब्बती पर प्रभाव परिलक्षित होगा। पूरे तिब्बती साहित्य की दो विधाएँ हैं - 1. भारतीय भाषाओं में मुख्यतः संस्कृत से अनूदित पाँच हजार से अधिक ग्रन्थ, 2. तिब्बती विद्वानों की विविध विषयों पर रचनाएँ जो लाख से भी अधिक हैं। इतने विशाल साहित्य के होते हुए भी बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास नहीं लिखा गया है। अतः संस्थान ने बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास तैयार करने का निर्णय लिया, जिसे मूर्त रूप देने के लिए संस्थान ने तिब्बती साहित्य केन्द्र नामक शोध अनुभाग की कल्पना की, जो कि बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास प्रस्तुत कर सके और साथ ही अन्य साहित्यिक रचनाओं का अनुवाद, शोध, कार्यशाला व सम्मेलन कर सके। इन तथ्यों को दृष्टिगत कर संस्थान ने वरिष्ठ प्रसिद्ध विद्वानों को इस योजना में नियुक्त करने की योजना बनाई।

तदनुसार एक वरिष्ठ अनुसन्धाता को तिब्बती साहित्य केन्द्र में प्रमुख बनाया गया है जिन्होंने आठ साल तक इस योजना में कार्य किया है और बृहत् तिब्बती साहित्य इतिहास के प्रारूप की चार भागों में रचना की जो सम्पन्न होने की स्थिति में है। इस योजना के साथ ही केन्द्र ने अनुवाद व व्याख्याग्रन्थ के रूप में अन्य साहित्यिक रचनाएँ भी प्रकाशित की हैं। केन्द्र ने संस्कृत व हिन्दी साहित्य पर एक कार्यशाला भी आयोजित की तथा तिब्बती साहित्य-इतिहास के प्रारूप पर परिचर्चा करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की।

4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का शान्तरक्षित ग्रन्थालय एक विशिष्ट ग्रन्थालय है। इस ग्रन्थालय में प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों के तिब्बती अनुवाद के रूप में भारतीय बौद्ध-वाङ्मय का समृद्ध संग्रह अपने मौलिक स्वरूप में काष्ठोत्कीर्णित (Xylograph), मुद्रित एवं मल्टीमीडिया ग्रंथों के रूप में विद्यमान है। ग्रन्थालय में विद्यमान ग्रन्थों का यह संग्रह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों पर आधारित है, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संग्रह घोषित किया गया है।

ग्रन्थालय का नामकरण प्राचीन नालन्दा महाविहार के प्रसिद्ध भारतीय बौद्ध विद्वान् आचार्य शान्तरक्षित के नाम पर हुआ है जिन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं एवं परम्पराओं के प्रसार हेतु 8वीं शताब्दी में तिब्बत की यात्रा की थी।

ग्रन्थालय में संरक्षित बौद्ध, तिब्बती और हिमालयीय-अध्ययन विषयक ग्रन्थों का समृद्ध संग्रह संसार-भर के विद्वानों के आकर्षण का केन्द्र है। बौद्ध-वाङ्मय की दृष्टि से यह अद्वितीय ग्रन्थालय है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय अत्याधुनिक सूचना तकनीकि सुविधाओं से सम्पन्न हैं तथा ग्रन्थालय में संगृहीत समस्त प्रलेखों की कम्प्यूटरीकृत बहुभाषी ग्रन्थसूची के आधार पर ग्रंथालय सेवाएं प्रदान की जाती हैं, यह बहुभाषी सूचीपत्रक (ओपेक) विश्वविद्यालय परिसर के कम्प्यूटर नेटवर्क (LAN) के साथ ही विश्वविद्यालय की बेबसाईट (www.cuts.ac.in) से कहीं भी देखा जा सकता है।

शान्तरक्षित ग्रंथालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्विश्वविद्यालयी केन्द्र इनफ्लिब्नेट, अहमदाबाद (www.inflibnet.ac.in) द्वारा संचालित इन्फोनेट (ऑन लाइन जर्नल्स योजना) का सदस्य है, जिसके फलस्वरूप अर्थशास्त्र एवं राजनीति की साप्ताहिकी (www.epw.in) तथा आई. एस. आई. डी. (www.isid.org.in) डेटाबेस, विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के इण्टरनेट नेटवर्क का प्रयोग कर मुफ्त में देखें, पढ़ें और डाउन-लोड किए जा सकते हैं।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय को टी.बी.आर.सी. (तिब्बतन बुद्धिस्ट रिसोर्स सेण्टर) https://www.tbrc.org तथा वर्ल्ड पब्लिक लाइब्रेरी http://community.worldLib.in और साउथ एशिया आर्काइव (एस.ए.ए.) http://www.southasiaarchive.com के संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग की अनुमति भी प्राप्त है।

मुद्रित और ऑनलाइन प्रलेखों के साथ ही यह ग्रन्थालय माइक्रोफिच, माइक्रोफिल्म और ऑडियो और वीडियो प्रलेखों के समृद्ध संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करता है तथा इन अमूल्य संसाधनों का प्रबंधन करता है। ग्रन्थालय तिब्बती साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए दलाई लामा फाउंडेशन, धर्मशाला, के साथ जुड़ा हुआ है।

1. प्रो. टशी छेरिंग (एस.), ग्रंथालय प्रभारी
2. श्री सुधृति विश्वास, कार्यालय सहायक, संविदा

शान्तरक्षित ग्रंथालय के सात प्रमुख अनुभाग हैं–

1. अवाप्ति, तकनीकी एवं इनफ्लिब्नेट अनुभाग।
2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका एवं सन्दर्भ अनुभाग।
3. तिब्बती अनुभाग।

4. आदान-प्रदान अनुभाग।
5. संचयागार अनुभाग।
6. मल्टीमीडिया अनुभाग।
7. कम्प्यूटर अनुभाग।

1. अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

1.1 ग्रंथ अवाप्ति

(क) ग्रन्थालय के अवाप्ति अनुभाग द्वारा वर्ष 2021-22 में ₹8353658.00 मूल्य के कुल 2037 ग्रन्थों की अवाप्ति कर आगम संख्या 123141,123142 व 123253 से 125287 तक पंजीकृत किया गया। इनमें से ₹3057959.00 मूल्य के 1507 ग्रंथ खरीदे गये तथा ₹5295699.00 मूल्य के 347 ग्रंथ दानस्वरूप एवं 03 ग्रंथ विश्वविद्यालय-प्रकाशनों के विनिमय द्वारा प्राप्त हुए और सामयिकी अनुभाग द्वारा पूर्व में अवाप्त 180 जिल्दबन्द सामयिकों का परिग्रहण किया गया।

वर्ष 2021-22 में अवाप्त ग्रंथों का विवरण

तिब्बती	1229
संस्कृत	22
हिन्दी	166
अंग्रेजी	365
बहुभाषी	242
अन्य	13
कुल	**2037**

क्रय	1507
दान	347
विनिमय	03
जिल्दबन्द सामयिकी	180
कुल	**2037**

क्रय मूल्य	3057959.00
दान मूल्य	5295699.00
कुल मूल्य	**8353658.00**

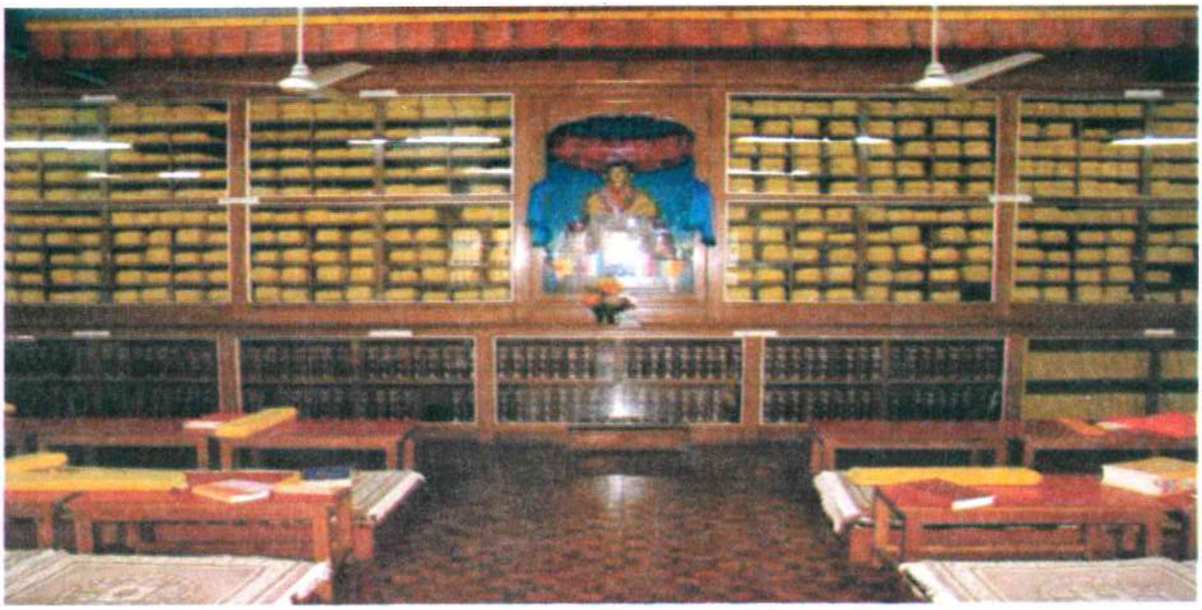

1.2 तकनीकी अनुभाग

1. 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान कुल संख्या 1387 ग्रंथों को सी.सी. (6 वां संस्करण) की मदद से वर्गीकरण किया गया था और सूचीकरण कर इन्हें स्लिम ग्रंथालय साफ्टवेयर द्वारा डेटाबेस में निवेशित किया गया था तकनीकि प्रक्रिया के बाद इन्हें सम्बन्धित अनुभाग/ संचयागार मे स्थानान्तरित कर दिया जाता है।
2. माँग के आधार पर ग्रन्थों की तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण की गयी।
3. नए ग्रन्थों का स्लिम साफ्टवेयर के माध्यम से प्रतिलिपि जाँच की गयी।
4. 893 तिब्बती ग्रन्थों का वर्गीकरण किया गया एवं कम्प्यूटर के माध्यम से सूचीकरण कर ग्रन्थों का स्थानान्तरण तिब्बती अनुभाग में किया गया।
5. सभी तिब्बती ग्रंथों को कोलन वर्गीकरण पद्धति की सहायता से वर्गीकरण (सी.सी. तिब्बती संस्करण) और सूचीकरण स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर में की गयी।
6. आवेदकों को संदर्भ सेवा प्रदान की गयी।

1.4 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी
2. श्रीमती तेनजिन रिगसंग, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
3. श्री रविकान्त पाल, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
4. श्री तेनजिन चुंग्दक, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (संविदा)
5. श्रीमती डिक्की डोल्मा (संविदा)
6. सुश्री नवङ लोछो लामा (संविदा)
7. श्री शिवबचन शर्मा, विविध कार्य कर्मचारी

2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका व सन्दर्भ अनुभाग

2.1 अवाप्ति-

आलोच्य वर्ष 2021-22 में अनुभाग द्वारा जर्नल्स, पत्र-पत्रिकाओं की अवाप्ति पर **₹19,252.00** व्यय किये गये, जिनका विवरण निम्नवत् है-

क्र. सं.	फर्म का नाम	सामयिकी का प्रकार	शीर्षक	भाग	कुल प्राप्त अंक	मूल्य
1.	भारतीय प्रकाशन	राष्ट्रीय सामयिकी	4	7	12	7,100.00
2.	आभार स्वरूप	आभार स्वरूप प्राप्त	12	16	16	00.00
3.	विनिमय सामयिकी	विनि. सामयिकी	3	3	3	00.00
4.	स्थानीय विक्रेता	समाचारपत्र-पत्रिका एवं (22)	19	22	131	12,152.00
	योग		**38**	**48**	**162**	**19,252.00**

2.2 सेवाएँ-

1. आलोच्य वर्ष में सामयिकीयों में उपलब्ध **135 आर्टिकल्स** का स्लिम डेटाबेस में इनपुट किया गया। इस समय डेटाबेस में कुल लेख प्रविष्टियों की संख्या **18070** हो गई है।

2. वर्तमान सत्र में प्राप्त प्रेस क्लिपिंग को स्कैन करने हेतु क्रमबद्ध किया गया।
3. अनुभाग में 165 सन्दर्भ ग्रंथों को रिट्रांसक्राइब किया गया।
4. पाठकों के मांग पर सामयिकियों में प्रकाशित लेखों की छाया प्रति उपलब्ध करायी गयी।
5. विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके शोध से संबंधित संदर्भ सेवाएं (ग्रंथ) उपलब्ध करायी गयीं।
6. 350 सन्दर्भ ग्रंथों को क्लास वाइज आलमीरा में व्यवस्थित किया गया।

2.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री कृष्णानन्द सिंह, सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
2. श्री सतीश कुमार राय, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी

3. तिब्बती अनुभाग

शांतरक्षित ग्रंथालय के तिब्बती अनुभाग को कग्यूर (बुद्ध वचन) और तेंग्यूर (बुद्ध वचनों पर भारतीय बौद्ध आचार्यों की संग्रह) के रूप में जाना जाता है। संस्कृत से तिब्बती में अनुवादित बौद्ध साहित्य इस अनुभाग का एक महत्वपूर्ण संग्रह है। बौद्ध अध्ययन के इस विशाल संग्रह में कग्यूर व तेंग्यूर के कई संस्करण हैं। इसके साथ, बोनपो (तिब्बत में बौद्ध धर्म से पहले का स्वदेशी धर्म) के ग्रंथों और सुंगबुम (विभिन्न तिब्बती विद्वानों के समग्र) भी उपलब्ध हैं। तिब्बती चिकित्सा (Sowa-Rigpa), तिब्बती ज्योतिष, भाषा विज्ञान, साहित्य, इतिहास और समकालीन पुस्तक प्रारूप में तिब्बती पत्रिकाएँ भी इसके संग्रह का अपरिहार्य हिस्सा हैं। तिब्बती अनुभाग में कग्यूर और तेंग्यूर के निम्नलिखित भौतिक प्रारूप हैं।

i. तिब्बती खंड में वर्तमान में कग्यूर (पोथी, देब-चेन और ग्रंथ) और तेंग्यूर (पोथी, देब-चेन और ग्रंथ) के विहित पाठ के संस्करण हैं।

ii. ग्रंथ प्रारूप में पालि और चीनी त्रिपिटक।

3.2 वर्तमान समय में तिब्बती अनुभाग में कुल धारित प्रलेख-

ग्रंथ का प्रकार	शीर्षक	प्रतियां	आख्या
ग्रंथ	8154	27224	कैटलॉग ब्राउजर में नई पूछताछ से उत्पन्न रिपोर्ट के अनुसार तिब्बती भाषा में ग्रंथ के साथ ग्रंथ के प्रकार का प्रावधान
पोथी	1535	7807	ग्रंथ के प्रकार के अनुसार रिपोर्ट
देबचेन	481	1958	,,
पत्रिका	272	2091	,,
कुल	**10442**	**39080**	2022-23

3.3 तकनीकि कार्य:

1. तिब्बती अनुभाग में संचित ग्रंथों का विषय वर्गीकरण किया गया और तिब्बती साहित्य अनुभाग के ग्रंथों का विषय वर्गीकरण जो लगभग पूरा हो चुका है उनको पुनः शेल्विंग किया गया।
2. लेखक प्रविष्टि में संपादन, कॉल नंबर प्रदान करते समय सूचीकरण में विषय का नाम और अन्य आवश्यक परिवर्तन किया गया।

3. तकनीकी अनुभाग से हस्तांतरित ग्रंथो की विश्लेषणात्मक प्रविष्टि तैयार की गयी।
4. ग्रंथ पाकेट, लेवल और आदान-प्रदान पर्ची चिपकाना।
5. तिब्बती ग्रंथों और पोथी जिसमें अवाप्ति नं. नहीं था उसकों अवाप्ति अनुभाग में स्थानांतरित किया गया।

3.4 ग्रंथालय सेवाएं:

1. अवाप्ति अनुभाग: अवाप्ति अनुभाग के रिकॉर्ड के संदर्भ में, खरीदने से पहले 749 नए ग्रंथों की डुप्लिकेट जाँच की गयी।
2. मल्टीमीडिया अनुभाग के लिए समन्वय कार्य: तिब्बती अनुभाग आंतरिक सेवा रिकॉर्ड बुक के संदर्भ में इस अनुभाग ने डिजिटलीकरण के लिए मल्टीमीडिया अनुभाग को 198 ग्रंथ डिजिटाइजेशन हेतु चिन्हित कर प्रदान किए।

3.5 पाठक सेवाएं:

1. अध्ययन कक्ष सेवा।
2. शेल्फ पर ग्रंथ की खोज।
3. ग्रंथपरक सेवा।
4. आलेख अनुक्रमणिका।
5. विषय सूचियों का निर्माण व प्रिंट करना।
6. टीबीआरसी (तिब्बती बौद्ध संसाधन केंद्र) पोर्टल पर ऑनलाइन खोज।

3.6 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री लोब्संग वांगडु, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट (प्रभारी, तिब्बती अनुभाग)
2. श्री चोंगा छेरिंग, संविदा
3. श्रीमती ताशी ल्हामो, संविदा
4. श्री अनिल कुमार यादव, संविदा

4. आदान-प्रदान अनुभाग

ग्रंथालय का आदान प्रदान अनुभाग ग्रंथालय में नए सदस्यों का पंजीकरण, सदस्यता नवीनीकरण, ग्रंथों का आगम, निर्गम, आरक्षण, अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना तथा ग्रंथालय उपयोग की सूचनाओं का संग्रहण एवं अन्य सम्बन्धित कार्य सम्पादित करता है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में अनुभाग द्वारा पंजीकृत ग्रंथालय सदस्यों का विवरण निम्नवत है-

सदस्यता का प्रकार	संख्या
विद्यार्थी	313
कर्मचारी	066
तदर्थ सदस्य	015
अस्थायी सदस्य	014
विभाग	06
योग	**414**

4.1 वर्ष 2021-22 में 106 नये ग्रंथालय सदस्यों का नामांकन किया गया, जिनमें 89 विद्यार्थी, 09 कर्मचारी, 08 अस्थायी सदस्य सम्मिलित हैं। इस अवधि में 54 अदेयता प्रमाणपत्र जारी किए गए।

4.2 वर्ष 2021-22 में आदान, प्रदान, आरक्षण आदि से सम्बन्धित 19886 प्रविष्टियों का ग्रन्थालय डेटाबेस में निवेश किया गया।

4.3 वर्ष 2021-22 में ग्रंथालय के संग्रह से 3234 ग्रंथ पाठकों द्वारा आहरित किए गए तथा 3298 ग्रंथ वापस किए गए।

4.4 आलोच्य वर्ष में कुल 13209 पाठकों ने ग्रंथालय का प्रयोग किया।

4.6 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्रीमती टाशी डोल्मा, (संविदा)

5. संचयागार अनुभाग

भूतल व प्रथम तल पर अवस्थित विशिष्ट संग्रहों सहित सभी मुद्रित ग्रंथों (तिब्बती भाषा के अतिरिक्त) का संचयागार कोलन वर्गीकरण पद्धति के छठे संस्करण के आधार पर विषय क्रम से व्यवस्थित है, यह अनुभाग इस संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ संग्रह के संरक्षण व रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

संचयागार द्वारा प्रदान सेवाओं एवं रख-रखाव के कार्यों का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत है-

5.1 सेवाएँ-

1.	संचयागार में आए पाठकों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	761
2	फलक से निकाले गए ग्रंथों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	1742
3.	अध्ययन कक्ष से फलक पर व्यवस्थित किए गए ग्रंथों की संख्या	1655
4.	विशेष संग्रह से प्रदान की गई पाठक सेवाएं	46

5.2 संग्रह में आए नए ग्रन्थ तथा संचयागार का रख-रखाव-

1.	संग्रह में आए नए ग्रंथों की संख्या	1387
2.	तकनीकी सुधार हेतु निकाले गए ग्रंथों की संख्या	47
3.	तकनीकी सुधार के पश्चात संग्रह में आए पुराने ग्रंथों की संख्या	47
4.	संग्रह संशोधन	a-z, A,B,O,M,N,P,U,X,W,Q,LJC, KNC, AKS, RST
5.	ट्रांसक्राईब किए गए नए व पुराने ग्रंथों की संख्या	1587

5.3 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. डॉ. देवी प्रसाद सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
2. श्री रमेशचन्द्र सिंह, प्रोफेसनल असिस्टेण्ट
3. श्री विजय कुमार पटेल, ग्रंथालय परिचारक
4. मु. मुमताज, ग्रंथालय परिचारक

6. मल्टीमीडिया अनुभाग

ग्रन्थालय का मल्टीमीडिया अनुभाग, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित है। ग्रन्थालय का यह अनुभाग डिजिटल प्रलेख, माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिश, आडियो-विडियो कैसेट्स, सी.डी., डी.वी.डी. एवं डिजिटल आदि प्रारूपों में उपलब्ध प्रलेखों का निर्माण, संग्रहण, संवर्धन व संरक्षण करता है तथा इन प्रलेखों पर आधारित पाठक सेवाएँ प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कर प्राप्त प्रलेखों का तकनीकि सम्पादन कर उन्हें संग्रह व सेवा के लिए उपयुक्त बनाता है साथ ही शैक्षणिक उद्देश्य हेतु फोटो कापी, स्कैनिंग, प्रिंटिंग व प्रतिलिपिकरण की सेवा भी प्रदान करता है। संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ का सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण तथा डिजिटल सामग्री का प्रबंधन भी करता है। अनुभाग द्वारा देश के सुदूर व दुर्गम स्थानों में उपलब्ध बौद्ध धर्म दर्शन की प्राचीन पाण्डुलिपियों व ग्रंथों के डिजिटलीकरण का कार्य भी सम्पादित किया जाता है।

मल्टीमीडिया अनुभाग समय की बदलती जरूरतों और तकनीक के साथ अद्यतन रहने के लिए सतत् प्रयासशील रहता है। अस्सी के दशक में यह अनुभाग सक्रिय रूप से माइक्रोफॉर्म के संग्रह में लगा हुआ था तथा नब्बे के दशक में अनुभाग ने मैग्नेटिक टेपों के साथ काम किया और अब यह अनुभाग संस्थान के लिए डिजिटलीकरण कार्यों में संलग्न का केंद्र है।

नवीनतम आई.सी.टी. उपकरणों से सुसज्जित यह अनुभाग दुर्लभ बौद्ध पांडुलिपियों और मूल्यवान प्रलेखों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए डिजिटलीकरण कार्यों में संलग्न है।

6.1 आडिओ वीडियो एवं फोटो प्रलेखन

वर्ष 2021-2022 में संस्थान के विभिन्न कार्यकर्मों की विडियोग्राफी एवं विडियो संपादित कर ग्रन्थालय में संग्रहण तथा पाठकों/उपयोगकर्ताओं सेंवा के लिए उपलब्ध कराए हैं। कोविड-19 के दूसरी लहर के दिशा निर्देशों और प्रटोकॉल का अनुपालन करते हुए मल्टीमीडिया अनुभाग द्वारा संस्थान के अनेक विभागों के वेबिनार एवं वर्चुअल व्याख्यान आयोजित करने में भी सहायता प्रदान की है।

1. 2 अप्रैल 2021 : "स्वर्णिम अनावरण कग्युर पांडुलिपियों" का तकनीकी सम्पादन।
2. 3 अप्रैल से 18 अप्रैल 2021 : प्रो. जम्पा सम्तेन द्वारा "तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रारंभिक प्रसार में कैसे तिब्बती राजाओं द्वारा बौद्ध शब्दावली की स्थापना एवं अनुवाद की पद्धति का आदेश" पर व्याख्यान (भाग 1) का तकनीकी सम्पादन।
3. 17 से 18 जून 2021 : संस्थान के सी.टी.ई. विभाग द्वारा आयोजित "योग एवं मानसिक स्वास्थ्य" का विडियोरिकार्ड व तकनीकि सम्पादन।
4. 6 जुलाई 2021 : "परम पवान दलाई लामा जी के 86वें जन्म-दिवस समारोह" का विडियोग्राफी तथा
   8 और 9 जुलाई 2021 : "परम पवान दलाई लामा जी के 86वें जन्म-दिवस समारोह" के विडियोग्राफी का तकनीकी सम्पादन।
5. 11 सितम्बर 2021 : "राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा दिवस" (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण एवं विडियोग्राफी तथा दिनांक 13 और 14 सितम्बर 2021 को "राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा दिवस" विडियोग्राफी का तकनीकी सम्पादन।
6. 17 सितम्बर 2021 : प्रो. जम्पा सम्तेन द्वारा "तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रारंभिक प्रसारण में कैसे तिब्बती राजाओं द्वारा बौद्ध शब्दावली की स्थापना एवं अनुवाद की पद्धति का आदेश" पर व्याख्यान (भाग 2,3 व 4) का (लाइव वेबकास्ट) सीधा प्रसारण एवं विडियोग्राफी तथा संपादन किया गया।

7. 2 से 4 अक्टूबर 2021 : आजादी का "आजादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य मे 1 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित 'छात्रों मे पेंटिंग प्रतियोगिता' का विडियोग्राफी तथा तकनीकी सम्पादन।
8. 25 अक्टूबर 2021 : प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी द्वारा धर्म चक्र प्रवर्तन पर संस्कृत में व्याख्यान की विडियोग्राफी तथा तकनीकी सम्पादन।
9. 28 अक्टूबर 2021 : संस्थान के भूतपूर्व छात्र संगठन द्वारा आयोजित "तिब्बती शैक्षणिक संस्थान के क्षेत्र में महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे के कार्यों की स्मृति" पर वर्चुअल सम्मेलन।
10. 5 नवम्बर 2021 : "परम पावन दलाई लामा के मार्गदर्शन में तिब्बती संस्कृति के संरक्षण हेतु उनके समर्पण की स्मृति में" महामहिम प्रो. सम्दोंग रिन्पोछे के 82वें जन्म-दिवस पर ऑनलाइन विचार-विमर्श।
11. 5 नवम्बर 2021 : महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे के 82वें जन्म-दिवस के के उपलक्ष में आयोजित प्रातः कालीन प्रार्थना सत्र का सीधा प्रसारण।
12. 12-13 नवम्बर 2021 : संसद सदस्य श्री. जमयांञ छेरिञ नमग्याल द्वारा "संस्थान के सभी सदस्यों को संबोधन" की विडियोग्राफी तथा तकनीकी सम्पादन।
13. 12 नवम्बर 2021 : संसद सदस्य श्री. जमयांञ छेरिञ नमग्याल द्वारा "संस्थान के लद्दाख के छात्रों को संबोधित" का विडियोग्राफी तथा तकनीकी सम्पादन।
14. 25 नवम्बर 2021 : छात्र कल्याण समीति द्वारा आयोजित "सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह के लिए राष्ट्रीय फाउंडेशन के स्मरणोत्सव" के अंतिम दिन की विडियोग्राफी एवं तकनीकी सम्पादन।
15. 17 दिसम्बर 2021 : "पालि भाषा एवं बर्मी लिपि पर साप्ताहिक कार्यशाला" के अंतिम दिन का विडियोग्राफी।
16. 22 और 23 दिसम्बर 2021 : संस्थान के भूतपूर्व छात्र संगठन द्वारा आयोजित 'बौद्ध धर्म, संस्कृति एवं इतिहास तथा कोविड काल में मन की स्थिरता का उपाय' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीः की विडियोग्राफी।
17. कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान संस्थान द्वारा गोद लिए गए दो गांवों- पतेरवाँ तथा भैंसुरी गांव और अन्य आवश्यक स्थानों के गरीब श्रमिक परिवारों को राशन आदि वितरण कार्यक्रम की फोटोग्राफी।
18. 23 जून 2021 : 'राजभाषा कार्यान्वयन समिति' की बैठक की फोटोग्राफी।
19. 30 जून 2021 : आभासी माध्यम से राजभाषा कार्यशाला "राजभाषा हिंदी का सांविधिक स्वरुप।"
20. 8 मार्च 2021 : 'सोवा-रिग्पा फूर-जे थेरपी कोर्स' के समापन सत्र के फोटोग्राफी।
21. 6 जुलाई 2021 : 'परम पवान दलाई लामा जी के 86वें जन्म-दिवस समारोह' का फोटोग्राफी।
22. 15 अगस्त 2021 : भारत के 75वें स्वतंत्र दिवस (आज़ादी का अमृत महोत्सव) पर फोटोग्राफी।
23. 14 सितम्बर 2021 : राजभाषा सप्ताह समारोह की फोटोग्राफी।
24. 11 सितम्बर 2021 : 'राष्ट्री सोवा-रिग्पा दिवस' की फोटोग्राफी।
25. 1 अक्टूबर 2021 : भारत की आज़ादी के 75वें साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए संस्थान द्वारा "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के तहत छात्रों में 'पेंटिंग प्रतियोगिता' आयोजन की फोटोग्राफी।
26. 26 अक्टूबर 2021 : भ्रष्टाचार को मिटाने हेतु 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह की फोटोग्राफी।
27. 26 नवम्बर 2021 : "संविधान दिवस" की फोटोग्राफी।

28. 26 नवम्बर 2021 : "आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम आयोजन के क्रम में "स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर भारतवर्ष" कार्यक्रम की फोटोग्राफी।

29. 30 अक्टूबर 2021 : आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय संगोष्ठी (स्वराज एंव प्रतिरोध का इतिहास काशी के विशेष सन्दर्भ मैं की फोटोग्राफी।

30. 10 दिसम्बर 2021 : फ्रेशर छात्रों के लिए शीतकालीन अभियान की फोटोग्राफी।

31. 13 दिसम्बर 2021 : संस्थान की पालि इकाई, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग द्वारा आयोजित 'पालि और बर्मी लिपि' पर साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की फोटोग्राफी।

32. 23 दिसम्बर 2021 : भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा "नालंदा भवन" (सी.टी.ई.) के उद्घाटन की फोटोग्राफी।

33. 23 दिसम्बर 2021 : धर्मशाला के ग्युतो मठ में 'बौद्ध धर्म, संस्कृति एवं इतिहास तथा कोविड काल में मन की स्थिरता का उपाय' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: की फोटोग्राफी।

34. 26 जनवरी 2022 : भारत के 73वें गणतन्त्र दिवस की फोटोग्राफी।

35. 8 मार्च 2022 : अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संस्थान द्वारा आयोजित महिला सशक्तीकरण रैली तथा अतिश सभागार में "एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता जरूरी" विषय पर आयोजित व्याख्यान की फोटोग्राफी।

उपर्युक्त कार्यकार्मों के अतिरिक्त इसी वर्ष संस्थान में विभिन्न विषयों पर प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा दिए गए कई व्याख्यानों एवं वार्ताओं को भी पुस्तकालय के मल्टीमीडिया अनुभाग संग्रह में फोटोग्राफी एवं विडियोरिकॉर्ड कर जोड़ा गया है। यह अनुभाग संस्थान में होने वाली हर गतिविधियों का दस्तावेजीकरण भी कर रहा है।

6.2 आडिओ कैसेट्स और वीएचएस टेप का डीजिटाइजेसन

1. आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा 321 घंटे अवधि के 354 आडिओ कैसेटों (72 शीर्षकों) का एमपी-3 फार्मेट में रूपान्तरण किया गया।

6.3 दुर्लभ ग्रन्थों एवं प्रलेखों का डिजिटाइजेसन

1. "रिगज़िन डाकपा सुंगबूम" का 148 पृष्ठों का स्कैन किया गया।
2. "सेर्फ्रेंग ऋग्यास पा" के 2 संस्करणों के 254 पृष्ठों का स्कैनिंग।
3. "काग्यूडपा नमथार" 2 संस्करणों के 579 पृष्ठों का स्कैनिंग।
4. "रालुंग करग्यू सेर ठेंग" के 241 पृष्ठों का स्कैनिंग।
5. "नरोपा तथा तिलोपा" के 87 पृष्ठों का स्कैनिंग।
6. "कुंगा चोस्की ग्यालछेन नामथार'' के 143 पृष्ठों का स्कैनिंग।
7. "गोनपो ग्युस्कोर" के 9 संस्करणों के 1964 पृष्ठों का स्कैनिंग।
8. "योंगज़िन येशे ग्यासछेन सुंगबूम" के 193 पृष्ठों का स्कैनिंग।
9. "पेमा लिंगपा" तथा अन्य 17 विद्वानों के नामथार के 18 संस्करणों के 2945 पृष्ठों का स्कैनिंग।
10. विभिन्न पाठों का 30366 पृष्ठों का स्कैनिंग।
11. "नरथांग कग्यूर" के 7 संस्करणों के 6457 पृष्ठों को संपदान कर संरक्षित किया।

12. "बौद्ध संस्कृत पांडुलिपियों" के 178 संस्करणों के 8956 फोलियो का संपदान कर संरक्षित किया।
13. माइक्रोफिश और माइक्रोफिल्म से स्कैन किए गए बौद्ध संस्कृत मनुस्क्रिप्टस के 178 खण्ड, 8956 फोलियो को संपदान कर संरक्षित किया गया।

6.4 ऑडियो-वीडियो संग्रह का ऑनलाइन प्रसार-

1. अनुभाग द्वारा वीडियोग्राफी तथा संपादित की गई 200 वीडियो फाइलें 2021-2022 के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब (Youtube) पर अपलोड कर उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं। www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies
2. अनुभाग द्वारा संपादित 34 वीडियो फाइलें 2021-2022 के दौरान सोशल मीडिया फेसबुक पेज पर अपलोड कर उपयोगकर्ताओ के लिए उपलब्ध हैं। www.facebook.com/CIHTS
3. अनुभाग द्वारा 2021-2022 के दौरान संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 64 फोटो एलबम सोशल मीडिया फेसबुक पेज पर अपलोड कर प्रचारित किया गया हैं। www.facebook.com/CIHTS

6.5 पाठक सेवाएँ-

आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा कार्यालयी एवं शैक्षणिक उद्देश्यों से निम्नलिखित विभिन्न सेवाएं प्रदान की गई।

1. कुल 22040 पृष्ठों की फोटोकॉपी मुद्रित की गई और 3770 पृष्ठों शैक्षणिक एवं आधिकारिक उद्देश्य हेतु स्कैन किया गया।
2. सर्पिल बाइंडिग के 55 सेट आधिकारिक उद्देश्य हेतु स्कैन किया गया।
3. अनुभाग द्वारा उपयोगकर्ताओं एवं पाठकों को न्यूनतम भुगतान पर (हार्डकॉपी) तथा (सॉफ्टकॉपी) दोनों की रिप्रोग्राफिक सेवाओं से संबंधित एवं शांतरक्षित ग्रन्थालय के संग्रह में उपलब्ध ग्रंथो की रिप्रोग्राफिक सेवाओं जैसे स्कैनिंग, प्रिंटिंग, फोटोकॉपी एवं ऑडियो विजुअल दस्तावेजों से कुल राशि रू. 56357.00 प्राप्त किए गए।
4. अनुभाग द्वारा वर्तमान जागरूकता सेवाएं, परामर्श, संदर्भ तथा पाठक सेवाएं प्रदान की।
5. अनुभाग के संग्रह तथा आईसीटी उपकरणों का रखरखाव।

6.6 अन्य गतिविधियाँ-

1. नवनियुक्त कर्मचारियों के डीजिटलीकरण प्रक्रिया और वीडियोग्राफी का आंतरिक प्रशिक्षण दिया गया।
2. संस्थान के ई-बुलेटिन की डिजाइनिंग में सहयोग किया गया।
3. आलोच्य वर्ष में आयोजित वेबिनार, वर्चुअल व्यख्यान तथा फेसबुक लाइव हेतु अनेक ग्राफिक पोस्टर बनाए गए।
4. सतर्क भारत, समृद्ध भारत कार्यक्रम आदि के लिए पोस्टर बनाए गए।
5. संस्थान के यूट्यूब पर अपलोड किए गए वीडियो हेतु विभिन्न थंबनेल (Thumbnail) निर्मित किए गए।
6. डिजिटल पाठ के प्रत्येक खंड हेतु विभिन्न मेटाडेटा/सूचना पृष्ठ आदि तैयार किए गए।
7. "मल्टीमीडिया अनुभाग में माइक्रोफिच एवं माइक्रोफिल्म बॉक्स की सूची" की पहली तथा दूसरी एक्सेसन रजिस्टर पुस्तकों का इनपुट एवं संपादित की गयी।
8. "शांतरक्षित ग्रन्थालय में माइक्रोफॉर्म की सूची" का संपादन किया गया।
9. श्री काल्डेन गुरुंग को 7 फरवरी, 2022 से 14 फरवरी, 2022 तक एम.एम.सी के वार्षिक ऑडिट कार्य करने के लिए ऑडिट टीम के सदस्य के रूप में भेजा गया।

10. श्री पलदेन छेरिंग और सुश्री तेनज़िन छोमो को एन.एस.डब्ल्यू.ए 2021 के लिए ऑडिट टीम के सदस्य के रूप में कार्य किया।
11. श्री तेनज़िन दोन्यो और श्री कालडेन गुरुंग को 20 दिसंबर से 29 दिसंबर 2021 तक वार्षिक पुरातन छात्र सम्मेलन और संगोष्ठी के मल्टीमीडिया प्रलेखन के लिए धर्मशाला में भेजा गया।
12. सुश्री तेनज़िन छोमो को 20 दिसंबर से 29 दिसंबर 2021 तक वार्षिक पुरातन छात्र सम्मेलन और संगोष्ठी के आयोजक के सहायक के रूप में धर्मशाला भेजा गया।

6.7 अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री तेनज़िन दोन्यो, अनुभाग प्रभारी, (संविदा)
2. श्री पाल्देन छेरिंग, (संविदा)
3. श्री दोर्जे बूम, कनिष्ठ लिपिक
4. श्री कलदेन गुरुङ, (संविदा)
5. सुश्री तेनजिन छोमो, (संविदा)
6. श्रीमती तेनजिन कलदेन, (संविदा)
7. श्री पदमा यङजोर, (संविदा)
8. श्री टाशी दोनडुप, (संविदा)
9. श्री स्तानजिन तोनयोद, (संविदा)
10. श्री राकेश गुप्ता, (दैनिक वेतनभोगी)

7. कम्प्यूटर अनुभाग

ग्रंथालय के संगणक अनुभाग द्वारा सूचना तकनीक से सम्बन्धित समस्त उपकरणों एवं सेवाओं के क्रय एवं अवाप्ति हेतु अनुशंसा एवं उनका संरक्षण तथा प्रबंधन किया जाता है तथा संस्थान के छात्रों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग में प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों (सी.सी.ए. व डी.सी.ए) का संचालन किया जाता है। साथ ही अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अस्थायी सदस्यों को इण्टरनेट, टेक्स्ट कम्पोजिंग एवं प्रिन्टिंग तथा अन्य कम्प्यूटर आधारित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। अनुभाग द्वारा विश्वविद्यालय के नेटवर्क, साफ्टवेयर, यूपीएस तथा सर्वर आदि का संचालन और अनुरक्षण भी किया जाता है।

संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKN) की नेशनल मिशन फॉर एजुकेशन थ्रू इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नॉलाजी (NME-ICT) योजना के अन्तर्गत भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा फाइबर आप्टिक आधारित जी.बी.पी.एस. इण्टरनेट कनेक्सन प्राप्त है जिसका प्रबन्धन व रखरखाव भी संगणक अनुभाग द्वारा किया जाता है। कंप्यूटर अनुभाग नेटवर्क सर्वर और इण्टरनेट सेवाओं सहित संस्थान के विभिन्न विभागों में संस्थापित 319 से अधिक कंप्यूटर, 50 प्रिंटर, 12 स्कैनर और 12 लैपटॉप, प्रोजेक्टर, डिजिटल पोडियम और संस्थान के अन्य आईटी उपकरणों और सेवाओं का संरक्षण व प्रबंधन करता है।

आलोच्य वर्ष 2021-22 में अनुभाग द्वारा सम्पादित प्रमुख कार्य निम्नवत हैं।

7.1 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु सी.सी.ए./डी.सी.ए. पाठ्यक्रम का विधिवत संचालन तथा लॉकडाउन के दौरान ऑनलाईन अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गयी।

7.2 विश्वविद्यालय परिसर नेटवर्क एवं इन्टरनेट तथा लाइब्रेरी साफ्टवेयर तथा अन्य सम्बन्धित सेवाओं का समुचित प्रबन्धन किया गया।

7.3 छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों की मांग पर कम्प्यूटर सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं।

7.4 स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर द्वारा संचालित डेटाबेस की समय-समय पर वर्ड इन्डेक्सिंग, बैक अप आदि का कार्य किया गया। स्लिम लाइब्रेरी साफ्टवेयर से सम्बन्धित क्लाइंट इंस्टालेसन किया गया।

7.5 विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों के लिए आवश्यक हार्डवेयर, साफ्टवेयर की क्रय अनुशंसा एवं अनुरक्षण का कार्य सम्पादित किया गया।

7.6 अनुभाग वेबिनार/ऑनलाइन बैठक आयोजित करने और इसे प्रभावी ढंग से संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेकर तकनीकी सेवाएं प्रदान की गयीं।

7.7 संस्थान परिसर में लगे सीसीटीवी का रखरखाव/प्रबंधन किया गया।

7.8 PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY एवं SAP पोर्टलों के संचालन में सहयोग प्रदान किया एवं LIMBS पोर्टल पर आकड़ों के प्रबन्धन का कार्य किया।

7.9 **अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची**

1. श्री निरंकार पाण्डेय, संविदा
2. श्री ओजस सांडिल्य, संविदा
3. श्री अन्वेष जैन, संविदा
4. श्री नन्दलाल, विविध कार्य कर्मचारी

ग्रंथालय कर्मियों के अन्य दायित्व

1. प्रलेखन अधिकारी **श्री राजेश कुमार मिश्र** ने एन.वी.एल.आई., संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, ऑनलाइन आर.टी.आई पोर्टल, सुओ-मोटो प्रकटीकरण आर.टी.आई., आदि के नोडल अधिकारी रूप में कार्य सम्पादित किया।

   (i) श्री मिश्र ने नैक समिति, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भर्ती नियम समिति, आरक्षण रोस्टर समिति, स्क्रीनिंग और भर्ती समिति, चिकित्सा प्रतिपूर्ति नियम समिति, ई-बुलेटिन समिति, वेबसाइट विकास समिति, मीडिया समितियों के अध्यक्ष/सदस्य सहित संस्थान की कुछ अन्य तदर्थ समितियों का कार्य सम्पादित किया।

2. सेमी प्रोफेसनल असिस्टेण्ट **श्री रविकान्त पाल** ने क्रय एवं अवाप्ति समिति के सदस्य-सचिव का कार्य, पोर्टल पर खरीद, ई-निविदा, प्रबन्धन एवं ग्रन्थालय भण्डार प्रभारी का कार्य सम्पादित किया।

3. कार्यालय सहायक, संविदा, **श्री सुधृति विश्वास** ने जनसूचना अधिकार अनुभाग के अन्तर्गत कार्यालय सहायक का कार्य तथा इसके साथ ऑनलाइन आर.टी.आई पोर्टल (आर.टी.आई.एम.आई.एस.) और सी.आई.सी. पोर्टल का कार्य सम्पादित किया।

5. प्रशासन

संस्थान प्रशासन के मुख्यतः पाँच प्रमुख अंग हैं– सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन, वित्तीय प्रशासन एवं प्रकाशन विभाग। संस्थान की प्रमुख प्रशासनिक गतिविधियों को निम्नलिखित संगठन चार्ट के अनुसार संचालित किया जाता है–

कुलपति

कुलसचिव

प्रशासन-1	प्रशासन-2	परीक्षा अनुभाग	अनुरक्षण अनुभाग	वित्त अनुभाग	प्रकाशन विभाग
• शैक्षणिक संवर्ग के कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • संगोष्ठी, सम्मेलन तथा कार्यशाला • क्रय एवं अवाप्ति इकाई का पर्यवेक्षण • विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार • शैक्षिक एवं शोध प्रस्तावों/योजनाओं का प्रबंधन संचालन • अन्य शैक्षणिक संस्थाओं/निकायों से पत्राचार • शैक्षणिक एवं शोध सम्बन्धी मामलों में सचिवालयीय सहायता • अन्य प्रशासनिक मामले	• सभी शिक्षणेतर कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • कार्मिक नीति • अस्थाई श्रमिकों की व्यवस्था • सभी संवर्ग की अस्थाई एवं तदर्थ नियुक्तियाँ • सेवा शर्तें • वैधानिक मामले • संस्कृति मंत्रालय से पत्राचार • कर्मचारी कल्याण • सुरक्षा • परिवहन • मानक प्रपत्र एवं उनका मुद्रण • अन्य प्रशासनिक मामले	• परीक्षा संचालन हेतु प्रेलखन • परीक्षकों एवं संशोधकों की नियुक्ति • सारणीकरण • प्रश्नपत्र • परिणाम • प्रमाण-पत्र एवं अंकपत्र जारी करना • परीक्षा से सम्बन्धित अन्य मामले	• परिसर का रख-रखाव एवं सफाई • विद्युत एवं जल व्यवस्था • अतिथि-गृह • विद्युत एवं सिविल रख-रखाव • बागवानी • केन्द्रीय भण्डारण एवं वस्तु-सूची • वार्षिक रख-रखाव संविदाएं • रख-रखाव सम्बन्धी अन्य मामले	• बजट • लेखा परीक्षा • वेतन एवं मजदूरी का भुगतान • बिलों का भुगतान एवं अन्य वित्तीय मामले	• भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन • प्रूफ-रीडिंग का कार्य • प्रकाशित ग्रन्थों का विक्रय

गैर शैक्षणिक कर्मचारी-

क्र.सं.	नाम		पद
1.	प्रो. नवांग समतेन	-	कुलपति
2.	डॉ. रणशील कुमार उपाध्याय	-	कुलसचिव
3.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय	-	उपकुलसचिव
4.	श्री प्रमोद सिंह	-	सहायक कुलसचिव, प्रशा.-II
5.	श्री सुनील कुमार	-	सहायक कुलसचिव
6.	श्री आर.के. मिश्र	-	प्रलेखन अधिकारी
7.	श्री डी.पी. सिंह	-	व्यावसायिक सहायक
8.	श्री रमेश चन्द्र सिंह	-	व्यावसायिक सहायक
9.	श्री लोब्संग वांग्डू	-	व्यावसायिक सहायक
10.	श्रीमती तेनजिन रिग्संग	-	व्यावसायिक सहायक
11.	श्री मनोज कुमार कुशवाहा	-	सहायक इंजीनियर
12.	श्री के.एन. शुक्ल	-	अनुभाग अधिकारी
13.	श्री कपिल दीक्षित	-	जूनियर इंजिनियर
14.	श्री जे.पी. विश्वकर्मा	-	वरिष्ठ सहायक
15.	श्री कुन्सांग नमग्याल	-	वरिष्ठ सहायक
16.	श्री एम.एल. सिंह	-	वरिष्ठ सहायक
17.	श्री के.एन. सिंह	-	अर्ध-व्यावसायिक सहायक
18.	श्री रविकान्त पाल	-	अर्ध-व्यावसायिक सहायक
19.	श्री दीपंकर	-	स्टेनोटाइपिस्ट
20.	श्री आनन्द कुमार सिंह	-	वरिष्ठ लिपिक
21.	श्री राजीव रञ्जन सिंह	-	वरिष्ठ लिपिक
22.	श्री विनय मौर्य	-	कनिष्ठ लिपिक
23.	श्री प्रदीप कुमार	-	कनिष्ठ लिपिक
24.	श्री दोर्जे बुम	-	कनिष्ठ लिपिक
25.	श्री जैंकी	-	पम्प आपरेटर
26.	श्री राजा राम	-	प्लम्बर
27.	श्रीमती मीना	-	ग्रंथालय परिचारिका
28.	श्री सागर राम	-	ग्रंथालय परिचारक

29.	मु. मुमताज	-	ग्रंथालय परिचारक
30.	श्री विजय कुमार पटेल	-	ग्रंथालय परिचारक
31.	श्री फुलचन्द बाल्मीकी	-	कुक
32.	श्री मिश्री लाल	-	कुक
33.	श्री केशव प्रसाद	-	एम.टी.एस.
34.	श्री लक्ष्मण प्रसाद	-	एम.टी.एस.
35.	श्री लालमन	-	एम.टी.एस.
36.	श्री गोपाल प्रसाद	-	एम.टी.एस.
37.	श्री दया राम यादव	-	एम.टी.एस.
38.	श्री रमेश कुमार मौर्य	-	एम.टी.एस.
39.	श्री प्रेमशंकर यादव	-	एम.टी.एस.
40.	श्री रामकिशुन	-	एम.टी.एस.
41.	श्री उमाशंकर मौर्य	-	एम.टी.एस.
42.	श्री निर्मल कुमार	-	एम.टी.एस.
43.	श्री मुन्नालाल (चौकीदार)	-	एम.टी.एस.
44.	श्री विजय कुमार (माली)	-	एम.टी.एस.
45.	श्री महेन्द्र प्रसाद यादव	-	एम.टी.एस.
46.	श्री संजय मौर्य	-	एम.टी.एस.
47.	श्री मुन्नालाल पटेल	-	एम.टी.एस.
48.	श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा	-	एम.टी.एस.
49.	श्री भैयालाल	-	एम.टी.एस.
50.	श्री सुमित बाल्मिकी	-	एम.टी.एस.
51.	श्री श्याम नारायण	-	एम.टी.एस.
52.	श्री हौसिला प्रसाद	-	एम.टी.एस.
53.	श्री सुभाष चन्द्र गौतम	-	एम.टी.एस.
54.	श्री प्रकाश	-	एम.टी.एस.
55.	श्री विरेन्द्र कुमार गौड़	-	एम.टी.एस.
56.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	-	एम.टी.एस.
57.	श्री शिव वचन शर्मा	-	एम.टी.एस.
58.	श्री नन्दलाल	-	एम.टी.एस.

59.	श्री गनेश प्रसाद	-	एम.टी.एस.
60.	श्री ओम प्रकाश	-	एम.टी.एस.
61.	श्रीमती नीलम देवी	-	एम.टी.एस.
62.	श्री लालमन	-	एम.टी.एस.
63.	श्री अशरफ (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
64.	श्री हबीब (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
65.	श्री प्रदीप कुमार (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
66.	श्री इसराइल (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
67.	श्री लालाराम (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
68.	श्री रामकिशन (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
69.	श्री नन्दलाल (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.
70.	श्री यासीन (सफाई वाला)	-	एम.टी.एस.

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी (तदर्थ एवं संविदा)

क्र.सं.	नाम		पद
1.	श्री एस.पी. त्रिपाठी	-	विजिटिंग कम्प्यूटर टाइपिंग इन्स्ट्रक्टर
2.	श्री वी.के. पाटिल	-	लैब पैथालोजिकल (सोवा रिग्पा)
3.	श्री तेनजिन नोर्बू	-	आर. ए.
4.	श्रीमती लोब्संग छोडेन	-	-तदैव-
5.	श्री सरस सनोकर	-	कन्सल्टेन्ट
6.	श्री पल्देन छेरिंग	-	कैजुअल/प्रोजेक्ट वर्कर (ग्रन्थालय)
7.	श्री तेनजिन येशी	-	-तदैव-
8.	डॉ. पेन्पा छेरिंग	-	विभाग के देखने के बाद उ.म./ बी.एस.एम.एस. की कक्षायें लेना (सोवा रिग्पा)
9.	श्री तेनजिन घेगे	-	कैजुअल/प्रोजेक्ट वर्कर (ग्रन्थालय)
10.	डॉ. दावा छेरिंग	-	फार्मेसी कार्य और बी.एस.एम.एस. की कक्षायें लेना (सोवा रिग्पा)
11.	डॉ. तेनजिन छोटुप	-	सम्पादन प्रभारी
12.	डॉ. छिमी डोलकर	-	क्लीनिकल कार्य तथा गेस्ट फैकल्टी (सोवा रिग्पा)
13.	मिस पासंग डोलमा	-	नर्स
14.	श्री एस.एन. सिंह यादव	-	पी.ए. (सेवा-निवृत्त)
15.	मिस. छेरिंग	-	कैजुअल वर्कर
16.	मिस दिकी डोलमा	-	एस.पी.ए.

17.	श्री तेनजिन छुनडक	-	एस.पी.ए.
18.	कल्संग वांगमो	-	टी.ए. कुम पी.ए. (सोवा रिग्पा)
19.	श्री येशी दोर्जे	-	सहायक
20.	डॉ. कर्मा थरचिन गुरुंग	-	फार्मेसी सहायक
21.	डॉ. छेरिंग छोकी	-	सोरिग थिरेपिस्ट
22.	डॉ. नवांग छेरिंग	-	फार्माकोपिया प्रोजेक्ट असिस्टेंट
23.	श्री अनिवेश जैन	-	सिस्टम मैनेजर
24.	मिस छेवांग डोलकर	-	तिब्बती अनुभाग (लाइब्रेरी)
25.	श्री चोंगा छेरिंग	-	तिब्बती अनुभाग (लाइब्रेरी)
26.	श्री मुन्नालाल	-	परिचारक (सेवा-निवृत्त)
27.	श्री छेरिंग अक्लो	-	वरिष्ठ लिपिक
28.	श्री दोर्जे क्याब	-	आर.ए.
29.	श्री विजय कुमार यादव	-	परिचारक (सेवा-निवृत्त)
30.	मिस तेनजिन ल्हाकी	-	कैजुअल वर्कर
31.	श्री इनायत अली	-	सफाईवाला
32.	श्री नन्दलाल	-	गार्डेन
33.	श्री सुभाष	-	गार्डेनर, कालचक्र मैदान
34.	श्री काशीनाथ प्रजापति	-	सोवा-रिग्पा (फार्मेसी)
35.	श्री लव कुमार	-	सोवा-रिग्पा (फार्मेसी)
36.	श्री विनोद कुमार	-	एम./डब्ल्यू. (पम्प वर्क)
37.	श्री वृजमोहन भारद्वाज	-	सोवा-रिग्पा (फार्मेसी)
38.	श्री चन्द्रिका	-	गार्डेनर (रोस्टर बेसिस)
39.	श्री पारस	-	-तदैव-
40.	श्री दिनेश कुमार यादव	-	एम./डब्ल्यू. (परिचारक)
41.	श्री महेश	-	एम./डब्ल्यू. (गार्डेन)
42.	श्री शिवशंकर यादव	-	सोवा रिग्पा (फार्मेसी)
43.	श्री साहिद अहमद	-	सफाईवाला
44.	मो. असलम	-	-तदैव-
45.	श्री अशोक कमार	-	बढ़ई
46.	कल्देन गुरुंग	-	कैजुअल वर्कर
47.	श्री तेनजिन छोमो	-	-तदैव-
48.	श्री डी.पी. तिवारी	-	वरिष्ठ सहायक
49.	श्री कश्मीर	-	सफाईकर्मी
50.	श्री भगवान पाण्डेय	-	मिनिस्ट्रियल स्टाफ

51.	श्री कुंवर रविशंकर	-	कार्यालय सहायक
52.	श्रीमती तेनजिन नोर्देन	-	थिरेपी असिस्टेंट
53.	मिस तेनजिन कल्देन	-	कैशियर
54.	श्रीमती पेमा संगमो	-	ओपीडी डिस्पेन्सर
55.	मिस पेमा डोलकर	-	आर. ए.
56.	श्री तेनजिन थाये	-	प्रोजेक्ट कार्य हेतु सहायक
57.	श्री तेनजिन छोग्यल	-	-तदैव-
58.	डॉ. छेवांग संगमो	-	आर एण्ड डी असिस्टेंट
59.	श्री नीमा छेरिंग	-	आर. ए.
60.	श्री श्रवण कुमार	-	सफाईवाला
61.	मिस मंजू	-	मल्टीपरपज
62.	मिस रिमो	-	-तदैव-
63.	श्री सोनम फुनछोक	-	वाचमैन
64.	श्री सेंगे वांगछुक	-	मल्टीपरपज
65.	श्री नीमा छोग्याल	-	प्रोजेक्ट एसोसिएट
66.	श्री तेनजिन दोनयो	-	एस.पी.ए.
67.	श्री सर्वजीत सिंह	-	कनिष्ठ लिपिक
68.	श्री गोपेश चन्द्र राय	-	कनिष्ठ लिपिक
69.	श्री निरंकार पाण्डेय	-	सिस्टम मैनेजर
70.	श्री ओजस शाण्डिल्य	-	-तदैव-
71.	श्री चन्द्रपाल	-	ऑफिस अटेन्डेंट
72.	श्री एन.के. सिंह	-	असिस्टेंट रजिस्ट्रार (सेवा-निवृत्त)
73.	श्री सुधृति विश्वास	-	पी.आर.ओ. का कार्य
74.	डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी	-	शोध सहायक
75.	मिस पेमा पयंग	-	एस.पी.ए.
76.	श्री तेनजिन टाशी	-	कनिष्ठ शोध साइंटिस्ट
77.	डॉ. प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव	-	डॉक्टर-कुम-गेस्ट फैकल्टी
78.	श्री याशीन	-	बहु-उद्देश्यीय
79.	श्री मोहन यादव	-	-तदैव-
80.	श्री लालमन	-	-तदैव-

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम द्वारा पंजीकृत एक मान्य विश्वविद्यालय है, जो संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान से संचालित है। सोसायटी, प्रबन्ध परिषद्, विद्वत् परिषद्, वित्त

समिति, ये चार संस्थान के महत्त्वपूर्ण अंग हैं। संस्थान के प्रधान कार्यपालक अधिकारी कुलपति हैं, जो कुलसचिव के सहयोग से कार्य सम्पादित करते हैं।

संस्थान के महत्त्वपूर्ण निकाय

सोसायटी- सोसायटी, संस्थान का सर्वोपरि निकाय है। इसके पदेन अध्यक्ष, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार होते हैं। इसके सदस्यों की संख्या परिशिष्ट-2 में दी गई है।

प्रबन्ध परिषद्- संस्थान के कुलपति, प्रबन्ध परिषद् के पदेन अध्यक्ष होते हैं। परिषद् के सदस्य, संस्कृति मन्त्रालय भारत सरकार, परम पावन दलाई लामा जी एवं संस्थान के कुलपति द्वारा मनोनीत होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-3 में दी गयी है।

विद्वत् परिषद्- संस्थान की विद्वत् परिषद् एक महत्त्वपूर्ण निकाय है, जो शैक्षणिक मामलों में दिशा-निर्देश करती है। संस्थान के कुलपति, इसके भी पदेन अध्यक्ष होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-4 में दी गई है।

वित्त समिति- यह समिति संस्थान के वित्तीय मामलों एवं अनुमानित बजट की संवीक्षा करने के साथ-साथ संस्थान के लिए अनुदान की भी संस्तुति करती है। संस्थान के कुलपति, इसके अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्य, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-5 में प्रस्तुत की गयी है।

योजना एवं प्रबोधक परिषद्- यह परिषद् संस्थान की योजनाओं की रूपरेखा तथा उसकी निगरानी (मॉनिटेरिंग) करती है। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-6 में दी गई है।

संस्थान को प्राप्त अनुदान

संस्थान का प्रशासन अनुभाग मुख्यतः सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रशासन तथा सहायक सेवाओं का संचालन, रख-रखाव एवं नियंत्रण करता है। संस्थान को वर्ष 2020-2021 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित अनुदान प्राप्त हुए–

क्र.सं.	विवरण	प्राप्त अनुदान	व्यय	शेष
1.	सामान्य मद-31	₹ 4,61,65,917.60	₹ 3,52,35,295.37	₹ 1,09,30,622.23
2.	एस.ए.पी. मद-96-31	₹ 1,40,000.00	₹ 1,40,000.00	-
3.	पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद-35 (सोवा-रिग्पा योजना)	₹ 29,64,50,000.00	₹ 11,72,47,664.00	₹ 17,92,02,336.00
4.	वेतन मद-36	₹ 28,60,99,710.00	₹ 25,35,38,255.00	₹ 3,25,61,455.00

प्रकाशन अनुभाग

प्रकाशन अनुभाग संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक ग्रन्थों का प्रकाशन एवं विक्रय करता है। अनुभाग बौद्ध धर्म एवं दर्शन से सम्बद्ध शोध-विषयक पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन करता है।

संस्थान द्वारा स्थापित व संचालित विभिन्न शोध विभागों द्वारा पुनरुद्धृत, अनुवादित, सम्पादित एवं संशोधित आदि शोधपरक सामग्रियाँ एवं शोध योजनाएं ही प्रकाशन-सामग्री के मुख्य स्रोत हैं। बाहरी विद्वानों द्वारा भोट-बौद्ध दर्शन पर

विरचित एवं सम्पादित स्तरीय शोध ग्रन्थों को भी प्रकाशित किया जाता है। तदनुसार प्रकाशित ग्रन्थों पर बाहरी विद्वानों को निर्धारित दर पर मानदेय भी प्रदान किया जाता है। अब तक प्रकाशित ग्रन्थों में मुख्य रूप से भोट-बौद्ध दर्शन के उच्चस्तरीय, बहुभाषी, शोधपरक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ रहे हैं।

सम्प्रति निम्नलिखित नौ ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत संस्थान के ग्रन्थ प्रकाशित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त सन् 1986 से प्रारम्भ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका 'धीः' के अब तक 61 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। शोध-पत्रिका धीः विगत 33-34 वर्षों से लगातार प्रकाशित होती रही है। कोश के अन्तर्गत भोट संस्कृत कोश के अब तक सम्पूर्ण 16 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा कोश सीरीज के अन्तर्गत अन्य दो कोश ग्रन्थों का भी प्रकाशन किया गया है। वर्ष 2012 में 'नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज' नामक एक नई शृंखला शुरू की गयी, जिसके अन्तर्गत अब तक 8 ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं।

अनुभाग के कार्यरत सदस्य एवं पदनाम :

1. प्रो. पेमा तेनजिन - प्रकाशन प्रभारी
2. श्री पेमा छोदेन - सहायक सम्पादक
3. श्रीमती छिमे छोमो - प्रकाशन सहायक (वरिष्ठ)
4. श्री शिव प्रकाश सिंह - प्रकाशन सहायक
5. डॉ. ललित कुमार नेगी - प्रकाशन सहायक
6. रिक्त (2 पद) - (1 संपादक और 1 प्रकाशन सहायक)

ग्रन्थमालाएँ-

ग्रन्थमालाओं के शीर्षक निम्नलिखित हैं-

(1) **भोट-भारतीय ग्रन्थमाला-** नागार्जुन, असंग आदि नालन्दा एवं विक्रमशील परम्परा के प्राचीन भारतीय विद्वानों के पुनरुद्धृत, अनूदित, सम्पादित ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत किया जाता है।

(2) **दलाई लामा भोट-भारती ग्रन्थमाला-** चार तिब्बती बौद्ध परम्परागत प्राचीन विख्यात विद्वानों के ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत होता है।

(3) **सम्यक्-वाक् ग्रन्थमाला-** संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोधपत्रों के संकलन का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से होता है।

(4) **सम्यक्-वाक् विशेष ग्रन्थमाला-** स्व. प्रो. ए. के. सरण के महत्त्वपूर्ण कार्यों का संकलन एवं प्रकाशन इस ग्रंथमाला के माध्यम से सम्पन्न हुआ।

(5) **व्याख्यान ग्रन्थमाला-** विभिन्न प्रख्यात विद्वानों के आमंत्रित वक्तव्य, व्याख्यान और विचारों का संकलन इस ग्रंथमाला में प्रकाशित होता है।

(6) **दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थमाला-** दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग इस संस्थान का अंग है, जिसके अन्तर्गत दुर्लभ बौद्ध तन्त्र का प्रकाशित होता है।

(7) **अवलोकितेश्वर ग्रन्थमाला-** परम पावन दलाई लामा जी के कई प्रवचनों का तिब्बती और अंग्रेजी भाषाओं से हिन्दी भाषा के अनूदित ग्रन्थों को इस ग्रंथमाला में प्रकाशित किया जाता है।

(8) **विविध-ग्रन्थमाला-** इस ग्रंथमाला के तहत विशेषज्ञों तथा संस्थान की प्रकाशन समिति द्वारा अनुमोदित ग्रन्थों को इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित किया जाता है।

(9) **'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध-पत्रिका-** 'धीः' यह दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग द्वारा निकाली जाने वाली एक शोध-पत्रिका है, जिसमें तन्त्र से सम्बन्धित विषयों पर लेख, लघुग्रन्थ आदि का समावेश किया जाता है। इसकी शुरुआत सन् 1986 में हुई और अब तक इसके 61 अंकों का प्रकाशन हो चुका है।

(10) **कोश ग्रन्थमाला-** प्रथम चरण में भोट-संस्कृत कोश के 16 अंकों का प्रकाशन सम्पन्न हो चुका है और द्वितीय चरण में धर्मसंग्रह-कोश तथा तृतीय चरण में भोटसंस्कृत-ग्रन्थ सन्दर्भनिदर्शिका का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत किया गया है।

(11) **भोट-मंगोलिया ग्रन्थमाला-** एनड्रीव बाज़ारब द्वारा संकलित की गई कई तिब्बती पाण्डुलिपियों और काष्ठ चित्रों की एक सूची इस ग्रंथमाला के तहत प्रकाशित की गयी।

(12) **नेयार्थ-नीतार्थ ग्रन्थमाला-** इस ग्रंथमाला का प्रारम्भ सन् 2012 से किया गया, जिसमें चोंखापा के 'नेयार्थ-नीतार्थ सुभाषितसार' पर सम्पादन का शोध कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत कई तिब्बती विद्वानों के संबंधित ग्रंथ एवं टिप्पणी भी सम्पादित व प्रकाशित किये जा रहे हैं।

प्रकाशन की भाषा

उपर्युक्त बारह ग्रन्थमालाओं में सन्निहित मौलिक, व्याख्यायुक्त, शोधपूर्ण बौद्धग्रन्थ, संस्कृत-पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन आदि ग्रन्थ, हिन्दी, भोट, संस्कृत एवं आंग्ल भाषाओं में प्रकाशित है। कुछ ग्रन्थ पालि, अपभ्रंश एवं चीनी भाषा में मूल व अनुवाद के रूप में प्रकाशित हैं। अधिकतर ग्रन्थों की भाषा मिश्रित (दो या दो से अधिक) है।

मार्च 2022 तक लगभग 245 शीर्षक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त 'धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका के 61 अंक तथा भोट-संस्कृत कोश के 16 अंक भी प्रकाशित हैं। कोश सीरीज-2 के अन्तर्गत 'धर्मसंग्रहकोश' तथा कोश सीरीज-3 के अन्तर्गत 'कोनकोर्डेन्स ऑफ टिबेटन एण्ड संस्कृत टेक्स्ट' नामक ग्रन्थ प्रकाशित हुए हैं।

अनेक ग्रन्थ जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो चुके हैं, इनमें से कुछ का पुनर्मुद्रण हो चुका है तथा कुछ का संशोधित-परिवर्द्धित संस्करण भी प्रकाशित हो चुका है।

वर्तमान सत्र में प्रकाशित ग्रन्थ

इस आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित नए ग्रन्थ प्रकाशित किए गए-

1. धीः' दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध पत्रिका, अंक 61
2. आचार्य लोसङ् डागपा कृत शिष्य-सर्वाशा-परिपूरणी गुरुपञ्चाशिका-व्याख्या (बहुभाषा में) अनुवादक एवं सम्पादकः डॉ. बनारसी लाल।
3. विमलकीर्तिनिर्देशसूत्रम् (बहुभाषा में) सम्पादकः संस्थान के शोध विभागों में काम कर रहे संस्कृत और तिब्बती विद्वानों के सहयोगात्मक प्रयासो से सम्पन्न किया।
4. नागसेना-भिक्षु-सूत्र (बहुभाषा में) अनुवाद डॉ. अरुण कुमार यादव।
5. जे चोङ्खापा काव्य पोएटिक लिटरेचर एंड इट्स एनालिसिस (तिब्बती भाषा में) समालोचना बेरी गेशेजिग्मेद वांग्याल।
6. प्रमाणवार्तिक अभिप्रायप्रकाशिका टीका द्वितीय प्रत्यक्षपरिच्छेद (हिंदी में) अनुवादक एवं व्याख्याकार प्रो. राम शंकर त्रिपाठी।
7. प्रत्ययपरीक्षा नाम प्रथम प्रकरण (बहुभाषा में) अनुवादक एवं सम्पादक प्रो. पेमा तेनज़िन।

विक्रय से प्राप्त धनराशि

इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 में प्रकाशित ग्रन्थों के विक्रय से इस अनुभाग ने कुल रु. 4,99,225 00 (चार लाख निन्यानवे हजार दो सौ पच्चीस) मात्र की धनराशि अर्जित की।

प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय

संस्थान के प्रकाशनों का देश-विदेश के प्रकाशनों से विनिमय-वितरण किया जाता है। 'प्रकाशन-विनिमय-योजना' के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी प्रकाशन हमें प्राप्त होते हैं, जो संस्थान के ग्रन्थालय में संगृहीत कर रखे जाते हैं तथा यहाँ के अध्ययन-अध्यापन में काफी उपयोगी होते हैं। सम्प्रति निम्नलिखित विश्वविद्यालयों से हमारे प्रकाशनों का आदान-प्रदान हो रहा है–

1. डेर यूनिवर्सिटेट, वियना, ऑस्ट्रिया
2. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, टोकियो, जापान
3. इण्डिका एट टिबेटिका, वेरलाग, जर्मनी
4. हैम्बर्ग यूनिवर्सिटेट, हैम्बर्ग, जर्मनी
5. ड्रेपुंग लोसेलिंग लाइब्रेरी सोसायटी, मुण्डगोड, कर्नाटक
6. गादेन शार्त्से ड्राछांग, मुन्डगोड, कर्नाटक
7. अडयार लाइब्रेरी एण्ड रिसर्च सेण्टर, अडयार, चेन्नई
8. टिबेट हाउस, नई दिल्ली
9. आई. जी. एन. ए. सी., नई दिल्ली
10. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह लद्दाख (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2012 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
11. सोङ्त्सेन ग्रन्थालय, केन्द्रीय अध्ययन बौद्ध और हिमालयन, ड्रिकुंग कर्ग्युद संस्थान, कुलहान, देहरादून, उत्तराखण्ड (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2014 से प्रारम्भ की गयी। दोनो संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
12. सेरा जे लाइब्रेरी एंड कम्प्यूटर प्रोजेक्ट, सेरा मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बैलाकूपी, जिला-मैसूर, कर्नाटक राज्य, दक्षिण भारत (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2017 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)

सामान्य प्रकाशनों के विनिमय के अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्रिकाओं से भी हमारी शोध-पत्रिका 'धीः' का आदान-प्रदान वर्ष भर किया जाता है। इस वर्ष विनिमय योजना के अन्तर्गत प्राप्त हुईं-

1. ईस्ट ऐंड वेस्ट (रोम, इटली)
2. हावर्ड जर्नल ऑव एशियाटिक स्टडीज (कैम्ब्रिज, यू.एस.ए.)
3. धर्मावर्ल्ड (टोक्यो, जापान)
4. ड्रेलोमा (मण्डगोड)
5. बुलेटिन ऑव डेकन कालेज (पुणे)
6. इण्डियन फिलॉस्फिकल क्वार्टली (पूना विश्वविद्यालय, पूना)
7. जर्नल ऑव ओरिन्टल इंस्टीट्यूट, (ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा)

8. प्राची ज्योति (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)
9. बुलेटिन ऑव टिबेटोलॉजी (सिक्किम शोध संस्थान, गंगटोक)
10. अन्वीक्षा (जाधवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता)
11. शोधप्रभा (श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली)
12. एनल्स ऑफ दी भण्डारकर ओरियन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट (पुणे)
13. बुलेटिन डी इट्यूडे इंडीन्नीस (पेरिस, फ्रान्स)

प्रकाशन समिति

संस्थान के प्रकाशनों के मुद्रण व प्रकाशन पर विचार-विमर्श व निर्णय करने हेतु एक उच्चस्तरीय प्रकाशन समिति का गठन किया जाता है, जिसमें प्रकाशन कार्य से सम्बद्ध कुछ बाहरी विशेषज्ञ सदस्यों सहित संस्थान के विशिष्ट विद्वानों, अधिकारियों व विभागाध्यक्षों को भी शामिल किया जाता है। सम्प्रति इसमें कुल दस सदस्य हैं। संस्थान के कुलपति इस समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

अतिरिक्त कार्य

हमेशा की तरह प्रकाशन अनुभाग अपने नियमित प्रकाशन कार्यों के अतिरिक्त वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, बोधिप्रभ पत्रिका तथा संस्थान के विभिन्न विभागों के कई अन्य विविध मुद्रण आदि से सम्बन्धित कार्यों में सहयोग करता है।

विशेष क्रियाकलाप

1. प्रकाशन प्रभारी माननीय कुलपति के साथ प्रकाशन अनुभाग को लेकर सदैव सम्पर्क में बने रहते हैं और अध्यापन कार्य सहित कई समितियों के माननीय सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान एवं अन्यत्र आयोजित कार्यशाला, सेमिनार एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेते हैं।
2. श्री पेमा छोदेन (सहायक सम्पादक) ने अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त संस्थान के सक्षम अधिकारियों के आदेशानुसार समय समय पर संस्थान के विभिन्न अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को भी सम्पन्न किया।
3. श्रीमती छिमे छोमो (वरिष्ठ प्रकाशन सहायक) श्री शिव प्रकाश सिंह (प्रकाशन सहायक) के द्वारा अपने नियमित कार्य के अतिरिक्त संस्थान के सक्षम अधिकारियों के आदेशानुसार समय समय पर संस्थान के विभिन्न अन्य कार्यों को भी सम्पन्न किया।
4. कुलसचिव कार्यालय संख्या ति.सं/कु.कार्य./प्रशासन/51/2020 दिनांक 04.11.2020 के अनुसार डॉ. ललित कुमार नेगी (प्रकाशन सहायक) को कुलपति कार्यालय में स्थानांतरित कर दिनांक 07.11.2020 को अगली अवधि तक कार्यभार ग्रहण किया।

   कुलसचिव कार्यालय क्रमांक CIHTS/Adm-I/Academic/PF-75/2022 दिनांक 22.01.2022 आदेश के अनुसार डॉ. ललित कुमार नेगी (प्रकाशन सहायक) को कर्तव्य अवकाश पर अगली अवधि तक किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) में भेजा गया।

6. गतिविधियाँ

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ

शैक्षिक वर्ष 2021-22 में संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः-

I. कार्यशाला, कान्फ्रेंस एवं अन्य आयोजन

वर्ष 2021-22 के दौरान संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ

वैश्विक महामारी कोविड-19 के प्रकोप के बाद से, संस्थान ने खतरनाक वायरस के प्रभाव को रोकने के लिए विभिन्न पूर्वव्यापी मानकों को अपनाया है। वर्तमान सत्र की अवधि के दौरान, संस्थान ने संस्कृति मंत्रालय, यू.जी.सी., स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष और भारत सरकार के सभी एहतियाती दिशानिर्देशों को लागू किया और अपने मेडिकल विंग सोवा-रिग्पा की मदद से महामारी संक्रमण को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया। इसके अलावा, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को फिर से खोलने के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन करते हुए केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में सफलतापूर्वक ऑफलाइन मोड में पुनः शिक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में संस्थान ने निम्नलिखित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया है:-

संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएं, सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम:

16 जून, 2021: कोविड-19 राहत कोष

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान, गांवों में रहने वाले गरीब और दिहाड़ी मजदूरों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनको सम्पूर्ण राशन पर्याप्त रूप से वितरित किया गया। संस्थान ने दो गोद लिए गए गाँवों- पतेरवां और भैसुड़ी तथा अन्य ज़रूरतमंद स्थानों के गरीब मज़दूर परिवारों के लिए अपने परोपकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये सहायता सामग्री पहुँचायी।

26 अक्टूबर, 2021 : पालि अध्ययन के लिए डिजिटल टूल्स पर कार्यशाला

पालि के प्रभावी अधिग्रहण में शामिल चुनौतियों और संभावनाओं पर गंभीरता से ध्यान देने के उद्देश्य से, डॉ. अनिमेष प्रकाश, शब्द विद्या संकाय, के.उ.ति.शि.सं. ने छात्रों को पालि अध्ययन, उसके उपयोग और अनुप्रयोग के लिए कई डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में जागरूक करने के लिए "पालि अध्ययन के लिए डिजिटल उपकरण" पर एक दिवसीय कार्यशाला की।

पालि एकमात्र ऐसी भारतीय भाषा है जिसमें हमें बौद्ध विहित साहित्य का एक पूरा संग्रह मिलता है और इसका अधिकांश भाग पहली शताब्दी ईसा पूर्व या उससे पहले का है। इसके अलावा, बुद्ध के शब्दों को पालि भाषा की अच्छी समझ के साथ बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

कई लिपियों और भाषाओं में ग्रंथों के विशाल कोष तक पहुंचना मुश्किल है; यदि कोई कुशल नहीं है तो एक लिपि से दूसरी लिपि में लिप्यंतरण लगभग असंभव है; तकनीकी शब्दों, शब्दकोशों और अन्य शब्दकोशों का व्याकरणिक विश्लेषण पहुंच से बाहर है, पालि भाषा के एक गंभीर शिक्षार्थी के लिए ये चुनौतियाँ बहुत आम हैं।

डॉ. अनिमेष ने छात्रों को पालि अध्ययन के क्षेत्र में विद्वानों (एक टीम) के बारे में ज्ञान से परिचित कराया, जो डिजिटल पालि रीडर और पालि प्लेटफॉर्म जैसे पालि अध्ययन के लिए कई डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने में लगे हुए हैं।

26 अक्टूबर - 1 नवंबर, 2021 : सतर्कता जागरूकता सप्ताह:

केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के आदेश के अनुसार और के.उ.ति.शि.सं. के सतर्कता अधिकारी के निर्देशानुसार, संस्थान ने बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। इस संबंध में इस वर्ष की थीम - "स्वतंत्र भारत @ 75: आत्मनिर्भरता के साथ अखंडता" के प्रसार के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रसार के लिए इस विषय के पोस्टरों को परिसर में प्रदर्शित किया गया।

सप्ताह की शुरुआत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ हुई, इसके बाद भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सभी महत्वपूर्ण दृष्टिकोण वाले महत्वपूर्ण नारों और पोस्टरों का प्रसार और साझा किया गया, कर्मचारियों, सदस्यों, व्हिसलब्लोअर को बिना किसी आशंका के शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संस्थान की सतर्कता इकाई ने सभी हितधारकों और कर्मचारियों को एक साथ आने के लिए प्रेरित किया और न केवल आम जनहित के लिए बल्कि अखंडता और आत्मनिर्भरता की वास्तविक भावना के साथ इस कार्यक्रम पर ध्यान देने हेतु बल दिया।

30 अक्टूबर 2021: आजादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्रालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुसरण में, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने का गौरवपूर्ण उत्सव मना रहा है। ये समारोह "आजादी का अमृत महोत्सव" की थीम पर आधारित होंगे। उत्तरार्द्ध प्रगतिशील भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों और इसकी संस्कृति और लोगों के गौरवशाली इतिहास के साथ-साथ इसकी उपलब्धियों को मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है।

माननीय प्रधान मंत्री ने 12 मार्च 2021 को गुजरात से साल भर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया, जो महात्मा गांधी के नेतृत्व में ऐतिहासिक 'नमक सत्याग्रह' की 91वीं वर्षगांठ का अवसर भी है। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ से 75 सप्ताह पहले शुरू हुआ समारोह 15 अगस्त 2023 को समाप्त होगा। इस अविस्मरणीय अवसर को रेखांकित करने के लिए केंद्र सरकार ने 75 सप्ताह के कार्यक्रम की घोषणा की है। आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्वतंत्रता संग्राम की भावना को प्रतिबिंबित करने का कार्य करेगा।

इसके बाद, सभी शैक्षणिक संस्थानों को आदेशित किया गया है कि वे साल भर चलने वाले स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में अपने संबंधित परिसरों में संबंधित सम्मेलन/संगोष्ठी/संगोष्ठी/निबंध प्रतियोगिता और कई कार्यक्रमों का आयोजन करके "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाएं।

उपरोक्त के आलोक में, के.उ.ति.शि.सं. ने भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के समारोह की शुरुआत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया गया, 30 अक्टूबर, 2021 को अतिश हॉल में 'स्वबोध, स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहास : काशी के विशेष संदर्भ' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, संगोष्ठी ने संकायों, कर्मचारियों और छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के सम्मान में स्वतंत्रता के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का आकलन करने के महत्व पर एकत्र होने और ध्यान करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। दिलचस्प बात यह है कि वक्ताओं के पैनल ने काशी के विशेष संदर्भ में इस विषय के महत्व को समझाने में मदद की। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर वांगछुग दोर्जे नेगी ने की, जिन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकल्प योजना, नई दिल्ली ने देश में राष्ट्रीय गतिरोध की उस लंबी परंपरा को रेखांकित किया, जिसमें समाज के सभी वर्गों का योगदान रहा है। महिलाओं, छात्रों, किसानों आदि को हमारे इतिहास में उचित और योग्य प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। उन्होंने बल दिया कि देश के स्वतंत्रता-पूर्व इतिहास के प्रकाशनों को फिर से देखने और संशोधित करने की अत्यधिक आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सुमन जैन, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग, बीएचयू, वाराणसी ने भी विचार व्यक्त किया और प्रोफेसर वंदना झा, वसंत महिला महाविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और जयशंकर प्रसाद जैसे साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से देश के स्वत्व का जयघोष किया।

2 नवंबर, 2021 : सरस्वती व्याकरण पर कार्यशाला

सरस्वती व्याकरण तिब्बती विद्वानों के बीच अच्छी तरह प्रचलित है और तिब्बत में इसे सीखने की प्रथा बन गई है। तिब्बत में विद्वान ज्यादातर संस्कृत के बारे में प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए सरस्वती व्याकरण पर आधारित संयोजन सीखते हैं।

तिब्बती विद्वानों के बीच इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए और सारस्वत व्याकरण की अपनी अनूठी वाक्यात्मक विशेषताओं के कारण, तिब्बती भाषा विभाग ने दो सप्ताह की लंबी कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें डॉ. दावा शेरपा ने पाणिनि व्याकरण की तुलना में सारस्वत व्याकरण पर आधारित संयोजनों (पंच संधि) पर क्रमिक व्याख्यान दिया। डॉ. दावा ने 'पंच संधि' पर विस्तृत और व्यापक रूप से एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर विचार-विमर्श किया, जिसमें तकनीकी शब्दावली और स्वर और व्यंजन संयोजन से संबंधित पांच विषय शामिल थे।

कार्यशाला विशेष रूप से शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए थी, जो भाग लेने और विषय के तकनीकी पहलुओं की अपनी समझ विकसित करने में सक्षम रही।

20 नवंबर 2021: बी.एड. छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कोर्स

शांतरक्षित ग्रंथालय, के.उ.ति.शि.सं. ने बी.एड. और चार वर्षीय एकीकृत बी.ए. बी.एड. के नव प्रवेशित छात्रों को अधिकतम लाभ उठाने के लिए शिक्षक शिक्षण केंद्र में एक उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम ने प्रथम वर्ष के छात्रों को ग्रंथालय के संसाधनों और सेवाओं से परिचित कराया और डेटाबेस खोज की कला में शैक्षणिक सम्पूर्ण जिज्ञासा जागृत किया।

उन्मुखीकरण के मुख्य उद्देश्यः

- छात्रों को पुस्तकालय सुविधा, संसाधनों और सेवाओं से परिचित कराना
- उन्हें प्रारंभिक डेटाबेस खोज तकनीकों से परिचित कराना
- विद्यार्थियों को **अकादमिक सत्यनिष्ठा** के मुद्दों से परिचित कराना।

पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अनुभाग प्रभारी ने भी अपने-अपने अनुभागों में शामिल गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

19-25 नवंबर, 2021 : के.उ.ति.शि.सं. ने सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाया

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में आयोजित 'सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह' कार्यक्रम को छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों के बीच शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के संदेश को फैलाने के एक जबरदस्त अवसर के रूप में मनाया गया। जनता। साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाने के उद्देश्य से पूरे परिसर में सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जो अंततः 25 तारीख को झंडा दिवस के साथ सम्पन्न हुई।

के.उ.ति.शि.सं. परिवार की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने समाज और समुदायों के बीच एकता, भाईचारे, एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के दौरान, संस्थान द्वारा राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह मनाने के लिए पारंपरिक नृत्य और बास्केटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किए गए।

25 नवंबर को झंडा दिवस से पहले एक सप्ताह के लिए खेल, पेंटिंग और ड्राइंग प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफेसर वांगछुग दोर्जे नेगी और डॉ. रमेश चंद्र नेगी ने व्याख्यान दिया।

26 नवंबर, 2021 : संविधान दिवस (संविधान दिवस)

संस्थान ने 26 नवंबर, 2021 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन करके, भारत की संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित प्रसारण में भाग लेने के लिए एकत्रित होकर 'संविधान दिवस' (संविधान दिवस) को गर्व से मनाया। इस पावन अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के अन्य संस्थापकों के अमूल्य योगदान को सम्मान और श्रद्धांजलि देने और नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भारत के संविधान को अपनाने का जश्न मनाने के लिए संस्थान के अतिशा हॉल में स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया।

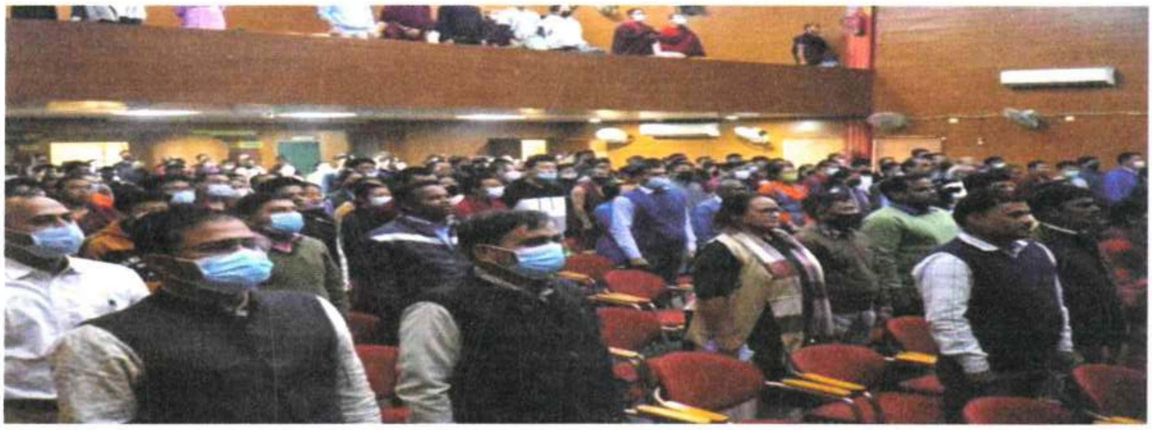

7-9 दिसंबर, 2021 : ओरिएंटेशन प्रोग्राम और विंटर कैम्पेन

'फ्रेशर्स' ओरिएंटेशन प्रोग्राम कम विंटर कैम्पेन' का आयोजन किया गया और अतिश हॉल में लगातार 7 से 9 दिसंबर, 2021 तक संचालन किया गया। इस अभियान के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को संगठन की संरचना, चार संप्रदायों, सोवा रिग्पा, तिब्बती थांगका और वुडक्राफ्ट सहित विभिन्न विभागों आदि के बारे में सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना रहा।

छात्रों को तदनुसार शांतरक्षित ग्रंथालय, संबंधित कार्यालयों और संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराया गया। सत्रों के दौरान भाषाओं, साहित्य और दर्शन आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान छात्रों के लिए विशिष्ट वार्ता, प्रेरक सत्र और क्षेत्र भ्रमण की व्यवस्था की गई।

बी.ए. बी.एड., बी.एड., बी.एस.आर.एम.एस., पू.म. प्रथम और द्वितीय से कुल 180 छात्रों ने अभियान में भाग लिया, और उन्हें संस्थान में अपने समय के दौरान सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और नव प्रवर्तक होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

11 दिसंबर, 2021 : शांतरक्षित ग्रंथालय में नए सर्वर का उद्घाटन

के.उ.ति.शि. संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के शांतरक्षित ग्रंथालय में नव स्थापित सर्वर का उद्घाटन किया गया। शांतरक्षित ग्रंथालय का यह सर्वर सूचना और संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करता है। यह के.उ.ति.शि.सं. के शिक्षण, सीखने, छात्रवृत्ति और अनुसंधान गतिविधियों के समर्थन में एक रचनात्मक और अभिनव भागीदार है।

इस अवसर पर, श्री राजेश कुमार मिश्रा, प्रलेखन अधिकारी, शांतरक्षित ग्रंथालय, ने प्रो. वांगचुक दोरजी नेगी, प्रो. ताशी त्सेरिंग, प्रभारी, डॉ. हिमांशु पांडे, कुलसचिव सहित सम्मानित सदस्यों को संगोष्ठी हॉल में उपस्थित दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने ग्रंथालय के तेजी से बढ़ते संग्रह के साथ डिजिटल और प्रिंट दोनों रूपों में अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए और अत्याधुनिक तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक नए अत्याधुनिक सर्वर NAS, Proliant DL306-Gen 10 और सर्वर रैक को लाइब्रेरी के समर्पित सर्वर रूम में स्थापित किया तथा जिसके बारे में विस्तृत जानकारी दी।

13-18 दिसंबर, 2021 : पालि भाषा और बर्मी लिपि पर कार्यशाला

13 से 18 दिसंबर, 2021 : शांतरक्षित ग्रंथालय हॉल में पालि भाषा और बर्मी लिपि पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पालि ग्रंथों को बर्मी लिपि में पढ़ने और लिखने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना रहा।

डॉ. अनिमेष प्रकाश द्वारा विशेष रूप से संचालित, इस कार्यशाला को उन लोगों के लिए एक ऐसा अवसर कहा गया जो शुरुआती बौद्ध प्रवचनों और बर्मी लिपि में शिलालेखों को पढ़ना और समझना चाहते हैं। कार्यशाला एक अनुकूल और पारस्परिक चर्चा-परिचर्चा की शैली मोड में आयोजित की गई जिसमें निर्देश की भाषा हिंदी और अंग्रेजी थी।

यह कार्यक्रम उन सभी के लिए था जो लिपि सीखना चाहते थे। इस कार्यशाला के लिए पालि और अन्य भाषाओं के पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं थी। पाठ्यक्रम के अंत में, प्रतिभागी से बर्मी लिपि में पालि भाषा पढ़ने और लिखने में प्रवीणता; म्यांमार में भारतीय बौद्ध धर्म के प्रसारण की जानकारी; और किसी के आध्यात्मिक और शैक्षणिक यात्रा में पालि भाषा सीखने के महत्व से अवगत कराना रहा।

23 दिसंबर, 2021: नालंदा भवन भवन का उद्घाटन

23 दिसंबर, 2021 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नालंदा भवन (शिक्षक शिक्षण केंद्र) के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।

डॉ. आर.के. उपाध्याय ने समारोह की अध्यक्षता की और नालन्दा भवन के उद्घाटन के शुभ अवसर के बारे में अपने विचार साझा किए और उन्होंने कहा कि इस भवन का नाम नालन्दा रखना ही संस्थान के लिए गर्व एवं खुशी का विषय है, क्योंकि नालन्दा को तक्षशिला के बाद दुनिया का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय माना जाता है । उन्होंने के.उ.ति.शि.सं. परिवार को बधाई दी और संस्थान में वर्षों तक शिक्षा के स्कूल को जारी रखने के निर्णय के साथ खड़े होने के महत्व को रेखांकित किया । उन्होंने स्वर्गीय प्रो. के.पी. पाण्डेय को भी धन्यवाद दिया, जिनके योगदान और दूरदर्शिता के कारण केंद्र की स्थापना हुई ।

8 मार्च, 2022 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान ने छात्रों के बीच महिलाओं की स्थिति और सम्मान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया । इस अवसर पर संस्थान में सभी को समाज में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करने की प्रेरणा दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि इस क्षण को केवल समानता के प्रतीक के रूप में देखने के बजाय, महिलाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए सशक्त होना चाहिए ।

कार्यक्रम मुख्य रूप से संस्थान की महिला संकायों द्वारा आयोजित किया गया था जिन्हें एक दूसरे के लिए अपनी एकजुटता और भाईचारे का प्रदर्शन करने का अवसर मिला । इस अवसर पर डॉ. हिमांशु पाण्डेय, कुलसचिव (के.उ.ति.शि.सं.) और संस्थान के संकाय सदस्य उपस्थित थे । कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों ने भी अत्यंत उत्साह और जोश के साथ भाग लिया ।

विभिन्न आयोजनों के बीच, संस्थान ने सारनाथ में 'महिला सशिक्तकरण रैली' का आयोजन किया, जिसमें सभी छात्रों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने पोस्टर और नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने में मदद की। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अतिशा हॉल में 'एक स्थायी कुल के लिए आज लैंगिक समानता जरूरी' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए वसंता कॉलेज, राजघाट की प्रोफेसर वंदना झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हमेशा महिलाओं को सम्मान किया जाता रहा है। इस अवसर पर डॉ. वंशीधर पांडेय, एसोसिएट प्रोफेसर, सोशल वर्क विद्यापीठ, डॉ. दिव्या सिंह, प्रबंध निदेशक, संत अतुलानंद, वाराणसी और डॉ. ऋचा जोशी, निदेशक, राज्य हिंदी संस्थान, वाराणसी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में संस्थान की डॉ छिमी डोलकर को कोरोना काल में जान जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति सिंह, अतिथियों का स्वागत डॉ. कृष्णा पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हुमा कयूम ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामसुधार सिंह, प्रो. उमेश चंद्र सिंह, डॉ. अनुराग त्रिपाठी, डॉ. सुष्मिता वात्स्यायन, रीना पाण्डेय आदि भी उपस्थित थे।

पुरातन छात्र समिति

नीचे चुने गए नए सदस्यों को दो साल की अवधि के लिए कार्यालय आदेश टीयू/एसए/67/2021 दिनांक 13/01/2021 के माध्यम से आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया गया है।

1. डॉ. गेशे नवांग तेनफेल	वाराणसी	अध्यक्ष
2. डॉ. जम्पा छोफेल	वाराणसी	कोषाध्यक्ष
3. श्री लोबसंग वांगदू	वाराणसी	महासचिव
4. श्री तेनज़िन सिदोन	वाराणसी	सदस्य
5. डॉ. दावा छेरिंग	वाराणसी	सदस्य
6. श्रीमती तेनज़िन रिगसंग	वाराणसी	सदस्य
7. डॉ. टाशी दावा	वाराणसी	सदस्य
8. डॉ. संजीब कुमार दास	शांतिनिकेतन	सदस्य
9. श्री नागा संगे तेन्दर	धर्मशाला	सदस्य
10. डॉ. छेरिंग डोलकर	वाराणसी	सदस्य
11. श्री कलसंग फुनछोग	यूएसए	सदस्य

गतिविधियाँ:

1 महामारी के दूसरी लहर कोविड-19 (डेल्टा) की दौरान, संस्थान परिसर में स्थिति इतनी भयावह थी कि आधे से अधिक आवासीय छात्र और कर्मचारी इस महामारी से प्रभावित थे। संस्थान के तीन आवासीय कर्मचारियों और परिसर के बाहर रहने वाले दो कर्मचारियों का निधन इस महामारी से हो गया। यह स्थिति अकथनीय, भयानक और पीड़ा से भरी थी। शीघ्र ही चिकित्सा किट, दवाइयां, स्वास्थ्य सेवा कर्मचारी और विशेष आहार की जरूरत थी। इसलिए, यहां संस्थान में रहने वाले पूर्व छात्रों ने भारत और विदेशों के सभी पूर्व छात्रों से अपील करके मौद्रिक निधि भी जुटाई। परिसी के गंभीर रोगी को वाराणसी के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती होने, गंगा नदी पर कोविड-19 से मृत शरीर का दाह संस्कार करने और एपी गेस्ट हाउस और छात्रावास में संगरोध रोगियों को विशेष आहार प्रदान करने की जिम्मेदारी ली। अंततः जैसे ही पूर्व छात्रों का फंड प्रवाहित होना शुरू हुआ, निम्नलिखित वस्तुएं उपलब्ध कराई गईं:

- दवाइयां, हैंड सैनिटाइज़र, वॉटर हीटर मशीन, लंग एक्सरसाइज़र मशीन, मास्क, ऑक्सीमीटर, आदि।
- छात्र कल्याण समिति (एसडब्ल्यूसी) और मेस प्रबंधन समिति (एमएमसी) को आहार सहायता प्रदान की।
- संस्थान में परीक्षण करने के लिए RT-PRC टीम की व्यवस्था की।
- शहर के अस्पतालों में छात्रों और कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराने में सहायता करना।
- क्वारंटाइन किए गए छात्रों और कर्मचारियों को एक विशेष आहार प्रदान करना।
- आवश्यकता पड़ने पर ऑक्सीजन सिलेंडरों को फिर से भरना।
- सभी छात्रों को रैपिड टेस्ट किट वितरित करना।
- समग्र रूप से स्थिति की नियमित निगरानी करना।

संक्षेप में, दुनिया भर में हमारे पूर्व छात्रों ने न केवल मौद्रिक निधि में योगदान दिया बल्कि महामारी के दौरान हमारे छात्रों और कर्मचारियों को नैतिक रूप से समर्थन दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका से श्रीमती छिमी डोलकर, श्री कलसंग फुनछोग और श्री गोनपो और कनाडा से श्री ताशी तोपगेल, और कई अन्य शामिल थे। वे यहां संस्थान के पूर्व छात्रों प्रो. जाम्पा समतेन, डॉ. लोबसांग दोर्जी रबलिंग और डॉ. गेशे नवांग तेनफेल के साथ लगातार संपर्क में थे। वे तन मन धन से हमारे साथ थे। परिणामस्वरूप, CIHTS के पूर्व छात्रों को 49वीं छात्र कल्याण समिति और CIHTS की 39वीं मेस प्रबंधन समिति द्वारा कृतज्ञता और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में 'कोरोना योद्धा सम्मान' पुरस्कार प्रदान किया गया।

2. दिनांक 5 नवम्बर 2021 को हमारे पूर्व निदेशक प्रो. सामधोंग रिनपोछे की जयंती के अवसर पर एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ-साथ धर्म गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- डायस्पोरा के बीच शिक्षा, धर्म और प्रशासन के क्षेत्र में प्रोफेसर समदोंग रिनपोछे का योगदान" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। प्रो. येशी थापके, प्रो. गेशे नवांग समतेन (वीसी), श्री तेनज़िन लुंग्रिग (सीटीए, धर्मशाला के पूर्व मंत्री) और तिब्बती समुदाय के अन्य विद्वानों और प्रशासकों जैसे प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया।

- इस शुभ अवसर पर, पूर्व छात्र संघ CIHTS ने कोविड-19 के कारण लाखों दिवंगत आत्माओं को समर्पित भव्य प्रार्थना सेवा का आयोजन किया और इस धरती से खतरनाक वायरस को दूर करने के लिए भी प्रार्थना की। इस संबंध में गंगा नदी में मछलियों को छोड़ना, वंचितों को भोजन खिलाना, सारनाथ में वृद्धाश्रमों में कंबल दान करना, वृक्षारोपण, आवारा कुत्तों को चारा खिलाना जैसे कई पुण्य कार्य किए गए।
- AACIHTS के क्षेत्रीय अध्याय ने भारत और विदेशों के अन्य हिस्सों में इसके आयोजन की जिम्मेदारी ली।

संस्थान में हमारे पूर्व निदेशक प्रो. एस. रिनपोछे की 82वीं जयंती मनाने के लिए तैयारी

पूर्व छात्रों द्वारा सारनाथ में वृद्धाश्रम में कम्बल वितरण करते हुए

हमारे क्षेत्रीय समन्वयक, नेपाल चैप्टर द्वारा बकरियों को मुक्त कराना

हमारे क्षेत्रीय समन्वयकों द्वारा पश्चिम बंगाल में स्थानीय बच्चों को स्कूल किट वितरित करना

3. धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में पूर्व छात्रों की वार्षिक बैठक में भाग लिया

a. 22-24 दिसंबर 2021 तक, तीन दिवसीय कार्यक्रम में CIHTS के पूर्व छात्रों की वार्षिक बैठक, CIHTS के पूर्व निदेशक, उनके प्रख्यात प्रोफेसर समधोंग रिनपोछे के दीर्धायु की प्रार्थना समारोह शामिल है। हालांकि नए रूपों (ओमिक्रॉन) के डर के कारण कार्यक्रम सफल रहा लेकिन हमारे कई साथी पूर्व छात्र भाग लेने में असफल रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में संस्थान के निम्न सदस्यों ने भाग लिया।

- प्रो. डॉ. जम्पा समतेन (मुख्य सलाहकार और वक्ता)
- असोट। प्रो. डॉ. लोबसंग दोर्जी रबलिंग (सलाहकार और अध्यक्ष)
- गेशे डॉ. न्गावांग टेनफेल (अध्यक्ष, CIHTS पूर्व छात्र संघ)
- डॉ. जम्पा छोफेल (सहायक प्रो.), कोषाध्यक्ष
- डॉ. त्सेरिंग डोलकर, सदस्य

- डॉ. ताशी दावा (सहायक प्रोफेसर), सदस्य
- श्री तेनज़िन सिडोन, सदस्य
- श्रीमती तेनज़िन रिगसांग, सदस्य
- श्री तेनज़िन धोन्यो, म्यूटीमीडिया
- श्री तेनज़िन काल्डेन, मल्टीमीडिया
- श्रीमती तेनज़िन त्सोमो, मल्टीमीडिया

b. महत्वपूर्ण कार्मिक बैठक के दौरान मिले।

- प्रो समधोंग रिनपोछे (CIHTS के पूर्व निदेशक)
- सम्मानित खेंपो (ग्युटो मठाधीश)
- परम आदरणीय डक्याब तोगडेन रिनपोछे (ग्युतो तांत्रिक मठ के पूर्व मठाधीश)
- सम्मानित चाज़ो (ग्युटो कोषाध्यक्ष)
- डॉ. तेनज़िन दोन्यो (प्रो. एस रिनपोछे के सचिव)
- सम्मानित नवांग तेनज़िन।
- श्री थुप्टेन लुंगरीक, पूर्व अध्यक्ष, CIHTS के पूर्व छात्र, पूर्व सांसद और पूर्व कलोन
- श्री वांगदू छेरिंग, (सचिव)
- श्री जिग्मे नामग्याल (सचिव सीटीए)
- श्री पाल्डेन दोंडुप (सचिव सीटीए)
- श्री सोनम तोपगेल, AACIHTS अध्यक्ष, धर्मशाला चैप्टर
- श्री छिमी युंगड्रंग, AACIHTS प्रतिनिधि, दिल्ली चैप्टर

c. कार्यक्रम विवरण:

- 20 दिसंबर 2021 को दोपहर 3.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक, ग्युटो मठवासी विश्वविद्यालय में कोविड प्रोटोकॉल के तहत डेलेक अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में सभी प्रतिभागियों का आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया।
- 21 और 22 दिसंबर 2021 को, क्वारंटाइन उद्देश्यों के लिए नियत किया गया था, और 22 तारीख की शाम को, सभी प्रतिभागियों के लिए कोविड परीक्षा परिणाम सकारात्मक आया।
- क्षेत्रीय चैप्टर धर्मशाला के सदस्यों ने सभी प्रतिभागियों के लिए आवास, स्थानीय आकस्मिकताओं और मीटिंग हॉल के संबंध में सभी व्यवस्थाओं को वर्चुअल रूप से व्यवस्थित किया है।

d. उल्लेखनीय बिंदु:

- इस बैठक में 70 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया।
- यह सिफारिश की गई थी कि नवंबर 2022 में CIHTS परिसर में उसी बैठक की योजना बनाई जा सकती है।
- कई प्रतिभागियों ने प्रोफेसर समधोंग रिनपोछे के भाषणों के संकलन और लिप्यंतरण की तत्काल आवश्यकता को इंगित किया।
- महामहिम प्रो. एस. रिनपोछे द्वारा "ओपिनियन लीडरशिप" पर विशेष वार्ता के दौरान, उन्होंने परंपरा और आधुनिकता के

ऊपर: श्रोता स्पीकर को सुन रहे हैं

अधिक विचारों पर जोर दिया, जिस पर नई पीढ़ी के पास भविष्य में योगदान करने की पर्याप्त क्षमता है। बाद में उन्होंने पारंपरिक शास्त्रीय तर्क पर आधारित अनुसंधान पद्धति के अनुवाद और विकास पर जोर दिया।

23 दिसंबर 2021 : स्थान: सेमिनार हॉल, ग्युटो मठवासी संस्थान।
डॉ. जम्पा छोफेल ने राष्ट्रीय संगोष्ठी "बौद्ध दर्शन, संस्कृति और इतिहास के साथ कोविड महामारी के दौरान माइंडफुलनेस प्रशिक्षण के स्पर्श के साथ" का उद्घाटन भाषण दिया

II. राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 23 जून 2021 - माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 23.06.2021 को अपराह्न 2.30 बजे से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम- वर्ष 2021-22 पर व्यापक चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मदों पर गंभीर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान द्वारा वार्षिक हिंदी गृह पत्रिका बोधिप्रभ के प्रकाशन के संबंध में विभिन्न समितियों के गठन का निर्णय किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार सिंह द्वारा किया गया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 30 जून 2021 - माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा दिनांक 30.06.02021 को अपराह्न 2.00 बजे से 5.00 बजे तक राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता माननीय कुलसचिव द्वारा किया गया। कार्यशाला में डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, बनारस, रेल इंजन कारखाना एवं सदस्य-सचिव, नराकास, वाराणसी द्वारा **राजभाषा कार्यान्वयनः दशा एवं दिशा** पर आभासी माध्यम से विस्तृत चर्चा की गयी। इसी प्रकार द्वितीय सत्र में डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, सेवा निवृत्त मुख्य प्रबन्धक, राजभाषा, ओ एन जी सी, देहरादून एवं वरिष्ठ साहित्यकार द्वारा **राजभाषा हिंदी का सांविधिक स्वरूप** विषय पर सारगर्भित चर्चा की गयी एवं बताया गया कि शब्द समाज द्वारा मान्य होने पर ही प्रचलन में आता है। अतः शब्द भाषा का नहीं समाज का

होता है। साथ ही राजभाषा प्रयोग के क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों के संबंध में अपने व्यावहारिक ज्ञान को साझा किया। उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रामसुधार सिंह, अतिथि प्रवक्ता द्वारा विशेष टिप्पणियों एवं विशेषज्ञता के साथ समालोचना करते हुए की गई।

राजभाषा सप्ताह समारोह-2021 का आयोजन (दिनांक 14 से 18 सितंबर, 2021)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 14 से 18 सितंबर, 2021 तक अपराहन 2 बजे से 5 बजे तक संस्थान में राजभाषा सप्ताह समारोह आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए -

सप्ताह समारोह के शुभारम्भ पर गृह मंत्रालय द्वारा प्राप्त प्रमुख विद्वानों एवं राजनेताओं के हिंदी विषयक विचारों को आकर्षक ढंग से दो दिन पूर्व ही संस्थान के सभी प्रमुख भवनों के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित कर दिया गया।

दिनांक 14 सितम्बर 2021 - डॉ. आर. के. उपाध्याय माननीय कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस का उद्घाटन सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उक्त अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने मुख्य

अतिथि प्रो. राम मोहन पाठक (पूर्व कुलपति, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई) का भोट परंपरा के अनुसार खतक देकर स्वागत किया एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया । तदुपरांत अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी **राजभाषा प्रतिज्ञा** की शपथ दिलायी तथा डॉ. ज्योति सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी ने गृहमंत्री के संदेश का वाचन किया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. राम मोहन पाठक ने **राजभाषा हिन्दी: प्रगति, प्रयास और नई संभावनाएं** विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हिंदी स्वाभिमान एवं आत्मगौरव की भाषा है । आने वाला कल हिंदी का होगा । भारत का समग्र विकास तभी संभव है, जब भारतवासी हिंदी में चिंतन और लेखन करेंगे । डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने संचालन तथा श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विषय प्रवर्तन एवं स्वागत संबोधन प्रो. रामसुधार सिंह, अतिथि प्राध्यापक ने किया।

दिनांक: 15 सितम्बर 2021 - दिनांक 15 सितम्बर, 2021 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय की अध्यक्षता में कुलसचिव कार्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में राजभाषा तिमाही रपट, वार्षिक कार्यक्रम 2021-2022 एवं राजभाषा संसदीय समिति के विभिन्न मदों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा सदस्यों एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा चर्चा की गयी। उक्त अवसर पर सदस्यों ने राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के संबंध में अपने विचार रखे। अध्यक्षीय संबोधन के साथ बैठक का समापन हुआ। बैठक में डॉ. रामसुधार सिंह, डॉ. रमेश चन्द्र नेगी, श्री टी. आर. शाशनी, डॉ. सुशील कुमार सिंह तथा डॉ. अनुराग त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

दिनांक 16 सितम्बर 2021 - दिनांक 16 सितम्बर, 2021 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में श्री आर. के. गुप्त (वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी) ने **"पत्र, परिपत्र**

एवं अर्ध सरकारी पत्र" विषय पर एवं श्री विनय कुमार सिंह (मुख्य प्रबंधक/राजभाषा, भारतीय स्टेट बैंक, वाराणसी) ने **"सूचना, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन"** विषय पर विशेषज्ञता पूर्ण व्याख्यान तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के संतोषप्रद उत्तर दिए। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय ने कहा कि संविधान द्वारा राजभाषा सम्बन्धी दिए गए दायित्वों का निर्वहन करते हुए हम सभी सरल हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करेंगे। इससे राष्ट्र के विकास की गति तेज होगी और प्रशासन में पारदर्शिता आएगी। सहा. कुलसचिव श्री प्रमोद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. सुशील कुमार सिंह, सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यक्रम का संचालन तथा श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिनांक 17 सितम्बर 2021 - प्रथम सत्र में वाद-विवाद प्रतियोगिता **(विषय -राजभाषा की स्थिति पूर्णतः संतोषप्रद है/नहीं है) (पक्ष-विपक्ष)** का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक डॉ. रामसुधार सिंह (विजिटिंग प्रोफेसर, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी) एवं डॉ. उदय प्रकाश (सह आचार्य, श्री बलदेव पी. जी. कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाण्डेय, उप कुलसचिव ने की।

द्वितीय सत्र में मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के राजभाषा परामर्शी श्री भगवान पाण्डेय ने राजभाषा, संस्थान एवं साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे। उक्त प्रतियोगिता में संस्थान के कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य निर्णायक श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी, संचालन डॉ. ज्योति सिंह सहायक प्रोफेसर, हिन्दी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रमोद सिंह, सहायक कुलसचिव ने किया। उक्त अवसर पर श्री राजेश कुमार मिश्र ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित यह प्रतियोगिताऐं प्रतिभागियों को प्रोत्साहन प्रदान करने वाली तथा सभी उपस्थित कर्मचारियों के लिए प्रेरणाप्रद है। प्रेरणा और प्रोत्साहन ही राजभाषा के विकास का मूल सूत्र है। डॉ. राम सुधार सिंह, डॉ. रामजी सिंह आदि ने आशीर्वचन के रूप में अपने विचार व्यक्त किया।

दिनांक 18 सितम्बर 2021 - दिनांक 18 सितम्बर, 2021 को राजभाषा सप्ताह समारोह के समापन सत्र में सर्वप्रथम अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त अध्यक्ष, मुख्य अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों का खतक देकर स्वागत किया गया तथा अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान किया। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भाषा नीति** विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी साहित्य के मूर्धन्य कवि और ओ. एन. जी. सी., देहरादून के पूर्व राजभाषा अधिकारी डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभाषा की सबसे बड़ी विशेषता होती है, अर्थ की स्पष्टता। इसीलिए कार्यालय की भाषा और साहित्य कि भाषा में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय की भाषा सरल, स्पष्ट और वैज्ञानिक होनी चाहिए। एक राजभाषा अधिकारी के रूप में राजभाषा को लेकर जो - जो समस्याएं आती हैं उस पर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. मिश्र ने कहा कि हर देश की पहचान अपनी भाषा की विशिष्टता के कारण ही होती है। इसलिए हर जिम्मेदार व्यक्ति और कर्मचारी को भाषा के प्रति समर्पित होने की जरुरत है। प्रस्तुत कार्यक्रम में उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कविता- **एक बार और जाल फेंक रे मछेरे, जाने किस मछली में बंधन की चाह हो** का वाचन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय ने गाँधी के उदाहरण से राजभाषा के महत्त्व को बताया। गाँधी जी कहा करते थे कि **'अंग्रेजों से कह दो कि गाँधी अंग्रेजी नहीं जानता है'**। प्रस्तुत उदाहरण को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन हर नागरिक में भाषा के प्रति इस प्रकार का आदर भाव आ जायेगा, फिर हिंदी स्वतः राष्ट्रभाषा बन जाएगी। उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों तथा अधिकारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव रा.का.स., स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह, सदस्य, रा.का.स. तथा डॉ. ज्योति सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन - दिनांक 13-14 नवम्बर 2021

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 13-14 नवम्बर, 2022 को वाराणसी में **अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन** का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के छात्रों/कार्मिकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं विभिन्न सत्रों के व्याख्यान माला का लाभ उठाया। सचिव, राजभाषा, गृह मंत्रालय ने सहभागिता करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र जारी किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक - दिनांक: 24 दिसम्बर 2021

माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 24.12.2021 को अपराह्न 3.30 बजे से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम-वर्ष 2021-22 के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्य पूरा करने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान द्वारा वार्षिक हिंदी गृह पत्रिका बोधिप्रभ के प्रकाशन के संबंध में भी चर्चा की गई एवं निर्णय लिया गया कि पत्रिका को शीघ्र प्रकाशित किया जाय। उक्त बैठक में मा. कुलपति महोदय ने आदेश दिया कि पत्रिका का लोकार्पण 26.01.2022 को गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार सिंह द्वारा किया गया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन - दिनांक: 25 दिसम्बर 2021

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा दिनांक 25.12.02021 को अपराह्न 2.30 बजे से राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. हिमांशु पाण्डेय, कुलसचिव उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रो. बी.आर. त्रिपाठी, विजिटिंग प्रोफेसर द्वारा मानक देवनागरी लिपि /हिंदी वर्तनी का मानकीकरण विषय पर तथा डा. रामसुधार सिंह, विजिटिंग प्रोफेसर द्वारा मानक देवनागरी लिपि /हिंदी वर्तनी का मानकीकरण तथा व्याकरणिक भूलें और निराकरण विषय पर विद्वतापूर्ण पूर्ण व्याख्यान दिया गया। उक्त कार्यशाला के प्रश्नोत्तर सत्र में कार्मिकों की शंकाओं का निराकरण भी किया गया। उक्त अवसर पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लेने वाले संस्थान के छात्रों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। कार्यशाला का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव, स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी द्वारा किया गया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन - दिनांक: 31 दिसम्बर 2021

दिसम्बर, 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान गृह मंत्रालय के आदेशानुसार एक दिवसीय कार्यशाला को पूरा करने के लिए दिनांक-25.12.2021 के क्रम में 31.12.2021 अपराह्न 2.30 बजे से डा. हिमांशु पाण्डेय, कुलसचिव की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें श्री प्रमोद सिंह, सहा. कुलसचिव द्वारा पत्र, आदेश, ज्ञापन एवं सूचना आदि की जानकारी दी गई एवं प्रो. श्रद्धानन्द द्वारा प्रयोजनमूलक हिंदी विषय पर विद्वतापूर्ण व्याख्यान दिया गया। संचालन डा. ज्योति सिंह, स्वागत संबोधन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव, रा.भा.स. एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार सिंह द्वारा किया गया।

राजभाषा की पत्रिका बोधिप्रभ का लोकार्पण (26 जनवरी 2022)

माननीय कुलपति महोदय द्वारा दिनांक 26.01.2022 को संस्थान की राजभाषा की गृह पत्रिका बोधिप्रभ के प्रवेशांक का लोकार्पण किया गया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन - दिनांक: 24 फरवरी 2022

मार्च, 2022 तिमाही के दौरान संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में मा. कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डा. हिमांशु पाण्डेय, कुलसचिव की उपस्थिति में निदेशक/राजभाषा, संस्कृति मंत्रालय के द्वारा एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में निदेशक/राजभाषा, संस्कृति मंत्रालय डा. आर. रमेश आर्य ने (1) राजभाषा नीति का कार्यान्वयन एवं वार्षिक कार्यक्रम (2) प्रोत्साहन योजना के संबंध में (3) तिमाही प्रगति रपट भरना तथा उसकी समीक्षा करना और (4) संसदीय राजभाषा समिति से संबंधित निरीक्षण प्रश्नावली को भरना आदि विषयों पर व्यापक चर्चा की एवं प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव, रा.का.स., स्वागत संबोधन डॉ. रामसुधार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार सिंह द्वारा किया गया।

कार्यालयों का निरीक्षण - दिनांक: 25 फरवरी 2022

दिनांक 25.02.2022 को निदेशक/राजभाषा के प्रतिनिधि ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण रपट पर निदेशक/राजभाषा ने संतोष व्यक्त किया तथा संस्थान द्वारा राजभाषा में किये जा रहे कार्यो की सराहना की।

इसके अतिरिक्त निदेशक/राजभाषा ने शिक्षक शिक्षण केंद्र में **विद्यार्थी जीवन में राजभाषा का महत्व** विषय पर व्याख्यान दिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक - दिनांक: 23 मार्च 2022

माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 23.03.2022 को अपराह्न 2.30 बजे से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम वर्ष 2021-22 पर व्यापक चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई एवं माननीय कुलपति महोदय ने पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली राजभाषा की वार्षिक गृह पत्रिका **बोधिप्रभ** के प्रकाशन के सम्बन्ध में चर्चा हुई एवं मा. कुलपति महोदय ने आदेश दिया कि पत्रिका आगामी हिंदी दिवस-2022 तक प्रकाशित की जाय एवं साहित्य, संस्कृति, भाषा,कहानी एवं कविता को समाहित करते हुए विभिन्न रचनाएं आमंत्रित करने संबंधी सूचना जारी की जाय। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अगली तिमाही के दौरान मशीनी अनुवाद पर कार्यशाला की जाय तथा रपट में लक्ष्य से कम कार्य करने वाले अनुभागों के कार्मिकों को अभ्यास कराया जाय। इसके लिए व्यक्तिगत रूप से आदेश दिया जाय। इसके अतिरिक्त यह भी निर्णय लिया गया कि सहा. कुलसचिव- प्रशा. द्वितीय एवं सहा. कुलसचिव, कुलपति कार्यालय को राजभाषा कार्यन्वयन समिति का सदस्य नामित किया जाय। कार्यक्रम का संचालन एवं स्वागत संबोधन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य-सचिव, रा.का.स. एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रामसुधार सिंह द्वारा किया गया।

कुलपति महोदय (अ.प्र.) की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी

1. 21 दिसम्बर 2021 : माननीय कुलपति, साँची बौद्ध-भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची की जनरल बाडी के सदस्य के रूप में माननीय मुख्यमंत्री के कार्यालय बल्लभ भवन भोपाल में आयोजित चौथी जनरल बॉडी की बैठक में सम्मिलित हुए।

2. 15-16 फरवरी 2022 : संस्कृत साहित्य रोमन साधना रथ के आमंत्रण पर माननीय कुलपति ने मुजफ्फरपुर का भ्रमण कर धम्म पर परिचर्चा की।
3. 19 फरवरी 2022 : माननीय कुलपति ने माननीय सचिव महोदय के साथ भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।
4. 22 मार्च 2022 : पुरातत्त्व भवन नई दिल्ली में आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) की 60वीं बैठक में भाग लिया।

कुलसचिव (अ.प्र.) तथा उप कुलसचिव की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. हिमांशु पाण्डेय

प्रकाशन

1. Autoinducer N-(3-oxododecanoyl)-l-होमोसरीन लैक्टोन रक्त प्लेटलेट्स में कैल्शियम और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन स्पेसिन-मोडिस्टेड माइटोकॉन्ड्रियल क्षति और एपोप्टोसिस को प्रेरित करता है।
   माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस 154, 104792, 2021.
2. फार्मास्युटिकल-प्रदूषित अपशिष्ट जल उपचार पर फोटोकैटलिस्ट और डोपेंट का सहक्रियात्मक प्रभाव : एक समीक्षा।
   पर्यावरण प्रदूषक और जैव उपलब्धता 33 (1), 347–364, 2021.
3. समय और एकाग्रता निर्भर; ZnO का उपयोग करते हुए प्रमुख एंटीबायोटिक कंसोर्टियम का यूवी प्रकाश-मध्यस्थ फोटोकैटलिटिक गिरावट।
   ब्राजीलियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स 52 (5), 1-9, 2022.
4. फंगल इंफेक्शन रोगों के नियंत्रित और प्रभावशाली प्रबंधन के लिए बायोकंपैटिबल एंटीडर्माटोफाइटिक स्कैफोल्ड्स (टीएफजी-एनएफ)।
   एक्टा साइंटिफिक फार्मास्युटिकल साइंसेज 5 (7), 1-12, 2021.
5. माइकोनाजोल नाइट्रेट-लोडेड सॉलिड लिपिड नैनोपार्टिकल-बेस्ड हाइड्रोजेल एमिलियोरेट कैंडिडा एल्बीकैंस इंड्यूस्ड मायकोसेस इन एक्सपेरिमेंटल एनिमल्स।
   बायोनैनोसाइंस, 12:512–526, 2022.
6. बॉक्स-बेह्नकेन डिजाइन द्वारा गर्म हाई प्रेशर होमो जेनाइज़र और अनुकूलन द्वारा ठोस लिपिड नैनोकणों का निर्माण: एक त्वरित स्थिरता एवं मूल्यांकन।
   जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्युटिकल साइंस 11 (09), 035-047, 2021.
7. हाइपोलिपिडेमिक [6] का प्रभाव - उच्च वसा वाले आहार से प्रेरित चूहों में जिंजरॉल-लोडेड यूड्रागिट पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स और गैस्ट्रिक-रिटेंशन टाइम का गामा स्किंटिग्राफी मूल्यांकन।
   जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्युटिकल साइंस 12 (6), 156-163, 2022.

निरीक्षण/समीक्षा, बैठकें :

1. 11 अक्टूबर, 2021 : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी के प्राणी विज्ञान विभाग के पशु गृह सुविधा का निरीक्षण किया।
2. भारतीय फार्मेसी परिषद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के रिक्वायरमेंट के अनुसार फार्मेसी कॉलेजों का निरीक्षण।

3. भारत सरकार के सीपीसीएसईए की समीक्षा बैठकों का आयोजन किया।

आमंत्रित व्याख्यान

1. 10-12 मार्च, 2022 : मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), प्रयागराज में "जैव प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, प्रयागराज में "नैनो टेक्नोलॉजी प्रीक्लिनिकल एप्लिकेशन की भूमिका" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

भारत सरकार द्वारा नामांकन

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीपीसीएसईए नामिनी के रूप में नामित।

पीएचडी पर्यवेक्षक / सह पर्यवेक्षक

1. सुश्री मीनाक्षी गुप्ता:
   शोधशीर्षक- जैविक अनुप्रयोगों के लिए नैनोइंजीनियर सामग्री का विकास और लक्षण"।
2. सुश्री अनिंदिता बिस्वास:
   शोधशीर्षक- मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरियल इन्फेक्शन के उपचार के लिए जेंटामाइसिन लोडेड ग्रैफेम नैनो-ऑइंटमेंट का निर्माण और विकास।

परियोजना

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली ने "प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रबंधन के लिए एंटी-वीईजीएफ दवाओं के गैर-इनवेसिव इंट्राओकुलर डिलीवरी के लिए नैनोपार्टिकुलेट ऑप्थेल्मिक सिस्टम के डिजाइन और विकास" पर शोध अनुदान प्रायोजित किया है, जो अभी जारी है।

अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारी

प्रशासनिक दायित्व, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रजिस्ट्रार (अ.प्र.), के.उ.ति.शि.सं. की प्रशासनिक जिम्मेदारी।

अन्य गतिविधियां

1. 17 सितंबर 2021 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता की।
3. 13 नवंबर 2021 : अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
2. 31 दिसंबर 2021 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यशाला की अध्यक्षता की।
4. केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, वाराणसी से प्रकाशित पत्रिका 'बोधिप्रभ' के संपादक के रूप में कार्य किया।
5. विभिन्न चयन समितियों के सदस्य के रूप में सेवा की।

सहायक कुलसचिव (प्रशासन-द्वितीय) की शैक्षणिक गतिविधियाँ

श्री प्रमोद कुमार सिंह

1. जुलाई 2021 : नव नालंदा महाविहार, मान्य विश्वविद्यालय, नालंदा, बिहार में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (CAS) के लिए स्क्रीनिंग-कम-मूल्यांकन समिति में सम्मिलित होकर सदस्य के रूप में काम किया।

2. 24-25 सितंबर 2021 : नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार के कर्मचारियों को वेब-आधारित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया, ताकि भारत सरकार की सभी योजनाओं के तहत जारी एवं कार्यक्रम कार्यान्वियन के सभी स्तरों पर व्यय की समयोचित रिपोर्टिंग और निधियों पर नज़र रखने के उद्देश्य को पूरा किया जा सके।
3. अक्टूबर 2021 : सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, लेह, यूटी ऑफ लद्दाख में आरक्षण नीति के तहत शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों के लिए रोस्टर तैयार करने में विशेषज्ञ-मत देने के लिए रोस्टर निर्मिति समिति में सदस्य के रूप में दायित्व का निर्वाह किया।
4. 4-5 मार्च 2022 : गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में विभिन्न शैक्षणिक पदों के लिए आरक्षण रोस्टर को अंतिम रूप देने में विशेषज्ञमत प्रदान करने के लिए रोस्टर और प्री-स्क्रीनिंग कमेटी में सदस्य के रूप में कार्य किया।

आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

1. डीवीवी का स्पष्टीकरण सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया।
2. नैक सहकर्मी दल दौरे के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए के.उ.ति.शि.सं., संस्कृत विश्वविद्यालय के क्षेत्र में एकमात्र तिब्बती विश्वविद्यालय बन गया।
3. डॉ. अनिर्बाण दाश ने आईक्यूएसी के समन्वयक का दायित्व निर्वाह किया।
4. सुधार के स्थलों का पता लगाने के लिए आईक्यूएसी द्वारा परिसर का एक व्यापक दौरा किया गया।
5. परिसर की सुविधाओं को नवीनीकृत करने के लिए आईक्यूएसी द्वारा एक व्यापक कार्य योजना प्रस्तुत की गई।
6. नैक सहकर्मी दल दौरे के लिए व्यापक तैयारी की गई।

सूचना का अधिकार कार्रवाई

केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, वाराणसी आरटीआई-अधिनियम 2005 के स्वरूप पर जनता को सूचना प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान ने नागरिकों को सक्षम बनाने के लिए सूचना के अधिकार के व्यावहारिक व्यवस्था को स्थापित करने के लिए सभी अभीष्ट प्रावधान किए हैं। संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के नियंत्रण में जानकारी तक पहुंच। अक्टूबर, 2022 में संस्थान के सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के तहत किये गये ऑडिट की पारदर्शिता को प्रकट किया गया। आरटीआई अधिकारियों का विवरण नीचे दिया गया है।

नोडल अधिकारी

क्र.सं.	लोक प्राधिकरण का नाम	नाम और पदनाम	दूरभाष सं./मोबाइल सं./फैक्स सं.	ईमेल पता	पत्राचार के लिए पूरा पता
1.	राजेश कुमार मिश्रा	प्रलेखन अधिकारी	0542-2586515 7080276699	slibcd@cihts.ac.in slibcd@gmail.com	शांतरक्षित पुस्तकालय, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी-221007

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)

क्र.सं.	लोक प्राधिकरण का नाम	नाम और पदनाम	दूरभाष सं./मोबाइल सं./फैक्स सं.	ईमेल पता	पत्राचार के लिए पूरा पता
1.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय	उप कुलसचिव और प्रथम अपीलीय अधिकारी (एफएए)	0542-2586515 7080276699	droffice@cihts.ac.in drcuts24@gmail.com	उप कुलसचिव केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी-221007
2.	सुनिल कुमार	सहायक कुलसचिव और केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी	0542-2585242 7007270180	cpio@cihts.ac.in piocihts@gmail.com	कुलपति कार्यालय, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी-221007

प्राप्त आरटीआई आवेदनों का विवरण इस प्रकार है-

1. प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या - 28
2. निस्तारित आरटीआई आवेदनों की संख्या - 28
3. अस्वीकृत उत्तर - 00

V. छात्रों की गतिविधियाँ

1. छात्र कल्याण संघ (एस. डब्ल्यू. ए.)

संस्थान के विद्यार्थियों के सामुदायिक कार्य संस्थान के नियमानुसार छात्र-कल्याण परिषद (एस. डब्ल्यू. ए.) द्वारा संचालित किए जाते हैं। इस परिषद की स्थापना 1972 में हुई थी। इसके द्वारा छात्रों के सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों में जागरूकता तथा इस दिशा में कार्य करने के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकतांत्रिक ढंग से किया जाता है। वर्तमान 50वीं छात्र-कल्याण परिषद के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	थुबतेन ग्याछो	अध्यक्ष	आचार्य द्वितीय
2.	लोबसंग तेन्जिन	उपाध्यक्ष	आचार्य द्वितीय
3.	जिगमेद छोरोल	सचिव	आचार्य प्रथम
4.	दिनेश कुमार	कोषाध्यक्ष	आचार्य प्रथम
5.	रिगजिन वाङमो	सहायक कोषाध्यक्ष	आचार्य प्रथम
6.	फुरपा ज्ञल गुरुङ्ग	शिक्षा सचिव	आचार्य प्रथम
7.	तेन्जिन लोडो	खेल प्रभारी	बी.ए.बी.एड. चतुर्थ
8.	टाशी दोर्जे	चिकित्सा प्रभारी	बी.एस.आर.एम.एस. पंचम
9.	नवाङ्ग नोरज़ोम	संस्कृति सचिव	आचार्य प्रथम
10.	तेन्जिन ज्ञाछो	पी. आर. आई.	शास्त्री तृतीय

परिषद् के उद्देश्य

- विद्यार्थियों के कल्याण तथा ज्ञानवर्धन के निमित्त संसाधनों का प्रबंध करना।
- अतिरिक्त कक्षाओं, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, शिविरों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिरुचि एवं स्वस्थ शैक्षणिक परिस्थिति पैदा करना।
- विख्यात भारतीय एवं विदेशी विद्वानों को निमंत्रित कर वाक्यांश संपन्न कराना।
- विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- यक्ष्मा एवं अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित विद्यार्थियों को चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता की व्यवस्था कराना।
- छात्रों को इंटरनेट में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं टेक्नोलॉजी आदि विषयों के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार कराना।
- संस्थान के शैक्षणिक एवं पर्यावरण के विकास के लिए छात्रों के सुझावों का संकलन कराना।

गतिविधियाँ-

शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के दौरान एस.डब्ल्यू.ए. द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गई-

शैक्षणिक

1. 25 अप्रैल 2021 - परम श्रद्धेय पनछेन लामा जी के जन्मदिवस पर चित्रकला, सुलेख, अचिन्तित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. 14 जुलाई 2021 : छात्रों और कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने कमरे और हॉल में का-ग्यूर तेन-ग्यूर शास्त्रों का पाठ किया गया।
3. 13 सितंबर 2021 - स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को बधाई देने के लिए वार्षिक विदाई सभा का आयोजन किया गया।
4. 16 और 17 सितम्बर 2021 - प्रोफेसर जम्पा समतेन द्वारा तिब्बती इतिहास पर दो दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया।
5. 17 सितम्बर 2021 - एक महीना अंग्रेजी, हिन्दी तथा तिब्बती टाईपिंग कक्षाएं आयोजित किया।

6. 1 नवम्बर 2021 - 30 छात्रों को इनडिजाइन-पुस्तकों को बनाने के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया।
7. 5 नवम्बर 2021 - परम श्रद्धेय समदोङ् रिन्पोछे जी के जन्मदिवस पर इंटर क्लास बधाई तथा प्राप्ति की सूचना देने के लिए वीडियो संपादन किया।
8. छात्रों को महामारी के दौरान जून माह में वाद्ययंत्र कक्षाएं भी आयोजित की गयीं।
9. वर्ष 2021 के लॉकडाउन के दौरान छात्रों के लिए स्नैक्स और दैनिक आवश्यकताओं का स्टॉक करने वाली मिनी-शॉप की व्यवस्था की गई।

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

1. 4-6 जुलाई 2021 - परम पावन दलाई लामा जी के जन्मदिवस पर छात्र-छात्राओं की बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
2. 12-17 अक्टूबर दशहरा छुट्टी पर छात्र-छात्राओं ने बास्केटबॉल टूर्नामेंट आयोजन किया।
3. 25 अक्टूबर - 5 नवम्बर तक दीवाली छुट्टियों में फुटबाल और बेटमेटन का टूर्नामेंट आयोजित किया।
4. 17-25 नवम्बर - सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह के उपलक्ष्य में छात्र-छात्रों का बास्केटबॉल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वास्थ्य

1. कोविड 19 की दूसरी लहर के दौरान छात्रों को समय-समय पर दवाइयां, माक्स तथा स्वास्थ्य की जांच की।
2. प्रशासन और संस्थान के पूर्व छात्रों की मदद से इस संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों को उचित चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई जो महामारी के दौरान प्रभावित हुए थे, उनकी प्रतिरक्षा।
3. सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए तिब्बती हर्बल दवाओं के साथ-साथ मास्क, सैनिटाइजर, पानी बॉयलर स्टीमर, दवाओं जैसी चिकित्सा और व्यक्तिगत आवश्यकताएं प्रदान की गई। महामारी के चरम के दौरान स्वयंसेवी छात्र सदस्यों द्वारा छात्रों के बीच गंभीर मामलों को तुरंत अस्पतालों में ले जाया गया।
4. तीन नर्सों की मदद से सभी छात्रों और कर्मचारियों का साप्ताहिक चेकअप किया गया।
5. श्री तेनजिन शेनफेन के नेतृत्व में छात्रों के लिए जून के महीने में दस दिवसीय योग पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

COVID महामारी अवधि 2021 के दौरान टीकाकरण और चिकित्सा आपूर्ति।

बास्केटबॉल और फ़ुटबॉल टूर्नामेंट 2021

फ्रेशर्स अभियान और वसंत अभियान 2021-2022

निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं 2021 की विदाई सभा

2. भोजन प्रबन्ध समिति (छात्र-संगठन)

छात्र भोजन प्रबन्ध समिति द्वारा सभी छात्रों का भोजन प्रबंध किया जाता है। इस समिति में कुल 10 सदस्य हैं, जो भिन्न-भिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में कार्यरत समिति 39वीं है। इस समिति का मुख्य लक्ष्य छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना, समस्त छात्रवास के निर्धारित नियमों तथा स्वच्छता की देख-रेख करना है। वर्तमान छात्र भोजन प्रबन्ध समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	दोरजी कलसङ	कोषाध्यक्ष	आचार्य द्वितीय वर्ष
2.	येशे छेवाङ लामा	सहायक-कोषाध्यक्ष	बी.एस.आर.एम.एस. 5
3.	सिछोय छिरीङ	सचिव	बी.एस.आर.एम.एस. 5
4.	सोनम नोरबू	सहायक सचिव	शास्त्री तृतीय वर्ष
5.	डोका छिरीङ	सदस्य	आचार्य द्वितीय वर्ष
6.	सङगे पावो	सदस्य	आचार्य द्वितीय वर्ष
7.	तेनजिन छीमे	सदस्य	बी.ए.बी.ऐट 1
8.	छिरिङ यूटोन	सदस्य	बी.एस.आर .एम.एस. 4
9.	दोरजी छोमो	सदस्य	आचार्य द्वितीय वर्ष
10.	दावा डागपा	सदस्य	बी.ए.बी. ऐट 4

भोजन प्रबन्ध समिति के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- छात्रावासों में रहने वाले सभी छात्रों के लिए पौष्टिक और स्वस्थ भोजन की व्यवस्था करना।
- छात्रावास और उसके परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करना।
- सभी छात्रों के लिए संस्थान के उचित नियमों और आचरणों को विनियमित करना।
- सभी छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रावास के कमरे आवंटित करना।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक तिब्बती नववर्ष का आयोजन करना।

3. रिग्-लब छात्र पत्रिका का प्रकाशन एवं कार्यशाला का आयोजन

प्रयोजन– रिगलब संघ के छात्र-छात्राओं द्वारा लिखित पत्रिका का प्रकाशन और उनके लिए कार्यशाला का आयोजन। वर्नई-रिगलब स्वतंत्र छात्रों की एक संपादकीय समिति है। विद्यार्थियों के शैक्षणिक कौशल का विकास और तिब्बती संस्कृति तथा भाषा का संरक्षण करना आदि इसका प्रमुख उद्देश्य है। यह संघ हर साल कार्यशाला, निबंध प्रतियोगिता और वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन आदि का आयोजन करता है। इस संघ के पदाधिकारी निम्न हैं-

गतिविधियाँ-

1. 6 जुलाई 2021 - परम पावन दलाई लामा जी के 86वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
2. 26 अक्टूबर 2021 - महामहिम प्रो. समदोङ् रिनपोछे के 82वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विभिन्न विषयों पर निबंध और कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

3. 2 नवंबर 2021 - लेखन को समृद्ध करने और लेखन के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक सप्ताह तिब्बती साहित्य के शिक्षक बेरी जिग्मे वांग्याल द्वारा तिब्बती कविता और गद्य लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. 11 दिसंबर 2021 - रिग्लैब एडिटोरियल बोर्ड द्वारा इंटरक्लास तिब्बती कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

वर्नई-रिगलब के सक्रिय सदस्यों को (वी.आर.) के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दो वर्षों हेतु चुना गया है। वर्नई-रिगलब संपादकीय बोर्ड के वर्तमान सदस्य निम्नलिखित हैं-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	फुरपा ग्याल गुरूङ	संपादक	आचार्य प्रथम वर्ष
2.	नवाङ देछेन	सहायक संपादक	आचार्य प्रथम वर्ष
3.	यिदम छिरिङ	सचिव	शास्त्री तृतीया वर्ष
4.	तमढीङ डोलमा	कोषाध्यक्ष	शास्त्री द्वितीया वर्ष
5.	सोनम छोकी	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री प्रथम वर्ष
6.	तेनजिन ल्होनडुप	सदस्य	शास्त्री तृतीया वर्ष
7.	फुरपा दोरजी गुरुङ	सदस्य	आचार्य प्रथम वर्ष

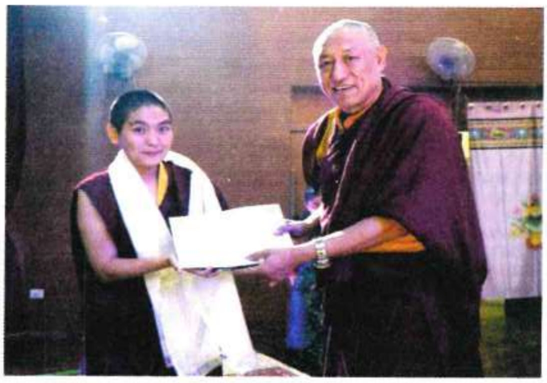

11 दिसंबर, 2021 को इंटरक्लास कविता पाठ प्रतियोगिता के दौरान।

4. नाट्य-कला छात्र संगठन

संस्थान में नाट्य-कला छात्र संगठन की स्थापना सन् 2004 में की गई थी। इसके मुख्य उद्देश्यों का विवरण इस प्रकार है-

(1) तिब्बती सांस्कृतिक और पारम्परिक गीत एवं नृत्य के संरक्षण के लिए नृत्य एवं गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

(2) हिमालयी क्षेत्रों के धर्म, संस्कृति एवं परम्परा के संरक्षण के लिए आयोजन करना।

(3) छात्रों को प्रतिभा-प्रदर्शन का अवसर प्रदान करना।

(4) विशिष्ट तिब्बती संस्कृति के विकास के लिए छात्रों को जागरूक करना।

(5) विभिन्न पवित्र उत्सवों के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना, जैसे नववर्ष एवं दलाई लामा का जन्मदिवस आदि।

(6) नवीन पीढ़ी को तिब्बती संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना। इस संगठन के 9वीं समिति पदाधिकारी निम्नलिखित हैं-

क.सं.	नाम	पद	कक्षा
1.	नमग्याल खाण्डू	अध्यक्ष	शास्त्री प्रथम वर्ष
2.	तेनजिन नोरसङ गुरूङ	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
3.	बेर बुरूलो	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
4.	छिरिङ छोमो	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
5.	तेनजिन पेमा	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष

5. समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ

समाजसेवा के लिए स्वैच्छिक समुदाय (वी.सी.एस.एस.) की स्थापना प्रो. लोबसंग नोरबू शास्त्री ने 1986 में पूर्व कुलपति, प्रो. समदोंग रिनपोछे के मार्गदर्शन और समर्थन में की थी। यह एक विशेष कार्यक्रम है जो बड़े स्तर पर सामाजिक परिवेश की सेवा के लिए है। क्षुद्र भौतिकवादी झुकाव से परे।

समुदाय में एक सलाहकार, एसोसिएट प्रोफेसर, लोबसंग दोर्जे रबलिंग और चार सदस्य समुदाय के सदस्यों के बीच मतदान के माध्यम से चुने जाते हैं। हालांकि, कोविड-19 के प्रसार के कारण हम नए सदस्यों के लिए मतदान करने में असमर्थ थे। इसलिए, पुराने सदस्यों ने अपना कार्यकाल एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया। चार सदस्य इस प्रकार हैं:-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	डोमा छिरिङ ठाकुरी	अध्यक्ष	शास्त्री तृतीय वर्ष
2.	नवाङ ग्याछो	सचिव	शास्त्री तृतीय वर्ष
3.	छिरिङ टाशी	कोषाध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय वर्ष
4.	जम्पा सङगे	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री तृतीय वर्ष

आस-पास के जरूरतमंद लोगों को कपड़े बांटना, 2021

रविवार की सुबह संस्थान परिसर की सफाई करते हुए

6. जानवरों के लिए वर्न स्वैच्छिक समिति

यह समिति 2018 में सस्थानीय स्वर्ण जयंती के दौरान भूतपूर्व छात्र रीनछेन लहनजे के मार्गदर्शन में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र अङ् दोरजे शेर्पा और उनके कुछ मित्रों द्वारा स्थापित की गयी है।

इस समिति के गठन का मुख्य उपदेश, घायल जानवरों को चिकित्सा इलाज देना है। जैसे आवारा कुत्ता एवं अन्य जानवर जो पालतू नहीं है। यह समिति जानवरों के हित के लिए कार्यरत है। वर्तमान में इसके सलाहकार गेशे नवाङ् तेनफेल जी हैं।

समिति के सदस्यः-

क.सं.	नाम	पद	कक्षा
1.	जङछुप छ़ोमो	अध्यक्ष	शास्त्री प्रथम वर्ष
2.	पेमा टाशी	सदस्य	बी.ए.बी.ऐट 2
3.	तेनजिन छोइयिङ	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
4.	छेरिङ वङछु	सदस्य	बी.ए.बी.ऐट 2

परिशिष्ट-1

संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें मानद उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची

विशेष दीक्षान्त समारोह	परम पावन दलाई लामा	14-01-1990	वाचस्पति
पहला	1. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव	19-02-1990	वाक्पति
	2. भिक्षु लोबुगामा लंकनन्दा महाथेरो, श्रीलंका	19-02-1990	वाक्पति
	3. भिक्षु खेनपो लामा गादेन, मंगोलिया	19-02-1990	वाक्पति
दूसरा	1. डॉ. राजा रमन्ना	15-07-1991	वाक्पति
	2. प्रो. जी.एम. बोनगार्ड लेविन, रूस	15-07-1991	वाक्पति
तीसरा	1. डॉ. जी. राम रेड्डी, चेयरमैन, यू.जी.सी.	08-04-1993	वाक्पति
	2. आचार्य तुलसी महाराज	08-04-1993	वाक्पति
चौथा	1. एच.एच. सक्या ठ्रिजिन रिनपोछे	16-04-1994	वाक्पति
पाँचवाँ	1. डॉ. एस.डी. शर्मा, राष्ट्रपति, भारत सरकार	21-08-1996	वाक्पति
	2. प्रो.के. सच्चिदानन्द मूर्ति	21-08-1996	वाक्पति
	3. प्रो. रल्फ बूल्टी जीन, श्रीलंका	21-08-1996	वाक्पति
छठाँ	1. डॉ. ए.आर. किदवई, राज्यपाल, बिहार	5-01-1998	वाक्पति
	2. प्रो. जी.सी. पाण्डेय	5-01-1998	वाक्पति
सातवाँ	1. डॉ. कर्ण सिंह	27-12-1998	वाक्पति
	2. डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन	27-12-1998	वाक्पति
आठवाँ	1. प्रो. रामशरण शर्मा	31-10-1999	वाक्पति
	2. प्रो. रवीन्द्र कुमार	31-10-1999	वाक्पति
नवाँ	1. प्रो. डी.पी. चट्टोपाध्याय	25-12-2000	वाक्पति
	2. आचार्य एस.एन. गोयनका	25-12-2000	वाक्पति
दसवाँ	1. प्रो. विष्णुकान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश	29-12-2001	वाक्पति
	2. प्रो. वी.आर. अनन्तमूर्ति	29-12-2001	वाक्पति
	3. गादेन ठ्रि रिनपोछे लोब्संग ञीमा	29-12-2001	वाक्पति
	4. डॉ. किरीट जोशी	29-12-2001	वाक्पति

ग्यारहवाँ	1. प्रो. मुरली मनोहर जोशी,		
	मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार	09-03-2003	वाक्पति
	2. प्रो. डेविड सेफॉर्ड रूइग, इंग्लैण्ड	09-03-2003	वाक्पति
बारहवाँ	1. श्री बलराम नन्दा	18-02-2005	वाक्पति
	2. श्री जे.एस. वर्मा, न्यायाधीश	18-02-2005	वाक्पति
तेरहवाँ	1. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम		
	पूर्व राष्ट्रपति, भारत सरकार	06-03-2008	वाक्पति
	2. प्रो. सुलक शिवरक्श	06-03-2008	वाक्पति
चौदहवाँ	1. श्रीमती मीरा कुमार		
	अध्यक्ष, लोकसभा	17-03-2012	वाक्पति
	2. प्रो. रोबर्ट थरमन	17-03-2012	वाक्पति
	3. प्रो. लोकेश चन्द्र	17-03-2012	वाक्पति
पन्द्रहवाँ	1. आचार्य भिक्षु तिक-न्यात-हन्ह, वियतनाम	25.10.2018	वाक्पति
	2. विद्याश्रीशतीर्थस्वामी महाराज (डी. प्रह्लादाचार्य)	25.10.2018	वाक्पति
	3. श्रीमती जेचुन पेमा	25.10.2018	वाक्पति

परिशिष्ट-2

सोसायटी के सदस्य (दिनांक 31-3-2022)

क्रमांक	नाम	पद
1	सचिव संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2	कुलपति के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल कुलपति महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र - 442001	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा (बिहार)	सदस्य
6	प्रो. भाइचुंग छिरिंग भूटिया एसोसिएट प्रोफेसर सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम	सदस्य
7	प्रो. लल्लन प्रसाद सिंह 142, महाराजा अपार्टमेंट, द्वारका, नई दिल्ली	सदस्य
8	डॉ. नमिता निम्बालकर एसोसिएट प्रोफेसर दर्शन विभाग, मुंबई विद्यापीठ (विश्वविद्यालय), मुंबई	सदस्य
9	श्री मृत्युञ्जय बेहेरा आर्थिक सलाहकार ,शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
10	गेशे ल्हकदर निदेशक, लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य

11	गेशे दोर्जे दमडुल निदेशक, तिब्बत हाउस, 1, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
12	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
13	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
14	डॉ. अनिर्बान दास एसोसिएट प्रोफेसर केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
15	डॉ. ल्हक्पा छेरिंग असिस्टेंट प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
16	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-3

प्रबन्ध परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2022)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	गेशे ल्हकदर निदेशक, लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
5	वित्तीय सलाहकार / प्रतिनिधि संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
6	प्रो. राणा पुरुषोत्तम कुमार सिंह प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
7	प्रो. राजीव कुमार सिन्हा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार	सदस्य
8	प्रो. अमरजीव लोचन एसोसिएट प्रोफेसर शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
9	प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी अध्यक्ष, शब्द विद्या संकाय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
10	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
11	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-4

विद्वत् परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-03-2022)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. गेशे एन. समतेन कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	अध्यक्ष
2.	गेशे दोर्जे दमडुल निदेशक, तिब्बत हाउस नई दिल्ली-110003।	सदस्य
3.	प्रो. लल्लन मिश्रा प्रोफेसर इमेरिटस बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
4.	प्रो. मुकुलराज मेहता डिपार्टमेन्ट ऑफ फिलॉसफी एण्ड रिलीजन, बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
5.	प्रो. अजय प्रताप सिंह फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेस, बी.एच.यू., वाराणसी-221005।	सदस्य
6.	प्रो. लालजी श्रावक डिपार्टमेन्ट ऑफ पालि एण्ड बुद्धिस्ट स्टडीज बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
7.	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी डिपार्टमेन्ट ऑफ काय चिकित्सा बी.एच.यू., वाराणसी।	सदस्य
8.	प्रो. लोब्संग तेन्जिन केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
9.	प्रो. डब्ल्यू. डी. नेगी संकायाध्यक्ष, हेतु एवं अध्यात्म विद्या, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

10.	प्रो. यू.सी. सिंह संकायाध्यक्ष, आधुनिक विद्या केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
11.	प्रो. डी.डी. चतुर्वेदी संकायाध्यक्ष, शब्दविद्या, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
12.	प्रो. टशी छेरिंग (एस) अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
13.	प्रो. जम्पा समतेन केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
14.	भिक्षु जी.एल.एल. वाङ्छुक केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
15.	डॉ. टाशी दावा अध्यक्ष, सोवा रिग्पा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
16.	भिक्षु ल्हक्पा छेरिंग अध्यक्ष, तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
17.	डॉ. जम्पा छोफेल अध्यक्ष, भोट ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
18.	श्री जिग्मे केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

19.	भिक्षु तेन्जिन नोर्बू अध्यक्ष, मूलशास्त्र विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
20.	डॉ. आर.सी. नेगी एसोसिएट प्रोफेसर, कर्ग्युद सम्प्रदाय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
21.	भिक्षु जी.टी. छोगदन अध्यक्ष, बोन सम्प्रदाय विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
22.	डॉ. उर्ग्येन एसिस्टेंट प्रोफेसर, तिब्बती इतिहास, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
23.	डॉ. टशी छेरिङ् (जे) एसोसिएट प्रोफेसर, भोट ज्योतिष, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
24.	डॉ. दोर्जे दमडुल सोवा-रिग्पा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
25.	डॉ. महेश शर्मा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
26.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय कुलसचिव (अ.प्र.) केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-5

वित्त समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2022)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	निदेशक (एकीकृत वित्त प्रभाग) संस्कृति मंत्रालय (आई.एफ.डी.) भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	प्रतिनिधि (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	डॉ. एस. पी. माथुर संयुक्त कुलसचिव बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
5	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-6

योजना एवं प्रबोधक परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2022)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	वित्तीय सलाहकार संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. लोब्जंग तेन्जिन सोवा रिग्पा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
6	प्रो. भुवन चन्देल सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सिविलाइज़ेशन डी.डी.-16, कालकाजी (नेहरू एनक्लेव के समीप नई दिल्ली - 110019	सदस्य

परिशिष्ट-7

प्रकाशन समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2022)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. गेशे एन. समतेन कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	अध्यक्ष
2.	कुलसचिव, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
3.	प्रो. लोसंग तेनज़िन केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
4.	प्रो. प्रद्युम्न दुबे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
5.	प्रो. पी. पी. गोखले केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
6.	प्रो. आर. के. द्विवेदी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
7.	ग्रन्थालयाध्यक्ष शान्तरक्षित ग्रन्थालय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
8.	सम्पादक पुनरुद्धार विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य

9.	सम्पादक अनुवाद विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य
10.	श्री सङ्ग्ये तेन्दर अध्यक्ष, तिब्बती प्रकाशन, लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला (हि.प्र.)।	सदस्य
11.	प्रकाशन प्रभारी केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।	सदस्य-सचिव

Contents

Chapters	Page Nos.
1. A Brief Profile of the Institute	3
2. Faculties and Academic Departments	10
3. Research Departments	55
4. Shantarakshita Library	81
5. Administration	93
6. Activities	105

Appendices	
1. List of Convocations Held and Honoris Causa Degrees Conferred on Eminent Persons by CIHTS	141
2. List of Members of the CIHTS Society	143
3. List of Members of the Board of Governors	145
4. List of Members of the Academic Council	147
5. List of Members of the Finance Committee	150
6. List of Members of the Planning and Monitoring Board	151
7. List of Members of the Publication Committee	152

Editorial Committee

Chairman:
Prof. Dharma Dutt Chaturvedi
Professor,
Dean, Faculty of Shabdavidya,
Head, Department of Classical and
Modern Languages

Members:
Dr. Lhakpa Tsering
Assistant Professor, Tibetan,
Dept. of Tibetan Language

Dr. Anurag Tripathi
Assistant Professor, Hindi,
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Jyoti Singh
Assistant Professor, Hindi,
Dept. of Classical & Modern Languages

Dr. Jasmeet Gill
Guest Faculty, English,
Dept. of Classical & Modern Languages

Ms. P. Sushmita Vatsyayan
Guest Faculty, English,
Dept. of C.T.E.

Shri Lobsang Wangdu
Professional Assistant,
Shantarakshita Library

Member Secretary:
Shri M.L. Singh
Sr. Assistant,
(Admn. Section-I)

1. A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE

The **Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS)** at Sarnath is one of its kind in the country. The Institute was established in 1967. The idea of the Institute was mooted in course of a dialogue between Pandit Jawaharlal Nehru, the first Prime Minister of India and His Holiness the Dalai Lama with a view to educating the young Tibetan in exile and those from the Himalayan regions of India, who have religion, culture and language in common with Tibet.

In the beginning, Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) began functioning as a constituent wing of the Sampurnananda Sanskrit University, and eventually emerged as an autonomous body in 1977 under the Department of Culture of Ministry of Education, Government of India. The Institute's unique mode of functioning was duly recognized, and on the recommendation of the University Grants Commission, the Government of India bestowed upon it the status of a **'Deemed University', under Section 3 of the UGC Act 1956 on the 5th of April, 1988**. Ven. Prof. Samdhong Rinpoche was the first Director of the Institute, who continued his office till 2000. Presently, the Hon'ble Culture Minister, Government of India, Ministry of Culture, is the Chancellor of the Institute. Professor Geshe Ngawang Samten is the present Vice-Chancellor. Under his able leadership and with the support of the learned faculty-members, the Institute is on its march towards achieving further excellence in the fields of Tibetology, Buddhology and Himalayan Studies.

Besides the regular academic projects, the Institute is furthering various research programmes by in-house scholars, and visiting fellows from other academic institutions of India and abroad. CIHTS provides a large platform for interaction between the Buddhist and other philosophical schools of India, and also between the Buddhist and the Western philosophers and scientists. In recognition of this, the Institute has been collaborating with and conducting exchange programmes with many academic institutions as well as organizations around the world.

Projects Envisioned

The Institute has envisaged projects jointly by eminent scholars under the guidance of His Holiness the Dalai Lama and the Government of India, to cover the following objectives for over four decades:

- To preserve Tibetan culture and tradition,
- To restore ancient Indian science and literature preserved in the Tibetan language, but lost in originals,

- To offer an alternative educational facility to students from the Tibetan diaspora and the Indian Himalayan border areas those who formerly used to avail themselves of the opportunity of receiving higher education in Tibet,
- To impart education in traditional subjects within the framework of a modern Institute system with provision for award of degrees in Tibetan studies and
- To impart education on modern disciplines along with Buddhism and Tibetan studies for the inculcation of moral values with a view to developing an integrated personality.

The academic and research projects of the Institute are carried out through the following Faculties and Departments:

(1) ACADEMICS

A. Faculty of Hetu and Adhyatma Vidya

I. Department of Moolshastra

II. Department of Sampradaya Shastra

III. Department of Bon Sampradaya Shastra

B. Faculty of Shabda Vidya

I. Department of Sanskrit

II. Department of Tibetan Language and Literature

III. Department of Classical and Modern Languages

IV. Department of Education

C. Faculty of Adhunika Vidya

I. Department of Social Sciences

D. Faculty of Shilpa Vidya

I. Department of Tibetan Traditional Painting

II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

E. Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish Vidya

I. Department of Sowa Rigpa

II. Department of Bhot Jyotish Vidya

(2) RESEARCH DEPARTMENTS

A. Restoration Department

B. Translation Department

C. Rare Buddhist Texts Research Department

D. Dictionary Department

E. Centre for Tibetan Literature

(3) SHANTARAKSHITA LIBRARY

A. Acquisition and Technical Section

B. Periodical and Reference Section

C. Tibetan Section

D. Circulation

E. Stack Section

F. Multimedia Section

G. Computer Section

H. Maintenance Section

(4) ADMINISTRATION

A. Administration Section I

B. Administration Section II

C. Examination Wing

D. Maintenance Wing

E. Accounts Wing

F. Publication Wing

The academic and research activities detailed above are illustrated in the organisational chart given below:

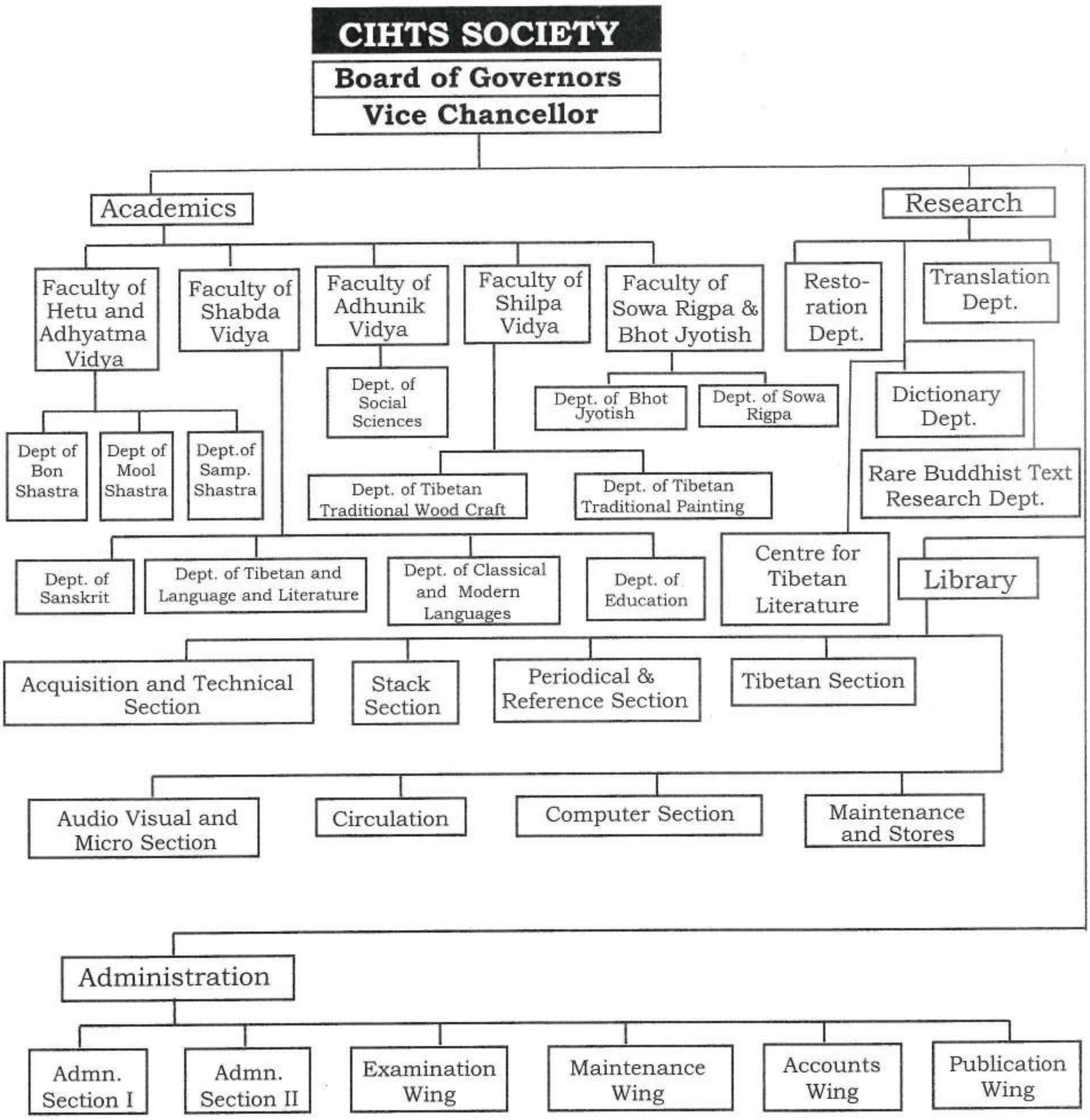

Teaching : Enrolment and Examination 2021-22

The Institute enrolls students for various courses of studies and holds examinations. The results of various courses for the year 2021-22 are shown in the following table.

Ist Semester (July 2021 to December 2021)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. I	44	----	44	----	44
P.M. II	30	----	30	----	30
U.M. I	40	----	40	03	37
U.M. II	40	----	40	----	40
SHASTRI. I	24	01	23	----	23
SHASTRI. II	29	----	29	----	29
SHASTRI. III	29	03	26	----	26
ACHARYA. I (B.P.)	15	02	13	01	12
ACHARYA I(T.L.)	03	----	03	----	03
ACHARYA I (T.H.)	03	----	03	----	03
ACHARYA. II (B.P.)	08	----	08	----	08
ACHARYA II(T.L.)	08	----	08	----	08
ACHARYA II (T.H.)	02	----	02	----	02
FINE ARTS U.M. I	04	----	04	----	04
FINE ARTS U.M. II	01	----	01	----	01
B.FINE ARTS. I	03	----	03	----	03
B.FINE ARTS. II	09	----	09	----	09
B. FINE ARTS. III	02	----	02	----	02
M.F.A. I	02	----	02	----	02
M.F.A. II	01	----	01	----	01
SOWA RIGPA U.M.I	15	----	15	----	15
SOWA RIGPA U.M. II	14	----	14	02	12
BHOT JYOTISH SHASTRI II	02	01	01	----	01
BSRMS IV	12	----	12	----	12
BSRMS V	10	----	10	----	10
B.Ed. I	24	01	23	----	23
B.Ed. II	18	----	18	----	18
B.A. B.Ed. I	22	01	21	----	21
B.A. B.Ed. II	08	----	08	----	08

B.A. B.Ed. III	08	----	08	----	08
B.A. B.Ed. IV	16	----	16	----	16
COMPUTER I	09	04	05	----	05
COMPUTER II	07	----	07	----	07
COMPUTER III	05	----	05	----	05
Total Strength	**467**	**13**	**454**	**06**	**448**

IInd Semester (December 2021 to May 2022)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. I	44	----	44	12	32
P.M. II	32	01	31	01	30
U.M. I	38	----	38	03	35
U.M. II	40	----	40	03	37
Shastri I	22	----	22	----	22
Shastri II	29	----	29	----	29
Shastri III	26	----	26	----	26
Acharya (B.P.) I	12	01	11	----	11
Acharya (T.L.) I	03	----	03	----	03
Acharya (T.H.) I	03	----	03	----	03
Acharya (B.P.) II	10	01	09	----	09
Acharya (T.L.) II	08	----	08	----	08
Acharya (T.H.) II	02	----	02	----	02
Fine Arts U.M. I	04	----	04	----	04
Fine Arts U.M. II	01	----	01	----	01
B.F.A. I	03	----	03	01	02
B.F.A. II	08	----	08	01	07
B.F.A. III	02	----	02	00	02
M.F.A. I	02	----	02	----	02
M.F.A. II	01	----	01	----	01
Sowa Rigpa U.M. I	15	----	15	05	10
Sowa Rigpa U.M. II	12	----	12	----	12
Bhot Jyotish Shastri II	01	----	01	----	01

B.Ed. I	23	02	21	----	21
B.Ed. II	18	----	18	----	18
B.A. B.Ed. I	21	----	21	----	21
B.A. B.Ed. II	08	----	08	----	08
B.A. B.Ed. III	08	----	08	----	08
B.A. B.Ed. IV	16	----	16	----	16
BSRMS II	15	----	15	09	06
BSRMS III	13	----	13	04	09
BSRMS IV	12	----	12	01	11
BSRMS V	12	----	12	----	12
Total Strength	**464**	**05**	**459**	**40**	**419**

2. FACULTIES

The academic function of the Institute is mainly concerned with teaching and research. The Institute was granted the status of 'Deemed to be University' by the Government of India in 1988 and since then it has been awarding its own Certificates, Diplomas and Degrees for the courses of studies conducted by it.

The Institute offers Shastri (B.A.), Acharya (M.A.), M.Phil., Ph.D. and BSRMS degrees in Buddhist Studies, Tibetan Medicine, Astrology, Tibetan Painting and Woodcarving. Students are enrolled for the courses at the Secondary School Level (equivalent to Grade 9). They are required to complete four year's Pre-University education, before entering rigorous traditional training combined with modern pedagogy at the University level.

Through an integrated course of nine years of Buddhist Studies programme from Secondary School to Acharya, students study Tibetan, Sanskrit, Hindi, English, Indian Buddhist texts, Tibetan commentaries and other treatises. The indigenous Tibetan Bon tradition is also taught parallelly with Buddhist studies. Besides, students are taught such subjects as Pali, Asian History, Economics and Political Science.

Students of the Sowa-Rigpa study the theory and practice of traditional Tibetan medicine as well as modern Western pathology, anatomy and physiology, and receive complete clinical training so as to qualify them to practice Tibetan medicine.

Students of Tibetan fine arts learn Thanka painting and Tibetan woodcarving along with subjects like Buddhist philosophy, Tibetan Language and Literature, English Language and History of Arts and Aesthetics.

Methodology and Approach in Teaching

The various courses of studies are designed keeping in view the educational needs emanating from the objectives laid down for the Institute. Course designing is carried out on the suggestions of the Faculties, approval of the Board of Studies, which consists of subject experts, and final approval by the Academic Council and the Board of Governors.

Examination and Evaluation

Students enrolled in any of the courses of studies conducted by the Institute are required to have at least 85% attendance to be eligible to appear for the examinations. The examinations are conducted Semester-wise.

The statistics of entrance examination results of students enrolled in various courses for the year is shown through the following chart:

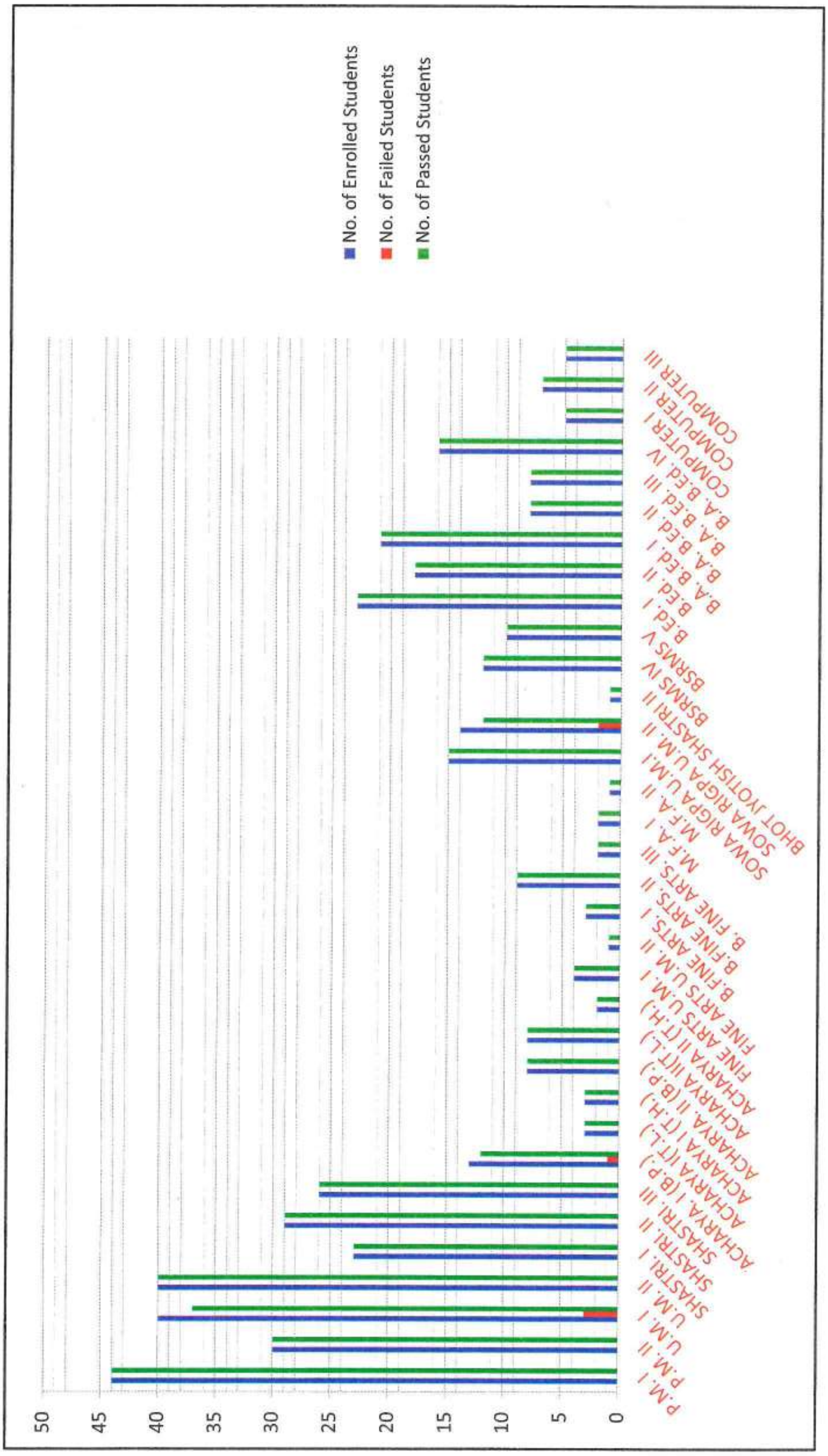
RESULT OF FIRST SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2021-22
No. of Enrolled Students
No. of Failed Students
No. of Passed Students
0
5
10
15
20
25
30
35
40
45
50
P.M. I
P.M. II
U.M. I
U.M. II
SHASTRI. I
SHASTRI. II
SHASTRI. III
ACHARYA. I (B.P.)
ACHARYA I (T.L.)
ACHARYA I (T.H.)
ACHARYA. II (B.P.)
ACHARYA II (T.L.)
ACHARYA II (T.H.)
FINE ARTS U.M. I
FINE ARTS U.M. II
B.FINE ARTS. I
B.FINE ARTS. II
B. FINE ARTS. III
M.F.A. I
M.F.A. II
SOWA RIGPA U.M. I
SOWA RIGPA U.M. II
BHOT JYOTISH SHASTRI II
BSRMS IV
BSRMS V
B.Ed. I
B.A. B.Ed. I
B.A. B.Ed. II
B.A. B.Ed. III
B.A. B.Ed. IV
COMPUTER I
COMPUTER II
COMPUTER III

RESULT OF SECOND SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2021-22

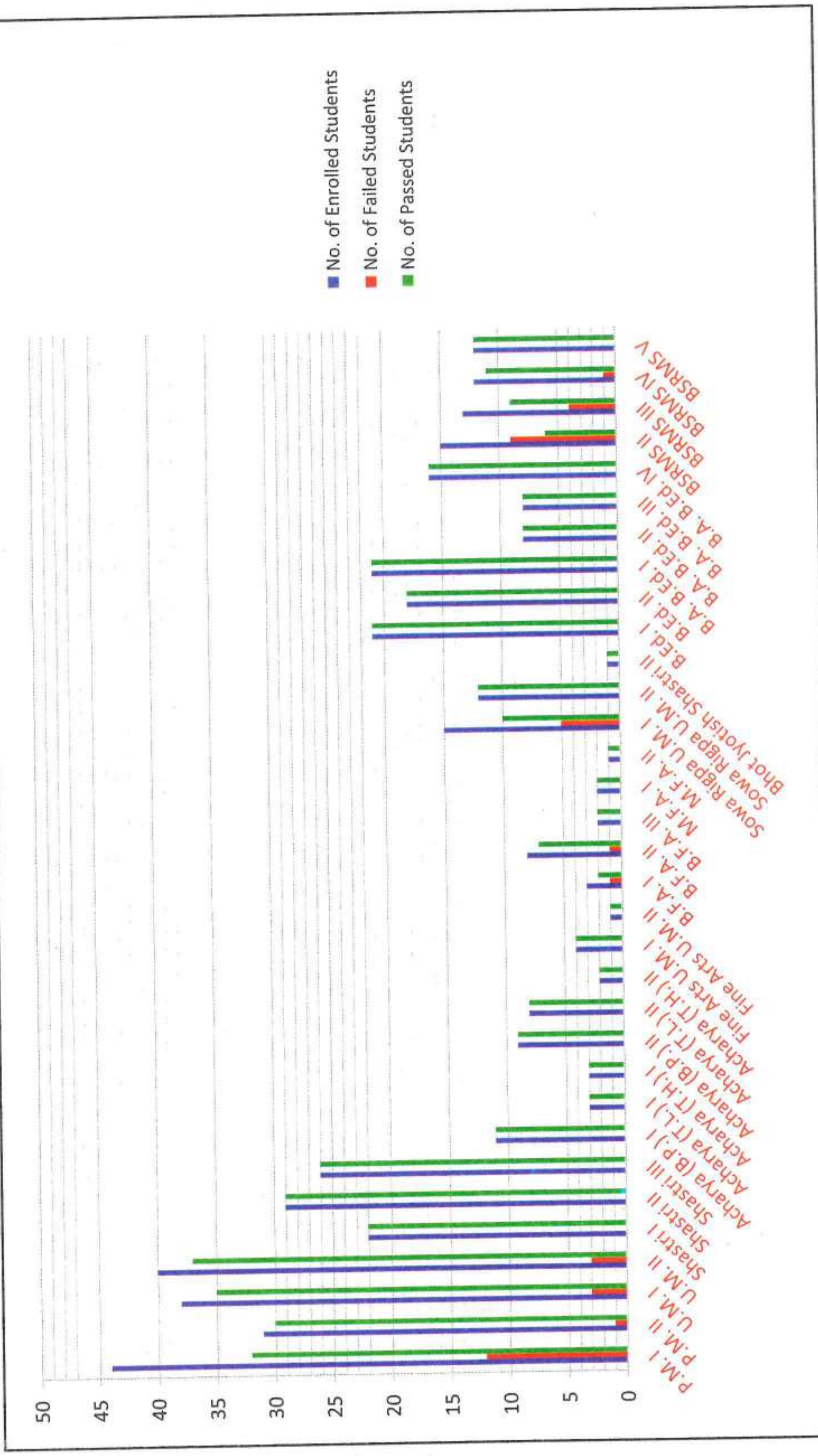

DETAILS OF FACULTY RESOURCES AND ACTIVITIES

A. FACULTY OF HETU EVAM ADHYATMA VIDYA

Prof. Wangchuk Dorjee Negi - Dean

I. Department of Mool Shastra

The objective of this Department is to preserve and promote Buddhist philosophy and its culture and enable oneself to understand the profound philosophy and the true meaning and purpose of life and to help other fellow-beings to make this world a better place to live in not only for the humans, but also for all sentient beings. The emphasis is not only on the betterment of one's own living but also on inculcating the essence of compassion and peace in oneself and to promote it in the world.

This Department, in addition to imparting teaching of Buddhist Philosophy, Epistemology, Nyaya and Psychology, carries out research on the works of Indian Buddhist seers of yore like Nagarjuna, his disciples and the Mahasiddhas.

Faculty Members:

(1)	Prof. Lobsang Yarphel	-	Professor & Head
(2)	Ven. Yeshe Thabkhey	-	Professor (Re-appointed)
(3)	Prof. Wangchuk Dorjee Negi	-	Professor
(4)	Geshe Lobsang Wangdrak	-	Assistant Professor
(5)	Geshe Tenzin Norbu	-	Assistant Professor
(6)	Geshe Lobsang Tharkhey	-	Guest Lecturer
(7)	Ven. Tsultrim Gyurmed	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Prof. Wangchuk Dorjee Negi

1. July 2021 : Taught Acharya Nagarjuan's *Ratnavali* in Hindi to general Dharma students through online mode organized by Mr. Dorje of Ladakh.
2. 24 July 2021 : Participated as an Invited Speaker in a virtual International Conference on the *Dharma Chakra Parvartan Diwas* and delivered a lecture on *Dharma Chakra Parvartan Sutra: Mahayana Perspectives*, organized by Mahabodhi Society of India, Kolkata and Sarnath, Varanasi.
3. 27 August 2021 : Delivered a Video Talk on *Tibet and Kinnaur's Relationship: With Reference to Buddhist Studies* at the request of Tibet Policy Institute, CTA, Dharamsala.
4. 30 October 2021 : Participated as the Chairperson in the One Day National Seminar on *Azaadi Ka Amrit Mahotsav;* and delivered a Lecture on the theme at CIHTS, Sarnath.
5. 15 October 2021 : Participated as an invited speaker in the Webinar on Life and Legacy of Late Padmashri Prof. Ram Shankar Tripathi and spoke on

Padmashri Prof. R.S. Tripathi's Contribution to Buddhist Philosophical Writings, organized by Shraman Vidya Faculty, Sampurnanand Sanskrit Visva Vidyalaya, Varanasi.

6. 5 November 2021 : Completed Teaching *Gampopa's Jewel Ornament of Liberation* to a Himalayan Group daily (except Sunday) through online mode from 18-11-2020 and organized by Ven. Stanzin Gyatso of Thiksey Monastery, Ladakh.
7. 5 November 2021 : Delivered a Talk on "H.E Prof. S. Rinpoche's Contribution to Himalayan Regions" on the occasion of his 82nd birthday celebration, organized by Alumni Association of CIHTS, Sarnath, Varanasi.
8. 13 November 2021 : Participated as the chief guest for the Inaugural Session of the International Seminar on 'Research Methodology and Biostatistics' and spoke on the *Importance of Research Methodology*, organized by Center for Teacher Education, CIHTS, Sarnath.
9. 17 November 2021 : Participated as an invited speaker in a Virtual International Conference on 25 Years of the Revival of Bhikkhuni Sangha in Theravada Tradition and Delivered a Lecture on *Buddha and Gender Equality: With Reference to the Importance of Revival of Bhikkhuni Sangha*, organized by Mahabodhi Society of India, Kolkata and Sarnath, Varanasi.
10. 25 November 2021 : Delivered an invited Lecture on *Communal Harmony* during Communal Harmony Week Celebration at the CIHTS, Sarnath.
11. 2 December 2021 – 12 April 2022 : Assumed the additional charge of Vice Chancellor, In-Charge of CIHTS as per office order received from the Institute's administrative ministry – Ministry of Culture, Govt. of India.
12. 2 December 2021 – Ongoing : Started a bi-weekly teaching on Atisha's *Bodhipathpradipa* to a Himalayan Group through *online mode* organized by Ven. Stanzin Gyatso of Thiksey Monastery, Ladakh.
13. 26 January 2022 : *Baudh Darshan ka Vihangam Drsti*, an article in Hindi was published in the *Bodhiprabha* Journal of Rajbhasha (Hindi) Committee of CIHTS.
14. 15-16 February 2022 : Participated in a two-day field visit to Chowpal Chaitya, Belwar Village, Muzzafarpur, Bihar and chaired the research meeting on the identification and importance of the site as scholars identify it as the sacred site where Buddha announced the prolonging of his life span by three months.
15. 28 February 2022 : Participated in the program *Ek Samvad* addressed by Shri Dharmendra Pradhan, Hon'ble Minister of Education and Shri Amit Shah, Hon'ble Minister of Home Affairs, Gov't of India at the Taj Ganges, Varanasi.
16. 5 March 2022 : Delivered a virtual Lecture on *Theory and Practice: Mantra in Tibetan Buddhist Tradition* at the request of Department of Yoga Studies and Meditation, Wonkwang Digital University, South Korea.

17. 27 March 2022 : Participated as the Chief Guest and delivered a Lecture at the National Conference on Role and Importance of Civil Engineers in Habitat World organized by Association of Professional Graduate Civil Engineers (APGCE), Varanasi held at Taj Ganges, Varanasi.

Member of Bodies:

1. Board of Management, Central Institute of Buddhist Studies, Leh, Ladakh
2. Jury (2021-2022), ICCR-Award for Promotion of Buddhist Studies, Ministry of External Affairs, Govt. of India.
3. Expert Advisory Committee for Financial Assistance Scheme for the Preservation and Development of Tibetan Buddhist Organizations, Ministry of Culture, Govt. of India.
4. Academic Council, CIHTS, Sarnath, Varanasi
5. Academic Council, Nyingma Institute, Sikkim (Affiliated to SSVV, Varanasi)
6. Research Degree Award Committee, Faculty of Shraman Vidya Faculty, Sampurnanand Sanskrit Visva Vidyalaya, Varanasi.
7. Educational Advisory Committee, Drikung Kagyu College, Dehra Dun (Affiliated to SSVV, Varanasi)
8. RDC- Buddhist Studies, Department of Buddhist Philosophy, Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, Sanchi, M.P.

Geshe Tenzin Norbu

Other Academic related Works:

1. Working member of Kagyur archiving and analysis program initiated by *Dardeng Center* Saranath, Varanasi since 2018 and continuing the work on it.

Lectures & Meetings:

1. 19 April 2021 : Delivered a lecture and participated in Q & A session organized by Students Welfare Association on "Tackling Mental Health Issues through Buddhist Approach and Tool".
2. 24 July 2021 : Attended and been a Chanting Master at *Online International Celebration of Dharma Chakra Day, Asadha Poornima* 2021 held at Mulganda Kuti Vihara Sarnath, Vanarasi.
3. 30 Oct. 2021 : Conducted Q & A *on The Collection of Abhidharma* during the *Symposium on Text of Ancient Indian Scholars* organized by International Gelug Committee on 24–25 of November 2021.
4. 16 January 2022 : Attended and delivered a National No-Sectarian Seminar on Sakya Pandita's Triple Vows.
5. Taught *Boddhisattva's Way of life and Buddhist Meditation* to Canada based students through different online platforms on every Saturday.
6. Taught *Buddhist Philosophy* to Europe based 300 students from U-Tsang Committee through online mode for seven months i.e., from 1st of Jan. to end of July 2021.

Administrative Works:

1. Nominated for the meeting of the Academic Council of the University for 2020-2021.

Social Workfare Works:

1. 25 May, 2021 : Helped in making makeshift homes for slum dwellers and distributed rooftop covers to 35 families in Sarnath.
2. 1 June 2021 : Volunteered in distributing rations to approximately 150 families around Sarnath through the donation given by New York based Geshe Tashi Dorji and his devotees.
3. 22 June 2021 : Worked as a volunteer to Geshe Tashi Dorji (New York) to distribute stationary items to approximately over 100 children belonging to poor families.
4. Volunteered in distribution of shawls, mattresses and food to 250 homeless and poor people in Varanasi.

Ven. Tsultrim Gyurmed

1. 16 Jan 2022 : Participated in National seminar organized by Sakya School to commemorate the parinirvana of Sakya Pandita.
2. Participated in Fifth Non-sectarian Pramana Conference.
3. Prepared some papers solving some important points relating to the first and second chapters of Pramanavartika by Dharmakirtki.
4. Published a paper on analysing the theme of Twenty verses by Vasubandhu.
5. Prepared a 62 pages introductory analysis to the project of Kagyur Karchak (Catalogue of Kagyur) under the request of Sarnath International Institution.
6. Delivered one-month lecture on Second chapter of Pramanavartika and ways of logical proof to the monks of Ngagyur Shedup Dhoejo ling in Nepal during the summer vacation.
7. Conducting research on the view of emptiness and the three types of phenomena according to the Mind Only School of philosophy.
8. Participated in debates with some great scholars, Khenpos and masters on the topic "A Clarification of difficult point in Buddhist Philosophy". It was started in 2021-22 session.

II. Department of Sampradaya Shastra

One of the key ideas behind establishing the Institute was to teach the young-generation of the followers of the Tibetan Buddhist tradition, both ordained and lay students, all the four Tibetan Buddhist traditions at one time. Though monks can study Buddhist Philosophy in various monasteries, there is no place in the country where the facility for studying all the four Tibetan traditions is provided. Moreover, there is no opportunity for lay students to learn Buddhist religion and philosophy in a thorough manner. The Department conducts courses on Buddhist texts and

the commentaries by Tibetan scholars. The Department conducts teaching and research in the following four traditions:

a. Kargyud School

(1)	Dr. Tashi Samphel	-	Associate Professor
(2)	Ven. Ramesh Chandra Negi	-	Associate Professor (In-charge, Dictionary Dept.)
(3)	Ven. Mehar Singh Negi	-	Guest Lecturer

b. Sakya School

(1)	Dr. Tashi Tsering (S)	-	Professor & Head (Sampradya Shastra)
(2)	Ven. Dakpa Sengey	-	Associate Professor
(3)	Ven. Ngawang Zodpa	-	Guest Lecturer
(4)	Shri Tsering Samdup	-	Guest Lecturer
(5)	Lopon Ngawang Thokmey	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Prof. Tashi Tsering (S)

(a) Library Incharge, (b) Chief Vigilance Officer, (c) Academic Council Member, (d) Member of Board of Governors, CIHTS, (e) Chairman of the Book Selection Committee, CIHTS.

1. 1 October 2021 : Presented paper during International Webinar on the subject of Calm Abiding Meditation according to Sanskrit tradition organized by The Tibet House, the Cultural Centre of His Holiness the Dalai Lama, New Delhi.
2. 13-14 November 2021 : Presented paper during International Webinar on the subject of How to Develop Emotional Intelligence organized by Lama Choedak Rinpoche, Australia.
3. November 2021 : Published an article on the subject of Buddhist Karma Theory in Dharmadoot, the Journal of Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi, ISSN: 2347 3428
4. December 2021 : Published an article on the subject of Cultivating Emotional Intelligence in Buddhist Philosophy in The Maha Bodhi, the International Buddhist Journal of Maha Bodhi Society of India, Kolkata. ISSN: 0025 0406
5. 16 January 2022 : Organized the National Non-sectarian Sapan Seminar through Webinar.
6. Two Volumes of Tsongkhapa and Taktsang Project, *Knowing Illusion*, were published by Oxford University Press, New York, USA. ISBN: 9780197603628 ISBN: 9780197603680

Ven. Dakpa Sengey

1. Written a concise explanation on the text: *Vajracchedika* (Diamond Sutra) under a Buddhist Catalogue Project.

2. 25 November 2021 : Attended a lecture on Communal Harmony Campaign Week organized by CIHTS Sarnath Varanasi.
3. 16 January 2022 : Attended National Non-Sectarian Seminar on Sakya Pandita's Tripal Vows organized by the Great Sakya Monlam Foundation and Sakya Students' Union at CIHTS Sarnath Varanasi.

Khenpo Ngawang Zodpa

1. 21 August 2021 : Composed the two prefaces (in Tibetan) for the publication of Treasure of Reasoning Removal of Wrong Views for Sakya Students' Union, CIHTS.
2. 21 December 2021 : Composed the two articles (in Tibetan and English) on Sakya College (in Uttarkhand).

c. Nyingma School

(1)	Ven. Dudjom Namgyal	-	Associate Professor
(2)	Khenpo Sanga Tenzin	-	Assistant Professor
(3)	Khenpo Kharpo	-	Assistant Professor
(4)	Ven. Sonam Dorjee	-	Guest Lecturer
(5)	Khenpo Ogyen Jampa	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Khenpo Sanga Tenzin

Main Works:

1. Head of Department, Nyingma Sampradaya.
2. Members of various other academic committees and activities.

Lectures & Meetings:

1. 1 Jan-31 July 2021 : Taught "Arya Bhadracharya Prani Dhana Raja" in online mode to 500 students in "Mother tongue *whatsapp* group".
2. 27 November 2021 - 31 March 2022 : Taught "Nagarjuna's Letter to a Friend" to the New Jersey based students through different online platforms such as Google meets and WhatsApp for two months.

Administrative Works:

1. Member of Admission committee for the Academic session 2021-2022.
2. As per directive given by office, I have been guiding and mentoring the student debate and logic committee since 2018 and continuing the responsibilities.

Social Workfare Works:

1. 25 May 2021 : Helped making makeshift homes for slum dwellers with distribution of rooftop covers for 35 families around Sarnath.
2. 1 June 2021 : Volunteered in distributing rations to approximately 150 families around Sarnath through donation given by New York based Geshe Tashi Dorji and his devotees aimed to reduce the distress of hunger caused by lockdown.

3. 22 June 2021 : Worked as volunteer to Geshe Tashi Dorji (New York) to distribute stationary items to approximately over 100 children belonging to poor families.

Khenpo Ogyen Jampa

Academic Activities:

1. 4 February 2022 : Participated in the National Non-Sectarian Seminar on Sakya Pandita's Triple Vows organized by Sakya Monlam Foundation and Sakya Students' Union.
2. 5 February to April 2022 : Edited the history and enlightened stories of the lineage of masters of Dhongag Mindrol Choekhorling monastery.
3. 2 March 2022 : Edited some volumes from collected works of Khetsun Sangpo Rinpoche.
4. 20 March 2022 : Delivered teachings on basic Buddhist philosophy to students in my village through online mode.
5. 29 March 2022 : Completed teaching 'Thirty-Seven-fold Practice of Bodhisattva' by Ngulchu Thokmey Zangpo to a group of students via online mode.

d. Gelug School

(1)	Ven. Lobsang Gyaltsen	-	Associate Professor & Head, Dept. of Sampradaya Shastra
(2)	Ven. Lobsang Tsultrim	-	Assistant Professor
(3)	Ven. Ngawang Tenphel	-	Assistant Professor

Academic Activities:

Geshe Ngawang Tenphel

Nominated for the committee member:

1. Volunteer committee member of COVID-19 pandemic CIHTS 2020-2021.
2. Elected as 50th President of Gelugpa Students' Welfare Committee till 30th October 2021, CIHTS.
3. Selected as Incharge of Gelugpa Students' Welfare Committee (GSWC) 2021-2022.
4. Elected as a President of Alumni, CIHTS 2021-2022
5. Nominated as a member of admission committee, CIHTS 2021-2022
6. Nominated as a member of kanthas or oral text 2021-2022
7. Appointed president of organizer committee for CIHTS alumni meets, national seminar and long life puja to H.E. Prof. Samdong Rinpoche former Director of CIHTS.
8. Member of "Chanting Committee" for the Seminars, Conferences, teaching and inauguration ceremony of CIHTS session 2021-2022.

Other academic activities:

1. 5 November 2021 : Delivered a keynote address and attended one day Webinar on Prof. S. Rinpoche memorandum of Education System contributed to community organized by Alumni Association of CIHTS, Sarnath.
2. 23 December 2021 : Delivered a keynote address and attended one day seminar on Himalayan and Tibetan Buddhism and Culture organized by Dharamsala Alumni and Alumni Association of CIHTS at Gyutoe Tantric Monastery, Sidhpur, H.P.
3. 16 January 2022 : Attended the national seminar on NON-SECTARIAN SAPAN organized by Great Sakya Monlam and Sakya Students' Union CIHTS.

Minor Project

1. Edited 'Three Pramana' composed by Dr. Geshe Jigme Dawa as an editor, republished by Dhi Publication, 2022, ISBN: 978-1-948203-01-2
2. Edited, 'History of Most Holy Land of Nyanang Dechenteng' Published by Dhi Publication, 2022, ISBN: 978-1-948203-07-4
3. Worked as Co-editor for "mThongwa Munsel Elucidating Bhuddhist Sacred Sites of Nepal" composed by Geshe Thupten Sherab Published in Nepal 2022, ISBN: 978-9937-122375

III. Department of Bon Sampradaya Shastra

Bon is an indigenous Tibetan religion with a history of several thousand years of uninterrupted tradition of philosophy and spiritual practice. It has a huge corpus of literature on philosophy, epistemology, metaphysics and logic. The Institute has been conducting Degree Courses in Bon Sampradaya Shastras by categorizing the courses into two sections on the basis of the development of its literature. Firstly, the texts comprising teachings of Bonton Shenrap (the founder of the Bon tradition) and its commentaries authored by earlier masters. Secondly, the texts and commentaries authored by the later masters from around 8th century onwards.

(1)	Ven. G.T. Chogden	-	Associate Professor & Head
(2)	Ven. Gorig Lungrig Loden Wangchuk	-	Associate Professor & Students' Dean
(3)	Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima	-	Assistant Professor
(4)	Ven. Yundrung Gelek	-	Assistant Professor
(5)	Ven. M.T. Namdak Tsukphud	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima

Main works:

1. 17 July 2021 : Delivered a talk on 'An introduction to Bon Religion' which was organized by Tibet's Treasure ཁ་བའི་གཅེས་ནོར། https://fb.watch/e7pmF_3VFg/
2. Member of Mahashastrarth 2021-2022 as per Order, Registrar Office.

3. Written an Introduction of Meton Sherab Woser writer of the book བྱང་ཆུབ་སྒྲུབ་ཐབས་ཀྱི་བོན་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་སུམ་བརྒྱ་ཉི་ཤུ་པ། Byang chub sgrub thabs kyi bon tshigs su bcad pa sum brgya nyi shu pa ISBN 978-81-948913-8-3
4. 16 January 2022 : Participated in the NATIONAL NON-SECTTARIAN SAPAN SEMINAR Organized by The Great Sakya Monlam Fountation and Sakya Students' Union at CIHTS, Sarnath, Varanasi.
5. 6 March 2022 : Participated and gave talk in Seminar on the topic "Gratitude and Birthday Celebration of Nyamme Sherab Gyaltsen from 7:00 am to 8:30 am Pacific Time, 4pm to 5:30 pm CET" organized by Gyalshen Institue, USA https://fb.watch/e7qy7uknnv/

B. FACULTY OF SHABDA VIDYA

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Dean

In this faculty, introduction of Indian ancient and modern languages and its nature including Tibetan language and their literature are taught. Buddhism and especially Mahayana philosophy, the basic language of the literature, Sanskrit grammar, prose, poetry, epics, dramas, Kavya, etc., treatise are studied under compulsory Sanskrit course. Under the optional category (khavarga), Buddhist Jataka, Avadana, Ethics, Poetry, Sankhya, Vedanta and Pramana etc. are studied. After the master degree, for the Ph.D. course students are engaged doing the restoration of the Sanskrit text from Tibetan source. For this purpose the Department of Sanskrit is established. There is an Independent Department of Tibetan Language and Literature to study the Tibetan language and its literature. Tibetan Language is a compulsory for all the students.

Apart from this, the Hindi, English and Pali languages are studied under the Department of classical and Modern Languages. Under this program study of either Hindi or English language is mandatory. Pali language and its literature also studied as an optional subject.

I. Department of Sanskrit

(1) Prof. Dharma Dutta Chaturvedi - Professor
(2) Dr. Anirban Dash - Associate Professor & Head of Dept.
(3) 2 Posts Vacant - Professor-1, Asstt. Professor-1

Departmental Activities:

Teaching by Additional Departmental Professors

1) Prof. Pema Tenzin, Head - Department of Translation - Uttar Madhyama First Year, Compulsory Sanskrit Class.
2) Dr. Ramji Singh, Assistant Professor, Department of Translation - Four Sanskrit classes in both sections of Purva Madhyama and Uttar Madhyama.
3) Dr. Dawa Sherpa - Purva Madhyama 1st, Compulsory Sanskrit and Uttam Madhyama 1st and 2nd year classes of Sowa-Rigpa Department.

4) Dr. Vishwa Prakash Tripathi, Research Assistant (Contract), Dictionary Department - Shastri I Khavarg Sanskrit class.
5) Dr. Umashankar Sharma, Guest Faculty, Jyotish, Uttara Madhyama 2^{nd}, Shastri 2^{nd}, Shastri 1^{st} Khavarg classes.

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi

1) Essay titled 'Kritpratyayavimarshen Punyam Sanskritmandanam' published in the book 'Kritpratyayavimarshah', ISBN- 978-93-91993-37-5, Satyam Publishing House, New Delhi-2021-22
2) Poem entitled 'Ramayanonmeelanam' published in the book 'Pashyanti', ISBN-978-93-90964-27-7, Vidyashree Nyas Raka Prakashan, 40A Motilal Nehru Road Prayagraj, U.P.
3) Poem titled 'Rajendrapandeyakviryashasvi' Published in Rajendra Prasad Pandey's memorial book 'Sarjana Shikhar', ISBN - 978-93-91214-19-7, Nandi Seva Trust, Varanasi-2022
4) Research paper titled 'AdhunikSandarbhe Ravanadushpravritish Sita-soundaryavijayvimarsh:' Saraswati Sushma Research Journal, ISSN. - 2277-4416, Published from S.V.V., Varanasi-2021
5) Essay titled 'Central Institute of Higher Tibetan Education - Introduction and Characteristics' published, Bodhiprabha Patrika, Official Language Committee, C.H.I.T.S., Sarnath, Varanasi-2021
6) Review and appreciation of Shri Bhagwatanand Guru Praneet's book 'Moorkha Hriday Na Chet', ISBN - 979-888849520-9, Published with the courtesy of Aryavarta Sanatan Vahini 'Dharmaraj'.

Awards and Honors

1) 14 November 2021 - Receipt of letter of honor from Draupadi character of Mahabharata serial Roopa Ganguly in cultural festival organized by Ganga Mahasabha and Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan at Rudraksh Bhawan, Sigra, Varanasi under Azadi Ka Amrit Mahotsav.
2) 19 December 2021 : Awarded 'Vidvadbhushanam' by All India Education Council, Varanasi.
3) 4 January 2022 : Received 'Sanskrit Grammar Vibhushan Samman' from Charan Paduka Badhalganj-Gorakhpur MLA.

Awarded lecture and poetry presentation

1) 20 August 2021 : Presided over the online lecture on the topic 'Anakarathvartmanam' on the Sanskrit Festival organized by Chhattisgarh Sanskrit Seva Sansthanam.
2) 22 August 2021 : Delivered online lecture at Pt. Vasudev Dwivedi Shastri Memorial Ceremony.
3) 22 October 2021 : Delivered lessons and recording of Prajnaparamita-hridayasuttraya, at Shantarakshit Library, C.I.H.T.S.
4) 29 October 2021 : Presided over the Sanskrit Kavi Sammelan organized on the birthday of Pt. Vishnukant Shulka, via Facebook.
5) 14 November 2021 : Ganga Mahasabha Varanasi and U.P. Poetry presentation in Sanskrit Kavi Sammelan under Azadi ka Amrit Mahotsav by Sanskrit Sansthan, Lucknow.
6) 28 November 2021 : Delivered a lecture in the seminar on the Facebook page of Sarvabhaum Sanskrit Prachar Sansthan, Varanasi.
7) 11 December 2021 : Presentation and recording of the song 'Swatantrya-mritparvedam' under the Azadi ka Amrit Mahotsav, organized by Akashvani Varanasi.

8) 21 December 2021 : Delivered a speech as a subject expert on Universal Sanskrit Prachar Sansthan Facebook under Winter Sanskrit Training.

9) 22 December 2021 : Presented solution through verses in the online seminar 'Solving problem in Sanskrit poetry' organized by Pratnakirti Shodh Sansthan, Varanasi.

10) 25 December 2021 : As a question-setter examiner, evaluated the students trained in winter Sanskrit campaign, online on Zoom.

11) 28 December 2021 : Delivered a lecture as a subject expert through Zoom on the Saarvabhaum Sanskrit Training Institute Facebook page.

12) 29 December 2021 : Addressed in the online Sanskrit training session organized by Saarvabhaum S.P.S. on the topic, 'Lakarana Vimarsha'.

13) 31 December 2021 : Recited poetry at the online Sanskrit Kavi Sammelan organized by Sanskrit Sansthan, Lucknow U.P. on its foundation day.

14) 4 January 2022 : Delivered a lecture on Vedic rituals in the Dharma Sanskar seminar organized by the MLA at Charanpaduka Kuti, Barhalganj-Gorakhpur.

15) 5 January 2022 : Delivered a lecture in the winter training session through Zoom on the Facebook page of Saarvabhaum Sanskrit Prachar Sansthan, Varanasi.

16) 1 February 2022 : Presentation of Sanskrit Geetam in the Sanskrit Hindi Kavi Sammelan program at Lakshchandi Mahayagya organized by Swami Prakhar Ji Maharaj at Shankuldhara, Varanasi.

17) 5 February 2022 : Presided over the Sanskrit Kavi Sammelan organized on the Vedic Gana group Facebook page.

18) 14 February 2022 : Presentation of Sanskrit poetry in the Sanskrit Kavi Goshthi organized in the memory of Padmabhushan Pt. Vidyanivas Mishra.

19) 26 February 2022 : Presented Sanskrit poetry in the presence of Padmashree Dr. Ramakant Shukla at Devvani Parishad Vasant Vihar, New Delhi.

20) 27 February 2022 : Presented a Sanskrit poem in the online seminar organized in the memory of late Latamangeshkar.

21) 1 March 2022 : Poetry presentation in Sanskrit Kavi Samvay organized on my birthday on Vedic Gana group Facebook page.

22) 14 March 2022 : On the birth anniversary of Pt. Vasudev Dwivedi, composed and recited the autobiography of two Sanskrit scholars on the Facebook page.

23) 22 March 2022 : Presentation of Holigitam under Holi Milan at the residence of Prof. Murlimanohar Pathak's, Vice Chancellor, Lal Bahadur Shastri Central Sanskrit University, New Delhi.

Participation in Committees

1) 1 November 2021 : Participated in the classroom teaching meeting organized by the Departmental Examination Committee, C.I.H.T.S., Sarnath.

2) 31 December 2021 : Participated as a subject expert in the selection committee of Associate Professor in Rani Padmavati Adarsh Yogtara Sanskrit College Shivpur, Varanasi.

3) 22 March 2022 : Participated as a member in the meeting of the CIHTS Institutional Board of Governors Committee, Archaeological Museum, BTI, New Delhi.

4) 25 March 2022 : Participated in Research Entrance Examination, of CIHTS.

Seminar

1) Presentation of presidential research paper in research seminar organized by Sant Ganinath Post Graduate College, Gohna, Mau.

Research guidance

1) Supervised the research work of the research scholar, Pasang Tenzin.

2) Supervised and revised research work of Konchok Samdup, research student.

3) Co-supervised the research work of the research scholar Ngwang Gyalchan Negi.

4) Carried out the responsibility of Co-supervision in the research work of the research student Lobsang Choedak.

5) Supervised the research work of the research student, Buddha Lama.

Other research work

1) Sent the report after examining and evaluating the dissertation titled 'Chaturvarnya Sanskriti Vimarsh', S.S.V.V., Varanasi.

2) Editing work of the book named 'Buddhist Science Samuchaya'. N. Cooperated in the presence of Prof. N. Samten, Honorable Vice-Chancellor, CIHTS.

3) 2021-22 : Completed the editing of the Institutional Annual Progress Report as the chairman of the committee.

4) Completed work, as a member of the editorial board, the editing work of Bodhiprabh magazine, published by the Official Language Implementation Committee, was completed.

II. Department of Tibetan Language and Literature

(1)	Dr. Lhakpa Tsering	-	Assistant Professor & Head
(2)	Dr. Tashi Tsering (T)	-	Associate Professor
(3)	Mr. Lobsang Dhonden	-	Guest Lecturer

Academic Activities:

Dr. Lhakpa Tsering

I. Present Member of Committees/Additional duties:

1. HoD of Tibetan Language & Literature
2. Co-ordination of Ph. D course work
3. Warden of Padma Sambava Boys' Hostel

4. Member of Society of CIHTS, Sarnnath Varanasi
5. Member of Academic Council of CIHTS, Sarnath Varanasi
6. Member of Book Selection Committee of Library
7. Member of Doctoral Committee of Dalai Lama Institute for Higher Education. Bangalore.
8. Member of *Education Council and Advisory Committee,* Department of Education, CTA. Dharamasala, H.P.
9. Co Guide of a Ph. D scholar of Dalai Lama Institute.
10. Member of UG Syllabus Framing Committee of Sowa-Rigpa
11. Guide of Ph. D. Students (five) of CIHTS, Sarnath. Varanasi, U.P.
12. Member of the editorial committee of Text books for Bhoti Language and Bodh Darshan of Monastic education Centres of Indian Himalayan.
13. Member of the committee for detailed SSR analysis, CIHTS.
14. Member of making report of Centre for Tibetan Literature, CITHS.

II. Attended Seminars/Conference/Workshops etc.:

1. 23 May 2021 : Invited to Youth Radio Forum for discussion with YRF Host: Mr Tseten Dorjee on the subject teaching and familiarization with proverb to enhance both writing and delivering speech. A proverb is a simple, concrete, traditional saying that expresses a perceived truth based on common sense or experience. https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0523-1300.mp3
2. 27 June 2021 : Invited to Youth Radio Forum for discussion with YRF Host: Mr Tseten Dorjee for discussion on the subject of importance of Tibetan language to the people of Kinnaur, Himachal. https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0627-1300.mp3
3. 18 July 2021 : Invited to Youth Radio Forum for discussion with YRF Host: Mr Tseten Dorjee on the subject "Tibetan language learning, usage and propagation amongst the people of Ladakh." (https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-0718-1300.mp3)
4. 26 July 2021 : Attended meeting of Doctoral Committee of Six Monthly Progress Report of the Ph. D. Candidates of Dalai Lama Institute and the mode of the meeting was Online.
5. 31 October 2021 : Invited Youth Radio Forum for discussion with YRF Host: Mr Tseten Dorjee on the subject "How to develop Tibetan Language in Monyul in the Future etc." https://streamer1.rfaweb.org/stream/TIB/TIB-2021-1031-1300.mp3
6. 2-16 November 2021 : Participated in two-week Tibetan Language & Literature Senior Sanskrit Camp, organized by Tibetan Language & Literature.
7. 9 November 2021 : Invited to Radio Free Asia USA for discussion with host: Mr Tashi Wangchuk on topic of "How to Face the Challenge of language Shifting Among Younger Generations of Tibetans outside Tibet." https://www.rfa.org/tibetan/society/tibetans-disperse-leads-to-reduction-of-usage-of-tibetan-language-in-daily-lives-11062021102918.html

8. 19 December 2021 : Invited to Youth Radio Forum for discussion with YRF Host: Mr Tseten Dorjee on the subject "About number of Faculties and Departments, Rules and Regulations of Admission and Qualifications needed." (Youth Radio Forum, 34:53 mins. https://streamer1.rfaweb.org/ stream/TIB/ TIB-2021-1219-1300.mp3
9. 12 January 2022 : Attended an Open House Discussion on National Education Policy 2020, organized by BHU, Varanasi in collaboration with National Council for Teacher Education, New Delhi.
10. 16 January 2022 : Participated in a National Non-Sectarian Seminar on Sakya Pandita's Triple Vows, organized by The Great Sakya Monlam Foundation of Sakya Students' Union at CIHTS, Sarnath Varanasi.
11. 21 February 2022 : At the occasion of World Language Day, invited to Radio Free Asia USA for discussion with host: Mr Tashi Wangchuk on topic of "Background history of The World Language Day and Its Importance." https://www.rfa.org/tibetan/tibet/china-announces-affressive-campaign-to-promote-mandarin-language-100-percent-by-2035-02222022100523.html
12. 19 March 2022 : Attended the 9th annual conference of the Education Council and Advisory Committee which was held at the Kashag Secretariat presided by Sikyong Penpa Tsering, Education Kalon Changra Tharlam Dolma, and Geshe Lhakdor, Chair of the Education Council.

III. Department of Classical and Modern Languages

(1)	Prof. Dharma Dutta Chaturvedi	- Head
(2)	Prof. Babu Ram Tripathi	- Visiting Prof. (Hindi, Re-appointed)
(3)	Dr. Anurag Tripathi	- Assistant Professor (Hindi)
(4)	Dr. Jyoti Singh	- Assistant Professor (Hindi)
(5)	Dr. Animesh Prakash	- Assistant Professor (Pali)
(6)	Dr. Mahesh Sharma	- Assistant Professor (English)
(7)	Dr. Ram Sudhar Singh	- Guest Lecturer (Hindi)
(8)	Dr. Vivekanand Tiwari	- Guest Lecturer (Hindi)
(9)	Dr. Ravi Ranjan Dwivedi	- Guest Lecturer (Pali)
(10)	Dr. Jasmeet Gill	- Guest Lecturer (English)

Activities:

Dr. Anurag Tripathi

Publications:

1. "Dr. Udai Pratap Singh Ki Hindi Aalochana" in *Sadhubhava ki Baikhari: Sandarbh Udai Pratap Singh*, edited by Dr. Kamal Kishor Goyenka, Aryawart Sanskrit Sansthan, Dayalpur, Delhi, ISBN : 978-93-92235-10-8, 2022, Page No. 420-423.
2. "Aapka Banti : Aaj Ke Pariprekshya Men" in Manaviki An International Peer-Reviewed and Refereed Research Journal of Humanities and Social Sciences, ISSN No. 0975-7880, Jan.-June 2022, Page No. 1-8.

Invited Lecture:

1. 19 November 2021 : Delivered a lecture on "Nirala Ka Kavyatmak Vaishishtya", lecture series organized by Department of Hindi, Vasant Kanya Mahavidyalaya, Rajghat, Varanasi.

Paper Presented/Participated Refresher Course/Workshop/Seminar:

1. 13-14 November 2021 : Participated in a two-day "Akhil Bhartiya Rajbhasha Sammelan" organized by Rajbhasha Vibhag, Home Ministry, Delhi.
2. 10 February - 25 February 2022 : Participation online Refresher Course organized by Center for Teacher Education, PMMMNM on Teachers and Teaching, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi in Collaboration with faculty of law, CMP Degree College, Prayagraj.
3. 28-29 March, 2022 : Presented paper entitled "Tulsidas Ke Sahitya Men Ram" organized by Ramanujan College, Delhi.

Organized Seminar:

1. 17-18 June, 2021 : Organized a national webinar on "Yoga and Mental Health" at CIHTS, Sarnath in Collaboration with Inter University Center for Yogic Sciences, Bengaluru.
2. 14-18 September, 2021 : Organized "Rajbhasha Weekly Event" at CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Other Responsibilities at University:

1. Member Secretary- Official Language Implementation Committee
2. Member- University Annual Report Committee
3. Member-Scrutiny Committee

Dr. Jyoti Singh

Published Article:

"Mannuu Bhandari ke Sahitya me Samajikta" SHODHPUNJ (Peer Reviewed) December 2021 ISSN NO- 2229-7871

Invited as a resource person in National Youth day and Birthday of Swami Vivekananda (12 January 2022) topic "Swami Vivekananda : Jeevan and Vichar" Conducted by Dayalbagh Educational Institute Agra.

Participated Workshop and Seminar:

1. 21 October - 30 October, 2021 : Participated 10 days National Workshop in "Hindi Sahitya ke Adhyayan ki Samsyayein" organized by D.A.V.P.G. College, B.H.U., Varanasi.
2. 13-14 November 2021 : Participated in a two-day "Akhil Bhartiya Raibhasha Sammelan", organized by Rajbhasha Vibhag, Home Ministry, Delhi.
3. 9 January, 2022 : Participated in the National Webinar "Nabbe ke Baad ka Bhartiya Yathartha aur Kashinath Singh ke Upanyas". Conducted by St. Peter's College, Kolenchery, Ernakulam Mahatma Gandhi University, Kottayam in Collaboration with Kerala Hindi Sahitya Mandal, Kochi.

4. 30-31 March, 2022 : Presented a research paper "Kashi aur Kabir" organized by Bharat Adhyayan Kendra, BHU.

Other Responsibilities at Institute

1. Chairperson of Sexual Harassment Cell
2. Member SC/ST and OBC Compliance Cell
3. Member Annual Report Committee
4. Member Book Selection Committee
5. Member of Editing Committee 'Bodhiprabh' Magazine, official Language Implementation Committee CIHTS.
6. Member of Review Board of the Journal "The Eternity" (An International Multidisciplinary Peer Reviewed Research Journal.

Dr. Animesh Prakash

Publication (Book)

Prakash, A. (2021). *Taming the Serpent King Nandopananda: Historicity, Transmission, and Translation of Pāli & Tibetan Discourse,* New Delhi: Aditya Prakashan, ISBN: 978-81-950961-9-0.

Participation in Conference(s)/Seminar(s)

1. 17-19 November, 2021 : ***Theme of the Conference and date:*** 8th International Conference on Pāli and Buddhism.

   Organiser: Maha Bodhi Society of India in collaboration with Anagarika Dharmapala International Institute of Pali & Buddhist Studies, Sarnath.

   Title of Paper: Some Observations on Early Buddhist Nuns.

Participation in other academic programme(s)

1. 13-18 December, 2021 : Conducted a workshop on the "Pali Language and Burmese Script" held at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.
2. 10-25 February, 2022 : Online Refresher Course on Enhancing Efficiency and Culture of Learning in Higher Education as Per the New Education Policy in collaboration with CIHTS, Sarnath, Chaudhari Mahadev Prasad Mahavidyalaya, Allahabad University, and Dronit Penale group.

Other Activities

1. 6 August, 2021 : Reconstructed the UG (Pāli) Syllabus for all Universities and Colleges of Uttar Pradesh to align with the provisions of NEP-2020
2. Expert member for PhD Interview at Mumbai University
3. Examiner for two MPhil Dissertation, Mumbai University
4. Examiner for MPhil Dissertation, Delhi University

Other Responsibilities

1. Member, The Maha Bodhi International Publication and Media Committee, Kolkata.
2. Member, Governing Body, Maha Bodhi Society of India.

Ongoing Research Project

1. 01 January 2022 - 31 December 2022 : Recourse Person for "One Year Pāli Translation Workshop" a project jointly undertaken by CIHTS, Varanasi and Gaden Phodrang Institute, Dharmasala.

Dr. Mahesh Sharma

Academics

1. 18-24 October 2021 : Completed a Seven-Day International Online Faculty Development Programme on "Literary Studies in the New Millennium" with A+ grade organized by the Department of English, Pondicherry University.
2. 13-19 February 2022 : Conducted a week-long "English Writing Skills Workshop" at CIHTS for Vana Monpa Students' Educational Committee.
3. 20 February - 06 March 2022 : Completed online Two-Week Inter-disciplinary refresher course on Research Methodology with A+ grade, organized by Teaching Learning Centre, Ramanujan College, University of Delhi in collaboration with IQAC, SGKM College, Solapur, Maharashtra under the aegis of PMMMNMTT, Ministry of Education.

Publication

1. Mahesh Sharma and T.S. Kavitha- "Evening Shadows: Netflixing the Queer Identity" published in LGBTQ: Celebrating Discordance edited by Rajshree Ranawat. New Delhi: Authorspress. June 2021. ISBN 978-93-90891-97-9
2. Book Review of *Sound and Literature. Cambridge University Press, 2020, 442 Pp. Anna Snaith (Ed.).*" in the international open peer-reviewed journal *Pulse: The Journal of Science and Culture,* Central European University, Hungary (in print)
3. "Lockdown me Sita" Published in Bodhiprabh magazine, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, 2021, 199-203.

Committees

1. Member Secretary- IQAC, CIHTS
2. Editorial Team- University E-Bulletin
3. Coordinator- CIHTS English Learning and Documentary Club
4. Member- University Annual Report
5. Member- University Website Committee
6. Member- Library Book Selection Committee

Dr. Ravi Ranjan Dwivedi

Seminar/Conferences/Workshop Attended :

1. 13-14 November 2021 : Participated in a two-day "Akhil Bhartiya Rajbhasha Sammelan" organized by Rajbhasha Vibhag, Home Ministry, Delhi.
2. 13-18 December 2021 : Organized and convened one week workshop on Pāli Language and Burmese Script at CIHTS.

Published Articles :

1. Diwedi, Ravi Ranjan (2022), Bauddha Kalin Sikshan Pranali, Ayan, Vol. X.

Dr. Jasmeet Gill

Academic Activities

1. Published a research paper entitled "Where the Oneiric Trail Leads in Girish Karnad's 'The Dreams of Tipu Sultan'" in Journal of Arts (ISSN 2319-5339), Vol. 10, Issue - 2, Dec. 2021.
2. 9 December, 2021 : Delivered a lecture on the topic, 'Learning English Language Skills' for the Orientation Programme and Winter Campaign at Atisha Hall, CIHTS, Varanasi.

Committees:

1) Institute Annual Report Committee,
2) English Learning and Documentary Club, CIHTS, Sarnath.
3) Institute Website Committee
4) Incubation and Student Placement Cell

IV. Department of Education

Education stands as the prominent element in the development of any community. The emergent need of holistic education and competent teachers in educational institutions is felt by the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) and therefore, it has initiated to design its own curriculum for Teacher Education and get approval by apex body of Teacher Education NCTE. The four-year integrated B.A.B.Ed./B.Sc.B.Ed. innovative course (Shastri cum Shiksha shastri) since 2014-15 academic session. National Council for Teacher Education (NCTE) has approved the four-year integrated course enthusiastically and uploaded the curriculum on its website as sample.

CIHTS has the approval to conduct B.Ed. course (Shiksha shastri) since 1999-2000 academic year. Two-year Innovative M.Ed. course is also approved by NCTE in 2018. Permission to run the course is underway.

CIHTS has designed its own curriculum for the above-mentioned programs which have been approved by NCTE and are running under CIHTS as Centre for Teacher Education (CTE).

The uniqueness of the courses is that besides regular discipline of studies, Tibetan Language & Literature is a compulsory subject, and the essential components of Buddhist philosophy (Nalanda tradition), science of mind, epistemology, logic, psychology, metaphysics and concept of modern cognitive science are also taken into account to enrich the curriculum and to materialize the objectives of the programme.

Programmes Offered:

1. Two Year B.Ed. Programme
2. Four Year Innovative Integrated B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed. Programme

Faculty Members:

1. Dr. Himanshu Pandey - Director (In charge)
2. Dr. Huma Kayoom - Academic Coordinator & Asst. Prof., Education
3. Dr. Jampa Thupten - Assistant Professor, Geography
4. Ven Tashi Dhondup - Asst. Prof., Tibetan Language & Literature
5. Ven Lobsang Gyatso - Assistant Professor, Buddhist Philosophy/logic
6. Mr. Thinlay Wangchuk - Assistant Professor, History
7. Dr. Krishna Pandey - Assistant Professor, Political Science
8. Dr. Susheel Kumar Singh - Assistant Professor, Hindi
9. Ms. P.Shushmita Vatsyayan - Assistant Professor, English
10. Mr. Tenzin Namgang - Assistant Professor, Tibetan History

Administration Staff:

1. Mrs. Reena Pandey - Office Assistant
2. Mr. Tenzin Tsetan - Office Assistant
3. Mr. Vishal Patel - Office Assistant
4. Ms. Yangchen Sangmo - Librarian (CTE Library)
5. Mr. Rajoo Bharadwaj - MTS

Academic Activities:

The Centre for Teacher Education had conducted various academic activities for the Pre-service Teachers, In-service Teachers and Higher Education Teachers, students and policy makers during the academic session 2021-22.

Descriptions of activities are as follows:

1. 13 November, 2021 : Centre for Teacher Education organised a one-day National Seminar on "Research Methodology and Biostatistics" for Students and teachers. Professor T.M. Mohapatra, IMS, BHU and Professor R.N. Mishra, IMS BHU, and Dr. Vishnu Agrawal, HoD, Dept. Biotechnology, MNNIT, Prayagraj were the resource person.

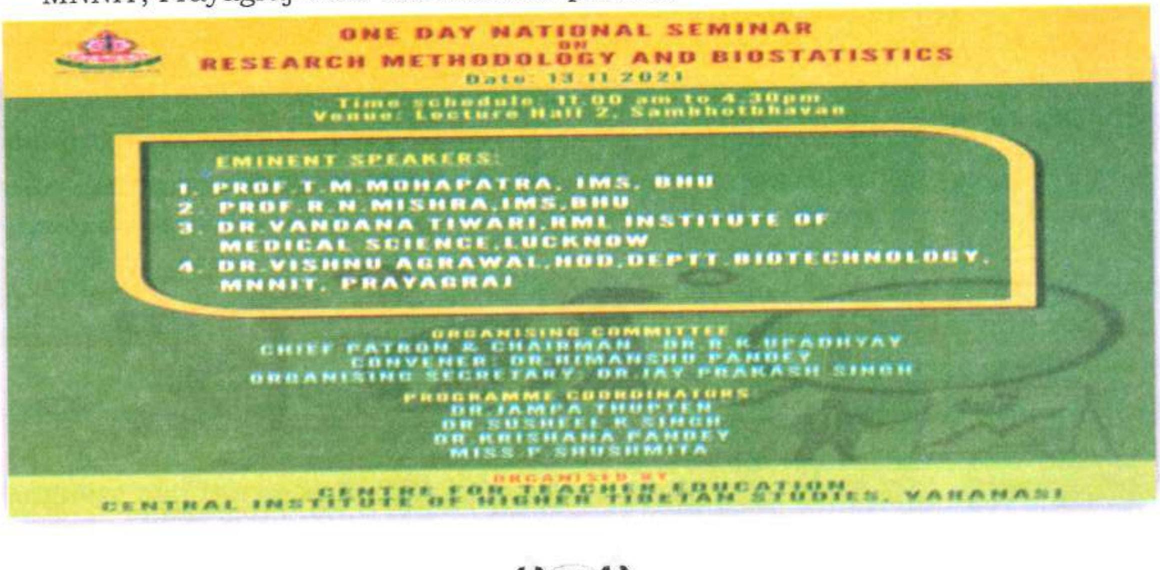

2. 13 February, 2022 : Centre for Teacher Education organised a one-day "Community Work" by Students of CTE. During the said community programme cleanliness drive in the university premises was carried on by the students of final year of both B.A.B.Ed. and B.Ed.

3. 8 March, 2022 : Centre for Teacher Education Jointly organised Women's day programme with Central Institute of Higher Tibetan Studies on the theme *Gender Equality today for a Sustainable Tomorrow* along with Rally March. All Staff Members and Students participated in programme.

Dr. Susheel Kumar Singh

Activities - Organizer and Coordinator:

13 February, 2022 : Organised a one day "Community Work" by Students of CTE. All CTE Staff Members and Students participated in the programme.

C. FACULTY OF ADHUNIKA VIDYA

Prof. Deo Raj Singh - Professor and Dean (Coordinator IQAC Cell)

I. Department of Social Sciences

(1) Prof. Jampa Samten - Professor (Tibetan History) & Head
(2) Prof. Umesh Chandra Singh - Professor (Asian History)
(3) Prof. M.P.S. Chandel - Professor (Political Science)
(4) Dr. Kaushlesh Singh - Associate Professor (Asian History)
(5) Dr. Amit Mishra - Assistant Professor (Political Science)

(6)	Dr. Urgyen	- Assistant Professor (Tibetan History)
(7)	Dr. Prashant Kumar Maurya	- Assistant Professor (Economics) (Joined on 15.09.2018)
(8)	Dr. Birendra Singh	- Guest Lecturer (Economics)
(9)	Dr. Poornima Tripathi	- Guest Lecturer (Political Science)

Academic Activities:

Acharya (Master Degree) course in Tibetan History & Culture is the most recent subject added to the curriculum of the Social Science Department Since from July, 2017. This course is the first of its kind in the Tibetan diaspora, and since there was no textbook or existing model to base it on, the faculty had to design it from the ground up. This comprehensive course covers both cultural and political history of Tibet and its neighbouring Asian countries. This course also incorporates introductory lessons on archaeology, anthropology, historiography and numismatics which is essential part of historical studies. The first batch of the students completed the said course in 2019. Out of the 4 students, two of them are admitted in the Ph.D. Course and one in the M.Phil. Course. One of them opted the Master in Education course conducted by centre for Teacher Education, CIHTS.

Prof. Umesh Chandra Singh

1. 01 October 2021 : Organised painting competition among students of C.I.H.T.S. on Gandhi Jayanti in pursuance of Ministry of Education.
2. 10 October 2021 : Attended symposium on "विमर्श के आयाम", national library, Varanasi and given lecture.
3. 25 October 2021 : Coordinated one day lecture & Bandemataram with R.S.S. team in the campus of C.I.H.T.S. under Amrit Mahotsava programme.
4. 30 October 2021 : Organised one day national seminar on "स्वबोध, स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहास : काशी के विशेष सन्दर्भ में", in C.I.H.T.S. Main speaker of this programme was Shri Bal Mukund Pandey, Secretary, Akhil Bhartiya Itihas Sankalan Yojana, New Delhi.

Dr. Amit Mishra

Articles in Edited Books:

1. 21-23 June 2021 : A research paper, entitled, "Significance of Indo-Asean relations in the Indo-Pacific Scenario: Repercussions in the Quad lens", in Prof. G.J. Reddy ed. Knowledge Volume under process of release in 2022 based on a presentation in an international conference on Indo-pacific construct organised by the Centre for South East Asian and Pacific studies, Sri Venkateswara University between.
2. Oct. 2021 : Contributed a research paper entitled, India's relations with Bangladesh on International River Water sharing in Prof. Badruddin ed. Changing parameters of Indian Democracy; Past, Present and Future, (Mittal Publications: Delhi).
3. Dec. 2021 : A book entitled, Governance of Disaster Management: Lessons from India, Lambert Academic Publishing, ISBN : 978-620-4-71683-1 (Dusseldorf, Germany:)

Participation in Conferences:-

1. June 21-23, 2021 : Presented a paper, entitled, "Significance of Indo- Asean relations in the Indo-Pacific Scenario: Repercussions in the Quad lens", in an international conference on Indo-pacific construct organised by the Centre for South East Asian and Pacific studies, Sri Venkateswara University.

Dr. Prashant Kumar Maurya

Member, Member of SC/ST and OBC compliance committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies

Orientation/Refresher/Faculty Development Programme Attended:

21 September to 5 October, 2021 : Participated in UGC-Sponsored Refresher Course on 'Role of Social Welfare Policy in the Indian Economy' organised by Human Resource Development Centre (HRDC), Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalya, Sagar, M.P.

Research Papers Published:

Research Paper published "Climate Crisis: A Threat to Child Rights" in Unmesh Journal, Vol. VII, No. 2 May-October, 2021 (ISSN No.2394-2207).

Dr. Poornima Tripathi

Dr. Poornima Tripathi has joined the institute in May 2021 as an Assistant Professor (Guest) and is teaching the undergraduate program. During the academic year she has accomplished the following-

Participation-

1. 27 September 2021 : Webinar on "The Importance of Developing Ties between Political Science Associations" organized by International Political Science Association.
2. January 2022 : 3rd Annual UK Political Psychology Conference.

D. FACULTY OF SHILPA VIDYA

Prof. Lobsang Tenzin - Dean

(1)	Shri Jigme	-	Assistant Professor (Painting)
(2)	Dr. Shuchita Sharma	-	Assistant Professor (Joined 15.9.2018) (History of Art and Aesthetics)
(3)	Shri Bhuchung	-	Guest Lecturer (Woodcraft)
(4)	Shri Dechen Dorjee	-	Guest Lecturer
(5)	Shri Kunga Nyingpo	-	Guest Lecturer (Painting)
(6)	Shri Lobsang Sherab	-	Guest Lecturer (Painting))
(7)	Shri Tenzin Jornden	-	Guest Lecturer (Woodcraft)

I. Department of Tibetan Traditional Painting

Fine Art is a self-motivated and multi-dimensional subject. CIHTS is the very first University in India to offer Traditional Tibetan Fine Arts at degree level. The Shilp Vidya faculty was established in 2008 with the initial purpose of preserving,

promoting and transmitting the cultural heritage of traditional Tibetan arts and crafts. The Department provides a unique education about traditional Tibetan art of Thangka paintings and woodcraft to students in the University. The students are taught Tibetan Thangka, woodcraft and handicrafts with its philosophy implications and historical aspects. Now, the institute about to introduce the various Tibetan art forms to the advanced academic level. The Department runs 2 years of degree course in university programme, including 3 year graduate and 2 year postgraduate course. M. Phil. Course introduced since 2017; first batch of this course have been successfully passed with excellent ranking.

The faculty is currently running two departments i.e. Traditional Tibetan painting and Traditional Tibetan woodcraft.

Department Activities

1. 17-18 December 2021 : Workshop 'Painting & Arts Theories', Department of Traditional Tibetan Painting.

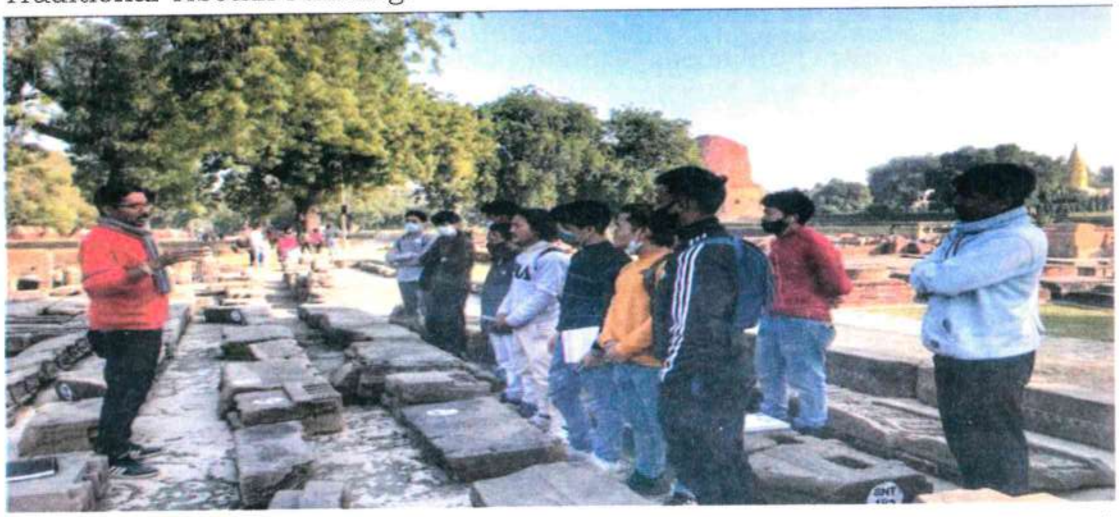

2. 21 February - 13 March 2022 : Thangka Painting Workshop, with the collaboration of Department of Shilp Vidya, CIHTS, Sarnath, Meera Educational Society, Varanasi and Institute of Fine Arts, held at Institute of Fine Arts, Varanasi.

सात दिवसीय थंका चित्रकला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

सेवापुरी। रोहनिया क्षेत्र के घमहापुर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आर्ट में सोमवार को सात दिवसीय थंका चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर शुरू हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर सुचिता शर्मा केंद्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान वाराणसी एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सरोज रानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने परंपरागत चित्रकला पद्धति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए संवर्धन के लिए हो रहे निरंतर प्रयास की सराहना की वही विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में थंका चित्रकला तिब्बत भारत सहित नेपाल में प्रचलित है वही मीरा एजुकेशनल सोसाइटी के हिमांशु सिंह ने कहा की संस्कृति मंत्रालय थंका जैसे परंपरागत कला शैलियों पर विशेष ध्यान दे रही है जो सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनिल कुमार सिंह व धन्यवाद ज्ञापित अवधेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

Dr. Shuchita Sharma

1. Painting competition under the program of Azadi ka Amrit Mahotsav.
2. 30 October 2021 : Coordinator - One Day National Seminar on "Swaraj Evam Pratirodh ka Itihas; Kashi ke Vishesh Sandarbh me" Under the program of Azadi ka Amrit Mahotsav.
3. 19-25 November 2021 : Coordinator - Community Harmony Campaign week.
4. 21 February - 13 March 2022 : Coordinator - Thangka Painting Workshop, with the collaboration of Department of Shilp Vidya, CIHTS, Sarnath, Meera Educational Society, Varanasi and Institute of Fine Arts, held at Institute of Fine Arts, Varanasi.

Publication

1. An overview of Religious architectural tradition in Himachal Pradesh, Ayan, Literature, Society, Humanities Discourse (An International Multidisciplinary Peer Reviewed and Refereed Research Journal) 2021.
2. An Indigenous style of Architecture in Himachal: Lakshna Devi Temple (Pent Roof), Manviki A International Peer Reviewed and Refereed Research Journal of Humanities & Social Sciences, 2021.

Refresher Course

1. 20 July - 2 August 2021 : Special summer school (online) equivalent Refresher Course, Human Resource Development Centre, Mizoram University.

Seminar

13-14 November 2021 : Participated in a two-day "Akhil Bhartiya Rajbhasha Sammelan" organized by Rajbhasha Vibhag, Home Ministry, Delhi.

Workshop

1. 21-25 August 2021 : Rashtriya Shikshha Neeti 2020 : Kiriyanvayan ka Pratham Varsh,National Workshop, organised by CTE, CIHTS Varanasi, G.B. Pant Institute of social sciences, Prayagraj.
2. 25-31 Dec. 2021 : Painting workshop of Women Artists, Organised by Sanskar Bharti & Institute of Fine Arts, Varanasi National.

Participation in Group Exhibitions

1. 10 October 2021 : National Painting Exhibition of Women Artists, Organised by Sanskar Bharti & Institute of Fine Arts, Varanasi.
2. 22 March 2022 : Prism 336 an Exhibition of Paintings, Sculptures, & Visual Arts. https://youtu.be/plrraeKWE30

II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

The aims and objectives of founding Fine arts, wood craft section, is to provide an opportunity to those students who have keen interest to learn Tibetan traditional woodcraft, along with learning Buddhist Philosophy. The students are taught Tibetan traditional wood crafting skills with its philosophy, history, tradition and its values. Besides, Indian and western art history, as well as aesthetics and languages are also taught to enhance the students.

In the academic year (2021-22), besides teaching, the Department of Tibetan Traditional wood craft held numerous external and internal activities such as yearly educational tour in different historical places and cultural sites. Moreover, the department of Traditional Tibetan wood craft organized several workshops on Tibetan wood craft for the exchange program students from different Universities and institutes.

E. FACULTY OF SOWA RIGPA AND BHOT JYOTISH

Prof. Lobsang Tenzin - Dean

I. Department of Sowa Rigpa

1. Sowa Rigpa Department in our University is established in the academic: Year 1993-1994.
2. The core aims and objective of the Department is:-
   - 2.1. to preserve and promote the tradition of Sowa-Rigpa and its practices.
   - 2.2. to teach Sowa-Rigpa with critical observation and experiential learning to the students,
   - 2.3. to contribute health care services to the public,
   - 2.4. to provide research guidance and facilities to the researchers of Sowa-Rigpa,
   - 2.5. to preserve endangered medicinal herbs and its pharmaceutical process,
   - 2.6. to enrich the system through research and interaction with other medical systems.
3. Our University offers both the UG, PG and Ph.D. program in Sowa Rigpa
4. The UG Syllabi has been revised in the year 2015, 2019, and 2022

Man power of Sowa-Rigpa Department

S.L	NAME	DESIGNATION
1	Prof. Ram Harsh Singh	Adjunct Professor
2	Prof. Lobsang Tenzin	Visiting Professor
3	Dr. Dorjee Damdul	Associate Professor, Dean, MS
4	Dr. Tashi Dawa	Assistant Professor, HoD
5	Dr. A. K. Rai	Guest Faculty cum Researcher
6	Dr. Chime Dolkar	Guest Faculty cum Hospital In-charge
7	Dr. Dawa Tsering	Guest Faculty cum Pharmacy In-charge
8	Dr. Lodoe Munsel	Guest Faculty cum Therapy In-charge
9	Dr. Tenzin Delek	Guest Faculty cum Consultant Doctor
10	Dr. Penpa Tsering	Guest Faculty cum VB Library In-charge
11	Dr. Karma Tharchin	Pharmacy Assistant

12	Dr. Sangye Khando	Therapy Assistant
13	Dr. Tsewang Sangmo	R&D Assistant
14	Dr. Wangyal Dorjee Thakuri	Pharmacopeia Assistant
15	Dr. Dawa Dolma	Jong Assistant
16	Dr. Ngawang Kunchen	Pharmacopeia Assistant
17	Mr. V.K. Patil	Lab technician
18	Mrs. Kalsang Wangmo	TA. cum PA
19	Mr. Nyima Choegyal	EDMG Project Associate
20	Ven. Tenzin Sangpo	Dispenser
21	Mr. Mast Ram	Cashier
22	Miss Sonam Dolma	Dispenser
23	Miss Youngdrung Wangmo	Dispenser
24	Mr. Sangay Wangchuk	EDMG Project Supervisor
25	Mr. Sonam Phuntsok	EDMG Project Watch man
26	Mrs. Rinchin Lhamo	EDMG Project MTS
27	Mr. Tenzin Chundey	EDMG Project MTS
28	Sri Kashinath Prajapati	Hospital Watch man
29	Sri Lav Kumar	Office peon
30	Sri Brij Mohan Bhardawaj	Pharmacy MTS
31	Sri Subash	Pharmacy MTS
32	Sri Shiv Shankar Yadav	Pharmacy MTS
33	Mr. Anil Kumar	Daily Wager
34	Mr. Ashok Kumar	Daily Wager
35	Mr. Rajesh Kumar	Daily Wager
36	Mr. Sanjay Kumar Bhardwaj	Daily Wager
37	Mr. Sudha Devi	Daily Wager
38	Mr. Rohit Kumar Rajbhar	Daily Wager
39	Mr. Sunil Kumar Rajbharr	Daily Wager
40	Mr. Brij Kumar Kannaujiya	Hospital Safaiwala
41	Mr. Vasim	Hospital Safaiwala
42	Mrs. Dhanvantari Devi	Hospital Safaiwala
43	Mrs. Mala Devi	Hospital Safaiwala
44	Mrs. Swati Kumari Gond	Hospital Safaiwala

Academic Activities:

Conference, Seminar, Workshop and Symposium

1. 7 Feb. to 18 February 2022 : Dr. Tashi Dawa, attended "*13th International Conference on Standardizing Scientific Terms in Tibetan*" for 11 days (7:30 Pm-9:30 pm) Zoom Meeting (Online) organized by Emory Tibet Science Initiative, Centre for Contemplative Science and Compassion-Based Ethics, Emory University.
2. 20 to 21 of March 2022 : Dr. Dorjee Damdul was invited as a speaker for National workshop on Sowa-Rigpa for the practitioners of Sowa-Rigpa from North Eastern states of India, in Gangtok, Sikkim organized by National Institute of Sowa-Rigpa, Leh, Ladakh, in collaboration with Namgyal Institute of Tibetology NIT Gangtok, Sikkim.

Lecture series and Talks

1. 5 December 2021 : Sowa-Rigpa Exchange Program was held the lecture series was given by five Visiting Doctors from Men-Tsee-Khang, Dharamsala, HP.
2. 28 December 2022 : Lecture on Research Methodology and Referencing work by Prof. Pema Tenzin at PGRH Hall
3. 30 December 2021 : Lecture on Research Guidelines, Scientific Writing and Methodology by Prof. Dr. K.S. Dhiman, Former Director General of CCRAS, IMS, BHU at 2:30 pm in the lecture hall of PGRH.
4. Orientation Programme for (BSRMS) Kachupa Professional–I held at 4:30 pm in the meeting hall of PGRH under the chairmanship of Dr. Dorjee Damdul, Dean, Faculty of Sowa-Rigpa.
5. 31 December 2021 : Lecture on Research Methodology and General Guidelines by Prof. Jampa Samten at 1:30 pm in the PGRH Hall.
6. Resource Person talk was organized for the BSRMS professional I-V year at Sambhot Hall–I at 09:00 am in Celebration of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav.

Publications:

1. Prof. Lobsang Tenzin completed the translation of medical text titled "Caraka Samhita" from Sanskrit into Tibetan.
2. Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. of Sowa-Rigpa Department published "Health and hygiene as per Sowa-Rigpa treatise", Volume 5, Page No-973, ISBN No: 978-81-936254-1-4
3. Dr. Dorjee Damdul Associate Prof. of Sowa-Rigpa Department published "Health through Balanced Diet", Volume 6, Page No: 607, ISBN No: 978-81-950147-4-3

Academic and Administration Meetings

1. 24 August 2021 : Sowa-Rigpa Faculty Council (SFC) meeting was held at 10:30 a.m. in Sambhot Bhawan Hall-II regarding departmental internal sub-committees and their respective responsibilities for the Academic session 2021-2022

2. 15 September 2021 : Dr. Tashi Dawa attended the meeting on different issues relating to all Sowa-Rigpa colleges in the office of NCISM, mainly manpower post sanctioning and sanctioning of the remaining grants for the first phase of Sowa-Rigpa Bhawan construction.
3. 20 November 2021 : Meeting on the status of the individual Ph.D. scholars' study and research work was held at PGRH Hall at 3.00 pm.
4. 23 November 2021 : 4th Sowa-Rigpa Faculty Council Meet (SFC).
5. 15 December 2021 : Meeting regarding information/inputs to be collected for the preparation of Dossier of Sowa-Rigpa for UNESCO-ICH nomination.
6. 2 Jan. 2022 : Ph.D. scholars meeting with Dr. Balaji Potbhari, Research officer (AYUSH) Regional Ayurveda Research Institute, Patna at 3:00 pm in R&D Wing.
7. 5 January 2022 : Dr. Dorjee Damdul attended Sowa-Rigpa Principals' Meeting Regarding NCISM-NEET-SR-UG-2021-2022 held at New Delhi.
8. 10 January 2022 : National Commission for Indian System of Medicine, Ministry of AYUSH, Government of India, New Delhi nominated Dr. Dorjee Damdul, as the Director and Dr. Tashi Dawa, as Chief-Coordinator of NCISM-NEET-SR-UG-2021-2022.
9. 12, 13 and 24 Jan. 2022 : Ph.D. scholars meeting with Prof. Jampa Samten on Research Methodology and Research design-Part I, II and III at 2:30 pm in the lecture hall of PGRH hall.
10. 14 Jan. 2022 : Meeting on New Covid Variant Omicron prevalence and measures to curb the situation in the campus was held at 2:00pm in PGRH Hall.
11. 31 Jan. 2022 : Ph.D. scholars meeting with Dean of Faculty regarding Ph. D. coursework was held at 03:00 pm in PGRH Hall.
12. 2 Feb. 2022 : Ph.D. scholar meeting with Dean of the Sowa-Rigpa regarding coursework held at 03:00 pm in PGRH hall.
13. 10 Feb. 2022 : Dr. Dorjee Damdul and Dr. Dawa Tsering attended NCISM NEET Counselling Committee (SRCCC) meeting at New Delhi.
14. 22 Feb. 2022 : Meeting with CCTM inspection team Dr. Tsering Tsamchoe, Chairman, CCTM and Dr. Tenzin Deche Kartsang, CMO Nizammudin, TMAI Branch, New Delhi paid campus visit for their regular inspection which was conducted.

Training Programs

1. 1 March to 15 April 2021 : Dr. Liao Wei Tsai, a renowned Master of Phur-Nye & Russ Grig (Osteopathy and Traditional Massage) therapy paid campus visit and spared his time and provided intensive workshop from 27 Feb to 7 March 2020 to our faculties and students. This year too, the same scholar with his assistant Mr. Choephel Gyatso (Yoga Master and interpreter) had conducted more intensive Osteopathy Workshop for faculties and students for 45 days.

2. 27 July 2021 to 25 August 2021 : Dr. Ngawang Kunchen and Dr. Wangyal Dorjee were deputed and collectively accomplished the Trans-Himalaya Outreach Project.
3. An orientation on one year compulsory rotatory internship was held on 8 Oct. 2021 at 3:00 pm in SR Yuthok Hospital meeting hall.
4. Clinical Experience sharing event as a part of the Azadi Ka Amrit Mahotsav was held on 29 November 2021.
5. Reflection on Phur-Nye (Tui-Na) & Rus-sGrig in Celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav was held on 29 November 2021, Dr. Liao Wei Tsai was the key speaker and students shared their experience as well.
6. Clinical Experience sharing event as a part of the Azadi Ka Amrit Mahotsav was held on 30 November 2021.
7. Sowa-Rigpa Ph.D. Scholars Interaction with the visiting TMAI Team from Dharamsala, H.P. was held on 6 December 2021.
8. 25 March 2022 : Miss Karma Tsedon shared her internship experience to all the faculty members and students of Sowa-Rigpa at 3:00 pm in the Sambhot Bhawan Seminar Hall II.

Health Programs

1. 18 July 2021 to 18 October 2021 : As part of Trans-Himalaya Outreach Project Dr. Karma Tharchin along with Intern students effectively concluded the Free Medical Camp in Ladakh organized by Dept. of Sowa-Rigpa.

NEET Examination

1. NCISM designated CIHTS as a designated Institute for conducting the very first National Commission of Indian System of Medicine – National eligibility entrance test for Sowa-Rigpa under graduate for the academic session 2021-2022 (NCISM NEETSR-UG-2020-2021) exam which was successfully conducted by the Department on 6th February 2022. The appreciation letter was also received from NCISM, AYUSH Ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

Intensive workshop on Phur-Nye & Russ Grig (Osteopathy and Traditional Massage)

Annual Medical excursion in Tawang

World Health day organise in Atisha Hall

World Yoga Day preparation

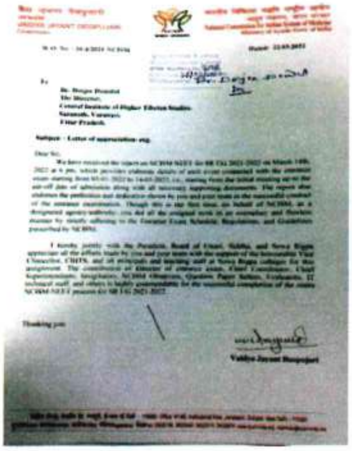

Appreciation letter received from NCISM, AYUSH Ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

Appreciation letter received from NCISM, AYUSH ministry, Government of India, New Delhi for successful conduction of NCISM NEET Exam.

Inspection to New Sowa-Rigpa Bhawan

Interaction with the Inspection team from CCTM, Dharamsala

Students Presentations

Oral Test Examinations

National Sowa-Rigpa Day Celebration

Students Exhibition

Translating of medical text titled "Charaka Samhita"

Monthly Faculty meeting

Future plan of the Department

1. To establish & develop a full-fledged Sowa-Rigpa Centre of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CINTS, SARNATH, VARANASI (0-51/SR/BD-05/3D-01) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CINTS, SARNATH, VARANASI (0-51/SR/BD-05/3D-02) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CINTS, SARNATH, VARANASI (0-51/SR/BD-05/3D-03) Planner India

3D VIEW - SOWA RIGPA HOSPITAL CINTS, SARNATH, VARANASI (0-51/SR/BD-05/3D-04) Planner India

2. On-going Project of "**Pharmacopoeia in Tibetan Medicine**" to be continued.
3. On-going Project of "**Herbarium Specimen**" in Tibetan and English to be continued.
4. To research on medicinal herbs, hernal products & formulation.
5. To render and improve the health of local people through Sowa-Rigpa.

6. To explain and promote effectiveness of Sowa-Rigpa medicines on Gynecological disease through mother-child healthcare in remote area.
7. To do clinical research on chronic and infectious diseases through collaboration with other system of medicine.
8. To research on drug standardization in collaboration with other universities (National and International).
9. To translate ancient text of Indian medicine into Tibetan.
10. To initiate 2nd batch of Sowa-Rigpa PG program upon permission and consideration from NCISM.
11. To train and initiate more short-term programs and Ph.D. courses.
12. To promote Sowa-Rigpa internationally and serve more patients globally.
13. To recruit more manpower in the academic and hospital management to sustain and establish the set target.

Present status:

Present status of Sowa-Rigpa Bhawan (Academic Wing with attached teaching Hospital) under Construction and remodelling of Pharmacy Unit.

YUTHOK Clinic:

The total number of patients who visited for consultation at Yuthok Hospital during the year 2021-22, (1 April 2021to 31 March-2022) is Seven Thousand Five Hundred Seventy-Eight (7578), which includes Out patients, complimentary service, staffs, and students of CIHTS. As per the MSR, CCIM, 2017, the following reporting is grouped into two; male and female. Yuthok OPD Unit has four chambers i.e. 1. General Medicine, 2. Paediatrics &Gynaecology, 3. Emergency, and 4. Flu & Epidemic.

Month-wise Data of Male and Female patients during the year 2021,
(1 April 2021 to 31 March, 2022)

Table : 1

S.No	Month	Total working Days	Male	Female	Compli.	Total Pts.
1	April 21	26	390	242	5	637
2	May 21	26	76	54	0	130

3	June 21	25	249	180	5	434
4	July 21	26	271	240	8	519
5	Aug. 21	26	313	263	7	583
6	Sep. 21	26	293	246	6	545
7	Oct .21	23	388	283	4	675
8	Nov. 21	25	435	357	5	797
9	Dec. 21	26	511	376	4	891
10	Jan. 22	25	488	336	2	826
11	Feb. 22	23	429	356	2	787
12	Mar. 222	26	373	379	2	754
Total		**303**	**4216**	**3312**	**50**	**7578**

Graph:1

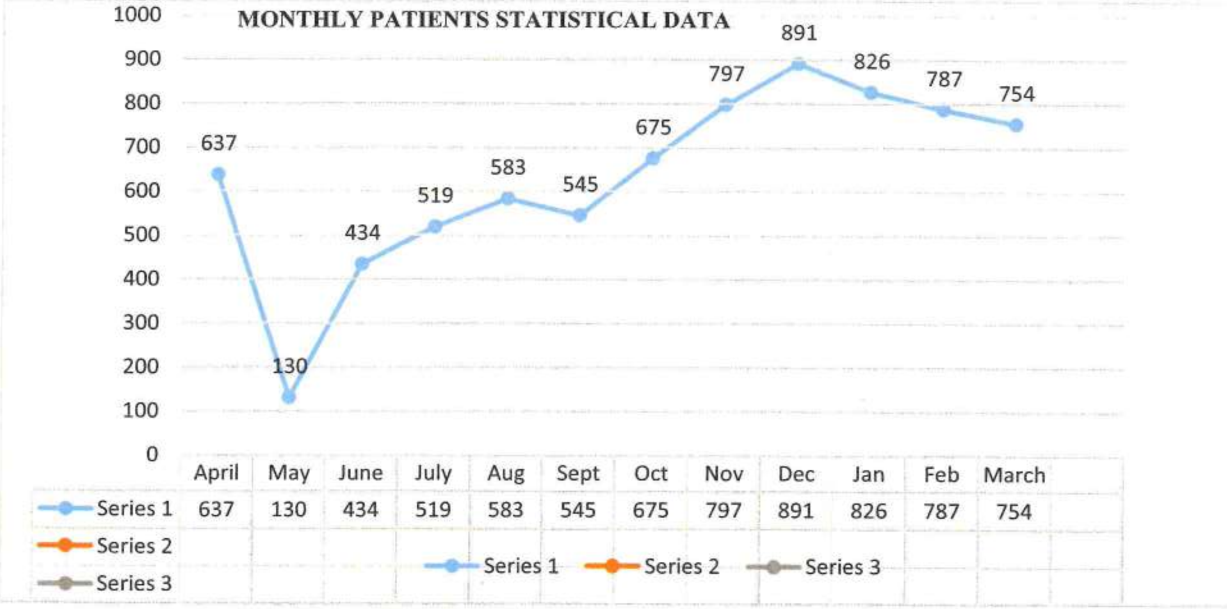

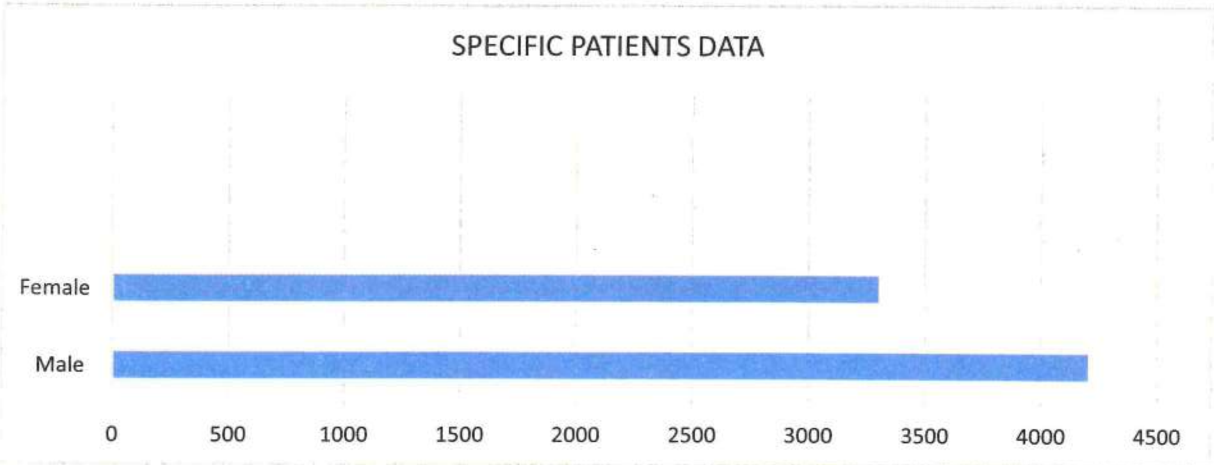

Table : 2

Disease-wise Statistical Data During the Year 2021
(1 April, 2021-31 March, 2022)

Month	Three Nyespa	Khong Nad	Fever	Sense Organs	Internal Organs	gSang Nad	Thor Nad	lHan-sKyes rMa	Byis Pai Nad	Mo Nad	mT-sonr MA	gDon Nad	Dug Nad	Geriatic	Rotsa-Nad	Total
April-21	8	69	175	39	93	3	196	7	4	32	0	3	0	5	3	637
May-21	16	12	19	10	34	0	25	0	0	6	0	0	8	0	0	130
June-21	54	47	60	34	122	2	82	10	2	8	0	8	1	2	2	434
July-21	18	63	22	48	103	0	220	7	4	20	0	2	0	5	7	519
Aug-21	56	46	105	64	109	0	178	4	0	11	0	6	1	1	2	583
Sept-21	39	91	42	38	80	1	220	16	0	10	0	0	4	2	2	545
Oct-21	126	63	44	62	176	4	180	0	1	5	0	2	0	5	7	675
Nov-21	220	153	59	36	144	7	164	10	0	0	0	0	0	4	0	797
Dec-21	114	127	44	54	202	2	319	9	0	12	1	0	2	5	0	891
Jan-22	0	67	87	50	153	0	321	113	0	16	0	13	6	0	0	826
Feb-22	114	111	69	66	215	0	165	15	0	17	0	0	12	1	2	787
Mar-22	101	176	41	49	109	0	223	4	0	33	0	0	17	1	0	754
Total	866	1025	767	550	1540	19	2293	195	11	170	1	34	51	31	25	**7578**

Graph-2

Statistical Data of the Diseases Treated During the Year from
(1 April, 2021-31 March 2022)

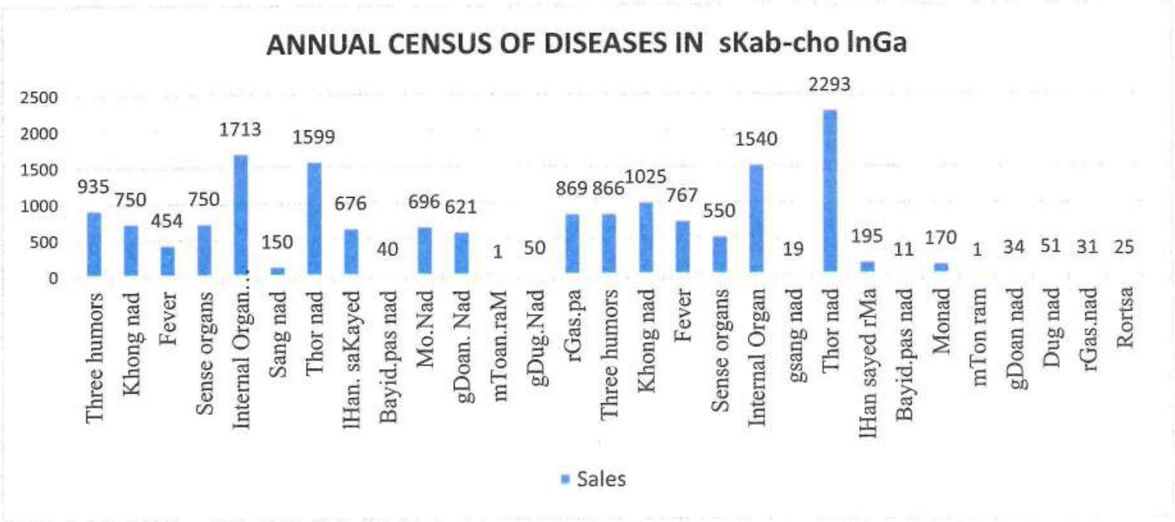

OPD Exposure-: OPD Unit provides clinical exposure for *Kachupa* students as part of their Clinical Practicum and their routine Practicum Classes are shown below in Table no.3 (1 April 2021 to 31 March-2022)

*The students of BSRMS Prof. 3rd, 4th, 5th and interns take clinical practical classes and attend to their routine duty in the OPD to acquire and enhance their soft and hard clinical skills.

Table-3

S.No.	Classes	Total Students
1	BSRMS-3rd	13
2	BSRMS-4th	12
3	BSRMS-5th	12
4	INTERN-SHIP	8
TOTAL		**45**

Pharmacopoeia Unit

Since the awareness of Sowa-Rigpa is increasing globally, the number of patient all over the world and particularly in India has been growing promptly along with the demand of Sowa-Rigpa products/medicine. But since, the general scientific acceptability of these products/medicines very much depends upon the compliance with the quality standards and quality control of the medicine and its manufacturing process. It is been indispensably required to have scientific standards for the identity, purity, efficacy etc. of the traditional medicine of Sowa-Rigpa as well. Therefore, keeping in view for publishing Pharmacopoeia standards of Sowa-Rigpa system, Pharmacopoeia Unit of Sowa-Rigpa Department has been established to undertake pharmacopoeial literary work. Subsequently, conserving and preserving rare text book, restoring the disseminated and disperse longstanding edition are to be upgraded and complementing the Tibetan Medical Text to the practitioners of Sowa-Rigpa has been kept in view as well.

Aim and Objective of the project is:

- To provide QC & QA of Sowa-Rigpa product.
- To introduce an authentic pharmacopoeia book.
- To provide information about the ingredients and methods of preparation of Sowa-Rigpa medicine.

Work Completed:

- An additional work is completed after the final Proof Reading
- The comparative study of *"The specification of the convoluted medicinal herbs of the rDolmag Nobhum"* has been thoroughly revised and studied.

Both the Menpas are also involved in routine patient consultation and IPD duty as an additional work.

EDMG Project

Establishment and Development of Medical Herbal Garden (EDMG) Tawang, Arunachal Pradesh

Project background note:

An Establishment & Development of Medicinal herbal Garden Project (EDMG Project & research wing) Tawang, is one of the very important herbal projects with regard to conservation, research and academic study of high altitude rare Medicinal plants & herbs. The project has been established and maintained under the **Department of Sowa-Rigpa, Central Institute of Higher Tibetan Studies**, Sarnath, Varanasi since its inception in 2008. By struggling through many hardships and difficulties, now it is being successfully running and in a better position to continue with its best of qualitative cum quantitative productiveness. **Mon Tawang** District is situated in north western region in the state of Arunachal Pradesh bordering with international borders of Tibet (Chinese occupied) and Kingdom of Bhutan.

It is bestowed with beautiful natural flora, fauna and surroundings. The heights of the mountains are fluctuating from five to six thousand meters from the sea level. This particular place is blessed and supplemented with varieties of natural growing of rare herbs, medicinal plants, varieties of beautiful flowers and wild animals, which are particularly found in Tibetan plateau. These herbs and plants need to be preserve and continue cultivation so that these should not be vanished from its existence and make justifiable uses in Sowarigpa Traditional medication systems to benefits abundance in future.

In lower part of Tawang district (30 km down) we could find naturally growth fruits like Oranges, Neem and even Amla, which are expected to grow in plain and hotter areas of mainland India. Also with dense forests, gigantic waterfalls, lengthening rivers and numbers of beautiful lagoons, this enhances more specialisms of the place. The place is exceptionally unique as local residents are deeply religious and strong acceptance in traditional healing systems particularly of the aged long medication system inherited from the traditions of Tibetan plateau. Locals have warmly accorded and supported our project as seeing it has great opportunity and means for preservation, cultivation and uses of such rare herbs

and medicinal plants. Therefore this project will be inevitable in near future for raw material supply and cultivation of these herbs and medicinal plants.

Current status of the Project:

As Tawang project is struggling towards achieving its aims and objectives with securing better position in the field of preservation and plantation of high altitude medicinal plants and herbs. Since from the initial, we have made enormous hard works and investments to make this project a grant successful. Accordingly we have succeeded in preservation of varieties of needy important herbs and plants which could be much useful to our pharmaceutical unit in future also.

Presently, we have project site cum herbal preservation garden **Menmagyalam** (5.47 acres) under lease deed for 20 years since 2008, which is around 20km far away from Tawang Township situated at the height of 14000+ ft. It is hedged with iron-wiring fencing and only permitted can enter into the site. As it is located in sloppy Rocky Mountains construction of stone counter terrace in center parts of the garden site has been done in beginning of the project as per requirement for plantation of herbs. Currently we have around 40 different species of herbs and plants in it.

Pictures showing the preservation and cultivation in Taksang nursery

Mr. Sangey Wangchu and Mrs. Rhimo have worked hard for long duration during Covid Lockdown and maintained a healthy growth of herbs and plants.

Discussion has been made with Sangey Wanchuk regarding difficulties in process of drying raw herbal medicines after collection has been made due to inadequate places for drying. Hence it causes deteriorating of valuable herbs and medicines due to heavy rainfall and bad climates.

Mr. Sangey Wangchuk received around 5-6 patients daily from nearby villages and military camps seeking raw medicines for their problems, which is very much

useful and beneficial to the patients as well as in promotion of our project objectives.

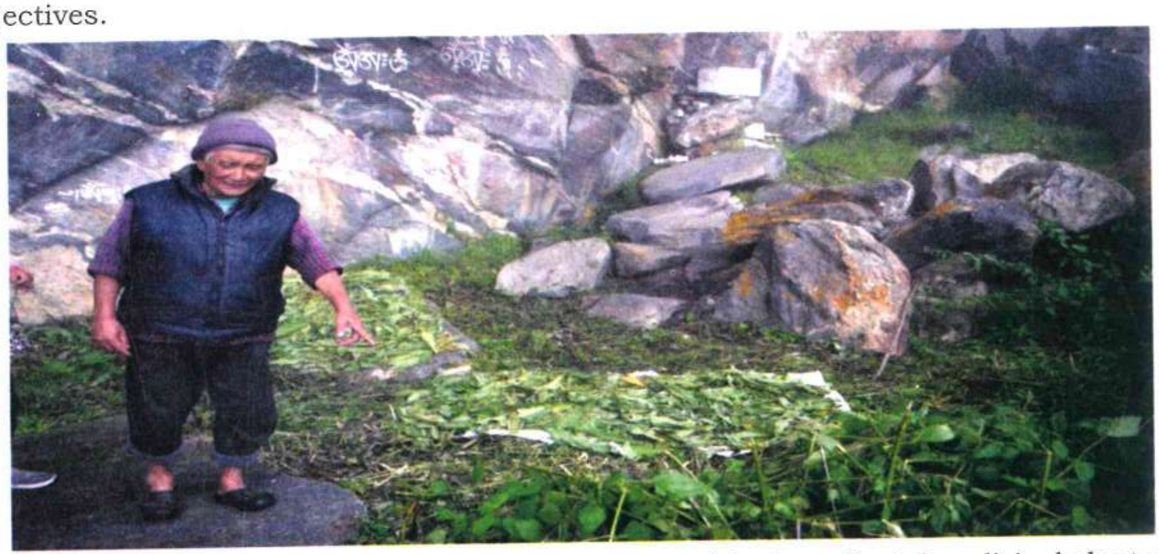

Above picture showing Mr. Sangey Wanchu in process of drying collected medicinal plants under huge cave adjacent to Taktsang plantation site.

Survey tour of Expert team from CIHTS to Tawang:

From dated 19 to 28 Oct. 2021 : Hon'ble Registrar and team visited Tawang to survey, scrutinize and review EDMG Tawang project works and development. Members attended the survey are:

1. Dr. R.K. Upadhyay — Registrar/Officiating VC, CIHTS
2. Prof. Lobsang Tenzin — Former Dean/PI EDMG Project
3. Dr. Dorjee Damdul — Dean, Co PI EDMG Project

The above expert team on the very first day (23 Oct. 2021) of their official tour has visited Lumla circle (around 40 KM) awaya from Tawangto make inspection regarding an opening of Yuthok Branch clinic at Lumla. But due to long gap of Covid-19 lockdown and delayed in the process the site for clinic which was proposed two years ago was occupied by others and currently not available of any alternates sites also. Therefore the team has suggested for opening of the said clinic from EDMG office Tawang initially. Later with much equipped and preparedness will look for opening branch clinic at Lumla circle as per the objectives of the project.

Above picturing showing the team visited to Lumla Circle for opening of new Yuthog branch clinic.

Again on 24 October, 2021 as per the schedule the Team has visited Taksang under trail plantation site for discussion with Villagers of Taksang and inspecting of the proposed plantation land for leased deed. But due to raise of sudden health issues of Honorable Registrar could not make proper meeting as arranged and the casual brief meeting was held on road side with villager's heads. The team has recommended and instructed project officer to finalize rate of land lease, lease period and other terms with villagers so that the lease deed will smoothly done in due time.

II. Department of Bhot Jyotish

(1) Dr. Tashi Tsering (J) - Associate Professor
(2) Dr. Jampa Chophel - Assistant Professor & Head
(3) Dr. Umashankar Sharma - Guest Faculty

Academic Activities:

We have successfully completed all the teaching-learning activity through online/offline mode during the drastically Covid-19 pandemic. In addition, the following program wee carried on during the cycle.

1. Shri Tashi Tsering invited a talk on Vowel appearance and its application in Tibetan Astro science by Tibetan Medical and Astro Institute, Bangalore.
2. Dr. Jampa Chophel invited a talk on "Monthly recognition in Tibetan Astro science" by Tibetan Medical and Astro Institute, Bangalore.
3. Dr. Jampa Chophel invited a Radio Free Asia conversation talk on Tibetan Astrology and its introduction which was aired in March 2022

4. Dr. Jampa Chophel invited a Radio Free Asia conversation talk on Tibetan Astroscience's teaching curriculum in the University which was aired in March 2022
5. Dr. Jampa Chophel also convened the annual general body meet of the Alumni Association of CIHTS at Dharamsala in collaboration with the Dharamsala chapter.

Committee Membership:

1. Dr. Jampa Chophel also served as NAD, AISHE, Nodal Officer of AIU, Chariman of Swachh Bharat, Member of IQAC, Treasurer of CIHTS Alumni Association and other official activities apart from general uninterrupted academic activity.

Dr. Uma Shankar Sharma

1. 18 January 2022 : Uttarakhand Open University, Haldwani astrology department "Educational Basis of National Consciousness" Participated in webinars online.
2. 30 January 2022 : Sreeshankar Shikshayatan Vedic Research Institute adjusted by GeetanamarhasyaGitashastramyster.
3. 11 February, 2022 : Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (Central University) New Delhi Teaching Learning Centre National Webinar on Implementation of NEP-2020 : In context of Higher Education.
4. 12 February 2022 : RASHTRASANT TUKADOJI MAHARAJ NAGPUR UNIVERSITY NAAC'A' GRADE POST GRADUATE TEACHING DEPARTMENT OF SANSKRIT Contribution of Sanskrit Literature to the History of India Central Sanskrit University: ad freedom Eklavya Parisarah, Agartala, Tripura Astrology Department : Amrit Mahotsav Jyotish lecture series – 2022.
5. 26 February 2022 : Sreeshankar Shikshayatan Vedic Research Institute adjusted by vedic science lecture series geetology. 11-19 February, 2022 - Diverse Dimensions of Vedic Science – 2022 VARIOUS DIMENSIONS OF VEDIC SCIENCES.
6. 22 March 2022 : Central Sanskrit University: 7op Azadi Amrit Festival Astrology Department: Eklavya Complex, Agartala, Tripura Amrit Mahotsav Jyotish Lecture Series – 2022 Subject:- Astrologer Research.

3. RESEARCH DEPARTMENTS

Research relating to restoration of Tibetan into Sanskrit and translation of Tibetan texts into Hindi, Sanskrit and English and critical editing of rare manuscripts of Buddhist texts, compilation dictionaries of general and technical nature and various research works on Tibetan language & Literature and publication thereof are the major activities of the Research Departments of the Institute. The research activities pursued at the Institute are in the forms of restoration, translation, critical editions and publication through the following Departments:

1. **Restoration Department**
2. **Translation Department**
3. **Rare Buddhist Texts Research Department**
4. **Dictionary Department**
5. **Centre for Tibetan Literature**

1. Restoration Department

Vision

The Restoration Department was established as an independent Department within the Research Department to restore ancient Indian science and literature preserved in Tibetan language, into original Sanskrit. It is not only aimed to restore the texts for research purpose, but to revive a lost Indian culture into its original form. This is the only university in the world, where such work is being carried out. The top priority is given to important works of Acharya Nagarjuna, Aryadeva, Shantarakshita, Kamalashila and Atisha and so on.

To restore the text into Sanskrit, the scholar of this Department works in collaboration with Indian Sanskrit scholars. This is a well-known tradition coming from the 9th century in Tibet. When these texts of Indian cultural heritage were first translated into Tibetan from Sanskrit, it was compulsory for a Tibetan translator to work with an Indian Pandit as a subject expert. Abiding by that tradition, this Department is also working with Indian scholars who are well versed both in Sanskrit and in Buddhist Philosophy. It is a matter of great honour that late Prof. Ram Shankar Tripathi, a President Award winner as well as a Padmashri Awardee, was working with this Department.

So far many important titles have been published from this University in the forms of restoration, translation and critical editions done by the scholars of this Department. Few of the works of this Department have received U.P. Sanskrit Academy Award.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Losang Dorjee - Associate Professor (HOD)
2. Ven. Ngawang Gyaltsen Negi - Research Assistant
3. Ven. Gyaltsen Namdol - (Demised on 15th April 2021 due to Covid-19 infection)

The Department remained closed from 8 April 2021 to 31 May 2021 due to spread of Covid-19 infection in the campus. However, all the staff worked from home without any lapse.

Main Project Works:

Nature of Work: This Unit is mainly engaged with restoration of ancient Indian Buddhist literature into its original Sanskrit, translating them into English and Hindi languages. The scholars of this department work on critical editing of the text and prepare CRC for publication. The department also conducts workshop and conferences. Members of this department take classes as and when it is needed. Currently following project works are in progress:

A. Research Team Work:

1. **'Buddhapalita's Commentary on Mulamadhymakakarika:** Some portion of Sanskrit manuscript was critical edited by Chinese scholar YE Shaoyong. On the basis of this manuscript Department of Restoration and Translation jointly critically edited and restored the lost portion of the second and seven chapters under the direction of Prof. P.P. Gokhale comparing with the Tibetan edition. Second chapter was published in the Dhih Patrika serial 61, CIHTS, ISSN 2395-1524, page no. 103-112.
2. The scholars of Restoration and translation department jointly worked on the critical edition of Tibetan version and Sanskrit manuscript of **Vimalakīrtinirdeśa Sutra** with Prof. P.P. Gokhale. Prof. Gokhale wrote on introduction which was published in 2021.
3. All the scholars of the department is engaged in translation of **'Science and Philosophy in the Indian Buddhist Classics'** into Hindi, under translation project for the private office of the His Holiness the Dalai Lama. The first draft translation of the text has completed. Final checking of the translation is under progress.
4. All the scholars of the department are engaged in the **Translation of Kagyur, Tengyur** and **Sungbum** into Hindi from the collection of Mahapandit Rahulsamkritayayan brought from Tibet. This is a collaboration project work between CIHTS, Sarnath and Art, Culture and Youth Department, Government of Bihar.

B. Research Project/Works:

1. ***Madhyamakaratnapradipa of Acharya Bhava Viveka:*** Critical edition of Tibetan version and Hindi translation is completed by Ven. Gyaltsen Namdol and published 2022.
2. Ven. Gyaltsen Namdol restored the ***Acharya Nagarjuna's Bodhicitta-vivarana*** into Sanskrit under the supervision of Prof. P.P. Gokhale. This will be published under revised edition of the text.
3. ***Bodhipadapradipapañjika of Acharya Dipankarasrijñāna:*** Restoration into Sanskrit and Hindi translation of the text with late Prof. Ram Shankar Tripathi was completed. Most of the restoration of the long verses into Sanskrit was completed under the guidance of Prof. P.P. Gokhale. Working on

research oriented introduction and preparation of appendix of the text is under progress.

4. ***Aryasarva-buddha-vishayāvatāra-jnanāloka-alamkāranāma-mahayāna-sūtra***: Completed the critical edition of the Sanskrit manuscript collating with Tibetan version. The work was being done with Prof. P.P. Gokhale and going to publish soon. Working on Research oriented introduction and appendices are under progress.
5. ***Mahavyutpatti:*** A comprehensive Sanskrit-Tibetan dictionary compiled in the 9th century by Indian masters with the Tibetan translators. Collating work with two other Tibetan editions has been completed. Presently, research and introduction works are under progress.
6. ***Yuktishastika of Acharya Nagarjuna and its commentary by Acharya Chandrakirti:*** Revision of restoration is under progress with Prof. P.P. Gokhale. The introduction and appendix works are under progress. This is joint project work with Translation Department.
7. ***Dharmadhatustava by Acharya Nagarjuna:*** Restoration and translation into Hindi and English is almost completed. Recently, a diplomatic edition was published from Austria. At present collating the text with newly published edition and other manuscripts. The critical editing and correction of all four languages (Sanskrit, Tibetan, Hindi and English) is under progress with Prof. P.P. Gokhale. Both Tibetan and Hindi introduction work is under progress.
8. ***Prahanapurakaśhatavandānamahāyāanasūtra, Karand-vyuhamahā-yānasūtra, Pratityasamuta-padasūtra and Dashakushalasūtra:*** Restoration into Sanskrit and Hindi translation of some of these texts is completed. Critical editing work is under progress.
9. ***Mahayanapathakrama of Acharya Subhagavajra:*** Critical edition of Tibetan version is completed. Rechecking of the Restoration and Hindi translation of the text is completed with Prof. P. P. Gokhale. Research analysis introduction and appendix work is under progress.
10. ***Vinaya Paribhasik Shabda Kosha:*** Working on the compilation of a dictionary on technical terms in Vinaya. This is a bilingual dictionary in Tibetan and Sanskrit. The work is done in collaboration with the Department of Dictionary.
11. ***Samkshiptananadristivibhajya*** by ***Acharya Umai Senge:*** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The introduction is under progress.
12. ***Abodhabodhakanama Prakaranam*** by ***Acharya Nagarjuna:*** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The work on introduction is under progress

C. Conference/Seminar/Workshop

1. 5 November 2021 : Alumni Association has organized one day webinar Seminar on 'Prof. S. Rinpoche Biography and his contribution to establish the

Tibetan education, culture preservations and spread in the world'. All the departmental members have attended the seminar.

2. 23 December 2021 : Alumni Association of CIHTS and Gyutoe Monastic University, Dharamsala, H.P. jointly organized a one day seminar on 'Buddhism, History of Culture and method of keeping strong mental state during the Covid-19 period' at Gyutoe Monastic University, Head of department participated.
3. 23 December 2021 : Alumni Association of CIHTS, organized Annual Alumni meeting as well as Long life celebration of Prof. Samdhong Rinpoche at Dharamsala, Gyutoe Monastery. During that occasion one day conference was also conducted on various topics. On the behalf of our Department Dr. Lobsang Dorjee participated the conference and gave talk on 'The Buddha teaching Pali Tripitaka and the importance of its translation into Tibetan.' The head of Department was also one of the organizing committee members.

D. Lectures attended:

1. 30 October 2021 : Institute has organized one day National Seminar on **'Svaraj Evam Pratirodh ka Itihas- Kashi ke Sandrabh Me'** for the commemoration of 75th India independent celebration day. Its conference was conducted under the chairmanship of Hon'ble Vice-Chancellor. All this occasion our Institute invited as Chief Guest, Dr. Balmukunda Pendey, Secretary of National organization, New Delhi and Shrimati Suma Jain, BHU, Vandana Jha, Basant Mahavidhyalaya, Varanasi, invited as a distinguish guest. The invited guest delivered talk on related topic and all the participants were highly appreciated. During the occasion all the members of the department attended the ceremony.
2. A weeklong meeting was conducted on **'Sampradaya communal harmony'** from 19-25 November 2021 in the Institute and many distinguished scholars were invited and delivered talk on related subject. On the behalf of our department Acharya Ngawang Gyaltsen Negi actively attended the meeting.

E. Manuscript Survey and Related Academic Works

1. Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi both were nominated as a coordinator and member secretary to look after the entire translation work of 'Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript brought from Tibet by Mahapandit Rahulsamkritayayan. This is joint project between Bihar Government and CIHTS, Sarnath.
2. The joint project work with Bihar Government and our Institute has been working together on the translation of Kagyur, Tangyur and Sungbum from Tibetan to Hindi language. More than 21 small texts critical editing and translation into Hindi work has been done and some of them are already completed. Acharya N.G. Negi has sincerely read the proof of some texts and applied the footnotes and updated in the computer.
3. Acharya Ngawang Gyalten Negi completed the seventh chapter of **Buddhapalita's Commentary on Mulamadhymakakarika,** which was edited

by the department scholars. He set all correction in the computer and later he consulted with Prof. P.P. Gokhley for final editing.

4. We have got a wonderful multi languages manuscript from Tangyur edition namely ***Shri Vanaratna-Mukhagamratna-Sarmala,*** which is written by Acharya Vana Ratna. It was written in Sanskrit language in Tibetan script and it has also Tibetan translation. The Sanskrit language is mostly corrupted and unable is understand easily. Thus we have decided to edit entire text and find out references and placed notes. Our department Acharya N.G. Negi has updated the whole text in the computer, translated into Hindi language, while proof reading and searching of references is still going on.
5. Acharya Ngawang Gyaltsen member secretary to look after the entire translation work of 'Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript brought from Tibet by Mahapandit Rahulsamkritayayan. Ven. N. G. Negi, apart from his regular duty, is actively engaged with out of station scholars to get their latest information about their translation and critically edited. This is joint project between Bihar Government and CIHTS, Sarnath which continues till date.

F. Other Academic Activities:

1. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has composed an article on ***'The Tibetan King Jangchub Hod contribution on re-establishment of Buddhism in Tibet'.*** This article was published in the newly released 'Bodhiprabha', vol. I, 2021, page no. 109-116, CIHTS.
2. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has critically edited Sanskrit version of ***Triskhandhasutra*** and translated into Hindi. This manuscript was found in Nepali Mantra collection. This small text was published in the Journal of Dhih. 62, CIHTS, ISSN 2395-1524, page no. 181-194.
3. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi worked on seventh chapter of **Acharya Buddhapalita's** commentary on ***'Moolmadhayamika Buddhapalita.'*** He compiled and restored unavailable portions, proof reading and applied notes. Later, Prof. P.P. Gokhale thoroughly checked whole Sanskrit language and submitted for publication.
4. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has contributed a paper on ***'An analysis of Vinaya rules between Mulasarvastivada and Theravada tradition.'*** This article was published in the Journal of Lumbini Prabha, Lumbuni Buddhist University Central Campus, Lumbini, Nepal, Vol. 6, May, 2021, page no. 71-82, ISSN: 2616-0196, 2717-4603, (Online).
5. Dr. Lobsang Dorjee was appointed as the coordinator of Ancient Indian Knowledge project. This project is a joint venture between CIHTS and Dalai Lama Trust, Dharamsala, engaged in preparation of Ancient Indian traditional syllabus for primary schools of India. This project is envisioned to promote human value, ancient Indian knowledge and moral ethics among the young Indian students. This project will introduce the basic Ancient Indian traditional thought such as philosophy, logic, emotions: destructive and positives, and moral ethics.

6. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has critically edited Tibetan version of ***Triskhandhasutra*** Hindi. This small text was published in the Tam-Tshogs 42, Library of Tibetan work and archive, Dharamsala, page no. 75-84, ISSN: 2454-5066.
7. Prof. Penpa Dorjee is engaged in translation of **"Science and Philosophy in the Indian Buddhist Classics"** into Hindi, a translation project of the private office of the His Holiness the Dalai Lama. This book has two volumes and in Tibetan Language. Prof. Penpa Dorjee and Ven. Ngawang Gyaltsen have given 11th Chapter for Hindi translation and its first draft translation work is completed. Prof. Penpa Dorjee revised the entire Hindi translation of the 11th Chapter and Ven. Ngawang Gyaltsen Negi has worked on searching of references with adding up notes and data input of entire related chapter still going on.
8. Dr. Geshe Lobsang Dorjee has composed an article on ***'Development and achievement of Buddhism in Koshambhi'.*** This article was submitted to annual inner Rajbhasha Journal 'Bodhiprabha' for publication.
9. Dr. Lobsang Dorjee has Guided and supervised Ph. D student Mr. Chuthrim Gurung from McGill University, Canada, February to April 2022 for three months. His thesis topic is on ***Tibetan Abhidharma Commentaries based on the Sazang Mati Panchen Lodro Gyaltsen's Commentary to Abhidharmasamuccaya.*** He also arranged Pali and other classes related to the topics.

G. Other Administrative Assignments:

1. 14-15 July 2021 : Our Institute conducted 'First Buddha Sermon Day' and Tibetan Buddhist Kagyur (Tripitaka) recitation was also conducted. All the Unit members attended the prayer.
2. 26 October 2021 : Organized 'Vigilant Awareness Week' at 11.00 a.m. by taking pledge in front of Administrative building under the Chairmanship of Registrar of our institute. All the members of the department attended the Oath Taking Ceremony.
3. 29 October 2021 : Ministry of Culture, Government of India directed us to campaign the cleanliness of Institute campus. Our Institute organized Cleanliness Campaign on 11.10.2021 from 4.00 to 5.00 pm to clean inside the offices in which all the staff participated.
4. 26 November 2021 : All the members of the institute joined webinar meeting with the Hon'ble Prime Minister of India for reading out the Preamble of the Constitution.
5. Geshe Lobsang Dorjee was nominated as a Co-Guide of Ven. Lobsang Nyendak and Ven. Tseten Tashi, Ph. D student at The Dalai Lama Institute, Bangalore.
6. Geshe Lobsang Dorjee was nominated as a Co-Guide of three Ph. D students from CIHTS, they are (1.) Mr. Sang Dorjee Sherpa (2.) Bhimal Mitra Lama (3.)

Miss Tarasova Tamara. These three students recently got admission at Ph. D. degree course.

7. Dr. Lobsang Dorjee attended both housing allotment meeting, during the session of 2021-22 year.
8. Ven. Ngawang Gyaltsen Negi was appointed as an invigilator of annual examination during the session of 2021 year. He sincerely attended duty as per notification.
9. 7 February 2022 : Dr. Lobsang Dorjee along with six more auditors were nominated to carry out the annual audit work of 39th Mess Management committee. The concerned nominated successfully perfectly carried out all the audition works.

Member of the Committee:

Dr. Lobsang Dorjee

Member: HAC Committee

Member: Students Voluntary Committee

Ven. Ngawang Gyaltsen Negi

Member: ST & SC

2. Translation Department

The Translation Unit of the Research Faculty is one of the important constituents of the Research Department established in year 1988 with an aim to translate the canonical texts of both ancient Indian and Tibetan scholars of par excellence. Besides translating into Hindi, English, Tibetan and Sanskrit, the lost Sanskrit texts are being restored mainly from Tibetan texts.

The Translation Department has four dimensions: editing of Tibetan and Sanskrit texts, restoration of lost Sanskrit texts with the help of Tibetan translations, the translation of extant Buddhist works from Tibetan, Sanskrit and Pali into Hindi and English, and translation of important Sanskrit texts into Tibetan.

During this session Department published one independent, one collective book and one small portion of a book published viz: प्रत्ययपरीक्षानाम प्रथमं प्रकरणम् (मूलमध्यमकशास्त्रं प्रसन्नपदाटीकया संवलितम्, विमलकीर्तिनिर्देशसूत्रम् तथा गतागतपरीक्षा (द्वितीयं प्रकरणम्, मूलमध्यमकशास्त्रबुद्धपालिती टीका in Sanskrit, Tibetan and Hindi languages.

Besides, department's members are also engaged in other fields like teaching and publication and they took online classes and completed given courses. They also have taken Viva, fresh assignments and exams etc. through online mode as per office order.

Staff Members and their Designations:

1.	Dr. Pema Tenzin	-	Professor and HOD
2.	Dr. Ramji Singh	-	Assistant Professor
3.	Associate Professor	-	Vacant
4.	2 Research Assistants	-	Vacant

Departmental main works:

A. Published :

1. **Pratyaya-Pariksha Nama Prathamam Prakaranam (Moolamadhyamaka-shastram Prasannapadatikaya Samvalitam) :** Edited Sanskrit and Tibetan versions, translated into Hindi with an introduction. ISBN: 978-81-947706-5-7 HB, 078-81-953904-0-3 PB, CIHTS, 2021
2. **Vimalakirtinirdeshasutram :** (A team work of editing and restoration together with the members of Restoration and RBTR Departments) ISBN: 978-81-497706-7-1 HB, 978-81-947706-8-8 PB, CIHTS, 2021
3. **Madhyamakashastra Buddhapaliti Tika (Gatagatpariksha, IInd chapter) :** Edited and restored the fragmented Sanskrit manuscript with the help of Tibetan Translation and got published in Dhih-journal. DHIH-61, 2021, ISSN: 2395-1524

B. Main works in process:

1. **Sandhinirmocana Sutra :** Restoration into Sanskrit has been completed and computerization of Tibetan version with its editing, proof reading and finalizing works together with an introduction are in process.
2. **Mahayanasutralankara (Asanga) :** Hindi translation with language correction of 17 chapter onward is continued.
3. **Jatakamala (Haribhadra) :** Hindi translation has been completed and remaining works are in process.

   Note: (Department mainly engaged with editing, restoration, translation, proof-reading, computer composing, making cards, giving references, finding quotations, writing analytical introduction, bibliograph, indices, preparing camera ready copy, reading related texts, attending library and meeting experts to solve problems etc. to publish one complete research oriented book.)

C. Research Team Work :

1. **Yuktishasthika Vritti :** (Acharya Nagarjuna and Chandrakirti) A team work is being carried out for the restoration and translation into Sanskrit and Hindi respectively. Due to delay in Tibetan editing, introduction and indices it remained pending.
2. **Bodhipathapradipa Panjika :** Restoration into Sanskrit, translation into Hindi, editing of Tibetan version and computer input of the text are completed. Other related works are lingering due to some other important works.
3. **7th Samskrita Pariksha chapters of Buddhapaliti tika :** Members of Translation and Restoration departments together worked on critical edition and restoration of the fragment Sanskrit text of Acharya Buddhapalita with Prof. P.P. Gokhale and will be published in forthcoming Dhih- journal, CIHTS.

Teaching work :

1. Prof. Pema Tenzin is also engaged in online teaching to regular Sanskrit language class of Uttar Madhyama Ist year. He has completed all related

works such as class-assignment, taking viva, and two fresh assignments for said Sanskrit class from 20 August, 2020 onward and successfully completed the job in time.

2. Prof. Pema Tenzin is also supervisor of MPhil student Shri Buddha Lama and was engaged for their presentation, question paper setting and evaluation of answer sheet.
3. Prof. Pema Tenzin started online regular Sanskrit language class for the first semester and thereafter started regular off line classes since October, 2021 and completed course timely.
4. Dr. Ramji Singh, is teaching four optional Sanskrit classes and completed courses timely with all given assignments.

Seminar/Workshop :

1. 15-17 April, 2021 : An International Webinar on "Global Trends in Humanities and Sciences" was organized by Poddar International College, Rajsthan. Delivered a talk as a chief guest.
2. Members of Dept. took part in various webinars organized by many different bodies.

Articles and lectures :

Head of Department Prof. Pema Tenzin

1. Issues in translating Buddhist texts, Published, dharmadoot-87, 2021, ISSN: 2347-3428
2. 15 April, 2021 : "Importance and methodology of translation of Mahayana Sanskrit literature in Tibet" lecture delivered in webinar.
3. Alayavijnana ki Avadharana, published in the book called "Buddha & Bauddhashasana" Shantiniketan, ISBN: 978939195035, 2021.
4. Vijnanavada : Cittamatrata evam Nihsvabhavata, (submitted for publication)
5. 5 May, 2021 : Delivered a talk to two research scholars from Denmark on "Buddha and Dhyana" and also had discussion.
6. 17-18 May, 2021 : Delivered two lectures on "Research Methodology, Editing and translation" to newcomer Ph.D. students as a guide.
7. 28 Dec. 2021 : Delivered a talk on "Research Method" to the Ph.D. students of Sowa Rigpa.

Extra-curricular activities :

1. Prof. Pema Tenzin is supervisor of M.Phil student Shri Buddha Lama and was expert for two research dissertations in the month of June 2021. In addition, prepared question paper and evaluated answer sheets for MPhil.
2. 30 March, 2022 : Prof. Pema Tenzin as a member of Research Degree Committee interviewed five Ph.D. students.
3. **Bauddhavijnana evam Siddhantasamuccaya :** Prof. Pema Tenzin has completed the Hindi translation of given portion and soon Ist volume will be ready to publish.

4. **Madhyamakaratna-pradipah :** A translation work of our colleague Ven. Gyaltsen Namdol who passed away during lock down due to Corona pandemic. Prof. Pema Tenzin helped to complete this book after his demise by language correction of preface and translation of publisher's note into Hindi.
5. **Svarthanumana (3rd chapter of Pramanavartika) :** A Hindi translation work of late Prof. Ramshankar Tripathi. This work is a handwritten manuscript that exists in three parts. Prof. Pema Tenzin has been assigned to edit and proof read in the month of Jan. 2021 and has finished two parts.

Other Administrative Responsibility :

(a) **Publication In-Charge**

Prof. Pema Tenzin is also looking after Publication Unit as an In-charge since more than one decade. Looking official works, editing and printing works of Publication.

(b) **Member of Committees**

Prof. Pema Tenzin is member of Price-fixing Committee of Tibetan Books of Shantaraksita Library Committee, member of the house allocation committee and clean initiative, member of Rigorous Training Course, member of disabled information committee, member of screening committee for ST/SC and Screening Committee for Registrar selection.

3. Rare Buddhist Texts Research Department (RBTRD)

1. Academic Background of the Department

A. Vision

As a result of historical irony, much of the ancient Buddhist-Sanskrit literature from India has almost became extinct. Parts of this ancient intellectual heritage of India have been available as manuscripts in the neighbouring countries of India, especially Nepal and Tibet. In later times many manuscripts from these countries reached many libraries of the world. This department has been established with the vision of restoration, editing, publication and research of those extinct literature, especially Buddhist Tantra literature.

B. Establishment

This very important and ambitious scheme of research and publication of Rare Buddhist texts commenced in November, 1985 at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, (Deemed University) Sarnath, Varanasi, with the financial assistance by the Ministry of Human Resource Development, Government of India. Initially, a five-month pilot project was conducted to determine its scope of work and dimensions of study and research. After that, keeping in view of its achievements, importance and breadth of the subject, it was operated from 01.04.1986 under the five-year plan, which was later approved as a permanent section of the Institute. Presently, this department is functioning as a permanent department under the Research

Faculty of the Institute. The first director of this research department was visionary Late Professor Jagannath Upadhyay.

C. Staff Members and their Designations:

1. Prof. Kameshwar Nath Mishra - Visiting Professor (Re-engaged)
2. Dr. Thakursain Negi - Professor (Retired on 31.11.2021)
3. Dr. Banarsi Lal - Professor (Deceased on April 20, 2021)
4. Shri Thinlay Ram Shashni - Associate Professor
5. Dr. Vijay Raj Vajracharya - Research Assistant
6. Dr. Tsering Dolkar - Research Assistant
7. Dr. Ranjan Kumar Sharma - Research Assistant
8. Dr. Ravi Gupt Maurya - Research Assistant
9. Vacant - Research Assistant

D. Departmental Library

Since the beginning, a separate departmental library has been established in the RARE BUDDHIST TEXTS RESEARCH DEPARTMENT. Books on Buddhism, Shaivism, Shaktism, and other books related to Tantric literature were collected in this Library for research work of the department.

E. Selection and purchase of New Books in the year 2021-2022

In the year 2021-2022, no books were purchased for the departmental library. During this period, 1 Magazine (Bodhiprabh), 3 Journals (Dhāḥ) and 8 newly published books from the Publication Department, CIHTS, have been received. Their total value is Rs.3475.00. It includes 4 mono-lingual, 4 bi-lingual, and 4 multi-lingual Magazine/Journal/books. These Magazine/Journal/books have been entered in the accession register of the departmental library from serial numbers 002386 to 002397.

2. Publications, Editing and Research

A. Brief Introduction and Contribution of Research Journal 'Dhīḥ'

(1) The department publishes the annual research journal Dhīḥ to bring new research work related to Buddhist Tantra and its findings and new information about the research being done by the scholars and researchers. Since the inception of the department, this Journal is being published regularly. It is being widely appreciated by the scholars engaged in the study of Buddhist Studies, especially Buddhist Tantric Studies. Presently, it is being exchanged with 15 national and international research journals published in India and other countries. Almost all the columns of this research journal are presented by the departmental members. Till the reporting year, 61 issues have been published.

B. Publication of 61st issue of 'Dhīḥ' research journal

This year, due to the lockdown of Corona pandemic, 61st issue of the Dhīḥ research journal was published on the occasion of Dharmacakra-Pravarttana-

Day on July 24, 2021, instead of its scheduled time Vaiśākha-Pūrṇimā (Buddha-Jayanti). In this issue, 3 research articles, 8 minor texts, partial part of 1 broad text and 2 new hymns have been published. Apart from these, an introduction of manuscripts of 16 texts is available in Pañcakramādi saṁgrah (collection of Skt. Manuscripts) has also been published under the title *An Introduction to Rare Texts.*

C. Compilation of material for the upcoming 62nd issue of 'Dhīḥ' research journal

In this year, editing of hymns and minor-texts from Rahul-Saṁgrah, Collection of other related research materials, Data-input of edited texts, Proof-readings and corrections in computer were done for the forthcoming 62nd issue of the Research Journal Dhīḥ.

D. Published Texts:

(1) The hymn (Stotra), Minor texts and other research material published in the 61st issue of Research Journal Dhīḥ:

1. Śrīhevajrayoginīcakrastutiḥ
2. Śrīhekāravajrabhagavad-Āśīrūpāstutiḥ
3. Durlabha Grantha Paricaya (Manuscripts Details of Pañcakramādi-saṁgraha)
4. Sūkarikāvadānasåtram (With Hindi Translation)
5. Dag-po Kṛta Caturdharma-Sāra and Kyob-Pa Jig-Ten-Sum-Gi-Gon-Po viracita ñīkā-Sphuñārtha (Translated into Hindi from Tibetan)
6. Buddhapālita-Målamadhyamaka-vṛtti- (Editing)
7. Nairātmyā-prakāśaḥ- Editing (with Hindi translation)
8. Abhisamaya-kramaḥ- Editing (with Brief Introduction)
9. Tarpaṇa-vidhiḥ- Editing (with brief introduction and Hindi translation)
10. Pañcakrama-ṭippaṇī- Editing (with Brief Introduction)
11. Advayavajra-kṛta-Śrihevajraviśuddhinidhisādhanam- Editing
12. Ācārya-Śrīdhara-praṇīta-Śrīmadyamāritantramaṇḍalopāyikā- Editing

3. The Process of Editing and Publishing of Sanskrit and Tibetan Texts and the Details of the Accomplished Research Work during this Financial Year:

Process of Critical Editing- Firstly, Selection of the text for Editing, Research about the selected text, Collection of the manuscripts from different Libraries, Classification of Manuscripts, Transcription in Devanāgarī Script, Data input in Computer, Collation of various versions from Sanskrit manuscripts/Tibetan versions of Kagyur and Tangyur, Reading justification of collated version, Collation between Sanskrit and Tibetan versions, Input of the text with critical edition in computer, Proof-reading and correction, Preparing of indexes and appendices (index of verses of Sanskrit/Tibetan, index of quotations, glossary

of technical terms etc.), Collection of text related research materials, Preface & Introduction-writing and prepare final camera ready copy for publication.

1. **Śrī Catuṣpīṭhamahāyoginītantrarāja (Sanskrit-Edition)**

Out of the four Piṭhas of this text, Ātmapīṭha and Parapīṭha have been prepared for the first Volume. The final proof-correction of this text in computer is yet to be done.

2. **Pañcaviṁśatyamanasikāradharmasamuccayaḥ (Sanskrit-Edition)**

Ācārya Maitrīpāda's Tattvaratnāvalī, Kudṛṣṭinirghātana, Kudṛṣṭinirghātana-Ṭippaṇikā, Amansikārādhāraḥ and Apratiṣṭhānaprakāśaḥ etc. ten minor-texts data-transfer, text-setting, proof-correction have been completed. Re-input and correction of foot-notes of each text has also been done. Among these texts Hindi-translation of Tattvaratnāvalī, Kudṛṣṭinirghātana, Kudṛṣṭinirghāta-Ṭippaṇikā have also been completed.

3. **Sampuṭodbhavatantraṁ (Sanskrit-Edition)**

Proof-correction of nine chapters i.e four each prakaraṇa of first & second kalpas and one prakaraṇa of third kalpas of this text has been completed.

4. **Śrīhevajrasādhanavajrapradīpanāma-Ṭippaṇī-Viśuddhiḥ (Sanskrit-Edition)**

Editing-works of this text have been completed and handed over to the Publication Department to publish.

5. **Śrīmatkāṇhapādaviracitaḥ Dohākośaḥ, Siddhācāriṇī Mekhalā Praṇītayā Ṭīkayā, Paṇḍit-Amṛta-Vajra-Praṇītayā Ca Ṭīkayā Sahitā (Sanskrit-Edition)**

Editing-works of this text have been completed and handed over to the Publication Department to publish.

6. **Abhiṣekavidhiḥ (Sanskrit-Edition)**

Editing-works of this text have been completed and handed over to the Publication Department to publish.

7. **Sarvabuddhasamāyogḍākinījālasaṁvaratantram (Sanskrit-Edition)**

Editing-works of this text have been completed and handed over to the Publication Department to publish.

8. **Mahāpaṇita-śūnyasamādhipādānāṁ Bhagavataḥ Hevajrasya Guṇasragdharānāma-Stutiḥ**

This hymn text has been collated again with the Sanskrit-manuscript, after necessary correction of the whole text the editing work has been finalized.

9. **Nairātmyā Bhagvatyā Āśīḥ-Stutiḥ**

This hymn text has been transcribed into Devanāgari Script from the Sanskrit-manuscript. Thereafter data-input in computer, proof-correction has been done and the editing work has been finalized for publication.

10. Durlabha-Grantha-Paricaya (Rare-Text-Introduction)

Under this title, the third collection of Rahul-saṅgrahaḥ named *Bhūtaḍāmaratantra-saṅgrahaḥ*, which includes 7 texts and its details of the manuscripts have been given.

11. Ācārya Candrakīrti-racitaṁ Vajrasattavaniṣpādanasūtram (Sanskrit-Edition)

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and collation with the Tibetan text has also been done to finalize the editing works of this text.

12. Ācārya-Candrakīrti-racitaṁ Utpatikramasādhanasya Mantroddhāraḥ (Sanskrit-Edition)

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and necessary corrections have been done to finalize the editing works of this text.

13. Siddhācārya-Nāgabuddhiḥ-kṛtā Vyavastholiḥ (Sanskrit-Edition)

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and necessary corrections have been done to finalize the editing works of this text.

14. Amṛtaprabhā-nāma-Sādhanopāyikā Hevajrasya Nairātmyā-Sādhanam

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and also collated with available version in Sādhana-mālā. After searching the quoted verses in related texts & their data input in the text, the editing work has been completed to publish.

15. Ācārya-Alalavajrapādānāṁ Sahajadvibhujahevajrasādhanam

This text is written in Bhujimol script in 74 verses. It has been transcribed from Sanskrit-manuscript into Devanāgarī script and necessary corrections related to language has also been done to finalize the editing works.

16. Paṇḍita-sthavira-mañjukīrtipāda-viracitaḥ Ādikarmāvatāraḥ (Sanskrit-Edition)

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and necessary corrections have been done. Along with the search of quoted verses in related texts & their data input has also been done to finalize the editing works.

17. Ādikarmāvatārapratibaddham

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and necessary corrections have been done. Along with the search of quoted verses in related texts & their data input has also been done to finalize the editing works.

18. Buddhādi-pūjāvidhiḥ (Sanskrit-Edition)

The whole text re-collated with its Sanskrit-manuscript and necessary corrections have been done. Along with the search of quoted verses in related texts & their data input has also been done to finalize the editing works.

19. Antarābhava-Adhyeṣaṇā (Mūla)

This text named *Antrābhava-Adhyeṣaṇā* is written by Bhoṭa-Ācārya Kun-Ga Pal-Jor (=Ānand-Śrī) in 36 verses. Its translation from Tibetan-language into

Hindi, brief-introduction, data input and proof-correction etc. research work has also been done.

20. Śrī-Atulya Gyal-Wang-Chos-Je viracita Antarābhava-Adhyeṣaṇā Kī Gambhīra-Āśu-Mārga-Sopāna nāmaka Saṁkṣipta-Abhidheyārtha-Ṭīkā

This commentary text of *Antarābhava-Adhyeṣaṇā is written by* Bhoṭa-Ācārya *Kun-dga' Mi-'gyur rdo-rje.* In this edition the Initial part of Hindi-translation of this text and brief Introduction of the text has been given. The residual part of this book will be published in next editions of the Research Journal Dhīḥ.

21. Ācārya Divākaracandrakṛtaḥ Hevajratattvavikāsaḥ

This book is written in Bhujimol script. Transliteration of four chapters. into Devanāgarī and data-input in computer was completed from the first chapters to the fourth chapters of this book.

22. Madhyamakaśāstra ki Buddhapālita ki Tīkā

Edited by the scholars of the research-department for publication in the 62nd issue of Dhīḥ-Research Journal, the 7th chapter of this text, Sanskrit-examination, after matching the text and text-matching again with the Tibetan text, helped in the editing by executing the necessary amendments.

23. Ānanddhvaja-Śribhadara-Viracitaḥ Tārā-Bhattārikā-Abhisamayaḥ (Editing and translation):

Contributed in the editing of this book to be published in the 62nd issue of Dhīḥ Research Journal by Prof. Tashi Tsering. Which is translated in Sanskrit, Hindi and English languages.

24. Trīskandhakaṁ = Āryatriskandha-sūtra (Editing and translation):

Edited by Geshe Lobsang Dorje and translated into Hindi-language for publication in the 62nd issue of Dhīḥ Research Journal, this text was again collated from Sanskrit manuscript and Tibetan version to end-to-end and made necessary correction in the computer and helped to the editing of the book.

25. Śrīcatuṣpīṭhyoginītantrarāja (Tibetan-Version)

With the help of texts available in the form of symbols in Sanskrit text of this root text and Tibetan-Version of Śrīcatuṣpīṭhyoginītantrarājasya Smṛtinibandhanāma Tīkā composed by Mahācārya Bhavbhadra the second, third and fourth chapters of Parpīṭha was again corrected and text differences were added to the comments.

26. Pañcaviṁśatyamanasikāradharamsamuccayaḥ (Tibetan-Version)

Under this collection of Maitrīpāda, the work of setting and proof-revision was done by transferring data from old computer to new computer like Tattvaratnāvalīnāma, Kudṛṣṭinirghātanaṁ, Kudṛṣṭinirghātavākya- Ṭippaṇikā, Amansikāroddeśanām, Sekanirdeśanām, Sekatatparyasṁgraḥ. After that, the data-input and revision work of the comments of each book was done again.

27. Ācārya Candrakīrti viracita Vajrasattvasādhana-nāma (Tibetan-Version)

After inputting the data of Dege-edition of this text, text-collation was done with Bhoṭa Pedurma-edition. Also, data input of text-differences was done into the footer.

28. Bhotācārya Ṅog-chos-sku-do-rje vircita Catuṣpīṭhsaṅgrahārtha (Tibetan-Version)

This text was data-inputted into the computer from the ancient Tibetan manuscript.

4. Research articles and other publications published by departmental members

(1) Bauddhatantra men Ḍāka-Dākinī kī Avadhārṇā - Dr. Banarsi Lal, Dhīḥ-61, page- 27-36, 2021, ISSN 2395-1524.

(2) Yamārimaṇḍalopāyikā: Saṁkṣipta Paricaya - Dr. Thakursain Negi, Dhīḥ-61, page- 37-57, 2021, ISSN 2395-1524.

(3) Kālacakratantra Evaṁ Usakī Ṭīkā men Uddhṛta Āyurvijñāna kī Samīkṣā (2)- Dr. Ravi Gupt Maurya, Dhīḥ-61, page- 85-102, 2021, ISSN 2395-1524.

(4) Durlabha Grantha Paricaya - Dr. Banarasi Lal, Dhīḥ-61, page- 11-26, 2021, ISSN 2395-1524.

(5) Divangata Dr. Banārasī Lāla kā Vyaktitva evaṁ Kṛtitva - T.R. Shashni, 'Candratāl' magazine, Kullu, Himachal Pradesh, Edition - July 21- March 22.

(6) Tathāgata kī Saddharma-Deśanā aur Usakī Prāsaṅgikatā- T.R. Shashni, 'Bodhiprabha' Rājabhāṣā Patrikā, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Year - 2021.

(7) Nepāla men vajrācārya-Abhiṣeka kī paramparā evaṁ Pūjā-Paddhati - Dr. Vijayraj Vajracharya, 'Bodhiprabha' Rājabhāṣā Patrikā, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Year - 2021.

(8) Dr. Vijayraj Vajracharya has done data-input of 25 research articles in computer and font-change of remaining 81 research articles out of 106 research articles collections written by Banarasi Lal on various topics.

5. Organizing seminars, workshops and participating in other academic activities

(1) 12 June 2021 : Dr. Ravi Gupta Maurya participated in an international webinar organized on the topic 'Reason and Revelation in Buddhism' under Goodman Lecture Series organized by KHYENTSE FOUNDATION (US).

(2) 17 June 2021 to 18 June 2021 : The members of the department participated in a two-day webinar on "Yoga and Mental Health" under the joint aegis of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath and Bangalore Yoga College.

(3) 30 June 2021 : Shri T.R. Shashni Participated in one day webinar Seminar on "Rājabhāṣā Hindī kā Saṁvidhika Svarūpa", organized by Rājabhāṣā Samiti, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath,Varanasi.

(4) 14 September 2021 : Shri T.R. Shashni attended the Inaugural Speech of Professor Ram Mohan Pathak, Vice Chancellor, Dakṣin Bhārat Hindī Pracār Sabhā, Chennai in a seminar on "Rājbhāṣā Hindī: Pragti, Prayāsa aur Naī Saṁbhavanāē" organized in the auditorium of Shantarakshit Library of the Institute under the Rājbhāṣā Hindī function.

(5) 30 October 2021 : The members of the department attended a seminar on "Svabodha, Svaraja ēvṁ Pratirodha kā Itihāsa" under the Ājādī kā Amaṛta-Mahotsava.

(6) 05 November 2021 : Shri T.R. Shashni recorded the speech and presented through on-line on "Durlabha Bauddha Grantha Śodha Vibhāga kī Sthapanā ēvṁ Vikāsa men Professor Samdhong Rinpoche Jī kā Yogadāna" on the occasion of Professor Samdhong Rinpoche's birthday program.

(7) 5 November 2021 : Dr. Tsering Dolkar attended one day webinar on "Prof. S. Rinpoche's Biography and his contributions to establish the Tibetan education, culture preservations and spread in the world" organized by the Old Student's Union, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(8) 23 December 2021 : Dr. Tsering Dolkar participated in a one-day national seminar on "Bauddhadharma Sṁskṛti ēvṁ Itihāsa tathā Kovida-19 Kāla Men Mana Kī Sthirata kā Uapāya" organized under the joint auspices of the Old Students' Union, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath and Gyutod Monastic University, Dharamsalā, (H.P.).

(9) 23 December 2021 : Dr. Tsering Dolkar attended the lecture on "Opinion Leadership" by Professor Samdhong Rinpoche at Dharamsala, (H.P.) Organized by the Old Students' Union, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(10) 26 January 2022 : The members of the department participated in the Republic Day celebrations and the release of a magazine named 'Bodhiprabha' published by the Rājabhāṣā Samiti of the Institute.

(11) 24 February 2022 : Shri T.R. Shashni attended a one-day workshop, organized in the premises of Central Institute of Higher Tibetan Studies (Deemed University), Sarnath under the aegis of Ministry of Culture, Rājabhāṣā Prabhāga, New Delhi (Govt. of India).

(12) 28 February 2022 : The members of the Department, participated in the tree plantation and Books Releas programme written by Ajit Shekhar Suri ji organized by Shri Rahul Jain "Samasta Mahājana Sṁstha, Mumbai" at Anathpindad-Guest-House, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(13) Dr. Vijay Raj Vajracharya has sent an article titled "Samkṣipta Granth Paricaya: Pañcavinśati-Sāhasrikā Prajñāparmitā" for publication in the journal 'Triratna' published by the Buddha-Vihara Sangha, Lalitpur (Nepal) institution.

6. Participation in administrative work and meeting of various committees

(a) 23 June 2021 : Shri T.R. Shashni attended the quarterly meeting of the 'Rājbhāṣā Karyānvayana Samiti'.

(b) 11 August 2021 : Shri T.R. Shashni attended the meeting convened by the 'Rājbhāṣā Parāmarṣī' in connection with the publication of Hindi home magazine 'Bodhiprabha' (annual) of Institution.

(c) 28 October 2021 : Dr. Tsering Dolkar attended the meeting of committee member of Alumni Association, Central Institute of Higher Tibetan Studies Sarnath in Vidya-Kutir office through webinar to prepare for Former Vice Chancellor Professor Samdhong Rinpoche's birthday, dated 05.11.2021.

(d) 17 December 2021 : Shri T.R. Shashni attended the meeting of Spot Purchase Committee of Sowa-Rigpa.

(e) 24 December 2021 : Shri T.R. Shashni attended the meeting of the 'Rājbhāṣā Karyānvayana Samiti'.

(f) 29 December 2021 : Shri T. R. Shashni attended the meeting of NARĀKĀSA (Nagar Rājbhāṣā Karyānvayana Samiti).

(g) 15 March 2022 : Shri T.R. Shashni attended the meeting of the 'Mūla-Satyāpana-Samiti' constituted for the purchase of Tibetan texts.

(h) 23 March 2022 : Shri T.R. Shashni attended the meeting of the 'Rājbhāṣā Karyānvayana Samiti'.

7. Member of various committees

(a) Shri T.R. Shashani, Member, Spot Purchase Committee, Faculty of Sowā-Rigpā and Astrology, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(b) Shri T.R. Shashni, Member, Official 'Rājbhāṣā Karyānvayana Samiti', Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(c) Shri T.R. Shashani, Member, Editorial Board, 'Bodhiprabha', Rājbhāṣā Magazine, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(d) Shri T.R. Shashni, Member, 'Mūla-Satyāpana-Samiti' constituted for the purchase of Tibetan language texts in Śāntarakśita- Library.

(e) Dr. Tsering Dolkar, Committee-Member, Committee on Sexual Harassment of Women, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(f) Dr. Tsering Dolkar, Distinguished Committee Member, Old Students Association, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

(g) Dr. Ranjan Kumar Sharma, Committee Member, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath.

4. Dictionary Department

Vision:

Till a few decades ago, when interest in Mahayana Buddhism began to rise worldwide, literature related to it was limited to classical languages like Tibetan

and Chinese. As a result of the efforts of scholars like Mahapandita Rahul Sankrityayana, some Sanskrit texts did come to the attention of readers, but they were often inaccurate and incomplete. Seeing this situation, some contemporary scholars prepared an ambitious program, the chief object of which was to prepare authoritative editions of the available Sanskrit texts, to restore fragmentary texts with the help of their Tibetan translations, to encourage high-level research based on the material available in these languages, and to make easily available the Buddhist literature available in the classical languages like Tibetan, Sanskrit, etc. in modern languages like Hindi and English. To accomplish this ambitious program, the need for various kinds of lexicons was felt. Accordingly, the Central Institute of Higher Tibetan Studies undertook a grand Dictionary Project, in which there was a provision for the creation of two kinds of lexicons – general and specialized Tibetan - Sanskrit Dictionaries.

As a part of the effort to prepare general lexicons, a Tibetan – Sanskrit Dictionary running into 16 volumes was started in the year 1981 and completed in the year 2005.

Staff Members and their Designations:

1.	Dr. Ramesh Chandra Negi	- Officiating Chief Editor
2.	Dr. Tashi Tsering	- Research Assistant
3.	Shri Tenzin Sidon	- Research Assistant
4.	Dr. Karma Sonam Palmo	- Research Assistant
5.	Dr. Lobsang Choedon	- R. A. (On contractual)
6.	Dr. Vishwa Prakash Tripathi	- R. A. (On contractual)
7.	Mr. Ramesh Chandra	- Junior Clerk (Contractual)

Ongoing Projects:

1. **Ayurvijñana Kosha :**

   This Dictionary is based on the "Ashtangahridaya" and its components along with Tibetan and some Sanskrit commentaries. This dictionary highlights the contents of the "Ashtangahridaya" and entry words are in Tibetan; common as well as technical synonyms and their Sanskrit equivalents are also given. This dictionary is almost completed and is ready for publication.

2. **Jyotish Kosha:**

   This dictionary is based on Tibetan and Sanskrit Astronomical texts such as "Shigrabod" and others, mainly the *"Kalachakra Tantra"* and its commentary *"Vimalaprabha"*. It shall contain all the lexical contents of these texts. Contextualized citations will be used to explain the technical terms. The task of compiling this dictionary began with Astronomical texts available in both Tibetan and Sanskrit. This dictionary is almost completed and the hardcopy has been submitted for final correction to the Chief Editor.

3. **Students Tibetan-Sanskrit Dictionary (Chatra-Upayogi Kosha):**

   Mainly Prof. J.S.Negi initiated this Tibetan-Sanskrit dictionary and it is a common dictionary. It contains Tibetan words with their Sanskrit equivalents.

The Tibetan terms will be followed by their pronunciations, notes, examples, and modern Tibetan words will be provided wherever necessary to explain the meaning of those Tibetan terms. This dictionary work is divided into three parts. In the first part, it is in very simple words with the Sanskrit equivalents. In the second part, it has different modern dictionary forms of pronunciation and their Sanskrit equivalents. In the third part, all are related to correction work. This dictionary will be published in two volumes. Till now the second part of the first phase, Pa to Pha Verga has been completed in term of deriving Tibetan entry words and their English transliteration, pronunciation, and their Sanskrit equivalents.

4. **A Tibetan-Sanskrit Lexicon of the Abhidharma**:

   This Tibetan-Sanskrit bilingual lexicon will attempt to compile all the essential lexical entries of both lower and higher Abhidharma as classified in the Mahāyāna tradition. The primary text for the lower Abhidharma will be Acharya Vasubandhu's Abhidharma-kośa-kārikā and Abhidharma-kośa-bhāṣyam and their Tibetan translations (chos mngon pa mdzod kyi tshig le'ur byas pa and chos mngon pa mdzod kyi bshad pa). The primary text for the higher Abhidharma will be Asaṅga's Abhidharma-samuccaya and its Tibetan translation (chos mngon pa kun las btus pa). Currently, adding citations to the entry words collected from Abhidharma-samuccaya and e Abhidharma-samuccaya-bhasyam.

5. **Concordance of five Tibetan Buddhist Canons** (Bhot-Sanskarno ka Sandarbha Kosha):

   This concordance is a compilation of data from five editions (Derge, Narthang, Peking, Cone, and Lhasa) of the Tibetan Buddhist Canon (bka' 'gyur and bstan 'gyur). Data collections of comparative pages of the 18 texts of Dege edition and Narthang edition of the Kagyur & Tengyur have been completed to date due to resource currently the work has been paused.

6. **Tibetan Hindi – Kosha:**

Future Projects:

1. Sanskrit Tibetan Glossary (on hold)
2. Dictionary of Ancient Geographical Place Names in the context of Indian Buddhism (Tibetan)
3. Bauddh Nyaya - Kosha
4. Bauddh Tantra - Kosha
5. Granth-Kosha
6. Kriya Kosha.

Academic Work:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi takes classes, makes question papers, evaluates answer-sheets, and takes oral examinations of Kargyud sampradaya Shastra students.

2. Dr. Vishwa Prakash Tripathi teaches Sanskrit subject to the students of Shastri 1st and does answer-sheet evaluation and takes oral examination.

Paper presented at National, International Conferences:

Dr. Ramesh Chandra Negi

1. 1 April 2021 : Presided over the Pali Day celebrations at 3-4 pm on Google Meet.
2. 23-26 May 2021 : Participated in a four-day international seminar on the relevance of Pali and Theravada Buddhism, organized by the Pali Society of India held through webinar.
3. 25 May 2021 : Delivered a lecture on "How to lead a peaceful and meaningful life" during the pandemic time organized by Shri Muni Lal (Lecturer) on Google Meet at 11-12 am.
4. 13 June 2021 : Delivered a lecture on "Guidelines to students of Late Bilavya Anil Bahu Tayde Ji" as a special guest on a webinar organized by Buddha Taps Foundation Aurangabad, Maharastra.
5. 17-18 June 2021 : Participated in a special webinar organized by the University on the topic "Yoga and Mental Health".
6. 24 July 2021 : Delivered a lecture on "Real peace in the world" during the Ashadi Purnima or Guru Purnima celebrations organized by Dharmachakra Vihar Mawaiya as the president of the organization at 9-11.30 AM.
7. 14 September 2021 : Participated in the "Golden Jubilee Year of Himachal Pradesh Education Department" as an alumnus of the Government School, Moorang, Kinnaur at 2-2.45 pm.
8. 24 October 2021 : Participated in the Buddhist Ashoka Vijay Dashami Festival organized by the World Buddhist Federation in Jigna, Mirzapur, and gave a lecture on organizational Power and Virtue.
9. 18 November 2021 : Participated as the chief guest in the Emperor Ashoka Inscription Festival organized by the Emperor Ashoka Club India, Ahraura, Mirzapur.
10. 19 November 2021 : Participated in the hard shiver donation organized by the World Buddhist Federation and gave a lecture on the related subject at Dharma Chakra Vihar, Mawaiya, Sarnath at 9-11 a.m.
11. 19 November 2021 : Participated on the auspicious occasion of Kartik Purnima in the religious discourse meeting organized by World Buddhist Federation in Moolgandhakuti Vihar, Sarnath premises, and gave a lecture on the practical aspect of the Dharma at 2-5 pm.
12. 25 November 2021 : Presented a special lecture on "Communal Harmony Campaign Week" at AP guest house.
13. 29 November 2021 : Participated in the reception of newcomers students of the Kargyud Sampradaya 2021-2022 session.
14. 10 December 2021 : Participated and delivered a lecture on Indo-Tibetan relations and human rights on a special ceremony day of receiving the Nobel

Peace Prize to His Holiness the Dalia Lama, which was celebrated at Mahamati Pranath Mahavidyalaya, Mau Chitrakoot, Uttar Pradesh.

15. 23 December 2021 : Dr. R.C. Negi participated in the Christ Jubilee meeting, organized by the bishop of Varanasi province in the celebration on eve of Christmas, as a representative of Buddhism and gave the message on the topic of equality of all religions.
16. 21 January 2022 : Participated in the special meeting of Siddham Sansthan held through Google Meet as the President of the said institution at 8-8.45 pm.
17. 26 January 2022 : Participated in the University's Republic Day program Jhandotlan Sabha and was involved in the release of the official language magazine named Bodhiprabh published for the first time as its editor.
18. 26 January 2022 : Participated in the Republic Day celebrations as the chief guest and specially addressed the gathering by hoisting the flag at SD Memorial Public School, Emilia, Sarnath at 10 am.
19. 27 January 2022 : Participated in the special meeting of the Executive Committee of Pali Society of India held via online mode as the Vice-Chairman of the said committee at 6-7.30 pm.
20. 30 January 2022 : Participated in the first Dhamma discussion held on Google Meet as a keynote speaker and presented a special lecture on the topic of public welfare Buddha-Vachan at 7-8.15 pm.
21. 8 February 2022 : Participated in the Amrit Festival of Independence, as the State Minister in the one-day seminar on “Our responsibility in the holy festival of democracy organized jointly by Dharma Sanskriti Sangam Kashi and Swadeshi Jagran Manch, Kashi Province.
22. 11 February 2022 : Delivered a talk on the subject of Universal Mystic Music with Dr. Sandeep of Banaras Hindu Vishwavidyalaya along with a member of Sound and Music Travels (Remnant Hawkins) at 1-2.30 pm.
23. 11 February 2022 : Participated in the inauguration of the office of Siddham Sansthan as the President of NGO at 6-8.30 pm.
24. 13 February 2022 : Participated in the religious discussion on the topic of “Modesty in Buddhism”, held via online mode by the Pali Society of India.
25. 27 February 2022 : Presided over a special tribute meeting through a webinar to Bharat Ratna Lata Mangeshkar at the Department of Buddhist Philosophy, Dharma Chakra Vihar, International Buddhist Educational Research Institute, Sarnath, Varanasi at 2-5 pm.
26. 28 February 2022 : Participated in a special meta-spirit on the 10th day of the ten-day special Vipassana camp at Khargipur, Sarnath.
27. 20 March 2022 : Organized a special lecture by Prof Wangchuk Negi (Vice Chancellor) to Dechen Chos-Khor-Bhikshu-Sangha (Kullu, Himachal Pradesh) who had come to visit the holy pilgrimage sites at 9 am to 1.00 pm.

28. 24 March 2022 : Attended the "World Tuberculosis Day" in Varanasi as a representative of the university at Pt. Deendayal Upadhyaya at 9-10.45 am.
29. 27 March 2022 : Participated in the magazine release ceremony and invited Prof. Wangchug Dorjee Negi as a chief guest (Vice Chancellor), and as the special guest respected Registrar Dr. Himanshu Pandey, welcomed and introduced Himachal Buddhist Students Union.

Dr. Karma Sonam Palmo:

1. 20 September 2021 : Participated in the "International Webinar" organized by the "Mahabodhi Society" of India, Kolkata, and presented a talk on "**Significance and Challenges of Bhikkuni Sangha**".
2. 19 November 2021 : Presented a paper on the "**Importance of Recognition of Bhikkuni Sangha Globally**" during the Virtual Global Dhamma Council, organized by United Theravada Bhikkhuni Sangha International.

Acharya Tenzin Sidhon:

1. Engaged in V.C. office work related.

Research Paper/Publication and Translation:

Dr. R.C. Negi

1. 4 October 2021 : Worked on the Hindi translation of the book named "**Dol-Tod dang Sol-Debs**".
2. Edited work on Mar-Pai Nam-Thar Thong-Va Don-Yod (Biography of Marpa named Amoghasiddhi), Tibetan text converted into Unicode.
3. 8 July 2021 : Commenced Devanagari transliteration and Hindi translation of short text called Sol-Chhod (Adhyeshna-worship) sent by Upadhyay of Gons-Kar De-Chhen Chhos-Khor Vihar.
4. 29 July 2021 : Worked on "Karmavibhang" (Bhoti)-1-3 of the second revision and editing was completed.
5. 2-3 August 2021 : Edited, compiled, and translated work on "**Hridaysutra**" into Hindi from the Sanskrit and commentaries by Dr. Ramesh Shinka.
6. 7 October 2021 : Completed the first revision of the book named "Negi Rinpoche Tenzin Gyaltsen: Personality and Creativity" written by Dr. Prabhu Lal Negi.
7. 8 October 2021 : Started Bhoti translation of "Agganya Sutta" from in Pali Tipitaka Dighanikaya at the request of Gadan Phodang, Dharamsala, Himachal Pradesh.
8. 4 November 2021 : Started Bhoti translation of "Prasadik Sutta" from Pali Tipitaka-Dighanikaya at the request of Gadan Phodang, Dharamsala, Himachal Pradesh.
9. 11-17 November 2021 : Completed Bhoti translation of "Mahasatipataan Sutta" with Dr. Karma Sonam Palmo at the request of Gadan Phodang, Dharamsala, Himachal Pradesh.

10. 1 to 2 December 2021 : Prepared final proof of "Nyen Ngag Khams Del" (Commentary of Bhot Poetry) with Dr. Karma Sonam Palmo at 2-4 PM, which is to be published by KRPC.
11. 1 January 2022 : Started Bhoti translation of "Lekhan Sutta" at the request of Gadan Phodang, Dharamsala, Himachal Pradesh.
12. 10 March 2022 : Started proof correction on Hindi Translation text named "Chariyapitak" in Pali script by Bikchu Dhram Rakchit.

Dr. Tashi Tsering

1. Worked on the "**Student Edition Dictionary**", for the first phase of Ba Verga, Sanskrit synonyms, English transliteration, and its pronunciation of the second part.
2. Completed Hindi translation work and compilation of some other materials on the "**Sumagadhaavadanam**" book.
3. Working on the Tibetan translation of the Pali text "**Alargaddasutta**".
4. Finished proof correction on the Tibetan preface of "**Ayurvigyaan Kosh**"
5. Edited Tibetan text of the "Aryakashyapaparivarto-Nama-Mahayanasutra".
6. Translated "**Pathik Sutras**" into Tibetan.
7. Completed correction work on the Sanskrit Glossary of Ayurvigyaan Kosh.

Dr. Karma Sonam Palmo

1. 30 August to 25 September 2021 : Assisted in the work on the final editing of "**Biography of Marpa in Tibet**" with Dr. Ramesh Chandra Negi from 11 am-12 am.
2. Compiling entry words from the **Abhidharma –Samuccaya Bhasyam** for Abhidharma dictionary.
3. 11-17 November 2021 : Assisted Prof. Ramesh Chandra Negi during the final editing of his translation of "Mahatipaatsutta" from Pali to Tibetan.
4. Worked on the English translation of the Preface of the Bhot-Sanskrit-Ayurvigyan-Dictionary.
5. Worked on giving English equivalents to a list of Sanskrit words which was a task given by the V.C. office.
6. Corrected the English preface of Bhot Sanskrit Ayurvigyaan Kosh as per the present corrected in Hindi preface.

Dr. Lobsang Choedon

1. Completed all the corrections done on the computer of **"Jyotish Kosh**" which was a correction done in Sanskrit by Dr.Vishwa Prakash Tripathi.
2. Preparing "**Tibetan to Tibetan Astronomy Dictionary**" for a future project.
3. Prepared the whole theme of the "Ayurvigyaan Kosh" sample for showing to V.C. Sir.
4. Attended online Buddhist philosophy classes every Friday subject "Praramaanvartika" and on Saturday subject "Sidhaan Ratna mala" from 6.00 pm to 8.00 pm by Geshe Dorjee Damdul from Tibet House, New Delhi.

5. Preparing the Tibetan and English annual reports of the Dictionary Department.
6. Translated 89 Tibetan stanzas from Sanskrit stanzas on Jyotish text named "Shirgrabod" as well as written Tibetan commentaries.
7. Worked on the text "Jyotish Ratna Mala" comparison between Sanskrit texts and started to write Tibetan commentary on that.
8. Finished proof correction on text name "Por Tang Chikyi Korko" having 204 pages written by Associate Professor Tashi Tsering which is soon to be published this Institute.

Dr. Vishwa Prakash Tripathi

1. Completed proof correction on "**Student Edition Dictionary**".
2. Working on the selection of the words from "**Pramaanvartik**".
3. Working on a translation of book named "**Madhyamhridhayam**" into Hindi.
4. Took online classes of Sanskrit of Shastri first-year students.
5. Written the "**Biography of late Jita Singh Negi**", former chief editor of the dictionary department under the guidance of our Chief Editor Dr. Ramesh Chandra Negi at the request of Prof. Jampa Samten.

Other Educational Activities:

1. 30 June 2021 : Dr. R.C. Negi, participated in the Official Language Workshop organized by the Official Language Implementation Committee through a virtual forum from 2-5 pm.
2. Dr. R.C. Negi, attended the meeting of the Board of Buddhist Studies of the Buddhist Pali Department (Sanskrit University, Varanasi) as a member.

5. Centre for Tibetan Literature

Taking into account the importance and richness of Tibetan Literature, it was felt that its comprehensive history is yet to be written consequently; hence the Centre for Tibetan Literature was established. The comprehensive history of Tibetan literature will reflect its developmental process and influence of Indian literature on Tibetan. The corpus in Tibetan language is available in two forms: (i) Translated from Indian Language primarily Sanskrit-comprises more than five thousand texts, and (ii) Works of Tibetan Scholars in various disciplines running into more than lakhs. Observing that so far no comprehensive history of Tibetan Literature is available despite the fact that the Tibetan Literature is immensely rich, the Institute decided to prepare a comprehensive history of Tibetan Literature. In order to materialize it, the Institute created a unit of Research Department namely "Centre for Tibetan Literature" which can produce comprehensive history of Tibetan Literature as well as translating other literary works and conduct research, workshops and conferences etc. Taking all these facts in view, the Institute made plan to engage senior reputed scholars in this project.

Accordingly, a Sr. researcher was engaged as the primary person in the Centre for Tibetan Literature, who has been working in the project since the last 8 years and has extensively worked on this project and written a comprehensive history of Tibetan literature in draft forms running into 4 volumes, which is under process of completion. Along with this project, the Centre has produced other literature in the form of commentaries and translations. It has conducted symposium on "The History of Literature of Sanskrit and Hindi". A workshop was also organized to discuss some of the draft chapters.

4. SHANTARAKSHITA LIBRARY

The Central Library of the Institute, named as Shantarakshita Library, is a unique treasure of valuable Xylographs, books, periodicals and multimedia documents. The library has a vast collection of Indian Buddhist Sanskrit texts in Tibetan translations. The collection of the library is based on the objectives of the Institute and it has been recognized as the collection of National Importance by the Government of India.

The Library is named after one of the renowned Indian Buddhist scholar Acharya Shantarakshita of Nalanda Mahavihara, who visited Tibet in the 8th century C.E. for the noble cause of Dharma. The collection of documents on Buddhism, Tibetan and Himalayan studies and allied subjects of the library is point of attraction for the Indian and foreign scholars.

The library is well equipped with latest ICT infrastructure, providing services based on the multilingual bibliographical database of the library collections.

Library has full text online access to the resources of TBRC (Buddhist Digital Resource Centre), World Public Library resources http://community.worldLib.in and South Asia Archive (SAA) http://www.southasiaarchive.com

In addition to the printed and online documents, the library manages a rich collection of Microfiches, Microfilms and Audio & Video documents. Library is also linked with The Dalai lama Foundation, Dharamshala, for the development of Tibetan literature and culture.

Library is having IP authenticated full text online access to the resources of Economics and Political Weekly (www.epw.in), and databases of ISID (www.isid.org.in), under UGC-INFONET program of the INFLIBNET (www.inflibnet.ac.in).

Multilingual catalogue (Web-OPAC) of the library is linked with the website (www.cuts.ac.in) of the Institute and functioning smoothly.

1. Prof. Tashi Tsering (S), Library In-Charge
2. Mr. Sudhriti Biswas, Office Assistant, On Contract

Shantarakshita Library has the following Sections:

(1) Acquisition, Technical and INFLIBNET Section

(2) Periodical and Reference Section

(3) Tibetan Section

(4) Circulation Section

(5) Stack Section

(6) Multimedia Section

(7) Computer Section

1. Acquisition, Technical and INFLIBNET Section

1.1 Acquisition Section

(A) During the financial year 2021-2022 (1st April 2021 to 31st March 2022) total number of 2037 documents of ₹8353658.00 were procured and entered in the Accession register from accession number 123141, 123142 & 123253 to 125287.

Out of 2037 documents, 1507 titles valued ₹3057959.00 were purchased and 347 documents worth ₹5295699.00 were received as donation and 03 documents received on exchange with institute publications and 180 are bound journals.

Details of Books Purchase during 1st April 2021 to 31st March 2022

Tibetan	1229
Sanskrit	22
Hindi	166
English	365
Multilingual	242
others	13
Total	**2037**

Purchase	1507
Donation	347
Ins/Exchange	03
Bound Journals	180
Total	2037

Purchase Value	3057959.00
Non-Purchase Value	5295699.00
Grant Total in	**8353658.00**

1.2 Technical Section

1. During the period from 1st April 2021 to 31st March 2022 total no. of 1387 documents had been classified with help of CC (6th ed.) and catalogued in SLIM database. After technical processing all the books are transferred to the concerned section/stacks.
2. On-demand technical processing of books whenever required.
3. Duplicate checking of books whenever refereed by acquisition section.
4. 893 individual Tibetan books were classified, catalogued and transferred to Tibetan section.
5. All Tibetan books had been classified with the help of Colon Classification (Tibetan version of CC) and catalogued in SLIM database.

1.4 List of Employees working in the Acquisition & Technical Section

1. Shri Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer
2. Smt. Tenzin Rigsang, Professional Assistant
3. Shri Ravi Kant Pal, Semi Professional Assistant
4. Shri Tenzin Chungdak, On-Contract
5. Smt. Dicky Dolma, On-Contract
6. Ms. Ngawang Lotso Lama, On-Contract
7. Shri Shiva Bachan Sharma, MTS

2. Periodical and Reference Section

2.1 Subscriptions:

During the year 2020-21 the section spent **₹19,252.00** to subscribe/acquire journals, Magazines & Newspapers.

S. N.	Items	Mode of Subscription	No. of Title	No. of Vol.(s)	No. of Loose Issues	Amount
1.	Inland Journal	Subscription	4	7	12	7,100.00
2.	Complimentary/ Gratis	Gratis	12	16	16	00.00
3.	Exchange Journal	Exchange	3	3	3	00.00
4.	Newspapers and Magazine (22)	Local	19	22	131	12,152.00
Total			**38**	**48**	**162**	**19,252.00**

Services:

1. Journal Indexing: Acritical indexing of current Journals in SLIM database is regular feature of the Periodical Section. During the year 2021-2022 (135) article (English & Hindi) journals have been indexed from the subscribed academic journals. As on 31st March 2022, the journal article database of

SLIM contains **18,070** article entries. This database is accessible through library OPAC.

2. From 1st April 2021 to 31st March 2022, 165 reference books have been transcribed under maintenance work.
3. During the year 350 reference books have been stacked as per class-wise in almirah.
4. Reference service provided to research student, staff and other readers.

2.3 List of Employees working in the Periodical & Reference Section

1. Mr. K. N. Singh, Semi Professional Assistant
2. Mr. Satish Kumar Rai, Daily Wager Staff

3. Tibetan Section

Tibetan Section of Shantarakshita Library of The Buddhist canonical literatures in Tibetan language known as *Kagyur,* the "Translated Words of Buddha," and *Tengyur*, the "Translated Treatises of Indian Acharyas" are the core repository of this section. Several editions of Kagyur and Tengyur in xylography format along with *Bonpo* Kagyur & Tengyur (Tibet indigenous religion) and *Sungbum* (a collected works of Tibetan scholars) are available. Nevertheless, the Tibetan medicine (gso-ba-rig-pa), Tibetan astrology, linguistic, literature, history and periodicals all printed in contemporary book format are part of its inevitable collection.

1. The Tibetan section presently have the editions of canonical text of Kagyur (Pothi, Debchen, Book) and Tengyur (Pothi, Debchen, Book):
2. Pali and Chinese Tripitaka in Book Format.

3.2 Total Holding of Tibetan Section at Present

Type of books	Title	Copies	Remark
Book	8154	27224	As per report generated in new query in catalogue browser with the provisions of item type, book with Tib. language.
Pothi	1535	7807	As per item type report.
Debchen	481	1958	--do--
Periodical	272	2091	
Total	**10442**	**39080**	2022-23

3.3 Technical Work:

1) Subject classification of backlog books in Tibetan Section. Tibetan literature section has been almost completed and the books were reshelved accordingly.
2) Editing in access point -author, subject name and other necessary changes in catalogue while providing Call no.
3) Preparing analytical entry of the book transferred from technical section.

4) Pasting book pockets, labeled and transaction slips.
5) Tibetan books and pothi found unaccessioned were transfer to acquisition section.

3.4 Library services:

1) Acquisition section: With reference to the acquisition section record, duplicate checking of 749 new arrival books before, purchased.
2) Co-ordination work to Muti-Media Section: With reference to the Tibetan section Internal Service record book, The Section has provided **198** books to the Multimedia section for digitization.

3.5 Reader's Services:

1. Reading Room Service
2. Search of book on shelf
3. Bibliographic Service
4. Article Index
5. Special Catalogue in Print
6. Online search on TBRC (Tibetan Buddhist Resource Centre) portal

3.6 List of Employees working the Tibetan Section

1. Lobsang Wangdu, P.A. (I/C Tibetan Section)
2. Choenga Tsering, On Contract
4. Tashi Lhamo, On Contract
5. Anil Kumar Yadav, On Contract

4. Circulation Section

Circulation Section of the library, enrols and renews the library membership and manages the Issue, Return, Reservation and other related processes, the section also maintains usage statistics of the library.

Details of Registered Users in the Library during FY 2021-22

Students	**313**
Staff	**66**
Casual & Request Members	**15**
Temporary Members	**14**
Departmental Members	**06**
Total	**414**

4.1 During the year total 106 new members, including 89 Students, 09 Staff, 08 Non-Regular members were enrolled in the library and 54 No-Dues certificates have been issued.

4.2 Total 19886 circulation transactions have been done during the financial year which includes Issue, Return and Reservation etc.

4.3 Total 3234 documents had been issued and 3298 documents returned by the library users during the year.

4.4 Total 13209 users visited the library during the year 2021-22.

4.6 **List of Employees working Circulation Section**

1. Ms. Tashi Dolma, On Contract

5. Stack Section

General Stack section provides user services based on documents of other than Tibetan languages and special collections. The section is housed in two floors and the documents are arranged subject-wise based on Colon Classification Scheme 6th ed. Details of Services and maintenance works done by the Stack Section of the library during the year are as under –

5.1 Services

1.	Number of users visited (Based on number of requisition slips)	761
2.	Number of Documents taken from shelves (Based on number of requisition slips)	1742
3.	Number of Reading Room services (General stack)	1655
4.	Number of User Services based on Special Collection	46

5.2 Additions and Maintenance

1.	New additions	1387
2.	Documents sorted out & sent for technical rectification	47
3.	Documents received after technical rectification	47
4.	Shelf rectification	a-z, A,B,O,M,N,P,U,X,W,Q,LJ C, KNC, AKS, RST
5.	Number of documents transcribed/re-transcribed	1587

5.3 List of Employees working the Stack Section

1. Mr. D. P. Singh, Professional Assistant
2. Mr. Ramesh Chandra Singh, Professional Assistant
3. Mr. Vijay Kumar Patel, Library Attendant
4. Muhammad Mumtaj, Library Attendant

6. Multimedia Section

The Multimedia Section is well equipped with the latest ICT infrastructure and the software to create and edit various digital documents. Since its founding, the multimedia section has been engaged in the work of Audio and Visual recordings of important teachings, lectures and other academic events within and outside of the

Institute as well as digitization and content preservation/Format conversion of rare Buddhist text and manuscripts using new technologies. The section procures, manages, and provides services based on microfiches, microfilms, Audio Cassettes, CD, MP3, DVD and digital documents. Currently, the resources of the multimedia section include various editions of digital manuscripts, rare text, and thousands of hours of lecture and teachings by many scholars. The recordings that were originally done in audio cassettes and video cassettes are now being digitized, edited, and made available to the users. The Section also provides reprographic services such as photocopying, scanning, and printing services to the scholars and users of the library.

6.1 Documentation of Still Images, Audio and Video and LIVE webcast

During the year 2021-2022, the section recorded following academic events of the Institute, which were videograph, edited and added in the library collection and available for reader/user services. Complying with the Second wave of COVID-19 guidelines and protocol, the section assisted many departments in hosting webinar and virtual talks.

1 Edited and exported Video titled "Unveiling of Golden Kagyur Manuscripts on 2nd April 2021.

2 Edited exported video titled 'བསྟན་པ་སྔ་དར་གྱི་དུས་སུ་བོད་བཙན་པོས་ཆོས་སྐད་གཏན་ལ་དབབ་པ་དང་བསྒྱུར་ཐབས་ཀྱི་བཀས་བཅད་ཇི་གནང་དང་འབྲེལ་བའི་གཏམ། དུམ་ཚན་དང་པོ།' Lecture by Prof. Jampa Samten on 3rd to 6th April 2021.

3 Recorded video and Edited of National Webinar on 'YOG & MENTAL HEALTH' organized by CTE, CIHTS on 17th to 18th June 2021.

4 Recorded video and Edited of the activities of 'Birthday Celebration of H. H. 14th Dalai Lama' at CIHTS on 6th, 8th to 9th July 2021 July 2021.

5 Live webcast and Recorded video and Edited titled 'National Sowa-Rigpa Day' Organized by Sowa-Rigpa Department, CIHTS on 11th, 13th to 14th September 2021.

6 Live webcast and Recorded video and Edited titled "How Tibetan Kings Ordered the Method of Establishment and Translation of Buddhist Terminology in the Early Transmission of Buddhism in Tibet" Lecture (part 2,3 and 4) by Prof. Jampa Samten on 17th September 2021.

7 Recorded video titled 'Students Participating in Painting Competition on the Occasion of Gandhi Jayanti'. Under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav on 1st October 2021 and edited, exported the video on 2nd to 4th October 2021.

8 Recorded video and Edited of Sanskrit chanting of Dharma chakra pravartan sutram by Prof. D. D. Chaturvedi on 25th October and edited, exported the video on 26th to 27th October 2021.

9 Recorded videos of speakers for Virtual Conference on 'Reminiscence of H. E. Prof. Samdhong Rinpoche's Deeds in the field of Tibetan Academic Institution' Conducted by the CIHTS Alumni from 28th October to 2nd November 2021 and edited, exported the video to MP4 from 3rd to 4th November 2021.

10 Live stream of recorded Webinar on "The Dalai Lama, the Dalai Lama and the Dalai Lama are 82 years old at the orders of all the gods of the country. On gessan's birthday, public security personnel held an online seminar on the inheritance and development of Tibetan civilization" from 11am to 6 pm on 5th november 2021.

11 Live webcast and Recorded video of morning prayer session conducted on the occasion of Porf. Samdhong Rinpoche's 82nd Birthday celebration on 5th November 2021.

12 Recorded video and Edited of the address to member of CIHTS by Hon'ble Member of Parliament Mr. Jamyang T. Namgyal on 12th November 2021.

13 Recorded video and Edited of the Interaction of Mr. Jamyang T. Namgyal, Hon'ble Member of Parliament with the students of Ladakh UT on 12th November 2021.

14 Recorded video and Edited titled 'Last Day of Commemorating the National Foundation for Communal Harmony Week' Organized by 49th SWA on 25th November 2021.

15 Recorded video of the Last day of 'One Week Workshop on Pali Language & Burmese Script' on 17th December 2021.

16 Recorded video and Edited of CIHTS alumni meet and National seminar on 'राष्ट्रीय संगोष्ठी : बौद्ध धर्म, संस्कृति एवं इतिहास तथा कोविड काल में मन की स्थिरता का उपाय । at Gyuto Monastery, Dharamshala, HP from 22nd to 23rd December 2021.

17 Still images of ration distributed to the poor labour families of two adopted villages- Paterwan and Bhainsuri village and other needed places during the second wave of corona pandemic.

18 Still photos of राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 23.06.2021.

19 Still photos of आभासी माध्यम से राजभाषा कार्यशाला "राजभाषा हिंदी का सांविधिक स्वरुप" । 30.06.2021.

20 Still photos of The Valedictory Session of Sowa-Rigpa Phur-Nye Therapy Course held from 8th March to 15th July 2021.

21 Still photos of 86th Birthday celebration of His Holiness the Dalai Lama at CIHTS on 6th July 2022.

22 Still photos of भारत के 75वे स्वतंत्र दिवस, 15 अगस्त 2021 (आज़ादी का अमृत महोत्सव)

23 Still photos of राजभाषा सप्ताह समारोह 14.09.2021.

24 Still photos of NATIONAL SOWA-RIGPA DAY, 11th SEPTEMBER 2021

25 Still photos of CIHTS celebrating 75 years of India's Independence and conducted a painting competition among students under the main theme "आज़ादी का अमृत महोत्सव" (Azadi ka Amrit Mahotsav) on October 01, 2021.

26 Still photos of Vigilance Awareness week on theme "सतर्क भारत, समृद्ध भारत' (Vigilant India, Prosperous India) in order to eradicate corruption, etc on 26th October 2021.

27 Still photos of आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय संगोष्ठी (स्वराज एंव प्रतिरोध का इतिहास : काशी के विशेष सन्दर्भ में) on 30th October 2021.

28 Still Photos of CIHTS celebrating the Samvidhan Diwas (Constitution Day) on 26th November, 2021.

29 Still photos of दिनांक 26.11.2021 को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजन के क्रम में "स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर भारतवर्ष" विषय पर आयोजित कार्यक्रम।

30 Still Photos of Winter Campaign for Fresher Students on 10 December 2021.

31 Still photos of the Inaugural Session of One Week Workshop on "Pali and Burmese Script" organized by the Pali unit, Department of Classical and Modern Languages, CIHTS on December 13, 2021.

32 Photos of Virtual Inauguration of Nalanda Bhavan (C.T.E.) CIHTS Sarnath by The Honourable Prime Minister of India Shri Narendra Modi on 23rd December, 2021.

33 Still photos of 'राष्ट्रीय संगोष्ठी : बौद्ध धर्म, संस्कृति एवं इतिहास तथा कोविड काल में मन की स्थिरता का उपाय' at Gyuto Monastery, Dharamshala, HP on 23rd December 2021 organized by CIHTS Alumni.

34 Still Photos of भारत के 73वें गणतन्त्र दिवस, 26 जनवरी, 2022

35 Still Photos of दिनांक 8.3.2022 अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संस्थान द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण रैली तथा अतिश सभागार में "एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता जरुरी" विषय पर आयोजित व्याख्यान।

In addition to the above events, many lectures and talks delivered by distinguished scholars on various topics in the Institute during the year have also been photographed, recorded, processed and added to the library collections. The section is also documenting the Still Images of every event and happening in the Institute for reference and record.

6.2 Digitization of Audio cassette Tapes

1. During the year, 354 Audio cassettes, bearing 72 Titles, 321 hours have been digitised and saved in MP3 format.

6.3 Digitisation Work of Rare Manuscript & Other Document

1. Scanned 148 pages of Rigzin Dakpa Sungbum.
2. Scanned 2 Volumes, 254 pages of Serphreng Rgyas pa
3. Scanned 3 Volumes, 579 pages of Kagyudpa Namthar
4. Scanned 241 pages of Rwa Lun Dkar Brgyud bser phren
5. Scanned 87 pages of Biography of Naropa and Tilopa
6. Scanned 143 pages of Kunga choekyi gyaltsen rnam thar
7. Scanned 9 Volumes, 1964 pages of Mgon po Rgyud skor
8. Scanned 193 pages of Yongzin Yeshi Rgyaltsen Sung bum
9. Scanned 18 volume, 2945 pages of Pema Lingpa Rnam thar and 17 other namthar
10. Scanned 30366 pages of 187 different text

11. Edited 7 Volumes, 6457 pages of Narthang Kagyur
12. Edited 178 Volumes, 8956 folios of Buddhist Sanskrit manuscript scanned from Microfiche & Microfilm

6.4 Online access to the Audio & Video Collection:

1. 200 video files video-graphed and edited by the section were uploaded on the social media online platform YouTube during 2021-2022 and available for user to watch online at institute YouTube channel www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies
2. 34 video files edited by the section were uploaded or LIVE cast on the social media of CIHTS facebook page during 2021-2022 and available for user to watch online
3. Uploaded 64 photo albums of various activities of the Institute during 2021-2022 were publicised by uploading on social media online platform Facebook www.facebook.com/CIHTS.

6.5 Readers Services

During the year 2021-2022, following reader services were provided to the members of the Institute and visitors.

1. Total 22040 pages were photocopied/printed and 3770 pages scanned for academic and official purpose.
2. 55 sets of spiral binding were done on official purpose.
3. The section also deals with reprographic services of both physical (hard copy) and digital (soft copy) to the users/ readers on minimal payment. Total amount of Rs. 56357.00 were collected during the year from the reprographic services such as scanning, printing, photocopies and duplication of audio-visual documents available in Shantarakshita Library's collection.
4. Provided current awareness services, Consultation, Reference, and reader services.
5. Maintenance of collection and ICT equipment.

6.6 Other Activities

1) Provided internal training on digitization process and videography to the newly appointed staffs.
2) Engaged with designing of CIHTS E-bulletin.
3) Created many graphic posters for webinars, Virtual Talks, and Facebook LIVE held during the year 2021-2022.
4) Created poster for "Vigilant India, Prosperous India" programme, etc.
5) Created individual thumbnail for uploaded videos on Youtube.
6) Created individual Metadata/Information page for each volume of Digital Text.
7) Input and edited the 1st and 2nd Accession Register books of "List of the microfiche and microfilm box in multimedia section.
8) Edited the "Catalogue of Sanskrit Buddhist manuscripts in Microform collection in Shantarakshita Library.

9) Mr. Kalden Gurung were deputed a member of audit team to carry out the annual audit work of 39th MMC to 40th MMC from 7th Feb, 2022 to 14th Feb, 2022.

10) Mr. Palden Tsering and Ms. Tenzin Tsomo were deputed a member of audit team to carry out annul audit work of NSWA 2021.

11) Mr. Tenzin Dhonyoe and Mr. Kalden Gurung were deputed to Dharamshala for multimedia documentation of Annual Alumni meet and seminar from 20th December to 29th December 2021.

12) Ms. Tenzin Tsomo were deputed to Dharamshala as Assistant for Organizer of Annual alumni meet and seminar from 20th December to 29th December 2021.

6.7 List of Employee in the Multimedia Section

1) Mr. Tenzin Dhonyoe, On Contract, Incharge
2) Mr. Palden Tsering, On Contract
3) Mr. Dorjee Boom, On Contract
4) Mr. Kalden Gurung, On Contract
5) Ms. Tenzin Tsomo, On Contract
6) Mrs. Tenzin Kalden, On Contract
7) Mr. Padma Yangjor, On Contract
8) Mr. Tashi Dhondup, On Contract
9) Mr. Stanzin Tonyoe, On Contract
10) Shri Rakesh Gupta, On Contract

7. Computer Section

The Section is responsible for procurement, maintenance and management of all IT devices and services including Internet connectivity, Library database. The section also provides services like, text and presentation composing and printing to the faculty members, staff, students, casual staff and guest members of the Institute. In addition to above CCA and DCA courses are also being conducted by the section.

The Institute has Optical Fibre based GBPS Internet connectivity provided by BSNL under NKN (National Knowledge Network), NME-ICT (National Mission of Education through Information and Communication Technology) of Ministry of Education, Govt. of India, New Delhi. The computer section manages the smooth functioning of connectivity, networks, servers and more than 319 computers, 50 printers, 12 scanners and 12 laptops, projectors, Digital Podiums and other IT equipment & Services of the Institute.

During period from 1st April 2021 to 31st March 2022, major achievements of the section are as follows:

7.1 Conducted CCA/DCA Course – theory & practical classes per week, provided online study material in lockdown, other tasks related to CCA/DCA course for the academic session 2021-2022.

7.2 Managed campus wide Network for Internet and allied services.

7.3 Provided computing facility to the students & members of the Institute.

7.4 Undertaken the job of Word Indexing, Library database back-up, client installation etc. related to Library Management Software (SLIM).

7.5 Carried out the tasks related to maintenance of H/W & S/W.

7.6 Section actively participated in conducting webinars/online meeting and effectively handling it.

7.7 Maintenance/ Management of CCTV installed in Institute's Campus.

7.8 Handled the data management over LIMBS portal and also provided support over the PFMS, URKUND, GLIS, PROBITY and SAP portals.

7.9 **List of Employees working in the Computer Section**

1. Mr. Nirankar Pandey, On-Contract
2. Mr. Ojas Shandilya, On-Contract
3. Mr. Anvesh Jain, On-Contract
4. Mr. Nand Lal, MTS

Other Assignments of Library Officials

1. **Documentation Officer Mr. Rajesh Kumar Mishra,** Working as Nodal Officer for NVLI of MoC, RTI On-Line web portal & Suo-Motu Disclosure w.r.t RTI.

   (i) Mr. Mishra, Worked/working as Member of the NAAC Committee, Rajbhasha karyanvayan Samiti, Recruitment Rules committee, Reservation Roster Committee, screening and recruitment committees, medical reimbursement rules committee, e-bulletin committee, website development committee, Media committees and Chairman/Member of some other ad-hock committees of the Institute.

2. **Mr. Ravikant Pal, S.P.A.** worked as Member Secretary of the Purchase and Procurement Cell of the Institute, managed GeM portal and Library Store.

3. **Mr. Sudhriti Biswas, Office Assistant, On Contract** worked as Office Assistant of the R.T.I. Section of the Institute and also worked as On-Line RTI portal (RTIMIS) and CIC portal.

5. ADMINISTRATION

The Administration of the Institute consists of General Administration, Personnel Administration, Academic Administration, Financial Administration and Publication Unit. The major activities of the administration of the Institute are organized as per the following chart:

VICE-CHANCELLOR

REGISTRAR

Administration Section I	Administration Section II	Examination Wing	Maintenance Wing	Accounts Wing	Publication Wing
• Handling & record keeping of all service matters related to all teaching and research staff. • Conferences, Workshops & Seminars • Supervision of Purchase and Procurement service through P&P wing • Correspondence with the UGC • Academic & Research Projects/Proposal Schemes • Correspondence with other Academic Bodies/Regulators • Secretarial support for matters relating to Academics and Research • Other administrative functions	• Handling & record keeping of all service matters related to all non-teaching staff • Personnel policies • Casual labourers • Temporary/ Adhoc engagement for all categories • Service contracts • Legal matters • Correspondence with MOC • Staff canteen • Staff welfare • Security • Transport • Standard forms of ad printing thereof • Miscellaneous administrative matters	• Documentation for conduct of exam • Appointment of Examiners/ moderators • Tabulation • Question papers • Result • Issue of certificates and marksheets • Any other matter related to Examination Wing	• Maintenance and sanitation of campus • Electricity and water • Guest House allotment • Civil and electricity maintenance • Horticulture • Central stores and inventory • Annual Maintenance contracts • Other matters relating general maintenance of Institute	• Budgeting • Auditing • Payment of salaries & wages • Payments of bill and all other financial matters.	• Publication of Research work on Tibetan Buddhism in accordance with the objectives of the Institute • Proof reading of proposed Publication • Sale of Publication

List of Non-Teaching Employees:

S.No.	Name		Designation
1.	Prof. Nagwang Samten	-	Vice-chancellor
2.	Dr. R.K. Upaddhayay	-	Registrar

3.	Dr. Himanshu Pandey	-	Dy. Registrar
4.	Shri Pramod Singh	-	Asst. Registrar (Admn.-II)
5.	Sri Sunil Kumar	-	Asst. Registrar
6.	Sri R.K. Mishra	-	Documentation Officer
7.	Sri D.P. Singh	-	Professional Assistant
8.	Sri Ramesh Chandra Singh	-	Professional Assistant
9.	Shri Lobsang Wangdu	-	Professional Assistant
10.	Smt. Tenzin Rigsang	-	Professional Assistant
11.	Shri Manoj Kumar Kushwaha	-	Asst. Engineer
12.	Shri K.N. Shukla	-	Section Officer
13.	Shri Kapil Dixit	-	Junior Engineer
14.	Shri J.P. Vishwakarma	-	Sr. Assistant
15.	Shri Kunsang Namgyal	-	Sr. Assistant
16.	Shri M.L. Singh	-	Sr. Assistant
17.	Shri K.N. Singh	-	Semi Professional Assistant
18.	Sri Ravi Kant Pal	-	Semi Professional Assistant
19.	Shri Deepankar	-	Steno-Typist
20.	Shri Anand Kumar Singh	-	Senior Clerk
21.	Shri Rajiv Ranjan Singh	-	Senior Clerk
22.	Shri Vinay Maurya	-	Junior Clerk
23.	Shri Pradeep Kumar	-	Junior Clerk
24.	Shri Dorjee Boom	-	Junior Clerk
25.	Shri Jainky	-	Pump Operator
26.	Shri Raja Ram	-	Plumber
27.	Smt. Meena	-	Library Attendant
28.	Shri Sagar Ram	-	Library Attendant
29.	Md. Mumtaj	-	Library Attendant
30.	Shri Vijay Kumar Patel	-	Library Attendant
31.	Shri Phoolchand Balmiki	-	Cook
32.	Shri Mishri Lal	-	Cook
33.	Shri Keshav Prasad	-	Peon (MTS)
34.	Shri Laxman Prasad	-	--do--
35.	Shri Lalman	-	--do--
36.	Shri Gopal Prasad	-	--do--
37.	Shri Daya Ram Yadav	-	--do--
38.	Shri Ramesh Kumar Maurya	-	--do--

39.	Shri Prem Shanker Yadav	-	--do--
40.	Shri Ram Kishun	-	--do--
41.	Shri Uma Shanker Maurya	-	--do--
42.	Shri Nirmal Kumar	-	--do--
43.	Shri Munna Lal (W)	-	--do--.
44.	Shri Vijay Kumar (M)	-	--do--
45.	Shri Mahendra Prasad Yadav	-	--do--
46.	Shri Sanjay Maurya	-	--do--
47.	Shri Munna Lal Patel	-	--do--
48.	Shri Surendra Kumar Verma	-	--do--
49.	Shri Bhaiya Lal	-	--do--
50.	Shri Sumit Balmiki	-	--do--
51.	Shri Shyam Narayan	-	--do--
52.	Shri Hausila Prasad	-	--do--
53.	Shri Subhash Chandra Gautam	-	--do--
54.	Shri Prakash	-	--do--
55.	Shri Virendra Kumar Gaur	-	--do--
56.	Shri Rajendra Prasad	-	--do--
57.	Sri Shiv Bachan Sharma	-	--do--
58.	Shri Nand Lal	-	--do--
59.	Shri Ganesh Prasad	-	--do--
60.	Shri Om Prakash	-	--do--
61.	Smt. Neelam Devi	-	--do--
62.	Shri Lalman	-	--do--
63.	Shri Ashraf	-	Safaiwala (MTS)
64.	Shri Habib	-	--do--
65.	Shri Pradeep Kumar	-	--do--
66.	Shri Ishrail	-	--do--.
67.	Shri Lala Ram	-	--do--.
68.	Shri Ram Kishan	-	--do--
69.	Shri Nand Lal	-	--do--
70.	Shri Yaseen	-	--do--

List of Non-Teaching and Teaching (Contract, Temporary) Employees:

S.No.	Name		Designation
1.	Sri S.P. Tripathi	-	Visiting Computer Typing Instructor

2.	Sri V.K. Patil	-	Lab Pathological (Sowa Rigpa)
3.	Sri Tenzin Norbu	-	R.A.
4.	Smt. Lobsang Choden	-	-do-
5.	Sri Saras Sonkar	-	Consultant
6.	Sri Palden Tsering	-	Causal/Project Worker (Library)
7.	Sri Tenzin Yeshi	-	-do-
8.	Dr. Penpa Tsering	-	To look after Department & take UM/BSMS classes (Sowa Rigpa)
9.	Sri Tenzin Ghegye	-	Causual/Project Worker (Library)
10.	Dr. Dawa Tsering	-	Pharmacy work & take BSMS classes (Sowa Rigpa)
11.	Dr. Tenzin Thutop	-	Editing In-charge
12.	Dr. Chimi Dolkar	-	Clinical Workder & Gust Faculty (Sowa Rigpa)
13.	Miss Passang Dolma	-	Nurse
14.	Sri S.N. Singh Yadav	-	P.A. (Retd.)
15.	Ms. Tsering	-	Casual Worker
16.	Miss Dickey Dolma	-	S.P.A.
17.	Sri Tenzin Chundak	-	S.P.A.
18.	Kalsang Wangmo	-	T.A. Cum P.A. (Sowa Rigpa)
19.	Sri Yeshi Dorji	-	Assistant
20.	Dr. Karma Tharchin Gurung	-	Pharmacy Assistant
21.	Dr. Tsering Choekyi	-	Sorig Therapist
22.	Dr. Ngawang Tsering	-	Pharmacopeia Project Assistant
23.	Mr. Anvesh Jain	-	System Manager
24.	Ms. Tsewang Dolkar	-	Tibetan Section (Lib.)
25.	Sri Choenga Tsering	-	Tibetan Section (Lib.)
26.	Sri. Munna Lal	-	Poen (Retd.)
27.	Sri Tsering Aklo	-	Sr. Clerk
28.	Sri Dorjee Kyab	-	R.A.
29.	Sri Vijay Kumar Yadav	-	Peon (Retd.)
30.	Ms. Tenzin Lhakey	-	Casual Worker
31.	Sri Inayat Ali	-	Safaiwala
32.	Sri Nand Lal	-	Garden
33.	Sri Subhash	-	Gardener in Kalchkara H.G.
34.	Sri Kasi Nath Prajapati	-	Sowa Rigpa (Pharmacy)

35.	Sri Lav Kumar	-	Sowa Rigpa (Pharmacy)
36.	Sri Vinod Kumar	-	M/W (Pump Work)
37.	Sri Brij Mohan Bhardwaj	-	Sowa Rigpa (Pharmacy)
38.	Sri Chandrika	-	Gardener (Roster Basis)
39.	Sri Parash	-	-do-
40.	Sri Dinesh Kumar Yadav	-	M/W (Peon)
41.	Sri Mahesh	-	M/W (Garden)
42.	Sri Shiv Shankar Yadav	-	Sowa Rigpa (Pharmacy)
43.	Sri Sahid Aahmad	-	Safaiwala
44.	Mo. Aslam	-	-do-
45.	Sri Ashok Kumar	-	Carpenter
46.	Kalden Gurung	-	Casual Worker
47.	Sri Tenzin Tsomo	-	-do-
48.	Sri D.P. Tiwari	-	Sr. Asstt.
49.	Sri Kashmir	-	Safaikarmi
50.	Sri Bhagwan Pandey	-	Ministerial Staff
51.	Sri Kuwar Ravi Shankar	-	Office Assistant
52.	Smt. Tenzin Norden	-	Therapy Assistant
53.	Ms. Tenzin Kalden	-	Cashier
54.	Smt. Pema Sangmo	-	OPD Dispenser
55.	Ms. Pema Dolkar	-	R.A.
56.	Sri Tenzin Thaye	-	To assist the project work
57.	Sri Tenzin Chogyal	-	-do-
58.	Dr. Tsewang Sangmo	-	R & D Assistant
59.	Sri Nyima Tsering	-	R.A.
60.	Sri Shravan Kumar	-	Safaiwala
61.	Miss Manju	-	Multipurpose
62.	Miss Rimo	-	-do-
63.	Sri Sonam Phuntsok	-	Watch Man
64.	Sri Senge Wangchuk	-	Multipurpose
65.	Sri Nima Chogyal	-	Project Associate
66.	Sri Tenzin Dhonyo	-	S.P.A.
67.	Sri Sarwajit Singh	-	Jr. Clerk
68.	Sri Gopesh Chandra Rai	-	Jr. Clerk
69.	Sri Nirankar Pandey	-	System Manager
70.	Sri Ojas Shandilya	-	System Manager

71.	Sri Chandra Pal	-	Office Attendant
72.	Sri N.K. Singh	-	Asstt. Registrar (Retd.)
73.	Sri Sudhrity Biswash	-	Work of P.R.O.
74.	Dr. Vishwa Prakash Tripathi	-	Research Assistant
75.	Miss Pema Payang	-	S.P.A.
76.	Sri Tenzin Tashi	-	Jr. Research Scientist
77.	Dr. Prem Prakash Srivastava	-	Doctor-cum-Guest Faculty
78.	Sri Yashin	-	MTS
79.	Sri Mohan Yadav	-	-do-
80.	Sri Lalman	-	-do-

The Institute is a Deemed University registered under the Society Registration Act and it receives Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India.

There are a Society, Board of Governors, Academic Council, Planning and Monitoring Board and Finance Committee. Vice Chancellor is the Principal Executive Officer who is assisted by the Registrar.

Important Bodies of the Institute:

CIHTS Society

It is the apex body of the Institute headed by the Chairman. The Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, is the ex-officio Chairman of the Society. The list is given in Appendix-II.

Board of Governors (BOG)

The BOG of the Institute is comprised of the Vice Chancellor as the ex-officio Chairman with the nominees of the Ministry of Culture, Government of India, and His Holiness the Dalai Lama. The list is given in Appendix-III.

Academic Council

The Academic Council of the Institute is the apex authority of the Institute on academic matters. It is headed by the Vice Chancellor. The list of members of the Academic Council is given in Appendix IV.

Finance Committee

For scrutinizing accounts and budget estimates and to make recommendations on financial matters, the Institute has a Finance Committee headed by the Vice Chancellor with nominees from the Ministry of Culture, Government of India. The list of members of the Finance Committee is given in Appendix V.

Planning and Monitoring Board

The list of members of the Planning and Monitoring Board is given in Appendix-VI.

Grants made to the Institute

The administrative and support services at the Institute consists of sections and wings dealing with General and Personnel Administration, Academic Administration, Examination, Maintenance and Accounts and Financial matters. The Institute received the following Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India, during 2021-22 of which the entire grant in the same financial year has been spent in the following manner:

Sl.N.	Particular	Receipt Grant	Spent	Balance
1.	Grant-in-aid General (31)	₹ 4,61,65,917.60	₹ 3,52,35,295.37	₹ 1,09,30,622.23
2.	Grant-in-aid SAP (96-31)	₹ 1,40,000.00	₹ 1,40,000.00	-
3.	Grant-in-aid Capital Creation Assets (35) with (on Project Sowa-Rigpa)	₹ 29,64,50,000.00	₹ 11,72,47,664.00	₹ 17,92,02,336.00
4.	Grant-in-aid Salary (36)	₹ 28,60,99,710.00	₹ 25,35,38,255.00	₹ 3,25,61,455.00

Publication Unit

Publication Unit of CIHTS publishes research works on Buddhology and Tibetology in accordance with the objectives of the Institute, as one of the principal means for propagating and promoting Buddhism in general and Tibetan studies in particular. Initially, CIHTS had commenced its publishing works with two booklets of seminar papers in 1972 but regular publication work came to commence in 1983 after its establishment as an separate Unit.

The main source of materials for CIHTS publication is the research works of restoration, translation, editing and independent Projects undertaken and duly completed. In addition, it also accepts to publish research works by eminent scholars that meet the standards set by the Institute. Most of the books published so far are of high standard and research value for advanced studies in the field of Tibetan and Buddhist studies.

At present, Publication Unit of CIHTS is publishing books under twelve general series along with a Rare Buddhist Texts Research Journal, that was launched in 1986, and dictionaries together with reference books under the Kosha Series. In year 2012 a new series called "Neyartha–Nitarth Series has also been added.

Publication Unit Staff

1.	Prof. Pema Tenzin	Publication In-charge
2.	Shri Pema Choeden	Assistant Editor
3.	Smt. Chime Tsomo	Publication Assistant (Senior)
4.	Shri S.P. Singh	Publication Assistant
5.	Dr. Lalit Kumar Negi	Publication Assistant
6.	(2 Vacant Posts)	(1 Editor and 1 Publication Assistant)

The titles of the series are as under:

1. **Bibliotheca Indo-Tibetica Series**
   Edited, Restored and Translated from Tibetan works of ancient Indian scholars of Nalanda and Vikramshila tradition such as Nagarjuna, Chandrakirti, Asanga, Vasubandhu, Shantarakshita, Kamalashila, Dipankar Shrijnana etc. are brought out under this series.
2. **The Dalai Lama Tibeto-Indological Series**
   Works of ancient renowned Tibetan scholars of the four Tibetan Buddhist tradition including Bon tradition are brought out under this series.
3. **Samyak Vak Series**
   A collection of seminar papers is brought out under this series.
4. **Samyak Vak Special Series**
   Important works of late Prof. A. K. Saran have been brought out under this series.
5. **Lecture Series**
   Eminent scholars are invited by the Institute to deliver talks on specific topics and later subsequently published under this series.
6. **The Rare Buddhist Texts Series**
   Rare Buddhist Texts Research Department has a team of scholars working on rare Buddhist manuscripts which mainly relate to Tantra texts. The works of the team are published under this series.
7. **Avalokiteshvara Series**
   A number of teachings of His Holiness the 14th Dalai Lama were translated into Hindi from Tibetan or English, published under this series.
8. **Miscellaneous Series**
   Works, mostly original writings by modern scholars are published at the recommendation of subject experts and the Publication Committee of the Institute and such books are brought out under this series.
9. ***Dhih*: A Rare Buddhist Texts Research Journal**
   Dhih is an annual research journal of Rare Buddhist Texts Research Department. This journal includes papers, articles and small edited texts related to tantra. It was started in 1986 and since then it has been regularly without any interruption publishing under this series.
10. **Kosha Series**
    The *Tibetan-Sanskrit Dictionary* with sixteen volumes in the first stage and secondly a single volume of *Dharmasamgrah-Kosha* and in the third stage again a single volume of *Concordance of Tibetan and Sanskrit Texts* of this series were brought out.
11. **Tibeto-Mongolian Series**
    A catalogue of Collection of Tibetan Manuscripts and Xylographs "Chos Grwa" compiled by Andrew Bazarov are brought out under this series.
12. **Neyartha-Nitartha Series**
    A new series has been introduced from the year 2012. It is an editing project on Tsongkhap's "Neyartha - Nitartha Subhashitsar" in Tibetan under which other

commentaries by Tibetan scholars and related texts will be edited and published.

Nature of Works of CIHTS Publications

The nature of CIHTS publications is mainly like what is given in the following, apart from any special publication:

(a) Critically edited scholarly works.

(b) Sanskrit restoration of lost Buddhist Sanskrit texts.

(c) Translations of Buddhist Sanskrit texts and original or commentaries of Tibetan scholars into Hindi/Tibetan/Sanskrit vice-verso.

(d) Edited seminar papers related to Buddhism and Tibetan studies.

(e) Original scholarly works in the field of Buddhism, Tibetan studies and related subjects.

Language of CIHTS Publications

CIHTS publications are generally brought out in following languages, apart from any special circumstances in which a publication may be made in any other language that is not mentioned below:

(a) Sanskrit language

(b) Hindi language

(c) Tibetan language

(d) Pali language

(e) English language

(f) Multi-language (two or more languages mentioned above)

However, the publications brought out so far are mostly of a multi-lingual nature. Till now CIHTS has published about 245 standard titles under10 general series.

Dhih, Journal of Rare Buddhist Texts Research Department, has reached to its 61 volume. The Dictionary Department has so far published 18 volumes under the first of Kosha Series.

Many old publications have gone out of print and some of them were repeatedly reprinted. The Institute is also trying to bring out some revised editions of few titles to meet the demands of scholars, students and general readers interested in advanced studies in Buddhism.

New Publications of the Year

The following new publications were brought out during current academic year:

1. DHIH: Volume 61
2. All Wish Fulfilling of Disciples *A Commentary on Gurupancasika of Le Tsonkhapa Losang Dagpa* (Multi Language) Translated and edited by Dr. Banarasi Lal.
3. *Vimalakirtinirdesasutram* (in Multi Language) by collaborative efforts of the Sanskrit and Tibetan scholars working in the Research Departments of the Institute.

4. Nagasena-Bhiksu-Sutra (in Multi Language) Translated by Dr. Arun Kumar Yadav
5. Je Tsong Khapas *Poetic Literature and its Analysis* (in Tibetan Language) Critique by Dr. Beri Geshe Jigmed Wangyal.
6. *Pramanavartika Abhiprayaprakasika Tika* 2nd Chapter, Pratyaksapariccheda (in Hindi) Translation and Commentary by Prof. Ram Shankar Tripathi.
7. *Pratyayapriksa Nama Prathamam Prakaranam* (in Multilanguage) Translated and Edited by Prof. Pema Tenzin.

Besides, a good number of manuscripts are under progress for publication during the next year.

Revenue from the Sales of Publications

By the end of the financial year 2021-2022 the Publication Unit has earned a total revenue of ₹ 4,99,225.00 (₹ four lakh ninety nine thousand two hundred twenty five only) from the sale of publications during the year.

Exchange of Publications

The published texts of the Institute are being exchanged with national and foreign publications. Under the 'Publication Exchange Programme', we have received several useful publications at the national and the international level. These publications are preserved in Shantarakshita Library from where a number of research scholars are being benefited. Thus, CIHTS publications have reached the international level and have acquired a wide reputation.

The following institutions are currently exchanging our publications:

1. Der Universitat Wien, Austria
2. International Institute for Buddhist Studies, Tokyo, Japan
3. Indica et Tibetica, Verlag, Germany
4. Hamburg Universitat, Hamburg, Germany
5. Drepung Loselling Library Society, Mundgod, Karnataka
6. Gaden Shartse Library, Mundgod, Karnataka
7. Adyar Library and Research Centre, Adyar, Chennai
8. Tibet House, New Delhi
9. I.G.N.A.C., New Delhi
10. Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh Ladakh. It has been started from the year 2012.
11. Songtsen Library, Centre for Tibetan and Himalayan Studies, Drikung Kagyu Institute, Kulhan, Sasastradhara Road, Dehradun (UK). It has been started form the year 2014.
12. Sera Jey Library & Computer Project, Sera Monastic University, Bylakuppe-571104, Dist. Mysore, Karnataka South India. It has been started form the year 2017.

Besides the exchange of general publications, we also have exchange of a number of international and national journals.

The following are the titles of the journals that are received on basis of exchange:

1. East & West, (Rome, Italy)
2. Harvard Journal of Asiatic Studies (Cambridge, U.S.A.)
3. Dharma World (Tokyo, Japan)
4. Dreloma (Mundgod)
5. Bulletin of Deccan College (Pune)
6. Indian Philosophical Quarterly (University of Pune) Bulletin of Deccan College (Pune)
7. Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda) Indian Philosophical Quarterly (University of Pune)
8. Prachi Jyoti (Kurukshetra University, Haryana) Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda)
9. Sikkim) "Bulletin of Tibetology", (Sikkim Research Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim)
10. "Anviksha", (Jadavpur University, Calcutta)
11. "Shodh Prabha", (Sri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
12. "Annals of the Bandarkar Oriental Research Institute", (Bandarkar Oriental Research Institute, Pune)
13. "Bulletin d' Etudes Indiennes", (Association Francaise, Paris)

Publication Committee

The Institute has constituted a standard Publication Committee including a few expert members from outside to consider and recommend the publication of manuscripts submitted by scholars for publication. The Committee also considers and looks after various problems regarding the publications. The Vice Chancellor serves as the Chairperson of the Committee.

Additional Jobs

As usual, the Publication Unit also has undertaken certain extra works such as printing Annual Reports, Journal Bodhiprabh etc. of the Institute, and many other miscellaneous printing works of the various Departments of the Institute.

Special Events and Activities

1. Publication In-charge hold several short and long meetings with honorable VC to meet the problems of Pub. Unit such as, Publisher note, printing works etc. Besides, In-charge represents in many committees as a member and also attends all the related workshop, lecture, seminar and International seminar etc.
2. Shri Pema Choeden, Assistant Editor, besides his regular work is being assigned to meet in various other important works of Institute from time to time by competent authorities of Institute.

3. Smt. Chime Tsomo (Senior Publication Assistant) and Shri S.P. Singh (Publication Assistant) besides regular work are also being assigned to meet in various other works of Institute from time to time by competent authorities of Institute.
4. Registrar Office No. CIHTS/Adm-I/Academic/PF-75/2022 dated 22.01.2022 Dr. Lalit Kumar Negi (Publication Assistant) has been sent on duty Leave to Kinnour (HP) till further period.

6. ACTIVITIES

Academic Events and Programmes in the Campus during 2021-22

The Institute has carried out the following academic activities in the academic session 2021-22 :

I. Workshops, Conferences and other Programmes:

Academic Events and Programmes in the Campus during 2021-22

Since the outbreak of the global pandemic COVID-19, the Institute has adopted various preemptive measurements to curb the impact of the dangerous virus. During the period of the pandemic and the current session, the Institute implemented all the precautionary guidelines of the Ministry of Culture, UGC, MoHFW, Ayush, and the Government of India and with the help of its medical wing Sowa-Rigpa successfully controlled the reach of the fatal virus on its campus. Moreover, following the UGC Guidelines effectively for re-opening of universities and colleges, the Central Institute of Higher Tibetan Studies successfully returned and reintegrated into offline mode of education.

The Institute has carried out the following academic activities in the academic session 2021-22 :

Seminars, Workshops, Conferences and other Programmes:

16 June 2021: COVID-19 Relief Fund

Owing to the condition of poor and daily wage labourers living in the villages, whole ration was adequately distributed, during the second wave of COVID-19 pandemic. The Institute discharged its philanthropic duties for the poor laborer families of the two adopted villages, namely, *Paterwan* and *Bhainsuri* villages and other needy places.

26 October 2021: Workshop on Digital Tools for Pāli Studies

Aiming to provide a sincere attention on the challenges and prospects involved in the effective acquisition of Pali, Dr. Animesh Prakash, Faculty of Shabda Vidya, CIHTS, offered a one-day workshop on "Digital Tools for Pāli Studies" to make students aware about several digital platforms for Pāli studies, their uses and application.

Pāli is the only Indic language in which we find a complete set of Buddhist canonical literature and much of it can be traced back to first century BCE or before. Moreover, one can better understand the Buddha's words with a good grasp of Pāli language.

The huge corpus of texts in several scripts and language are difficult to access; transliteration from one script to another is almost impossible if one is not skilled; Grammatical analysis of technical terms, dictionaries and other lexicon is out of reach, these challenges are very common to a serious learner of Pāli language.

Dr. Animesh acquainted the students with the knowledge about the scholars (a team) in the field of Pāli studies, who are engaged in developing several digital platforms for Pāli studies such as Digital Pāli Reader and Pāli Platform.

26 Oct. – 1 Nov. 2021 : Vigilance Awareness Week:

In accordance with the order of the Central Vigilance Commission, Government of India, and as instructed by the Vigilance officer of the CIHTS, the Institute organized a pledge taking ceremony with great enthusiasm and active participation. In this regard several activities were organized in order to spread this year's theme – "Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity". A campus wide circulation of posters spreading the theme was carried out in order to eradicate corruption.

The week began with the administering of the Integrity Pledge to all officers and staff, followed by circulation and sharing of significant slogans and posters carrying the all important vision of a corruption free India, encouraging staff members, whistleblowers to lodge complaints without any apprehension.

The Vigilance Unit of the Institute motivated all stakeholders and employees to come together and observe the event not only with common public interest but a genuine feeling of integrity and self-reliance.

30 October 2021 : Azadi Ka Amrit Mahotsav

In pursuance of the notifications issued by the Ministry of Education and Ministry of Information and Broadcasting, the Central Institute of Higher Tibetan Studies is proudly celebrating 75 years of India's Independence. These celebrations would be based on the theme "Azadi Ka Amrut Mahotsav". The latter is a Government of India initiative to celebrate and commemorate 75 years of freedom of progressive India and the glorious history of its culture and people, as well as its achievements.

The Hon'ble Prime Minister inaugurated the year-long celebrations from Gujarat on 12th March 2021, which is also the occasion of the 91st anniversary of the historic 'Salt Satyagraha' led by Mahatma Gandhi. The celebrations which commenced 75 weeks before the 75th anniversary of Independence will end on 15th August 2023. To mark this unforgettable occasion the Union Government has announced a 75-week programme. The celebration of 75 years of independence would allow to reflect the spirit of freedom struggle, while offering a tribute to the martyrs.

Henceforth, all the educational institutions have been advised to celebrate "Azadi Ka Amrut Mahotsav" by organizing numerous events viz. conference/seminar/symposium/essay competition and related events in their respective campuses as part of the year-long commemoration.

In light of the above, the Central Institute of Higher Tibetan Studies initiated celebrations of 75 years of India's Independence, commemorating "Azadi ka Amrit Mahotsav" by organizing an inaugural national seminar entitled 'History of Swaraj and Resistance: With Special Reference to Kashi' in the auspicious Atisha Hall on 30th October, 2021.

At this occasion, the seminar offered a unique opportunity for the faculties, employees and students to congregate and meditate upon the importance of assessing the historical perspective of independence with respect to the sacrifices of the freedom fighters. Interestingly, the panel of speakers helped to enlighten the significance of the subject in the special context of Kashi. The session was chaired by Prof. Wangchuk Dorjee Negi who also delivered his remarks to lay out the importance of national unity and integrity. Chief Guest speaker, Dr. Balmukunda Pandey, National Organization Secretary, Akhil Bharatiya Itihas Sankalan Yojana, New Delhi, underlined the long tradition of national resistance in the country, in which all sections of the society have contributed. Women, students, farmers, etc. need to be rightfully and deservedly represented in our history. He maintained that there is a pressing need to revisit and revise the publications of pre-independence history of the country.

Special Guests, Prof. Suman Jain, Department of Ancient History, Culture and Archeology, BHU, Varanasi, and Prof. Vandana Jha, Vasanta Women's College, Varanasi highlighted the importance of writers such as Bhartendu, Harishchandra, and Jayashankar Prasad in the accurate depiction of reality.

2 November 2021 : Workshop on Saraswati Grammar

Saraswati grammar is well known among Tibetan scholars and it has become customary to learn it in Tibet. Scholars in Tibet mostly learn combination based on Saraswati grammar to acquire the basic knowledge about Sanskrit.

Considering its importance among Tibetan scholars and due to its unique syntactic features of Saraswati grammar, the department of Tibetan language organized a two week long workshop, in which Dr. Dawa Sherpa delivered a series of lectures on combinations (Panca sandhi) based on Saraswati grammar in comparison to the Panini grammar. Dr. Dawa deliberated a critical assessment extensively and exhaustively on 'Pancha Sandhi' comprising five topics related to technical terminology and vowel and consonant combinations.

The workshop was specifically intended for Shastri and Acharya students, who were able to participate and develop their understanding of the technical aspects of the subject.

20 November 2021 : Orientation Course to B.Ed. Students

The Shantarakshita Library, CIHTS, conducted an orientation course at the Centre for Teacher Education, maximizing impact for newly admitted students of B.Ed. and the four year integrated B.A. B.Ed. The program offered first year students an introduction to the library's resources and services and also touched on academic integrity the intrigues in the art of database searching.

Among the salient objectives of the Orientation was to:

- familiarize students with the library facility, resources and services
- acquaint them with basic database searching techniques
- introduce students to issues of academic integrity.

The Librarian and Section In charge also explained in detail the activities involved in their respective sections.

19 – 25 November 2021 : CIHTS Observes Communal Harmony Week

The programme, 'Communal Harmony Campaign Week', which was held under the aegis of 'Azadi Ka Amrit Mahotsav', was wholeheartedly observed as a tremendous opportunity to spread the message of peace, harmony and national integration among the students, teachers, and local public. The week-long activities were carried out throughout the premises of the campus with the objective of celebrating the Communal Harmony week which were to eventually conclude with Flag Day on the 25th.

The enthusiastic participation of the CIHTS family highlighted the importance of organizing such events for boosting the unity, brotherhood, feeling of togetherness among society and communities.

During the inaugural sessions, Traditional dance and Basketball tournaments were organized to commemorate the National Foundation for Communal Harmony Campaign Week by the Institute.

The Flag Day on 25th November was preceded by organization and participation in sports activities for one week, painting and drawing competition, and cultural programmes. Special lectures organized for the occasion were delivered by Prof. Wangchuk Dorjee Negi and Dr. Ramesh Chandra Negi.

26 November 2021 : Samvidhan Diwas (Constitution Day)

The Institute proudly celebrated the 'Samvidhan Diwas' (Constitution Day) on 26th November, 2021 form 11:00 a.m. onwards by organizing the live streaming of the function, gathering to attend the broadcast form Central Hall of the Parliament of India. At this auspicious occasion, the staff members and students participated at the Atisha Hall of the Institute, by reading the Preamble of the Constitution, in order to honour and pay tribute to the invaluable contribution of Dr. Bhimrao Ambedkar and other founding fathers of the Constitution, and to commemorate the adoption of the Constitution of India to promote Constitution values among citizens.

7 – 9 December 2021 : Orientation Programme and Winter Campaign

'Freshers' Orientation Programme cum Winter Campaign' was organized and conducted from 7th to 9th December, 2021 extensively on consecutive days in the Atisha Hall. The main purpose of organizing this campaign was to provide fresh students with the all important orientation about the structure of the organization, the four Sampradayas, various departments including Sowa Rigpa, Tibetan Thangka and Woodcrafts, so on and so forth.

The students were correspondingly introduced to the Shantarakshita Library, constituent offices and the pertinent facilities available in our Institute. A series of lectures were delivered during sessions on topics comprising languages, literature and philosophy etc. An array of distinguished talks, motivational sessions and field excursions were arranged for the students during the three day programme.

A total number of 180 students from B.A. B.Ed., B.Ed., BSRMS, PM 1st and 2nd attended the campaign, and they were single-mindedly encouraged to develop a sense of social responsibility, and to be innovative during their time at the Institute.

The CIHTS community looks forward to a stimulating and engaging year for all the new entrants.

11 December 2021 : New Server Inauguration in Shantarakshita Library

Inaugural ceremony of newly installed The Shantarakshita Library is the hub for information services in the institute and serves as a major learning and

resource centre. It is a creative and innovative partner in supporting the teaching, learning, scholarship and research activities of CIHTS.

At this occasion, Shri Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer, Shantarakshita Library, addressed respected members including Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Prof. Tashi Tsering, In-Charge, Dr. Himanshu Pandey, Registrar along with the audience present in the seminar hall. He informed and detailed about how with the library's fast growing collection, both in digital and print forms using the state-of-the-art facilities, and keeping in mind the cutting edge technological requirements a new state-of-the-art server, NAS, Proliant DL306-Gen 10 and Server Rack were installed in a dedicated Server Room at the Library.

13–18 December 2021 : Workshop on Pali Language and Burmese Script

A One-week Workshop on Pali Language and Burmese Script was organized from 13th to 18th December, 2021 in the Shantarakshita Library Hall. The workshop was intended to focus exclusively on reading and writing Pāli texts in the Burmese script.

Delivered exclusively by Dr. Animesh Prakash, this workshop would be considered as an opportunity to open a window for those who wish to read and comprehend the early Buddhist Discourses and inscriptions in Burmese script. The workshop was held in a conducive and interactive mode and the language of instruction was Hindi and English.

The event was open to all who wished to learn the script. No prior knowledge of Pāli and other languages was required for this workshop. At the end of the course, participant were expected to acquire: the proficiency in reading and writing Pāli language in Burmese script; familiarity with the transmission of Indian Buddhism to Myanmar; and the critical knowledge about the significance of learning the Pāli language in one's spiritual and academic career.

23 December 2021 : Inauguration of Nalanda Bhawan Building

Online Inauguration of Nalanda Bhavan (Centre for Teacher Education) CIHTS, Sarnath by the Honourable Prime Minister of India, Shri Narendra Modi on 23rd December, 2021.

Dr. R. K. Upadhyaya presided over the function and said in his key note shared his views about the auspicious occasion of the inauguration of the building whose very name carries a feeling of pride and happiness for the Institute. He congratulated the CIHTS fraternity and underlined the importance of standing by the decision of continuing the school of education over the years in the Institute. He also thanked late Prof. K. P. Pandey whose contribution and vision led in the establishment of the centre.

8 March 2022 : International Women's Day

The Central Institute of Higher Tibetan Studies organized a special program to celebrate the International Women's Day in order to raise awareness about the status and dignity of women among students. The occasion facilitated everyone across the Institute to appreciate the efforts of women of the society and highlighted that rather than observing the moment as a mere symbol of equality, women must get empowered towards building the nation.

The program was chiefly organized by the female faculties of the institute who took the opportunity to showcase their solidarity and sisterhood for one another. The occasion was graced by the presence Dr. Himanshu Pandey, Registrar (CIHTS), and the faculty members of the institution. The program was also attended by the students of the institution with utmost enthusiasm and vigour.

Among various events, the Institute organized 'Women Empowerment Rally' to Sarnath, in which all the students and faculties participated enthusiastically. The students helped raising awareness among public through posters, and slogans. In the second session of the programme, a special lecture entitled, 'Gender Equality is Essential Today for a Sustainable Tomorrow' was organized in Atisha Hall.

Speaking as the keynote speaker at the event, Professor Vandana Jha, Vasanta College, Rajghat, said that women have always been respected in Indian culture. Dr. Vanshidhar Pandey, Associate Professor, School of Social Science, Dr. Divya Singh, Managing Director, Sant Atulanand, Varanasi and Dr. Richa Joshi, Director, State Hindi Institute, Varanasi, presented their views. Dr. Chhimi Dolkar of the institute was specially honored in the program for serving the patients by risking her life during the Corona period.

The program was presided over by Dr. Himanshu Pandey, Registrar of the Institute. The event was coordinated by Dr. Jyoti Singh and guests were welcomed by Dr. Krishna Pandey and the vote of thanks was delivered by Dr. Huma Kayum. Among the auspicious audience, Prof. Ramsudhar Singh, Prof. Umesh Chandra Singh, Dr. Anurag Tripathi, Dr. Sushmita Vatsyayan, Reena Pandey etc. were also present.

Alumni Association of CIHTS 2021-2022

The below-elected new members have been officially notified through office order TU/SA/67/2021 dated 13/01/2021 for the two-year terms.

1.	Dr. Ngawang Tenphel	Varanasi	President
2.	Dr. Jampa Choephel	Varanasi	Treasurer
3.	Mr. Lobsang Wangdu	Varanasi	General Secretary
4.	Mr. Tenzin Sidon	Varanasi	Member
5.	Dr. Dawa Tsering	Varanasi	Member
6.	Mrs. Tenzin Rigsang	Varanasi	Member
7.	Dr. Tashi Dawa	Varanasi	Member
8.	Dr. Sanjib Kumar Das	Shantinikatan	Member
9.	Mr. Naga Sangye Tendar	Dharamsala	Member
10.	Dr. Tsering Dolkar	Varanasi	Member
11.	Mr. Kalsang Phuntsok	USA	Member

Activities:

1. During the Covid-19 (Delta) second-wave pandemic, the situation in the Institute premises was so dismal that more than half of the residential students and staff were affected. Three residential staff and two residing outside campus passed away. The situation was ineffable, awful, and full of anguish. The medical kits, medicines, healthcare staff, and special diets were needed on a war footing. Hence, the alumni residing here at Institute took the responsibility of raising fund by appealing to all the Alumni inside India and abroad. The critical patient living inside the Institute premises were hospitalized in different hospitals in Varanasi, the cremation of the diseased body at the River Ganges, and providing special diets to quarantine patients in the AP guest house and hostel. The following items were made available as soon as Alumni's fund started flowing:
   - Medicines, hand sanitizers, water heater machine, lung exerciser machine, mask, oximeter, etc.
   - Provided dietary support to Student Welfare Committee (SWC) and Mess Management Committee (MMC).
   - Arranged RT-PRC team to conduct the test in Institute.
   - To assist hospitalization of students and staff at city hospitals.
   - To provide a special diet to quarantined students and staff.
   - Re-Filling of oxygen cylinders as and when required.
   - Distributed rapid test kits to all the students.
   - Regular monitoring of the situation as a whole.

In short, our Alumni all over the world had not only contributed to the monetary fund but morally supported our students and staff during the pandemic. Mrs. Chime Dolkar, Mr. Kalsang Phuntsok and Mr. Gonpo from the United States and Mr. Tashi Topgyal from Canada, and many others were involved. They had been continuously in touch with our Alumni here at Institute Prof. Jampa Samten, Dr. Lobsang Dorjee Rabling, and Dr. Ngawang Tenphel. They were with us with heart and soul. As a result, the 'Corona Warrior Honour' award was presented to Alumni of CIHTS by the 49th Students Welfare Committee and 39th Mess Management Committee of CIHTS as a token of gratitude and appreciation.

2. 05 November 2021 : The one-day academic program, as well as Dharma activities, were held on the occasion of the birth anniversary of our former director Prof. Samdhong Rinpoche.
   - A webinar was organized on the topic "*Contribution of Prof. Samdhong Rinpoche in the field of Education, Religion, and Administration among Tibetan Diaspora.*" Eminent scholars like Prof. Yeshi Thapkey, Prof. Geshe Ngawang Samten (VC), Mr. Tenzin Lungrig (former Minister in CTA, Dharamsala), and other scholars and administrators in the Tibetan community participated.
   - On this auspicious occasion, the Alumni Association CIHTS organized the grand prayer service dedicated to the million departed souls due to Covid-19 and also prayed for the dispelling of the dreaded virus from this earth. In this regard, several virtuous activities like releasing fish in the river Ganges, feeding food to underprivileged people, donating blankets at old people's homes at Sarnath, plantation of trees, and feeding street dogs were carried out.

   - The regional chapter of AACIHTS took the responsibility of organizing the same in other parts of India and abro ad.

Ready to celebrate the 82nd birth anniversary of our former director Prof. S. Rinpoche at Institute.

Distributing Blankets at old people house at Sarnath by Alumni.

Freeing goats by our Regional Coordinator, Nepal Chapter.

Distributing School kits to local kids at West Bengal by our Regional Coordinators.

3. **Participated in the Annual Meeting of Alumni at Dharamsala, H.P.**

a 22-24 December 2021 : The three days program included the annual meeting of CIHTS Alumni, long life prayer ceremony puja offered to His Eminent Prof. Samdhong Rinpoche, the former director of CIHTS. Though the program was successful due to fear of new variants (Omicron) many of our fellow alumni were unable to attend. The below members from Institute participated in the above program.

- Prof. Dr. Jampa Samten (Chief Advisor & Speaker)
- Assot. Prof. Dr. Lobsang Dorjee Rabling (Advisor & Speaker)
- Geshe Dr. Ngawang Tenphel (President, CIHTS Alumni Association)
- Dr. Jampa Choephel (Asst. Prof.), Treasurer
- Dr. Tsering Dolkar , Member
- Dr. Tashi dawa (Asst. Prof.), Member
- Mr. Tenzin Sidon, Member
- Mrs. Tenzin Rigsang, Member
- Mr. Tenzin Dhonyoe, Mutimedia
- Mr. Tenzin Kalden, Multimedia
- Mrs. Tenzin Tsomo, Multimedia

b **Important Personnel during the meeting.**

- Prof. Samdhong Rinpoche (Former Director of CIHTS)
- Ven. Khenpo (Gyuto Abbot)
- Most Venerable Dakyab Togden Rinpoche (Ex-Abbot of Gyuto Tantric Monastery)
- Ven. Chazoe (Gyuto Tresurer)
- Dr. Tenzin Dhonyoe (Secretary to Prof. S Rinpoche)
- Ven. Ngawang Tenzin la
- Mr. Thupten Lungrikla, Ex-President, CIHTS Alumni, Ex-MP and Former Kalon
- Mr. Wangdue Tsering, (Secretary)
- Mr. Jigme Namgyal (Secretary CTA)
- Mr. Palden Dhondup (Secretary CTA)
- Mr. Sonam Topgyal, President, AACIHTS Dharamsala Chapter
- Mr. Chime Yungdrung, Representative, AACIHTS Delhi Chapter

c **Program details:**

- 20 December 2021 : From 3.30 pm through 5.00 pm, all participants underwent an RT-PCR test under the supervision of senior Doctors of Delek Hospital as part of the Covid protocol at the host Institution Gyutoe Monastic University
- 21-22 December 2021 : Assigned for quarantine purposes, and on the evening of the 22nd, the Covid test result came out affirmative for all the participants.
- The Members of the Regional Chapter Dharamsala virtually organized all the arrangements regarding accommodation, local contingencies, and meeting hall for all the participants.

d **Notable Points:**

- More than 70 Alumni attended this meeting.
- It was recommended that the same meet can be planned at the CIHTS campus in November 2022.
- Many of the participants pinpointed the urgent necessity of compiling and transcribing the speeches of Prof. Ven. Samdhong Rinpoche.
- During the Special talk on "OPINION LEADERSHIP" by HE Prof. S. Rinpoche, he stressed more thoughts of tradition and modernity upon which the new generation has ample potential to contribute in the future. He later emphasized translation and development of Research Methodology based on traditional classical logic.

Above: Audience listening to Speakers

Date: 23rd Dec. 2021, Place: Seminar Hall, Gyutoe Monastic Institution. Dr. Jampa Choephel giving the opening remarks of the National Seminar "Buddhist Philosophy, culture and History with touch to Mindfullness training during Covid Pandemic.

(II) ACTIVITIES OF RAJBHASHA KARYANVAYAN SAMITI

Official Language Implementation Committee meeting

23 June 2021 : Under the chairmanship of Hon'ble Vice-Chancellor, the meeting of Official Language Implementation Committee was organized on 23.06.2021 at 2.30 PM. In the above meeting, there was extensive discussion on the official language annual program issued by the Ministry of Home Affairs: - Year 2021-22 and Hon'ble Vice Chancellor ordered to fulfil the targets. Along with this, there was serious discussion on various items of Official Language Quarterly Report and Questionnaire of Committee of Parliament on Official Language and Hon'ble Vice Chancellor ordered to prepare a comprehensive program for completion. Along with this, it was decided to constitute a committee regarding the publication of annual Hindi home magazine Bodhiprabh by the institute. The meeting was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary and vote of thanks by Dr. Sushil Kumar Singh.

Organization of Hindi workshop

30 June 2021 : As per the order of the Hon'ble Vice Chancellor, a Hindi Workshop was organized by the Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi on 30.06.2021 from 2.00 PM to 5.00 PM. The said workshop was inaugurated and presided over by the Hon`ble Registrar. In the workshop, a detailed discussion was held by Dr. Sanjay Kumar Singh, Sr. Rajbhasha Adhikari, Banaras, Locomotive Works and Member-Secretary, TOLIC, Varanasi on subject (राजभाषा कार्यान्वयनः दशा एवं दिशा) Official Language Implementation: Dasha and Disha through virtual medium. Similarly, in the second session, Dr. Budhinath Mishra, retired Chief Manager, Rajbhasha, ONGC, Dehradun and senior litterateur discussed the statutory nature of official language Hindi and it was told that the word comes into vogue only when it is recognized by the society. . Therefore the word does not belong to the language but to the society. Along with this, he shared his experience regarding the difficulties faced in the field of use of official language. The above program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary and vote of thanks by Dr. Ramsuthar Singh, Guest Faculty with special comments and expertise.

Official Language Week Celebration- 2021 organized by Official Language Implementation Committee (dated 14 to 18 September, 2021)

Official language week function was organized by the Official Language Implementation Committee from 14 to 18 September, 2021 from 2 PM to 5 PM in the institute, under which the following programs were organized-

At the beginning of the week celebrations, the Hindi views of prominent scholars and politicians received from the Ministry of Home Affairs were displayed attractively two days ago at the entrance of all the major buildings of the institute.

14 September 2021 : Hindi Diwas was inaugurated with garlanding on Goddess Saraswati photo and lighting of lamp under the chairmanship of Hon'ble Registrar Dr. R. K. Upadhyay. On the said occasion, Chief Guest Prof. Ram Mohan Pathak (former Vice Chancellor, Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, Chennai) was welcomed with a Khatak (खतक) according to the Tibetan tradition and presented a memento by Chairman Dr. R. K. Upadhyay. Thereafter, Chairman administered the oath of **Official Language Pledge** (राजभाषा प्रतिज्ञा) issued by the Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Official Language to the officers/employees presented and Dr. Jyoti Singh, Assistant Professor, Hindi read out the message of the Home Minister. On the said occasion, the chief guest Prof. Ram Mohan Pathak deliver a lecture on the subject (राजभाषा हिंदी: प्रगति, प्रयास एवं नई संभावनाएँ) **Official Language Hindi: Progress, Efforts and New Possibilities**, he said that Hindi is the language of self-pride and self-respect. Tomorrow will be of Hindi. The overall development of India is possible only when the people of India will think and write in Hindi. Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary, Official Language Implementation Committee, steering and Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer proposed vote of thanks. Theme introduction and welcome address addressed by Dr. Ramsudhar Singh, Visiting Professor.

15 September 2021 : A meeting of the Official Language Implementation Committee was held under the chairmanship of Dr. R. K. Upadhyay, Registrar of the Institute, It was organized in the committee room of the Registrar's office. In the meeting, the official language quarterly report, annual program 2021-2022 and various items of the Parliamentary Committee on Official Language were presented through power point presentation on subject by Shri Bhagwan Pandey, Rajbhasha Consultant and discussed by the members and the Chairman. On the said occasion, the members expressed their views regarding the progressive use of the official language. The meeting ended with the presidential address. Dr. Ramsudhar Singh, Dr. Ramesh Chandra Negi, Shri T.R. Shashni, Dr. Sushil Kumar Singh and Dr. Anurag Tripathi were present.

16 September 2021 : Official language workshop was organized on 16th September, 2021. In the said workshop, Shri R. K. Gupta (Senior Personnel Officer, Banaras Locomotive Works, Varanasi) on the topic **"Letters, Circulars and Demi-Official Letters"** and Shri Vinay Kumar Singh (Chief Manager/ Official Language, State Bank of India, Varanasi) on topic **"Notice, Notification, Office Memorandum"** deliver expertise lectures on the subject and gave satisfactory answers to the questions of the participants. Presiding over the workshop, the Registrar of the Institute, Dr. R. K. Upadhyay said that while discharging the obligations given by the Constitution regarding the official language, we will ensure maximum use of simple Hindi. This will accelerate the pace of development of the nation and bring transparency in the administration. Assist. Registrar Shri Pramod Singh also expressed his views. Dr. Sushil Kumar Singh, Member, Official Language Implementation Committee conducted the program and Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer proposed vote of thanks.

17 September 2021 : In the first session dated 17 September 2021, the debate **(subject - the situation of Rajbhasha is satisfactory/ not fully satisfactory) (pros and cons)** was conducted, and presided over as judge by Dr. Ramsudhar Singh (Visiting Professor, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi) and Dr. Uday Prakash (Associate Professor, Shri Baldev PG College, Baragaon, Varanasi). Dr. Himanshu Pandey, Deputy Registrar presided over the program.

In the second session, an oral quiz competition was organized, in which Rajbhasha Consultant of the institute, Shri Bhagwan Pandey, asked questions related to the official language, institute and literature. The employees of the institute enthusiastically participated in the said competition. The program was presided over by Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer, Steering by Dr. Jyoti Singh, Assistant Professor, Hindi and vote of thanks by Mr. Pramod Singh, Assistant Registrar. On the said occasion, Shri Rajesh Kumar Mishra said in the presidential address that these competitions organized under the Official Language Week celebrations are encouraging to the participants and inspiring for all the employees present. Motivation and encouragement is the basic formula for the development of the official language. Dr. RamSudhar Singh, Dr. Ramji Singh etc. expressed their views in the form of blessings.

18 September 2021 : In the concluding session of the Official Language Week celebrations, lamp lighting was done by paying floral tributes to Saraswati photo by the President, Chief Guest and officers. Thereafter, the President, the Chief Guest and the dignitaries were welcomed with a Khatak (खतक) and the Chairman

presented a memento to the Chief Guest. As the chief guest, on topic **the language policy of the National Education Policy-2020**, the eminent poet of Hindi literature and Former Chief Official Language officer, O. N. G. C., Dehradun, Dr. Budhinath Mishra While expressing his views, said that the most important feature of the official language is its clarity of meaning. That is why there is a difference between the language of the office and the language of literature. They said that the language of the office simple, must be clear and scientific. As an official language officer who is concerned about the official language, He shared his experiences on the problems he faced. Dr. Mishra said that the identity of every country is due to the uniqueness of its language. Therefore, every responsible person and employee needs to be devoted towards the language. In the presented program, he wrote his famous poem- **एक बार और जाल फेंक रे मछेरे, जाने किस मछली में बंधन की चाह हो** the did read. Presiding over the closing ceremony, the Registrar of the Institute, Dr. R. K. Upadhyay told the importance of official language from the example of Gandhi. Gandhiji used to say that **अंग्रेजों से कह दो कि गाँधी अंग्रेजी नहीं जानता है'**, Clarifying the example presented, he said that the day every citizen would have such respect for the language, then Hindi would automatically become the national language. They Office staff and officers were encouraged to do more and more work in Hindi. In the end of the program, prizes were distributed to the winners of various competitions. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary, OLIC, Welcome address Dr. Sushil Kumar Singh, Member, OLIC. And Dr. Jyoti Singh, Assistant Professor, Hindi proposed the vote of thanks.

All India Official Language Conference-Dated 13-14 November, 2021

All India Official Language Conference was organized in Varanasi on 13-14 November, 2022 under the chairmanship of Hon'ble Home and Cooperation Minister, Government of India. In which the students/personnel of the institute enthusiastically participated and took advantage of the lecture series of various sessions. The Secretary, Official Language, Ministry of Home Affairs issued certificates to the participating students.

Official Language Implementation Committee Meeting-Dated: 24 December 2021

The meeting of the Official Language Implementation Committee was organized on 24.12.2021 under the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor from 3.30 PM. In the above meeting, various issues of the Official Language Annual Program-Year 2021-22 issued by the Ministry of Home Affairs were discussed and the Hon'ble Vice Chancellor ordered to fulfill the targets. Along with this, there was serious discussion on various issues of Official Language Quarterly Report and Questionnaire of Parliamentary Official Language Committee and Hon'ble Vice Chancellor ordered to complete the target. Along with this, a discussion was also held regarding the publication of the annual Hindi home magazine 'Bodhiprabh' by the institute and it was decided that the magazine should be published soon. In the said meeting, Hon'ble Vice Chancellor ordered that the magazine would be launched on 26.01.2022 on the auspicious occasion of Republic Day. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary and vote of thanks by Dr. Sushil Kumar Singh.

Organized Hindi Workshop - Dated: 25 December 2021

Official language workshop was organized by the Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Education, Sarnath, Varanasi on 25.12.2021 at 2.30 PM. The said workshop was inaugurated and presided over by the Hon'ble Vice Chancellor. Dr. Himanshu Pandey, Registrar was present on the said occasion as a special guest. In the workshop, Prof. BR Tripathi, Visiting Professor on Standardization of Standard Devanagari Script / Hindi Spelling and Dr. Ramsudhar Singh, Visiting Professor on Standardization of Standard Devanagari Script / Hindi Spelling and Grammatical Errors and Remedy. The doubts of the personnel were also resolved in the Q&A session of the said workshop. Certificates were also distributed to the students of the institute participating in the All India Official Language Conference by the Hon'ble Vice Chancellor on the said occasion. The workshop was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary, welcome address by Dr. Sushil Kumar Singh and vote of thanks by Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer.

Organized Hindi Workshop - Dated: 31 December 2021

In order to complete the one day workshop as per the order of Ministry of Home Affairs during the quarter ending December, 2021, under the chairmanship of Dr. Himanshu Pandey, Registrar, Dr. Himanshu Pandey, the official language workshop was organized in the order of 25.12.2021 from 31.12.2021 at 2.30 pm. In which information about letters, orders, memorandums and information

was given by Shri Pramod Singh, Assistant Registrar, and scholarly lecture was given by Prof. Shraddhanand on purposeful Hindi subject. Operation Dr. Jyoti Singh, welcome address Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary, R.I.S. and vote of thanks by Dr. Sushil Kumar Singh

Official language magazine 'Bodhiprabha' launched (26 January 2022)

The admission issue of Bodhiprabh, the home magazine of the official language of the institute, was launched by the Honorable Vice Chancellor.

Organized Hindi Workshop - Dated: 24 February 2022

During the quarter of March, 2022 under the aegis of Ministry of Culture, Mr. A full-day workshop was organized by the Director/Official Language, Ministry of Culture in the presence of Dr. Himanshu Pandey, Registrar, under the chairmanship of the Vice-Chancellor. In the workshop, Dr. Ramesh Arya, Director/Official Language, Ministry of Culture, (1) implementation of Official Language Policy and Annual Program (2) Incentive Scheme, (3) filing and reviewing quarterly progress report and (4) Parliamentary Official Language Filling up the inspection questionnaire related to the committee, discussed extensively on the subjects and answered the questions. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary, NCS, welcome address by Dr. Ramsudhar Singh and vote of thanks by Dr. Sushil Kumar Singh.

Inspection of Offices - Dated 25 February 2022

The representative of the Director / Official Language inspected the offices as per the format prescribed by the Ministry of Culture and on the inspection report, the Director / Official Language expressed satisfaction and appreciated the work being done by the Institute in Official Language.

Official Language Implementation Committee Meeting - Dated: 23 March 2022

The meeting of the Official Language Implementation Committee was organized on 23.03.2022 under the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor from 2.30 PM. In the said meeting, there was extensive discussion on the annual program of the year 2021-22 released by the Ministry of Home Affairs and the Hon'ble Vice Chancellor ordered to fulfill the targets. Along with this, there was serious discussion on various issues of Official Language Quarterly Report and Questionnaire of Parliamentary Official Language Committee and Hon'ble Vice Chancellor ordered to prepare a comprehensive program for completion. Simultaneously, there was a discussion regarding the publication of 'Bodhiprabh', the annual home magazine of the official language to be published by the Institute and the Hon'ble Vice-Chancellor ordered that the magazine should be published by the upcoming Hindi Day-2022 and will cover literature, culture, language, story and poetry. A notice should be issued inviting various compositions by incorporating it. It was also decided in the meeting that in order to meet the target of annual official language program, workshop on machine translation should be conducted during the next quarter and the personnel of the sections working less than the target in the report should be trained. This has to be ordered personally. Apart from this, it was also decided

that the Assistant Registrar-Admn. II and the Assistant Registrar, Vice-Chancellor's office should be nominated as members of the Official Language Implementation Committee. Dr. Anurag Tripathi, Member-Secretary, OLIC and the vote of thanks was given by Dr. Ramsudhar Singh.

Academic Visits and Assignments of the Vice Chancellor (Additional Charge)

Prof. Wangchuk Dorjee Negi

1. **21 December 2021 :** Hon'ble Vice-Chancellor, being member of the General Body Meeting of the Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, Sanchi, attended the 4th General Body Meeting held in the office of the Hon'ble Chief Minister, Vallabh Bhavan, Bhopal.
2. **15-16 February 2022 :** On the invitation of the Sanskrit Sahitya Roman Sadhana Rath, the Hon'ble Vice Chancellor visited Muzaffarpur and delivered Dhamma talk.
3. **19 February 2022 :** Hon'ble Vice Chancellor attended meeting with the Hon'ble Secretary, Govt. of India, Ministry of Culture, held at Shastri Bhavan, New Delhi.
4. **22 March 2022 :** Attended the 60th Board of Governor (BOG) meeting held at the Puratattva Bhavan, New Delhi.

Academic Activities of the Registrar (Additional Charge) and Dy. Registrar

Dr. Himanshu Pandey

Publications:

1. Autoinducer N-(3-oxododecanoyl)-l-homoserine lactone induces calcium and reactive oxygen species-mediated mitochondrial damage and apoptosis in blood platelets.
   Microbial Pathogenesis 154, 104792, 2021.
2. Synergistic impact of photocatalyst and dopants on pharmaceutical-polluted waste water treatment: a review.
   Environmental Pollutants & Bioavailability 33 (1), 347–364, 2021.
3. Time and Concentration Dependent; UV Light–Mediated Photocatalytic Degradation of Major Antibiotic Consortium Using ZnO.
   Brazilian Journal of Physics 52 (5), 1-9, 2022.
4. Biocompatible Antidermatophytic Scaffolds (TfG-Nf) for Controlled and Impressive Management of Topical Tinea Diseases
   Acta Scientific Pharmaceutical Sciences 5 (7), 1-12, 2021.
5. Miconazole Nitrate–Loaded Solid Lipid Nanoparticle-Based Hydrogel Ameliorate Candida albicans Induced Mycoses in Experimental Animals.
   BioNanoScience, 12:512–526, 2022.

6. Fabrication of solid lipid nanoparticles by hot high shear homogenization and optimization by Box–Behnken design: An accelerated stability assessment
   Journal of Applied Pharmaceutical Science 11 (09), 035-047, 2021.
7. Hypolipidemic effect of [6]-Gingerol-loaded Eudragit polymeric nanoparticles in high-fat diet- induced rats & Gamma scintigraphy evaluation of gastric-retention time.
   Journal of Applied Pharmaceutical Science 12 (6), 156-163, 2022.

Inspection/Review Meeting Carried out:

1. Inspected the Animal House Facility of Department of Zoology, Banaras Hindu University (BHU), Varanasi on 11th October, 2021.
2. Inspection of Pharmacy colleges as per requirement of Pharmacy Council of India, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India.
3. Conducted the review meetings of CPCSEA, Govt. of India.

Invited Lectures:

1. Delivered Invited lecture at "International Conference on Emerging Trends in Biotechnology" on March 10-12, 2022 at Motilal Nehru National Institute of Technology (MNNIT), Prayagraj.
2. Delivered Invited Lecture on the topic: "Role of nanotechnology preclinical applications" at United Institute of Pharmacy, Prayagraj.

Nomination by Govt. of India:

Nominated as CPCSEA Nominee by Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, Govt. of India.

Phd Supervised/Co supervised:

1. Ms. Meenakshi Gupta:
   Thesis title- Development & Characterization of Nanoengineered Materials for Biological Applications".
2. Ms. Anindita Biswas:
   Thesis title- Formulation and development of gentamicin loaded grapheme nano – ointment for the treatment of multi – drug resistant bacterial infection.

Project:

Department of Biotechnology (DBT), Ministry of Science & Technology, New Delhi sponsored research grant on "Design and development of Nanoparticulate Ophthalmic system for non- invasive intraocular delivery of Anti- VEGF drugs for the management of Proliferative Diabetic Retinopathy". (Ongoing)

Additional Administrative Responsibility:

Administrative responsibility of additional charge of Registrar-CIHTS by the administrative ministry, Ministry of Culture, Govt. of India.

Other Activities:

1. Chaired the session in the activity organized by Rajbhasha Karyanyavan Samiti, CIHTS on 17th September 2021.

2. Organized National Seminar on Research Methodology on 13th November 2021.
3. Chaired the Rajbhasha Workshop organized by Rajbhasha Karyanyavan Samiti, CIHTS on 31st December 2021.
4. Served as Editor of the journal 'Bodhi Prabha' published from Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi.
5. Served as a member of various Selection Committees.

Academic Activities of the Assistant Registrar (Admn.-II)

Shri Pramod Kumar Singh

1. July 2021 : Joined and worked as member the Screening-cum-Evaluation Committee for the Carrier Advancement Scheme (CAS), at the Nava Nalanda Mahavihara, Deemed to be University, Nalanda, Bihar.
2. 24–25 September 2021 : Delivered training to the staff of Nava Nalanda Mahavihara, Nalanda, Bihar, about the use of the Public Financial Management System (PFMS), a web-based online software application, in order to fulfil the objective of tracking funds released under all Plan schemes of Government of India, and real time reporting of expenditure at all levels of Programme implementation.
3. October 2021 : Worked as member in Roster Preparation Committee to deliver expertise in the preparation of roster for academic and administrative posts maintaining the reservation policy, at The Central Institute of Buddhist Studies, Leh, UT of Ladakh.
4. 4–5 March, 2022 : Worked as member in Roster & Pre-screening Committee to deliver expertise in the finalization of roster for various academic posts at Govind Ballabh Pant Social Science Institute.

IQAC

1. The clarification of DVV was successfully submitted.
2. CIHTS became the only Tibetan University, in the pool of Sanskrit University, to qualify for NAAC Peer Team Visit.
3. Dr. Anirban Dash was made the new Coordinator of IQAC.
4. An extensive tour of the campus was made by the IQAC to find out the sites of the improvements.
5. A comprehensive plan of action was submitted by IQAC to renew the facilities of the campus.
6. The comprehensive preparations were made for NAAC Peer Team Visit.

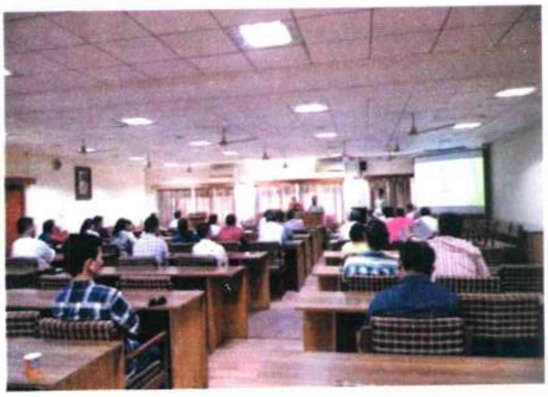

Right to Information Action

The Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi is committed to provide information to the public on the line of RTI-Act 2005. Institute has made all desired provision to set out the practical regime of Right to Information for citizens to enable them to access the information under the control of Institute in order to promote transparency and accountability in the working of the Institute. Transparency Audit of Disclosure under Section 4 of the RTI Act of the Institute has been done in the month of October, 2022. Details of RTI officials are given below.

Nodal Officer

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Rajesh Kumar Mishra	Documentation Officer	0542-2586515 7080276699	slibcd@cihts.ac.in slibcd@gmail.com	Shantarakshita Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

First Appellate Authorities (FAAs) and Central Public Information Officer (CPIOs)

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Dr. Himanshu Pandey	Deputy Registrar & FAA	0542-2586515 7080276699	droffice@cihts.ac.in drcuts24@gmail.com	Deputy Registrar Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007
2.	Sunil Kumar	Assistant Registrar & CPIO	0542-2585242 7007270180	cpio@cihts.ac.in piocihts@gmail.com	V.C. Office Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

Details of RTI Applications received are follows-

1. No. of RTI Application received - 28
2. No. of RTI Application disposed - 28
3. Reply denied - 00

Students' Activities

1. Students' Welfare Association (SWA)

The Students' Welfare Association was first established in 1972. Since then, SWA has predominantly constituted a new horizon to bring better environment regarding the development of students' education and health. The active members of SWA are being elected democratically by the students of the Institute for one year tenure. Present members:

S.No	Name	Position	Class
1.	Thupten Gyaltsok	President	Acharya 2nd
2.	Lobsang Tenzin	Vice-President	Acharya 2nd
3.	Jigmet Chorol	Secretary	Acharya 1st
4.	Dinesh Kumar	Treasurer	Acharya 1st
5.	Rinzin Wangmo	Asst. Treasurer	Acharya 1st
6.	Phurpa Gyal Gurung	Education Secretary	Acharya 1st
7.	Tenzin Lodoe	Sport In-charge	B.A.B.ed. 4th
8.	Tashi Dorjee	Medical Incharge	B.S.R.M.S 5th
9.	Ngawang Norzom	Culture secretary	Acharya 1st
10.	Tenzin Gyatso	P.R.I	Shastri 3rd

The main objectives of the SWA are:

- to equip resource materials and accessories for students to gain intellectual wisdom.
- to provide an educational platform by organizing extra-curricular events such as classes, debates, campaigns, organizing talk, education tours etc.
- to invite reputed scholars from India and abroad and organize talks and teachings.
- to organize prerequisite medical preventive and precautionary talks and campaign services for the students.
- to provide required assistance and competent care for treatment of diseases.
- to disseminate awareness amongst students on the uses of internet, education, health, technology etc.
- to gather suggestions and thoughts from the students with regard to the improvement of the educational and environmental level of the Institute.
- to organize sports tournaments such as football, basketball etc. and facilitate necessary amenities in both outdoor and indoor games.

Activities:

Following activities have been carried out by SWA during the academic session 2021-2022.

Academic

1. 25 April 2021 : Inter-class Drawing, Calligraphy and extemporary poem writing competition was held on the occasion of His Eminence Panchen Lama's birthday.
2. 14 July 2021 : Ka-gyur Ten-Gyur scriptures were recited by the students and staff in their respective rooms and halls.
3. 13 September 2021 : The Annual farewell gathering was organized to congratulate and felicitate the outgoing senior students.
4. 16-17 September 2021 : Two-days' lecture on Tibetan History by Professor Jampa Samten was organized for the students.
5. 17 September 2021 : Students were given typing classes for a month in English, Hindi and Tibetan.
6. 1 November 2021 : A week long workshop was given to around 30 students on InDesign- the book making.
7. 5 November 2021 : Inter-class video editing contest was organized as a tribute to acknowledge and congratulate His Eminence Professor Samdhong Rinpoche on his birth anniversary.
8. In the month of June 2021, musical instrument classes were arranged in order to relax students during the pandemic.
9. Mini-shop that stocks snacks and daily necessities for students was arranged during the lockdown of 2021.

Sports

1. 4-6 July 2021 : Basketball tournament for boys and girls was organized in celebration of His Holiness's birthday.
2. 12-17 October : organized a basketball tournament for boys and girls during Dussehra holidays.
3. 25 October - 5 November : Football and Badminton tournaments were held for students during Deepawali holidays.
4. 17-25 November : To commemorate the Communal Harmony Campaign Week, an inter-class basketball tournament and cultural performances were organised for both boys and girls.

Health

1. Amidst the surge in Covid-19 cases during the second wave, students were supplied with medicines, masks and given health check-up from time to time.
2. With the help of the Administration and CIHTS Alumni, proper medical facilities were given to all the students and staff of this Institute who were affected during the pandemic. Medical and personal necessities such as

masks, sanitizers, water boilers, steamers, medicines along with Tibetan Herbal medicines were provided to boost their immune system.

3. Severe cases amongst students and staff were taken to hospitals at once by the members with the help of volunteer students during the peak of pandemic.
4. Weekly check-up for all the students and staff were done with the help of three nurses.
5. Ten-days Yoga course was organized in the month of June for the students lead by Mr. Tenzin Shenphen.

Vaccination and medical supplies during COVID pandemic period 2021.

Basketball and football tournament 2021

Freshers' campaign and Spring campaign 2021-2022

Essay writing competition and farewell gathering of 2021

2. Mess Management Committee of Student Body

Management of the mess for the entire campus is carried out by the Mess Management Committee having 10 members representing various sections of the student community. The current committee is the 39th. The committee manage the Mess, attempting to provide nutritious food collecting feedbacks from the student. The current members of MMC are:-

S.No	Name	Class	Designation
1.	Dorji Kelsang	Acharya 2nd	Treasurer
2.	Yeshi Tsewang Lama	B.S.R.M.S 5th	Asst. Treasurer
3.	Sichoe Tsering	B.S.R.M.S 5th	Secretary
4.	Sonam Norbu	Shastri 3rd	Asst. Secretary
5.	Doka Tsering	Acharya 2nd	Senior no. of days
6.	Sangye Pow	Acharya 2nd	Kitchen Incharge
7.	Tenzin Chemi	B.A.B.ed 1st	Junior no. of days
8.	Tsering Youdon	B.S.R.M.S 4th	Private no. of days
9.	Dorjee Tsomo	Acharya 2nd	Member
10.	Dawa Drakpa	B.A.B.ed 4th	Member

The main objectives of MMC are as follow:

- To arrange nutritious and healthy food to all the students residing in the hostel.
- To ensure the cleanliness of the hostel, and its premises.
- To regulates proper rules and conducts of the institute to all the students.
- To allot hostel rooms annually to all the students.
- To organize the annual Tibetan New year to all the students and staffs.

3. Publication of Riglab, a Students' Journal and the Organization of a Workshop

Varnai-Riglab is an independent students' Editorial Board which is aimed for the development of the students' academic skills and the preservation of the Tibetan culture and Language. Every year, we organize the workshop, essay competition and publish a yearly journal.

Activities:

1. 6 July, 2021 : A prompt poetry writing competition was organized to celebrate 86th Birthday of His Holiness Dalai Lama on 6th July.
2. 26 October, 2021 : essay and poetry writing competition was organized on various topics to celebrate 82nd Birthday of His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche.
3. 2 November, 2021 : Tibetan poem and prose writing workshop was organized for one week to enrich basic writing skills and create awareness about the importance of writing skill. The workshop was instructed by Geshe Beri Jigmey Wangyal.
4. 11 Dec, 2021 : Interclass Tibetan Poetry recitation competition was organized.

The active members of Varnai-Riglab are being elected by senior members of (V.R.) into two years. Following are the present members of Varnai-Riglab Editorial Board.

S. No	Name	Position	Class
1.	Phurpa Gyal Gurung	Editor	Acharya 1st
2.	Ngawang Dechen	Co-editor	Acharya 1st
3.	Yidam Tsering	Secretary	Shastri 3rd
4.	Tamding Dolma	Treasure	Shastri 2nd
5.	Sonam Chokey	Assistant Treasure	Shastri 1st
6.	Tenzin Lhundup	Member	Shastri 3rd
7.	Phurbu Dorjee Gurung	Member	Shastri 3rd

During Interclass Poetry recitation competition on 11th Dec, 2021.

4. Students' Association of Performing Arts (SAPA)

SAPA or Student's Association of Performing Arts, is a small committee that preserve the costumes and culture of our country Tibet by providing opportunities and chance on practicing and learning. We have been presenting lots of shows especially the culture shows on lots of main events. We not only entertain the audience by showcasing our talent but we also induce them to learn about the culture of our paternal and maternal period. Not only that, we have been representing our institute in many cultural competitions hosted in different parts and have been awarded with satisfying awards.

The current 9th SAPA members are:

S. No.	Name	Position	Class
1.	Namgyal Khandu	President	Shastri 1st
2.	Tenzin Norsang Gurung	Member	Shastri 1st
3.	Bair Burulov	Member	Shastri 1st
4.	Tsering Tsomo	Member	Shastri 1st
5.	Tenzin Pema	Member	B.S.R.M.S 1st

5. Activities of the Voluntary Community for Social Service (VCSS)

Voluntary Community for Social Service (VCSS) was founded by Prof. Lobsang Norbu Shastri under the guidance and support of the former Vice Chancellor, Prof. Samdhong Rinpoche in 1986. It is a special programme meant for serving the social milieu at a larger level beyond the petty materialistic learning.

The community consists of one advisor, Associate Professor, Lobsang Dorjee Rabling and four members elected through voting among the members of the community. However, due to the spread of Covid-19 we were unable conduct voting for new members. So, the old member extended its tenure for one more year. The current 36th VCSS members are as follows:

S. No.	Name	Designation	Class
1.	Doma Tsering Thakuri	President	B.S.R.M.S 3rd
2.	Ngawang Gyatso	Secretary	Shastri 3rd
3.	Tsering Tashi	Treasurer	Shastri 2nd
4.	Jampa Sangye	Assistant Treasurer	Shastri 3rd

Distributing Clothes to nearby needy people, 2021

Cleaning the Institute campus on Sunday morning

6. Varna Voluntary Committee for Animals (VVCA)

This committee was founded by one of our own students of Shastri 2nd Aangdorje Sherpa along with some of his classmate by the advice of one of our Alumunus Mr. Rinchen Lanzey in the year 2018 during the Golden Jubilee of our Institute. The main aim of VVCA is medical treatment and to look after animals like stray dongs and others. Overall this committee works for the welfare of animals. And the Advisor of this committee is Geshe Ngawang Tenphel.

Members of VVCA:

S. No.	Name	Position	Class
1.	Jangchup Tsomo	President	Shastri 1st
2.	Pema Tashi	Member	B.A.B.ED 2nd
3.	Tenzin Choeying	Member	Shastri 1st
4.	Tsering Wangchuck	Member	B.A.B.ED 2nd

APPENDIX-I

LIST OF CONVOCATIONS HELD AND *HONORIS CAUSA* DEGREES CONFERRED ON EMINENT PERSONS BY CENTRAL INSTITUTE OF HIGHER TIBETAN STUDIES, SARNATH, VARANASI

Convocations	Eminent Personalities on whom *Honoris Causa* Degrees were Conferred	Dates of Convocations & Degrees Awarded	
Special	H.H. the Dalai Lama	14.01.1990	Vachaspati
1st	1. Shri P.V. Narasimha Rao	19.02.1990	Vakpati
	2. Ven. Labugama Lankananda Mahathera, Srilanka	"	Vakpati
	3. Ven. Khenpo Lama Gaden, Mongolia	"	Vakpati
2nd	1. Dr. Raja Ramanna	15.07.1991	Vakpati
	2. Prof. G.M. Bongard Levin, Russia	"	Vakpati
3rd	1. Dr. G. Ram Reddy, Chairman, UGC	08.04.1993	Vakpati
	2. Acharya Tulsi Maharaja	"	Vakpati
4th	1. H.H. Sakya Trizin Rinpoche	16.04.1994	Vakpati
5th	1. Dr. S.D. Sharma, President of India	21.08.1996	Vakpati
	2. Prof. K. Satchidananda Murty	"	Vakpati
	3. Prof. Ralph Buultijeen, Sri Lanka	"	Vakpati
6th	1. Dr. A.R. Kidwai, Governor of Bihar	15.01.1998	Vakpati
	2. Prof. G.C. Pande	"	Vakpati
7th	1. Dr. Karan Singh	27.12.1998	Vakpati
	2. Dr. (Mrs.) Kapila Vatsyayan	"	Vakpati
8th	1. Prof. Ramsharan Sharma	31.10.1999	Vakpati
	2. Prof. Ravindra Kumar	"	Vakpati
9th	1. Prof. D.P. Chattopadhyay	25.12.2000	Vakpati
	2. Acharya S.N. Goenka	"	Vakpati
10th	1. Prof. Vishnukant Shastri, Governor of Uttar Pradesh	29.12.2001	Vakpati
	2. Prof. U.R. Anantha Murthy	"	Vakpati
	3. Gaden Tri Rinpoche Losang Nima	"	Vakpati
	4. Dr. Kereet Joshi	"	Vakpati
11th	1. Prof. M.M. Joshi, Union HRD Minister	09.03.2003	Vakpati
	2. Prof. David Seyford Ruegg. England	"	Vakpati
12th	1. Mr. B.R. Nanda	18.02.2005	Vakpati
	2. Justice J.S. Verma	"	Vakpati

13th	1.	Dr. A.P.J. Abdul Kalam, Ex. President, Government of India	06.03.2008	Vakpati
	2.	Prof. Suluk Sivaraksa	"	Vakpati
14th	1.	Ms. Meira Kumar, Speaker, Lok Sabha	17.03.2012	Vakpati
	2.	Prof. Robert Thurman	"	Vakpati
	3.	Prof. Lokesh Chandra	"	Vakpati
15th	1.	Ven. Thick Nhat Hanh, Vietnam	25.10.2018	Vakpati
	2.	Vidyashrishatirtha Swami Maharaj (D. Prahladacharya)	"	Vakpati
	3.	Smt. Jetsun Pema	"	Vakpati

APPENDIX-II

LIST OF MEMBERS OF THE CIHTS SOCIETY AS ON 31.03.2022

Sl.No.	Name & Address	Capacity
1	Secretary Ministry of Culture Govt. of India, New Delhi	Chairman
2	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath Varanasi - 221007 (U.P.)	Member
3	Joint Secretary (BTI) Govt. of India MoC, New Delhi,	Member
4	Prof. Rajaneesh Kumar Shukla V.C., M.G.A.H.V., Wardha (Maharashtra)-442001	Member
5	Prof. Baidyanath Labh V.C., Nav Nalanda Mahavihar Nalanda (Bihar)	Member
6	Prof. Bhaicung Tshering Bhutia Associate Prof., Dept. of Bhutia, Central University of Sikkim	Member
7	Prof. Lallan Prasad Singh 142, Maharaja Aptmnt. Plot No. 25, Sector 12, Dwarka, New Delhi	Member
8	Dr. Namita Nimbalkar Asstt. Professor, Dept. of Philosophy, University of Mumbai	Member
9	Shri Mrutyunjay Behera Economic Advisor (CU & Admn.), Ministry of Education, Shastri Bhawan, New Delhi	Member
11	Geshe Dorjee Damdul Director Tibet House, New Delhi	Member

12	Shri Naveen Srivastava Addl. Secretary (E.A), Ministry of Ext. Affairs, GOI, New Delhi	Member
13	Prof. Tashi Tsering (S) CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
14	Dr. Anirban Dash Associate Professor, CIHTS, Sarnath	Member
15	Dr. Lhakpa Tsering Asst. Professor, CIHTS, Sarnath	Member
16	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-member Secretary

APPENDIX-III

LIST OF MEMBERS OF THE BOARD OF GOVERNORS AS ON 31.03.2022

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi U.P. 221007	Chairman
2	Geshe Lhakdor Director, Library of Tibetan Works & Archives Gangchen Kyishong Dharamsla-176 214 Distt. Kangra (H.P.)	Member
3	Jt. Secretary (BTI) Govt. of India Ministry of Culture, New Delhi.	Member
4	Shri Naveen Srivastava, I.F.S. Addl. Secretary (East Asia) Min. of E Affairs, New Delhi	Member
5	Financial Advisor/or His representative Ministry of Culture Deptt. of Culture (IFD) Room No. 328, C – Wing, Shastri Bhawan New Delhi-110001	Member
6	Prof. Rana Purushottam Kumar Singh, Head of the Department of Buddhist Studies, NNM, Nalanda (Bihar)	Member
7	Prof. Rajiv Kumar Sinha Head of Deptt. of History T.M. Bhagalpur University Bhagalpur (Bihar)	Member
8	Prof. Amarjiva Lochan Associate Professor Ancient Indian History & Culture	Member

	(Shivaji College) University of Delhi Delhi- 110007	
9	Prof. D.D. Chaturvedi Prof. in Sanskrit CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
10	Prof. Tashi Tesiring (S) Prof. In Sakya CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
11	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-Member Secretary

APPENDIX-IV

LIST OF MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL AS ON 31.03.2022

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Prof. Geshe N. Samten Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Geshe Dorjee Damdul Director, Tibet House, New Delhi-110003.	Member
3.	Prof. Lallan Mishra Professor Emeritus BHU, Varanasi.	Member
4.	Prof. Mukul Raj Mehta Deptt. of Philosophy & Religion BHU, Varanasi.	Member
5.	Prof. Ajai Pratap Singh Faculty of Social Sciences, BHU, Varanasi-221005.	Member
6.	Prof. Lalji Shrawak Department of Pali & Buddhist Studies BHU, Varanasi.	Member
7.	Prof. J.S. Tripathi Department of Kaya Chikitsha BHU, Varanasi.	Member
8.	Prof. Lobsang Tenzin CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
9.	Prof. W.D. Negi Dean, Faculty of Hetu & Adhyatma Vidya CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
10.	Prof. U.C. Singh Dean, Faculty of Adhunik Vidya CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member

11.	Prof. D.D. Chaturvedi Dean, Faculty of Shabda Vidya CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
12.	Prof. Tashi Tsering (S) Head, Deptt. of Sampradaya Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
13.	Prof. Jampa Samten CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
14.	Ven. G.L.L. Wangchuk CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
15.	Dr. Tashi Dawa Head, Deptt. of Sowa Rigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
16.	Ven. Lhakpa Tsering Head, Deptt. of Tib. Languages & Literature CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
17.	Dr. Jampa Chophel Head, Deptt. of Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
18.	Shri Jigme CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
19.	Ven. Tenzin Norbu Head, Deptt. of Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
20.	Dr. R. C. Negi Associate Professor in Kargyud Samp. CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
21.	Ven. G. T. Chogdan Head, Department in Bon Samp. CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
22.	Dr. Urgyen Assistant Professor in Tib. History CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member

23.	Dr. Tashi Tsering (J) Associate Professor in Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
24.	Dr. Dorjee Damdul Department of Sowarigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
25.	Dr. Mahesh Sharma CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member
26.	Dr. Himanshu Pandey Registrar (Add. Charge) CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Non-Member Secretary

APPENDIX-V

LIST OF MEMBERS OF THE FINANCE COMMITTEE AS ON 31.03.2022

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi	Chairman
2	Director/Dy. Fin. Adv. (IFD) Ministry of Culture, GOI Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3	Representative BTI Section, Ministry of Culture, GOI II Floor, D-Block, Purattattva Bhavan, GPO Complex, INA New Delhi – 23	Member
4	Dr. S. P. Mathur, Registrar, IIT BHU, BHU, Lanka, Varanasi – 221005	Member
5	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member Secretary

APPENDIX-VI

LIST OF MEMBERS OF THE PLANNING & MONITORING BOARD AS ON 31.03.2022

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice-Chancellor, CUTS, Sarnath, Varanasi-221007	Chairman
2.	Joint Secretary Government of India Ministry of culture, Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3.	Financial Adviser Ministry of Culture Shastri Bhavan, New Delhi	Member
4.	Prof. L. Tenzin CUTS, Sarnath, Varnasi-221007	Member
5.	Prof. Baidyanath Labh Vice-Chancellor, NNM Nalanda, (Bihar)	Member
6.	Prof. Bjuvan Chandel Centre of Civilization Studies New Delhi	Member

APPENDIX-VII

LIST OF MEMBERS OF THE PUBLICATION COMMITTEE AS ON 31.03.2022

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
3.	Prof. Lobsang Tenzin CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
4.	Prof. Pradyumna Dubey B.H.U., Varanasi.	Member
5.	Prof. P. P. Gokhale CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
6.	Prof. R. K. Dwivedi S.S.U., Varanasi.	Member
7.	Librarian Shantarakshita Library, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
8.	Editor Translation Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
9.	Editor Restoration Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
10.	Shri Sangay Tender Head Tibetan Publication, LTWA, Dharamsala, H.P.	Member
11.	Publication In-charge CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member Secretary

भोट विद्या संस्थानम्

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
Central Institute of Higher Tibetan Studies

(Deemed University)
SARNATH, VARANASI-221007
Tel. No. : 0542-2585148, Fax No. : 0542-2585150
E-mail : registraroffice.cuts@gmail.com

Published by
The Registrar, Central Institute of Higher Tibetan Studies
Sarnath, Varanasi

Printed by
Sattanam Printers
Pandeypur, Varanasi